

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं0 10]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 7, 1981 (फाल्गुन 16, 1902)

No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 7, 1981 (PHALGUNA 16, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III--वाच्य 1 [PART III--SECTION 1]

्वच न्यायालयों, नियम्बक और महालेखायरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संखग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

केन्द्रीय संतर्कता आयोग नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1981

सं० 9 ग्रार० सी० टी० 21— केन्द्रीय सतर्कता भ्रायुक्त एतद्द्वारा श्री मांगे लाल, स्थायी सहायक को केन्द्रीय सतर्कता भ्रायोग में 14-1-81 से 13-4-81 तक या भ्रगले भादेश तक स्थानापन्न रूप से भ्रनुभाग भ्रधिकारी मियुक्त करते हैं।

सं० 10 ग्रार० सी० टी० 3 केन्द्रीय सतर्कता भ्रायुक्त एतद द्वारा श्री जे० सी० रोहेला, कार्यपालक अभियन्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को केन्द्रीय सर्तकता भ्रायोग में दिनांक 30-1-81 (पूर्वाह्म) से भ्रगले भ्रादेश तक स्थानापम्न रूप से तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होसा, श्रवर संचिव कृते केन्द्रीय सनकेता श्रायुक्त गृष्ठ मंद्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय झन्वेषण भ्यूरो

नई दल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1981

सं० ए०-22013/3/81-प्रणा०-5—इस कार्यालय की मिधसूचना सं० ए०-19036/19/79-प्रणा०-5, विनांक 4-1-1980,
ए०-19036/5/79-प्रणा०-5, दिनांक 21-12-1976, तथा
ए० 19036/1/80 प्रणासन-5, दिनांक 12-2-1980 के
ग्राणिक संगोधन में, निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो
एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना भपने
प्रसाद से निम्नलिखित निरीक्षकों को उनके नाम के सामने
दी गई तिथि से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय धन्वेषण
ब्यूरो में तदर्थ बाधार पर स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के
रूप में प्रोन्नत करते हैं:—

| नाम                                       |   | प्रोन्नति की तिथि                 |  |  |
|---|---|-----------------------------------|--|--|
| सर्वश्री                                  |   |                                   |  |  |
| ो. एस० ग्रार० विश्नोई                     |   | 28-11-1979 (पूर्वाह्म)            |  |  |
| 2. के० बी० सिह                            |   | 30-11-1979 (पूर्वाञ्च)            |  |  |
| 3. <b>श्</b> स० कृमार                     |   | 17-12-1979 (पूर्वाह्न)            |  |  |
| 4. एम० एन० माणुर                          |   | 28-11-1979 (पूर्वाह्म)            |  |  |
| <ol> <li>श्राह० एस० प्रसाद</li> </ol>     |   | 28-11-1979 (पूर्वाह्म)            |  |  |
| <ol> <li>मदिव चन्द्र .</li> </ol>         | , | 30-11-1979 (प्रपराह्म)            |  |  |
| <ol> <li>के० एन० सि<b>वा</b>री</li> </ol> | ٠ | 28-11-1979 (भ्रपराह्म)            |  |  |
| <ol><li>एस० एन० तियारी</li></ol>          | ÷ | 27-11-1979 (पूर्वाञ्च)            |  |  |
| 9. भाई० एस० मरोहा                         |   | 12-12-1979 (पूर्वाह्र)            |  |  |
| 10. एम० के० झा .                          |   | 30-11-1979 (पूर्वाह्स)            |  |  |
| 11. <b>चन्दन सिंह</b> .                   |   | 28-11-1979 (पूर्वाह्र)            |  |  |
| 12. वेद प्रकाश .                          | • | 28-11-1979 (पूर्वाह्न)            |  |  |
| 13. वी०के०बोरा .                          |   | 3-12-1979 (पूर्वाह्न)             |  |  |
| 14. जय स <del>्पर्दश</del> .              | • | 28-11-1979 (पूर्वाह्न)            |  |  |
| 15. एम० <del>मंनाबेसू</del> .             | • | 16-1-1980 <del>(यूर्वाह्म</del> ) |  |  |
| 16. एम० सी० शर्मा                         |   | 30-11-1979 (पूर्वाह्म)            |  |  |
| 17. बी० एम० पण्डित                        |   | 27-11-1979 (बन्साह्न)             |  |  |
| 18. नारायण् झा                            | • | 17-12-1679 (पूर्वास्त्र)          |  |  |
| 19. बौ०सी० भटनागर                         | • | 28-11-1979 (पूर्वाञ्च)            |  |  |
| 20. ए० के० श्रीवास्तव                     |   | 28-11-1979 (पूर्वीह्र)            |  |  |

की० सा० ग्रोबर प्रशासनिक मधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भ्रत्वेषण स्यूरो

# महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बस

नई बिल्ली-110022, दिनांक 10 फरवरी 1981

सं० घो० दो० 1464/80-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल ने डा० के० गनेने शेखरत को 24-1-1981 पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिये प्रथक्षा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तुदर्थ कृप में नियुक्त किया है।

ए० के० सूरी सहायक निवेशक (स्थापना)

# भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 फरवरी 1981

सं० 11/2/80-प्रणा०-1---राष्ट्रपति बिहार सिविस सेवा के ग्रिधिकारी श्रीर बिहार, पटना में अन्यस्थाना कार्य निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर उप-निवेशक के पद पर कार्यरत श्री जितेन्द्र कुमार सिंह की, तक्ररीचा 10-1-81 को भागलपुर में हुई मृत्यु की, दुख के साथ बोक्षणा करते हैं।

### दिनांक 12 फरवरी 1981

सं० 11/37/80-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, तमिलनाडु, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेपक के पद पर कार्यरत श्री जे० थोमस मकाडो को उसी कार्यालय में तारीख 20 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्न से तीन महीने की अविध के लिए या जब तक पद निविन्त श्राधार पर करा जाए, जो भी सब्धि बहुने हो पूर्णतः बरवानी रूप से सदर्व श्राधार पर सहायक निवेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

# 2. श्री मकाडो का मुख्यालय मद्रास में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री मकाडो को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर मियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर सहायक मियेकक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता ग्रौर ग्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी आएंगी। उपरोक्त पद पर सदर्थ नियुक्ति, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बसाए रह की जा सकती है।

्पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

# मुद्रण निवेशालय

नई दिल्ली-11, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० बी० (46) प्रशान-II मुद्रण निवेशक ने श्री मोहिन्द्र नाथ डोगरा को भारत सरकार मृद्रणालय, रिंग रोड नई दिल्ली में सहायक प्रबंधक (प्रशासन) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रोज-35-880-40-1000-द० रोज-40-1200 के वेतनमान में 28 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्र से श्राले शादेक होने तक नियुक्त किया है।

सु० सू० प्रकाश राय संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

# भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

# भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्याक्रव

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 फरवरी 1981

सं० 5-वा० ले० प०/66-80---- प्रपर उपनियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०) निम्नलिखित प्रनुभाग प्रधिकारियों (वाणिव्यक) पदोक्षत करके लेखापरीक्षा प्रधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं और प्रागे घादेश दिये जाने ्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं।

| क्रम ० सं०      | भ्रनुभाग श्रक्षिकारी<br>(वाणिज्यिक का नाम) | कार्यालय जहां पदोन्नति से<br>पहले कार्यरत थे <sub>,</sub> ।                      | कार्यालय जहां पदोन्नति के<br>बाद लेखापरीक्षा श्रधिकारी<br>(वा०)के रूप में तैनात कियै<br>गये। | ले०प० (वा०) के रूप में<br>सैनाती की तारीख |
|-----------------|--|--|--|---|
| सर्वेश्री       | t  |  |  | · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·     |
| 1. जे० प        | ी० प्रग्रवाल                               | महालेखाकार राज <b>स्था</b> न   | महानेखाकार, हिमाचल प्रदेश<br>तथा चण्डीगढ़ शिमसा ।  | 28-6-80 (भ्रपराङ्ग)                       |
| 2. पी०ए         | एन० बाजपेसी                                | महालेखाकार-II, बिहार,<br>पटना।   | <b>महा</b> मेखाकार- $\mathbf{I}^{\mathbf{I}}$ ्विहार,<br>पटना ।                              | 16-7-80                                   |
| 3. <b>श्रमल</b> | कुमार घोषास                                | सक्स्य लेखापरीक्षा बोर्ड<br>एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक<br>लेखापरीक्षा, कलकत्ता    | सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं<br>पर्वेन निवेशक बाणिज्यिक<br>लेखापरीक्षा, कलकत्ता               | 11-7-80                                   |
| 4. कें०औ        | ि एस० मणी                                  | सवस्य लेखापरीक्षा <b>कोई एवं</b><br>पदेन निदेशक वाणिज्यिक<br>लेखापरीक्षा, मद्रास | महालेखाकार, पश्चिमी<br>बंगास-II, कलकत्ता   | 27-6-80                                   |
| 5. एम०ए         | र्स० रामकृष्णन                             | महा <b>लेखा</b> कार , केरल,<br><del>क्रियेंक्रम</del>                            | निदेशक (वै०व०षा०वि०),<br><del>बम्बई</del>  | 30-6-80                                   |

पं०रा० सीमेश्वररावु उपनिदेशक (वा०)

कार्यालय, निवेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य

नई विल्ली-2, दिनांक 17 फरवरी 1981

सं० प्रशा०-1/का० धादेश/5-8/77-81/471—निदेशक लेखा परीक्षा ने मूल नियम मूल 30(I) के परन्तुक 2 के अन्तर्गत इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री जी० सी० जैन (इस समय भारत हैंबी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेंड में प्रतिनियुक्ति पर) को लेखा परीक्षा अधिकारी के पवकम में 840-1200 रु० के समय वेतनमाण में पूर्व-ध्यापी प्रभाव से आगे भादेश होने तक 29-9-1980 (पूर्वाल) से प्रोफार्मा पदोक्सत का आदेश विका है।

विष्णु सहाथ संयुक्त निवेशक लेखा परीक्षा (प्रशा०) कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान जयपुर, दिनांक 11 फरवरी 1981

सं० प्रमा०-11/राजपन्न प्रधिसूचना/1818- महालेखाकार राजस्थाम ने निम्मलिखित प्रनुभाग प्रधिकारियों को पदोन्नत करके उनके प्रागे दिये दिमांक से प्रप्रेतर प्रादेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है:--

### सर्वश्री

| 1. सूरण किशन कन्टू                   |   | 22-12-80  | (पूर्वाह्म) |
|--------------------------------------|---|-----------|-------------|
| 2. एम० एस० बतरा (प्रोफाम             | f |           |             |
| प्रमोशन) .                           |   | 22-12-80  | (पूर्वाह्म) |
| <ol> <li>सीता राम भागंव ,</li> </ol> | - | 31-12-80, | (पूर्वाञ्च) |
| 4. जगदीश राय टन्डन                   |   | 20-1-81   | (धपराह्य)   |

### दिनांक 16 फरवरी 1981

सं० प्रशा०-II /राजपक्ष घिष्म्चना/1859 महालेखाकार राजस्थान ने श्री यशपाल कपूर प्रवर श्रनुभाग श्रिष्ठकारी को पदोक्षत करके दिनांक 23-1-81 (श्रपराह्न) से श्रग्नेतर श्रादेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखांघिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

> जी० सी० श्रीवास्तव, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

# कार्यालय, महालेखाकार कर्नाटक बंगलीर, दिनांक 9 जनवरी 1981

सं० स्था०-I/ए० 4/80-81/1079—महालेखाकार, इस कार्यालय के श्री बी० जी० कृष्णन, स्थायी श्रनुभाग श्रीध-कारी की, उसके वरिष्ठों के विना प्रतिकृत प्रभाव डाले, श्रगले श्रादेश जारी होने तक, लेखा श्रीधकारी पंद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से केवल श्रस्थायी रूप में पदोन्नत करते हैं।

बी० ग्र० महाजन वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन) रक्षा लेखा विभाग कायिलय रक्षा लेखा नियंत्रक मेरठ, दिनांक 7 फरवरी 1981

सं अगा । /1/1112-टर्म केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थायी) सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसरण में मैं इस श्रधसूचना के द्वारा श्री चुन्नी लाल, अस्थायी फर्राय जो रक्षा लेखा नियन्तक, मध्य कमान, मेरठ के कार्यालय में कार्यरत है, को नोटिस देता हूं कि उनकी सेवाएं इस नोटिस-प्रकाशन-तिथि या इसकी प्राप्ति की तिथि के एक माह बाद की तिथि से समाप्त समझी जाएंगी।

बी० एन० रल्लन रक्षा लेखानियंक्षक

# कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली-110022, दिनांक 4 फरवरी 1981

सं० प्रशा०/1/181915/जिल्सू-I—58 वर्ष की स्रायु प्राप्त कर लेने मर, निम्नलिखित स्रधिकारीगण, प्रत्येक के नाम के सामने दिखाई गई तिथियों से पेंशन स्थापना को स्रन्तरित कर दिये जाएंगे धौर तदनुसार उसी तारीख से रक्षा विभाग के संख्याबल से हटा दिये जाएंगे।

| क्रम०सं० नाम  |     | जन्म तिथि | पेशन स्थापना को फ्रन्तरण<br>की तिथि फ्रीर रक्षा<br>लेखा विभाम के संख्या-<br>बल से हटाए आने |
|---|-----|-----------|--|
|   |     |           | बल से हटाए आने<br>की तिथि।   |
| <ol> <li>श्री के० नटराजन, भाई०डी०ए०एस०</li> </ol>                     | . , | 03-5-23   | 30-6-81 (ग्रपराह्न)  |
| <ol> <li>श्री टी० एस० कस्याणारमन, श्राई०डी०ए० एस०</li> </ol>          |     | 05-6-23   | 30-6- <b>81 (प्रपराह्न)</b>  |
| <ol> <li>श्री एम० वी० नारायण स्वामी ले० ग्रधि०/र०ले०स० नि०</li> </ol> |     | 15-6-23   | 30-6-81 (ग्रपराह्म)  |

स॰ ना॰ चट्टोपाध्याय, रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (प्रशासन)

# रक्षा मंत्रालय डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा ग्राडनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता 700069, दिनांक 6 फरवरी 1981

सं 3/81/ए । ह ०- I (एन ० जी ०) --- महानिदेशक, भ्रार्डनेंस फक्टरियां महोदय, निम्नलिखित भ्रधिकारियों को वरिष्ठता पर बिना प्रभाव हुए प्रत्येक के सामने दर्शाए गए प्रनुसार सहायक स्टाफ अफसर को वर्तमान रिक्तियों में प्रोन्नत करते हैं :--श्री संतोष कुमार दास ए० एस० मो० (तदर्थ) स्थानापम्न 1-1-81 से मग्रिम मादेश न होने तक। ए० एस० घो० श्रीमती स्मृति कण सेनगुप्ता स्थानापम 1-1-81 से श्रविम श्रादेश ए० एस० भ्रो० (तदर्थ) न होने तक। ए० एस० भो० स्थापनापन्न 1-1-81 से ऋग्रिम श्रादेश श्री देवव्रत राय. ए० एस० म्रो० (तदर्थ) न होने तक। ए० एस० मो०

उपर्युक्त सभी अधिकारी अपनी प्रौन्नति की तारीख से दो वर्षों के लिए परखाविध पर रहेंगे।

### दिसांक 7 फरवरी 1981.

सं० 2/81/ए/ई०-I—वार्धक्य निवृत्ति भ्रायु प्राप्त कर श्री लक्ष्मी नारायण सामंत, मौलिक एवं स्थायी सहायक/स्थानापभ्र सहायक स्टाफ भ्रफसर दिनांक 31-1-81 से सेवा निवृत्त हुए।

> डी० पी० चक्रवर्ती सहायक महानिदेशक/प्रशासन कृते महानिदेशक, ग्रार्जनेंस फैक्टरियां

कलकता-16, दिनांक 6 फरवरी 1981

सं० 2/81/जी---बार्धक्य निवृत्ति म्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री बी० बी० विस्वास, स्थानापन्न स्टाफ म्रधिकारी (मौलिक एवं स्थायी ए० एस० श्रो०) तारीख 31 जनवरी, 1981 (म्रपराङ्ग) से सेवा निवृत्त हुए।

वी० के० मेहता सहायक महानिदेशक भ्रार्डनेंस फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक म्रायात-नियति का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1981 म्रायात एवं नियति व्यापार नियंत्रण

भ्रीयात एवं नियंत्रण (स्थापना)

सं० 1/2/81-प्रशा० (राज)/1024---राष्ट्रपति, श्री शंकर चन्द, केन्द्रीय सिवालय सेवा के प्रमुभाग प्रधिकारी वर्ग के स्थायी प्रधिकारी छौर नियंत्रक, श्रायात-निर्यात की इस कार्यालय में 9 विसम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से 3 मास की घविष्ठ के लिए, उसी सेवा के वर्ग 1 में ग्रौर उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. केन्द्रीय सिंधवालय सेवा के वर्ग 1 में झौर उप-मुख्य नियंत्रक, झायात-निर्यात के रूप में श्री शंकर चंद की उपर्युक्त नियुक्त इस संबंध में उच्चतम न्यायालय झौर दिल्ली उच्च न्यायालय में रिट याचिका पर निलम्बित निर्णय के झधीन है जिसमें श्री थामस मैथ्यू झौर 2 झन्य बनाम भारत संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में प्रस्तुत की गई 1980 की सिविल रिट याचिका सं० 511 भी शामिल है।

जे० पी० शर्मा उप-मुख्य नियंत्रक, घायात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

# इस्पात भीर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकसा-700016, दिनांक 7 फरवरी 1981

सं० 515वी/ए०-19012(3-टी०के० बी०)/80-19 बी—श्री तपन कमार बंधोपाध्याय को सहायक रसायनक के रूप में भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 ६० प्रतिमाह के न्यूमतम बतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के बेतनमान में, स्थानापक क्षमता में, श्रागामी धावेश होने तक 17-12-1980 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

# दिनांक 13 फरवरी 1981

सं० 731बी/ए०-19012(2-एस० ए०)/71-79/19बी---भारतीय भूवैक्वानिक सबेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद् (उप-करण) श्री शिवदास श्रध्या द्वारा दिनांक 18-6-1979 के पूर्वाह्न से दिये गये त्यांग-पन्न को स्वीकार किया गया।

सं० 745बी/ए०-19012(3-एस० ए०)/80-19बी--कु० सुषमा अग्रवाल को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 ६० प्रतिमाह के न्यूनतम बेतन पर 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, भागामी मादेश होने तक 1-12-1980 के पूर्वाल से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० क्रुष्णा स्वामी महानिवेशक

### राष्ट्रीय भ्रभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 फरवरी 1981

सं० पत्न II/9/80(ए०-1) इसट—संघ लोक सेवा भायोग की सिफारिश पर भ्रभिलेख निदेशक भारत सरकार इसके द्वारा श्री एन० पी० शर्मा को दिनांक 31 जनवरी 1981 (पूर्वाह्म) से झागामी भादेश पर्यन्त भस्यायी झाधार पर पुरालेखाधिकारी (सामान्य) द्वितीय वर्ग राजपन्नित नियुक्त करते हैं।

संव II/9/80-(ए०-1) इसट—संघ लोक सेवा धायोग की सिफारिश पर प्रभिलेख निदेशक, भारत सरकार इसके द्वारा श्री जयन्तीदास को दिनांक 31 जनवरी 1981 (पूर्वास्त्र) से धागमी धादेश पर्यंन्त नियमित प्रस्थायी धाधार पर पुरालेखाधिकारी (सामान्य) द्वितीय वर्ग राजपन्नित नियुक्त करते हैं।

भीम सैन कालड़ा कृते ग्रमिलेख निदेशक

## भारतीय प्राणि सर्वेकन .

## कलकत्ता-12, दिनांक 16 फरवरी 1981

सं० एफ० 92-1/81-स्था०/1990 श्री चपल शंकर राय को, सङ्ग्यक प्रांग विज्ञाणी (ग्रुप बी) के पद पर 650 रु० से 1200 रु० के वेतनमान में श्रस्थायी माधार पर, भारतीय प्राण सर्वेक्षण के कलकत्ता स्थित प्रधान कार्यालय में 28 जनवरी, 1981 (पूर्वाह्म) से भागामी भादेगों तक नियुक्त किया जा रहा है।

डा० के० के० तिवारी निदेशक भारतीय प्राणि सर्वे**क्ष**ण

### श्राभाशकाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1981

सं० 2/65/60-एत० दो---महानिदेशालय आकाशवाणी एतद्वारा श्री बी० एम० मदनानी प्रशासनिक अधिकारी आकाश-वाणी जलगांव 27-1-81 (पूर्वाक्ष) से दूरवर्शन केन्द्र हैदराबाद में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करतें हैं।

> एस० वी० सेषादी उपनिदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक

# भारत का भ्रठाईसवां राष्ट्रीय फिल्म समारोह 1981

## सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

समारोह का श्रायोजन फिल्म समारोह निदेशालय, सूचना ग्रीर प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा किया जा रहा है ।

#### विनिधमावली

उद्देश्य

 समारोह का उद्देष्य उत्कृष्ट सौन्दर्यबोध वाली तथा सामांजिक महत्व की फिल्मों के निर्माण को प्रोत्साहन देना ; विभिन्न क्षेत्रों को फिल्म संस्कृतियों के बोध एवं विवेचन में योगदान देना तथा; राष्ट्र की एकता एवं श्रखंडता को बढ़ावा देना है ।

#### पास्रसा

2. भारत में निर्मित कोई भी फिल्म, जोकि 1980 में केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड के पास प्रमाण के लिए प्राप्त हुई हो ग्रीर 31 जनवरी, 1981 से पहले जो प्रमाणित हो चुकी हो, इस प्रतियोगिता में भाग ले सकती है। भारत सरकार द्वारा मान्य फिल्म संस्थान, में 1980 में निर्मित कोई भी फिल्म, सेंसर, प्रमाणक के साथ या प्रमाणक के बगैर भी, भाग ले सकती है। परन्तु, सार्बजनिक प्रदर्शन के

लिए, संस्थान द्वारा निर्मित फिल्मिं सेंसर कराए बगैर नहीं दिखायी जा सकेंगी।

- 3. प्रिकिट के लिए भेजी गई लिएमें 35 मि॰ मी॰ या 16 मि॰ मी॰ की होनी चाहिए । लम्बु फिल्मों की लम्बाई साधारणतः 35 मि॰ मी॰ के लिए 1000. मीटर श्रीर 16 मि॰ मी॰ के लिए 400 मीटर से प्रधिक नहीं होनी चाहिए।
- 4 समारोह में सरकारी विश्वका, सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान, निजी-निर्माता श्रौर निर्माता कम्पनियां फिल्में भेज सकती हैं।

### प्रवेश-पत

5. भाग लेमें वालों से यह मनुरोध है कि संलग्न प्रवेश पक्ष, दो प्रतियों में पूरा भर दें। यह पक्ष हर हालत में पूरे ब्यौरे के साथ भरकर 15 मार्च, 1981 तक फिल्म समारोह निदेशालय में पहुंच जाना चाहिए।

## कथासार, स्क्रिप्ट ग्रावि

- 6. फिल्म समारोह में प्रविष्ट कथाचित्र तथा लघु फिल्म से संबंधित निम्नलिखित सामग्री प्रवेश पत्न के साथ निदेशालय में 15 मार्घ, 1981 तक पहुंच जानी चाहिए: कथा चित्र
  - (1) अंग्रेजी में कथासार की 40 प्रतियां,
  - (2) फिल्म की मूल भक्ष्या में संवस्द की 5 प्रतियां तथा श्रंगेजी में श्रनुवादित संवाद की 5 प्रतियां।
  - (3) निर्माता, निद्याम, पटकथा लेखक, मुख्य कलाकार, छायाकार, ध्वनि ध्रालेखक, सम्पायक, कला निर्वेशक, संगीत निर्वेशक तथा पार्क गायकों की संक्षिप्त अधिमियों तथा हुरेक के दो-दो लिख।
  - (4) 6 पोस्टर एवं स्टिल विक्रों के छः सैट्सा। सघ
  - (1) 15 प्रतियां मूलभाषा में कमेन्टरी के साथ तथा 15 प्रतिकां ग्रंग्रेजी में प्रतृशाद सहित।
  - (2) निर्माता, निर्देशक, एनीमेटर (कार्ट्स फिल्म के लिए) छायाकार (न्यूजरींल के लिए) की संक्षिरत जीवनिया, दोन्दो चिन्न सहिता।

## प्रवेश शुस्क

7. 35 मि० मी० काली 1,000 मीटर सभा 10 मि० मी० वाली 400 मीटर से प्रक्षिक लम्बी फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 100 रुपये ग्रीक उससे कम लम्बाई की फिल्मों की प्रत्येक प्रविष्टि के साथ 50 रुपये प्रवेश शुल्क भेजना होगा। प्रवेश शुल्क की राशि सहायक निवेशक, फिल्म

समारोह निदेखालमः; वह विक्ती के नाम डिमान्ड इप्पट् इस्या फेबी जानी है जो स्टेट बैंक आफ इंडिया, रेल भवन, नई दिल्ली को देय हो । णुल्क बापस नहीं किया जाएगा ।

### प्रिन्ट

8. मिल्मों के फ्रिन्ट 15 मार्च, 1981 तक फिल्म समारोह निदेशालय में अवस्य पहुंच जाने चाहिए। फिल्म भेजने का क्यौरा जिसमें फिल्म का शोर्षक, रीलों की संख्या इत्यादि का उल्लेख ो, निदेशालय को तार द्वारा तुरंत सूचित करें ताकि उसकी निकासी सुनिश्चित हो सके।

## क्रिमीयक सम्बद्धल

- 9. सरकार द्वारा दो निर्णायक मंडल गठित किए जाएंगे—एक कथा चित्रों के लिए एवं दूसरा संधु फिल्मों के सिए।
- 10. कथा चिल्लों के लिए निर्धायक मंडल में एक ग्रध्यक्ष होचा और लिनेमा, कच संबद्ध कलाग्रों ग्रीर बानवासस्त्र के कोक में विशिष्टता रखने वाले ग्राधिक से क्षिक 24 सबस्य होंगे जिनमें किल्मों के कलात्मक ग्रीर तिकनीकी गुण-दोष प्रस्था की वोष्यता हो ।
- 11 प्रश्नक्ष, श्रम्भी इच्छानुसार, विभिन्न भाषात्रों के कथाविकों एवं बाल फिल्मों की परख के लिए कथाविकों के लिए भिण्नियक्षमंद्रल के सदस्यों में से पंजन बिठत कर सकता है। प्रत्येक पैनल, श्रेष्ठता कम का उच्लेख किए वर्गरा प्रस्थेक भाषा में पुरस्कार के लिए उचयुक्त कार्या गई प्रधिक से प्रधिक तीन फिल्मों की क्रिकारिक कहेका । लेकिन पैनल निर्णायक्रमंडल के विचारार्थ बिनियम 19(1)(VI) से (XVI) के अन्तर्गत किसी व्यक्ति विशेष की उपलब्धियों को पुरस्कृत करने के लिए सिफारिशें करने को स्वतन्त्र है।
- 12. तब कथा चित्रों के लिए निर्णायकमंडल पैनल हारा सिफारिण की गई सभी फिल्मों को देखेगा तथा नियम 19(1) के श्वास्तर्गत हिंदिभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों के लिए निर्धाय लेगा।
- 13. निर्णायकमंडल सर्वप्रथम सर्वोत्तम किथाचिल, वितीय सर्वोत्तम कथाचित, राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित्र, निर्देशक की सर्वोत्तम पहली फिल्म ग्रौर सर्वोत्तम बाल फिल्म के लिए पुरस्कार विजेताग्रों का जयन करेगा। जो किल्में इन पुरस्कारों के लिए चुनी जाएंगी वे नियम 19(1) (XVIII) के ग्रन्तगंत प्रत्येक प्रादेशिक भाषा में सर्वोत्तम कथाचिल्ल को दिए जाने वाले पुरस्कार के लिए पान नहीं होगी।
- 14. लुघु चिन्नों के लिए निर्णावकमंडल में एक श्रध्यक्ष होगा और श्रधिक से श्रिष्ठिक तीन सदस्य होंगे जो

- सिनेमा के श्रीक में विकास हों, और एक सदस्य जी मानवाहास्त के भीत में विख्यात हों। यह निर्णावकांडल विविद्यम 19(H) के अन्तर्गत आने वाली श्रेणियों के लिए पुरस्कारों की सिफारिश करेगी।
- 15. राष्ट्रीय जिल्म सम्बरोह में सम्मिलित किसी भी फिल्म से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सम्बन्ध रखने वाला व्यक्ति, कथाचित्रों के लिए निर्णायक-मंडल ग्रीर लघु फिल्मों के लिए निर्णायकमंडल का, जो भी हो, सदस्य नहीं हो सकेगा।
- 16. निर्णीयकमंडल फिल्मों को परखने हेसु अपनी प्रक्रिया स्वयं निर्धारित करेगा। दोनों निर्णायक मंडलों का "कोरम" मनोनीत सदस्यों की संख्या के आधे से कम नहीं होगा।
- 17. दोनों निर्णायकमंडल अपने विवेक से यह सिफारिश कर सकेंगे कि किसी विशिष्ट श्रेणी में पुरस्कार नहीं दिया जाए, अगर उन्हें लगे कि प्रविष्ट फिल्म समित स्तर की नहीं है।
- 18. निदेशक, फिल्म समारोह निदेशालय या उनके द्वारा मनोनीत कोई भी व्यक्ति राष्ट्रीय फिल्म समारोह योजना के बारे में ग्रावश्यक जानकारी धौर स्पष्टीकरण देने हेतु दोनों निर्णायक मंडलों की बैठकों में भाग ने सकता है।

### पुरस्कार

19. राष्ट्रीय फिल्म समारोह में शामिल प्रतियोगी फिल्मों को निम्नलिखित पुरस्कार दिए जा सकते हैं:

### (1) कथा चिन्न

- 1. सर्वोत्तम कथा चित्र : निर्माता को स्वर्ण कमल श्रोर 50,000/-रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देशक को स्वर्ण कमल श्रीर 25,000/- रुपये नकद पुरस्कार,
  - द्वितीय सर्वोत्तम कथाधिव :
     तिर्माता को रजत कमल और 30,000/ रुपये का नकद पुरस्कार, निर्देणक को
     रजत कमल और 15,000/- रुपये
     नकद पुरस्कार,
  - 3. राष्ट्रीय एकता पर सर्वोत्तम कथाचित्र :
    निर्माता को रजत कमल श्रीर 30,000/रुपय का नकद पुरस्कार, निर्देशक को
    रजस कमल श्रीर 15,000/- रुपय
    का नकद पुरस्कार। (यह पुरस्कार न
    केथल उन फिल्मों के लिए दिए जाएंगे
    जिन्हें साम्प्रदाखिक संद्रभ व का दिवण
    हो बन्क उन फिल्मों के लिए भी

दिए आरएंगे जिनमें दक्षित वर्गों के उत्पान, विभिन्न क्षेत्रों के बीच एकता की भावना श्रादि को दिखाया गया है।

- 4. निर्देशक की पहली सर्वोसम फिल्म : निर्देशक को रजत कमल और 10,000/-रुपये का नकद पुरस्कार।
- 5. सर्वोत्तम वाल फिल्म : निर्माता को स्वर्ण कमल और 20,000/-रुपये का नकद पुरस्कार निर्देशक को रजत कमल और 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार।
- सर्वोत्तम निर्देशन :
   निर्देशक को रजत कमल और 20,000/ स्पर्य का नकद पुरस्कार
- सर्वोत्तम पटकथा :
   पटकथा लेखक को रजत कमल और
   10,000/- ६पये का नकद पुरस्कार,
- 8. सर्वोत्तम भ्रभिनय :
  - (क) ग्रभिनेता को रजत कमल ग्रौर 10,000/- ६० का नकद पुरस्कार
  - (ख) श्राभिनेती को रजत कमल श्रौर 10,000/- ६० का नकव पुरस्कार
  - (ग) बाल ग्रिभिनेता या ग्रिभिनेसी को (जिसकी ग्रायु 14 वर्ष से ग्रिधिक न हो) को रजत कमल ग्रीर 5,000/- इ० का नकद पुरस्कार
- सर्वोत्तम छायांकन (रंगीन)
   कैमरामैन को रजत कमल धौर 10,000/ क० का नकद पुरस्कार
- 10. सर्वोत्तमः छायांकन (सादी) कमरामैन को रजत कमल ग्रौर 10,000/-रु० का नकद पुरस्कार
- 11. सर्वोत्तम ध्वनि प्रालेखन : ध्वनि प्रालेखक या प्रालेखकों को रजत कमल प्रौर 7,500/- रुपये का नकद पुरस्कार
- 12. सर्वोत्तम सम्पादन : सम्पादक को रजत कमल झौर 7,500/-रुपये का नकद पुरस्कार।
- 13. सर्वोत्तम कला निर्देशन : कला निर्देशक को रजत कमल श्रीर 7,500/-रुपये का नकद पुरस्कार
- 14. सर्वोत्तम संगीत निर्देशक : संगीत निर्देशक को रजत कमल भीर 10,000/- रुपये का नकद पुरस्कार

- 15. सर्वोत्तम पार्थ्यगायक : पार्थ्यगायक को रजत कमल श्रीर 10,000/-स्पर्य का नकद पुरस्कार
- 16. सर्वोत्तम पार्श्वगाधिका : पार्श्वगाधिका को रजत कमल श्रीर 10,000/- रपये का नकद पुरस्कार
- 17. निर्णीयक मंडल का विशेष पुरस्कार:
  निर्णीयक मंडल ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों
  को, जिसने पहले पुरस्कार प्राप्त नहीं
  किया हो, रजत कमल और 5,000/सपये का नकद पुरस्कार भ्रपने विवेक
  के श्रनुसार दे सकता है जो कि फिल्म
  के किसी महत्वपूर्ण पहलू का जिम्मेदार
  हो।
- 18. प्रत्येक प्रादेशिक भाषा के सर्वोक्तम कथा चिल्ल के लिए पुरस्कार :

  िनम्न लिखित भाषाश्रों में सर्वोक्तम निर्मित कथा चिल्ल के निर्माता को रजत कमल श्रौर 15,000/- रुपये का नकद पुरस्कार श्रौर निर्वेशक को रजत कमल श्रौर 7,500/- रुपये का नकद पुरस्कार—हिन्दी (उर्दू, हिन्दुस्तानी श्रौर भोजपुरी, राजस्थानी तथा मैथिली जैसी बोलियों सहित) मराठी (कोंकणों सहित), गुजराती, पंजाबी, कश्मीरी, सिन्धी, श्रंग्रेजी, बंगला, श्रसमिया, उद्दिया, मणिपुरी, तिमल, तेल्गु, कश्र इ
- (ji) लघु चित्र
  - सर्वेश्वेसम सूचना फिल्म (वृत्त चिल्ल) : निर्माता ग्रीर निर्वेशक को रजत कमल ग्रीर 5,000/- इपये का नकद पुरस्कार प्रत्येक को ।

श्रीर मलयालम ।

- सर्वोत्तम शिक्षाप्रद/ज्ञानवर्धक फिल्म : निर्माता ग्रौर निर्देशक को रजत कमल ग्रौर 5,000- रुपये का नकद पुरस्कार प्रत्येक को ।
- 3. सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (ग्रव्यावसायिक/
  व्यावसायिक):
  (राष्ट्रीय महत्व जैसे राष्ट्रीय एकता,
  सामाजिक, न्याय, सहकारिता, बचत,
  कृषि कार्य सिहत विकास की प्रगतिगीलता धादि विषयों पर सर्वोत्तम
  प्रेरक फिल्म या सर्वोत्तम व्यावसायिक
  विज्ञापन फिल्में) निर्माता और निर्देणक
  को रजत कमल प्रत्येक को।

- 4. सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म : निर्माता ग्रौर निर्देशक को रजत कमल ग्रौर 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार प्रत्येक को ।
- 5. सर्वोत्तम कार्टून फिल्म : निर्माता ग्रीर निर्देशक ग्रीर कार्टूनकार "ऐनिमेटर" को रजत कमल ग्रीर 5,000/- रुपये का नकद्रपुरस्कार प्रत्येक को ।
- 6. सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन : मुर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामन को रजत कमल श्रौर 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार ।
- 7. सर्वोत्तम भारतीय समाचार चित्र : निर्माता को रजत कमल और 5,000/-रुपये का नकद पुरस्कार

### स्पष्टीकरण

- \*पत्पेक श्रेणी में पुरस्कार विजेता से श्रभिप्राय ऋमशः उससे है जिनके नामों का उल्लेख प्रविष्ट किल्म के शीर्पकों में होगा श्रौर श्रन्य कोई भी दोचा दर्ज नहीं किया जाएगा ।
- \*यदि कोई फिल्म विनियम 19(1)(i) से (vi) ग्रीर (xviii) के ग्रन्तर्गत एक से ग्रधिक पुरस्कार पात्ती है तो उसके निर्माता ग्रीर निर्देशक को केन्नल वही एक पुरस्कार दिया जाएगा जिसकी राशि मन्निश्चिक होगी तथापि उसी निर्माता ग्रीर निर्देशक को विश्विभ श्रीणयों में विधिन्न फिल्मों के लिए एक से ग्रधिक पुरस्कार दिए जा सकते हैं। \*कोई एक पुरस्कार एक से ग्रधिक व्यक्ति के पास जाता है तो केवल एक कमल ही दिया जाएगा ग्रीर नकद पुरस्कार को प्राप्तकत्तीं में वराबर-वराबर बांट दिया जाएगा वगर्ते कि विनियम 19 के ग्रफ्तांत क्यवस्था न हो।

# दादा साहेब फाल्के पुरस्कार

20. विनियम 19 में उल्लिखित पुरस्कारों के श्रांतिरिक्त भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में सर्वोद्कृष्ट योगदान के लिए भारत सरकार अपने विवेक से एक विशेष पुरस्कार देगी। यह पुरस्कार एक स्वर्ण कमल्द्र 40,000/- इपये का नकद पुरस्कार ग्रौर एक गौल के रूप में होगा।

# उपशीर्षक (सब-टाईटल)

21. विनियम 19 (1) (i) से (vi) ग्रौर (xviii) के ग्रन्तर्गत पुरस्कार जीतने वाले कथाचित्र के निर्माता को श्रपनी फिल्म के उप-णीर्षक मूल भाषा में किसी भारतीय या विदेशी भाषा में करवाने पर 5,000/- स्पन्न की ग्रतिरिक्त राणि दी जाएगी।

#### यामान्य :

- 22. निदेणालय को यह श्रिधिकार होगा कि वह पुरस्कारों के लिए प्रविष्ट उस फिल्म के एक प्रिंट को जिसे पुरस्कार मिला हो, श्रपने पास रख सकेगा। उस फिल्म को लागत श्रयीत कच्चे माल की लागत श्रीर उसके प्रिरक्करण के खर्चे को प्रतिपृत्ति निर्माता को दो जाएगी बगर्चे कि प्रिंट बिल्कुल नया होगा तथा पुरस्कार की घोषणा के तोन माह के भीतर दे दिया जाए। यदि पुरस्कार घोषणा के तोन माह के भीतर नया प्रिंट निदेशालय को नहीं दिया जाता तो निर्माता को किसी भी प्रकार की प्रतिपृत्ति नहीं दो जाएगी तथा राष्ट्रीय फिल्म समारोह में सम्मिलत प्रिंट की किसो क्षतिपृत्ति के बगैर निदेशालय श्रपने पास रख सकेगा।
- 23. राष्ट्रीय फिल्म समारोह में णामिल फिल्म के निर्माता को उम फिल्म के निर्णायकमंडल या उनके किसो भी नामिका के सामने या निदेणालय द्वारा श्रायोजित सार्व-जनिक प्रदर्शन या किसो विशेष प्रदर्शन पर कोई श्रापत्ति नहीं होगी। यदि इससे कोई श्राय होगी तो वह सरकार के राजस्व खाते में जमा करवाई जाएगी।
- 24. फिल्म श्रोर प्रचार सामग्री के लाने व ले जाने पर जो ुखर्च होगा वह सारा प्रतियोगी को देना होगा।
- 25. पुरस्कारों भौर इन विनियमों को सहि। व्याख्या के संबंध में भारत सरकार के निर्णय भंतिम होंगे भीर उनके विरुद्ध कोई भो भ्रीयोल नहीं की जा सकेगी।
- 26. जो व्यक्ति राष्ट्रोय फिल्म समारोह में भाग लेगा तो यह समझा जाएगा कि उसे ये नियम स्वीकार हैं।
- 27. समारोह में प्रविष्ट फिल्मों के प्रिट, प्रचार सामग्री और उनसे संबंधित सभी पत्नाचार इस पते पर किया जाना चाहिए :

निदेशक,

फिल्म समारोह निदेशालय, लोकनायक भवन, बौथी मंजिल, खान मार्किट, नई दिह्ली—110003

नार का पता : फिल्मोत्सव, नई दिल्ली-110003

28 वां राष्ट्रोय फिल्म ममारोह 1981

#### प्रविष्ट-पत्र

(दो प्रतियों में भरकर : निदेशक, फिल्म समारोह निदेशारूय, मुबना एवं प्रमारण मंत्रालय, चौथों मंजिल, लोकनायक भवन, खान मार्केट, नई दिल्लो-110003 के पाम 15 मार्च, 1981 तक पहुंच जाना चाहिए)

- 1. फिल्म मीर्घकः
- 2. भाषा :

2-486GI/80

3. श्रेण<sub>ें</sub> :

कथाचित्र निर्देशक की पहला फिल्म बाल फिल्म लघु फिल्म

(जो लागून हो उस काट दें। प्रविध्टि के लिए भेजी गई लघु फिल्म के बारे में इस बात का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए कि लघु फिल्म विनियम 19 (II) के प्रन्तर्गत किस श्रेणः के लिए भेजी गई है)

- 4. फिल्म की लम्बाई (मीटरों में)
- चलने का समय : घंटे मिनट
- 6. रीलों की संख्या
- 7. गेंज 35 मि॰ मीं॰/16 मि॰ मीं॰
- 8. रंगीन /मार्द*े*
- 9. सेंसर प्रमाण-पत्न की संख्या तथा तारिख
- 10. निर्माता का नाम, पता और टेलीफोन नं०
- 11. निर्देशक का नाम, पता धौर टेलीफोन नंव
- 12. पटकथा लेखक हा नाम, पता श्रीर टेलीफोन नं०
- 13. मुख्य ग्रभिनेता का नाम, पता भ्रौर टेलीफोन नं०
- 14. मुख्य अभिनेत्रा का नाम, पता और टेलीफोन नं०
- 15. 14 वर्ष सं कम ब्रायु का कोई बाल श्रिभिनेता/ब्रिभिनेती हो तो उसका नाम, पता श्रीर टेलीफोन नं०
- 16. कैमरामैन का नाम, पता और टेल फोन नं०
- 17. ध्वनि श्रालेखक का नाम, पता श्रांश टेलीफोन नंव
- 18. संपादक का नाम, पता और टेस.फोन नं०
- 19. कला निर्देणक का नाम, पता श्रीर टेलीफोन नं०
- 20. संगीत निर्देशक का नाम, पता श्रीर टेलीफोन नं०
- 21. पार्श्वगायक का नाम, पता श्रीर टेलीफोन नं०
- 22. पार्श्वगायिका का नाम, पता और टेलीफोन नं०
- 23. लघु फिल्मों का श्रेणी से प्रविष्ट कार्टून फिल्म के एनी-मेटर का नाम, पता और टेल फोन न०
- 24. रिलास होने की नार ख
- 25. यदि फिल्म किसी दूसरा फिल्म का डब किया हुआ रूप, रूपान्तर या रिटेक है तो जिस फिल्म का डब किया है रूप या रिटेक है उसका क्यौरा
- 26. फिल्म का प्रिंट किसको वापिस करना है (क्पणा नाम ध्रौर पूरा पता लिखिए) प्रविध्टि भेजने वाले का नाम ध्रौर पूरा पता

| <br> | <br> | <br> |
|------|------|------|
|      |      |      |
|      |      |      |
|      |      |      |

इस्साक्षर : मोहर :

दिनांक :

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1981

सं० ए० 19012/6/80-एस०-1--स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक श्री ए० नटराजन को सरकारी मेडिकल स्टोर डिपो, मद्रास में प्रतिनियुक्ति की शतौँ पर 27 जनवरी, 1981 पूर्वीह्म से ग्रागामी ग्रादेशों तक लेखा ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

> शिव दयाल उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनांक 11 फरवरी 1981

सं० ए० 19019/4/77-एन० एम० ई० पी०/प्रशा०-1— सेवा निवर्तन की श्रायु के हो जाने पर राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम निवेशालय के सहायक निवेशक (कीट विज्ञान) श्री वी० एन० भटनागर 31 दिसम्बर, 1980 श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सं० ए० 12025/3/80-एफ० म्रार० एस० एल०/प्रशासन-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री म्रिभिमन्यु बासक को 12 जनवरी, 1981 पूर्वोह्न से म्रागामी भ्रादेशों तक खाद्य मनुसंधान मानक प्रयोगशाला, गाजियाबाद में कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर ग्रस्थायी ग्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 22013/3/80-प्रशासन-1— केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कलकत्ता में डा० ग्रसीस विश्वास की बदली हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 15 सितम्बर, 1980 के ग्रपराह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना से दन्त शल्य चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

डा० विश्वास ने 16 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय सरकार स्थास्थ्य योजना कलकत्ता में दन्त शल्य चिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

> शाम लाल कुठियाला उप निदेशक, प्रशासन

वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून-248001, दिनांक 13 फरबरी 1981

सं० 4-8/72—प्रकासन (भाग-दो)—श्री एस० एस० सैनी, एच० पी० एफ० एस०-II ने सहायक वन संरक्षक, वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण, भूटान के पद का कार्यभार दिनांक 10 जनवरी, 1981 की श्रपराह्म में छोड़ दिया है तथा उनकी सेवाएं हिमाचल प्रदेश सरकार, वन विभाग को सौंप दी गई हैं।

ए० बी० चौधरी मुख्य समन्वयक

# परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय ग्रीर भंडार निदेशालय

मुंबई-400001, दिनांक 3 फरवरी, 1981

सं० डी० पी० एस०/23/8/77/स्टेट/3036—निदेशक, क्रय तथा भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग के लेखाकार श्री लक्ष्मन शणपत शिम्पी को सहायक लेखा श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में रुपये (650-30-740-35-880-द० रो०-40-960) के वेतन कम में श्री वी० के० भावे की छुट्टी मंजूर किये जाने पर जनवरी, 29, 1981 (पूर्वाह्न) से फरवरी 28, 1981 तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

श्रार० पी० डिसूजा सहायक कार्मिक श्रधिकारी

# बम्बई-400001, दिनांक 10 फरवरी 1981

सं० डी० जी० एस०/4/1(5)/77-ए० डी० एम० निदेशक—-क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय प्रधिकारी के स्थानापन्न पद पर काम कर रहेश्री बी० पी० के० नाम्बियार को मूल क्षमता बाले स्थायी सहायक भंडार प्रधिकारी के पद पर इसी निदेशालय में जनवरी 25, 1980 से नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोजफ प्रशासन श्रक्षिकारी

# (परमाणु खानिज विभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 12 फरवरी 1981

सं० प० खा० प्र-1/6/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाण् खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री विनोद जयराम

कट्टी को परमाणु खनिज प्रभाग में 29 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्म से लेकर ग्रगले ग्रादेश होने तक ग्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक ग्राधिकारी/ग्राभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

> एम० एस० राव वरिष्ठ प्रशासन एकं लेखा श्रक्षिकारी

### विदेश संचार सेवा

## बम्बई, दिनांक

> एच० एल० मलहीझा उप निवेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

# वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून-1, दिनांक 7 फरवरी 1981

सं० 16/368/81-स्थापना-1—श्रध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, महाराष्ट्र वन विभाग के कर्मचारी श्री पी० के० उमलकर को केन्द्रीय वन राजिक महाविद्यालय, चन्द्र पुर, महाराष्ट्र में दिनांक 31-12-1980 के पूर्वाह्म से, श्रगले श्रादेशों तक सहर्ष सहायक शिक्षक नियुक्त करते हैं।

> ग्रार० एन० महान्ति कुल सचिव, वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

# केन्द्रीय उत्पाद णुल्क एवं सीमाणुल्क समाहर्तालय बम्बई-1 विनॉक 11 फरवरी 1981

सं० एस०टी० 2/1880-81—केन्द्रीय उत्पाद गुल्क नियमावली 1944 के नियम 232 ए के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त गिर्नित्यों के प्रयोग में केन्द्रीय उत्पाद गुल्क तथा नमक ग्राधिनियम 1944 की धारा 9 के ग्राधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाठे गये व्यक्तियों और ग्राधिनियम की धारा 33 में सर्व्यामन ग्राधिकारी द्वारा 10,000/- या इससे ग्राधिक की राणि के लिए दंडित व्यक्तियों के नाम और पते उपनियम 2 में उल्लिखित श्रन्य विवरण सहित निम्न प्रकार से प्रकाशित किए जात हैं:---

## ा. न्यायालय के मामले

| ऋम सं०  | व्यक्तिकानाम          | पता 5  | ग्रधिनियम के किन<br>गावधानों का उल्लंघन किया<br>गया               | दण्ड राशि   |                         |
|---------|-----------------------|--|---|-------------|-------------------------|
| 1       | 2                     | 3  | 4   | 5           | 6                       |
| 1. 1. 8 | ी स्रार० पी० सेठावाला | 204, ए जय जलाराम बिल्डिंग ।<br>वडाला, रोड़, बम्बई-<br>4000 <b>1</b> 9। | ı. (क) धारा 9(1)<br>(बी) के साथ पठित 9<br>(i)(ii) के श्रन्तर्गत । | (ফ) চ০ 25/- | 5 दिन माधारण<br>कारावास |

| <b>1</b>                      | 2                                     | 3   |  | 4  | 5  | 6   |
|-------------------------------|---------------------------------------|---|--|--|--|---|
|                               |                                       |   |  | (ख) धारा 9(i)(<br>(बी) के साथ परि<br>91 (ii) के भ्रन्तर्गत<br>(ग) धारा 9(i)(ब<br>बी०बी०) के साथ प<br>91 (ii) के भ्रन्तर्गत | ठत<br>।<br>ी} (ग) ह० 25<br>रिठत  | 2.5/- 5 दिन साधारण<br>कारावास ।<br>/- 5 दिन साधारण<br>कारावास ।   |
|                               | ायस मेटल इन्डस्ट्रीज<br>गीनदास छगनदास | णंकर भवन, <b>दू</b> सरी<br>रूम नं∘ुँ11,संत त्<br>रोड़, मुसुंड (पृ<br><b>[बम्बर्ट-4</b> 0008 | <del>हुकार</del> ाम<br><b>वै</b> )   | (क) धारा 9(i)  <br>(बी० बी०) के साथ<br>पठित 9(i) (ii) के<br>प्रन्तर्गत ।   | ,  | √- 5 दिम साधारण<br>काराव्यक्त।  |
|                               |                                       | •   |  | (ख) धारा 9(i)(ब<br>बी०बी०)के साथ परि<br>9(i)(ii)कें अन्तेंगत<br>(ग) धारा 9(i)(ड<br>के साथ पठित 9(i)<br>(ii) के अन्तर्गत ।  | इत<br><sup>१</sup> ।   | /- 5 दिन साधारण<br>कारावास<br>5/- 5 दिन साधारण<br>कारावास   |
|                               |                                       |   | IIविभ  | ागीय न्याय निर्णयन   | T  |   |
| क्रमसं० ट्यक्तिः              | कानाम पता                             | प्रावध  | नयम के किन<br>ानों का उल्लंघन<br>क्या गया  | दण्ड राम्नि  | धारा 33 के अन्तर्ग<br>न्याय निणीत णुल्व<br>माल का मूल्य<br>जो जब्त किया<br>जाना है | जब्ती के स्थान पर   |
| 1. सर्वश्री मार्डन<br>लिमिटेड |                                       | 1 की<br>53<br>सार<br>17<br>प्रत<br>(1<br>व<br>परि<br>एफ<br>17<br>प्रत<br>व<br>के            | जत्पाद शुल्क<br>गावली 1944<br>धारा नियम<br>व 226 के<br>ग पठित निमम<br>'3-जी(4) के<br>गर्गत, नियम 9<br>), 9-ए, 47<br>49 के साथ<br>जित नियम 173-<br>ं व नियम<br>3-जी(1) के<br>तर्गत नियम 53<br>173-जी(3)<br>साथ पठित<br>ग्मार्गत | नियम 9(2) 52<br>ए व226 के<br>ग्राधीन रु०<br>1000/- तथा<br>नियम 173-<br>क्यू के ग्राधीन<br>रु० 15000/-                      | ह <sub>°</sub><br>6,08,629'00  | ह० 60000/- जिसे केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम व सीमा शुल्क बोर्ड, नई दिल्ली के 1980 के अपील श्रादेश सं० 694 ढ़ारा घटाकर ्ह० 18,000/- किया गया । |

कु॰ श्री दिलीप सिंहजी समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद मुस्क, बम्वई-1

### गुन्दुर, दिनांक 2 जनमरी 1981

सं० 1/81—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चयन किए गए उम्मीदवार श्री पी० प्रसाद राघ को केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (विशेषक्ष) ग्रुप 'बी' (राजपित्तत) के अधिक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है और वे दिनांक 11-4-80 के (पूर्वाह्न) से मंडलीय कार्यालय विशाखापट्टनम-II में कार्यभार ग्रहण करने के लिए उपस्थित हुए हैं।

सं० 2/81—श्री के० कामेश्वरराव, सहायक मुख्य लेखा ग्रधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, ग्रुप बी० (राजपत्नित) मुख्यालय, गुन्दुर, दिनांक 31-3-80 ग्रपराह्म को वार्धक्य को प्राप्त होने के कारण सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 3/81—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्निलिखित अधीक्षक ग्रुप 'बी' (राजपितत) उनके नामों के सामने दिखायी गई तारीखों को वार्धक्य के कारण सेवा निवृत्त हो गए:—

| क्रम सं० श्रधिकारी का नाम                        | स्थान   | सेवा से निवृत्त<br>होने की तारीख |
|--|---|----------------------------------|
| 1 2  | 3   | 4                                |
| सर्वश्री   |   | (ग्रपराह्न)                      |
| 1. पी० जोगाराव                                   | विशाखापट्टनम-ा<br>रेंज शिवशाखापट्टनम<br>डिवीजन    | 31-1-80                          |
| 2. एन० बी० राममूर्ति                             | एलोरा डिबीजन                                      | 29-2-80                          |
| <ol> <li>एम० राममोहन राव</li> </ol>              | मुख्यालय, गुन्टुर                                 | 30-4-80                          |
| <ol> <li>डी० हरिसर्वोथमा</li> <li>राव</li> </ol> | राजामंडरी डिवीजन                                  | 30-4-80                          |
| <ol> <li>एस० सांथना कृष्णन्</li> </ol>           | विजयवाडा डिवीजन                                   | 30-4-80                          |
| 6. पी० सूर्यराव                                  | विशाखापट्टनम-I1<br>डिवीजन                         | 31-5-80                          |
| 7. <b>वी० जगन्ना</b> था राव                      | एलूरा- रेंज एलुरा<br>डिबीजन                       | 31-5-80                          |
| 8. जार्ज देवदास                                  | एस० जी० सी० पी०<br>श्रीकाकुलम                     | 30-6-80                          |
| 9. के० बालाकोथियाह्                              | नरसराम्रोपेरा रेंज,<br>गुन्टुर-II डिबीजन          | 30-6-80                          |
| 10. के० भ्रस्माजी राव                            | कोत्र्यूर रेंज, एलूरा<br>डिवीजन                   | 30-6-80                          |
| 11. वी० मुब्बारायडु                              | एलूरा डिवीजन                                      | 31-7-80                          |
| 12. पी० एल० भ्राब्रहम्                           | चिलाक्लाक्य्रापेटा-III<br>रेंज गुन्टुर-<br>डिबीजन | 31-8-80                          |
| 13. एन० श्रीरामुल                                | मुख्यालय, गुन्टुर                                 | 31-8-80                          |
| 14. एच० एम० एफ०<br>रहीम शायक                     | मुख्यालय, गुन्टुर                                 | 30-9-80                          |

| 1   | 2                         | 3                                  | 4             |
|-----|---------------------------|------------------------------------|---------------|
| 15. | एम० एस० सुक्राहम<br>मनियम | - एलूरा डिवीजन                     | 31-8-80       |
| 16. | जी० वी० रामम्ति           | मुख्यालय, गुन्टुर                  | 31-10-80      |
| 17. | जी० ख्वाजाखान             | श्रोंगोल रेंज, श्रोंगोल            | 31-10-80      |
|     |                           | <b>डि</b> बीजन                     |               |
|     | (एफ० ग्रार० 56            | (के) के ग्रधीन ऍच्छिक<br>लेनेवाले) | सेवा निवृत्ति |
| 18. | जी० रमध्या गुप्ता         | गुन्दुर डिबीजन                     | 30-11-80      |

सं० 4/81—इस समाहर्तालय के केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (सा० ग्रे०) के निरीक्षक श्री जी० वेंकटराव को, ग्रगला ग्रादेश जारी होने तक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ग्रुप 'बी' (राजपित्रत) में स्थानापन्न ग्रधीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने 10-11-80 (पूर्वाह्न) से केद्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, गुण्टुर के मुख्यालय में ग्रधीक्षक (ग्रुप 'ख' राजपित्रत) के पद का कार्यभार मंभाल लिया है।

सं० 5/81—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय, गुन्दुर के स्थायी कार्यालय प्रधीक्षक श्री वाई० श्रीनिवास राव की प्रशासन श्रधिकारी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ग्रुप'बी' (राजपत्रित) के पद पर पदोन्नति हो गई है श्रीर उन्हें मंडलीय कार्यालय गुन्दुर में नैनान किया गया है। उन्होंन 29-1-80 को प्रशासन ग्रधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 6/81——निम्नलिखित ग्रुप बी' (राजपितत) श्रिध-कारियों का नीचे संकेतित स्थानों पर कार्य करते हुए प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीखों को निधन हो गया।

| ऋम मं० ग्राधिकारी का नाम<br>ग्रीर पदनाम   | स्थान   | मृत्युकी<br>तारीख        |
|---|---|--------------------------|
| <ol> <li>श्री बी० एस० मूर्ति,</li> <li>ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन<br/>गुल्क।</li> </ol> | गुन्दुर] प्रभाग   | 30-3-80                  |
| <ol> <li>श्री एस० ए० साथर,<br/>अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन<br/>णुल्क।</li> </ol>           | क्मबर्म पी० गुण्ड<br>श्राई० रेंज श्रोंगल<br>डि <b>क्वी</b> जन | 29-4-80                  |
| <ol> <li>वाई०श्री निवासाराव,</li> <li>प्रणासन श्रधिकारी</li> </ol>                        | गुन्टुर II प्रभाग   | 4-10-80                  |
|   | डी०   | कृष्णामूर्ति<br>समाहर्ता |

# ऊर्जामंत्रालय (कोयलाविभाग)

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था धनबाद, दिनांक मार्च 1981

मं प्रशासन-12(31)81—म्बागामी भादेण जारी होने तक श्री ए० पी० जायसवाल, ग्रस्थायी सहायक कल्याण प्रणासक को तारीख 30-12-80 (पूर्वीक्ष) से तद्दर्थ भ्राधारपर कल्याण प्रणासक के पद पर नियुक्त किया गया।

> दामोदरपण्डा कोयलाखान कल्याण श्रायुक्त धनबाद।

# नौवहन ग्रौर परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 10 फरवरी 1981

सं० 11-टी० आर०(1)/81—राष्ट्रपति श्री प्रथामल मुखोपा ध्याय को 2 जनवरी, 1981 (पूर्वाह्म) से आगामी आदेशों तक मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में श्रस्थाई तौर पर इंजीनियरी श्रिक्षकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

स० 11-टी० म्रार० (2)/81—राष्ट्रपति श्री सुमन्त पुरकायस्था को 2 जनवरी, 1981 (पूर्वाक्क) से स्नागामी मादेशों तक मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में स्नस्थाई तौर पर इंजीनियर अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

> के० एस० सिधू नौबहन उपमहानिदेशक

# विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्ये मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 एवं मैसर्स श्री रीनास एप्लीयन्स कोरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई दिनांक 15 दिसम्बर 1979

सं० 6143/560(3)—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स श्री रींगस एप्नायन्स कोरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विधित न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उन्त कम्पनी विषटीत कर दी जाएगी।

ण०प्र०वीक्षित कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 युनिवरसल एक्सेल्स बैटरीस, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 11 फरवरी 1981

मं० 1550/टी०ए०/560--कम्पनी ग्रिधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुमरण में एतद्कारा यह सुचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर युमि-वरसल एक्सेल्स बैटरीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दिशात निकया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

> वी० एस० राजू कम्पनियों का रजिस्ट्रार, स्रान्ध्र प्रवेश, हैदराबाद

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर कोवारनस् प्राप्रटीस लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 12 फरवरी, 1981

सं० 27027/510(5)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतव्द्वारा सूचना दी जाती है कि कोवारनस प्राप्रटीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> ए० वी० विश्वास कम्पनियों का सहायक रिजस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी श्रिधिनियमि, 1956 के मामले में एवं मैं० गार्धी डावर एशियन वाल्ल्स लिमिटेड के मामले में

ग्वालियर,दिनांक 16 फरवरी, 1981

सं 1294/श्रार०/6571 — कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अंतर्गत, एतव्हारा मूचित किया जाता है कि इस मूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैसर्स गांधी डावर एशियन वाल्य्स लिमिटेड, भोपाल, का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 के मामले में एव मैसर्स संचय फाइनेंस (एम०पी०) प्राइवेट लिमिटेंड के मामले में।

बवालियर, दिनांक 16 फरवरी, 1981

सं० 1307/प्रार०/6574 - कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के भ्रतगंत एतद्द्वारा मूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाणन के दिनांक में तीन मासकी समाध्ति पर, मैं, संचय फानेंस (एम०पी०) प्राइवेट लिमिटेड, सागर का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रिजस्टर में काट दिया जायेगा एवं कथित कम्पनी समास्त हो जायेगी।

कम्पनी प्रधिनियम. 1956 के मामले में एवं मैसमें मालवा पेस्टीसाइड्स इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटड के मामले में ग्वालियर, दिनांक 16 फरवरी, 1981

सं० 1266/ब्रार०/6577—कम्पनी ब्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के ब्रंतर्गत, एतद्द्वारा सृष्ति किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाणन के दिनांक से तीन मास को समाप्ति पर, मैंसर्ग मालवा पेस्टीसाइड्स इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर, का नाम, यदि इसके धिरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जावगा एवं कथिस कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पती ग्रिधिनियम, 1956 व मै० विध्या इन्बेस्टमेंट एण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विध्य में।

ग्वालियर, दिनांक 16 फरवरी 1981

सं० 1322/मार०/6580—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की भ्रारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्कारा सूचना दी जाती है कि मे० विध्या इन्वेस्टमेंट एण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड ,रीया, का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है नथा कथिन कम्पनी समाप्त हो गई।

मुरेन्द्र कुमार सक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वालियर

### म्राय-कर म्रपील मधिकरण

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1981

सं० एफ० 871-ए० डी० (ए० टी०)/80—- आय-कर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 255 की उप-बारा (5) द्वारा प्रक्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए आय-कर (अपीन स्रिधिकारण) नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए आय-कर स्रिपील स्रिधिकरण एतव्हारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—-

- यह नियम, भ्रायकर (भ्रपील भ्रधिकरण) संशोधन नियम, 1981 कहा जायगा।
- 2. यह नियम तुरंत लागू होगा।
- 3. श्रांय-कर (श्रपील श्रधिकरण) नियम, 1963 के नियम 36 के अंत में प्रयुक्त पूर्ण विराम को हटाकर निम्निखित जोड़ दीजिए:—— ".....शौर उस श्रादेश, जिससे श्रावेदन उद्भृत होता है, की तीन प्रतियां भी"

श्रपील श्रधिकरण के झादेण से श्रार०एन० सहगल पंजीकार भाय-कर झपील श्रधिकरण, बस्बई प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर स्रायुक्त (निरंक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना 411004

पुना-411004, दिनांक 29 जनवरी 1981

निर्देण सं० ए 5/एम० स्नार० सोलापुर/जुलाई 80/498/ 80-81—यतः म्झे ए० सो० चंद्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसका संख्या टी० पी० नं० 2 फायनल प्लांट नं० 85/14 से 17 बी है मथा जो सोलापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दुर्यम निबंधक सोलापुर में, रजिस्ट्रां करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन, दिमांक 31-7-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--  (1) सौ० मदनमंकिरः वर्धमान गोस्मीं होटगः मार्गः, वर्धमान बंगलो सोनापुर।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्रं भाजचन्द हिराचंद जमालपुरे 13 से 17 भवाना पेठ, मोलापुर

(भ्रन्त(रतः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुलो जमीन श्रौर बिल्डिंग जो टी० पी० नं० 2 फायनल प्लांट नं० 85/14 से 17/बो मोलापुर में स्थित है। जिसका क्षेत्र 232 स्कें० मी० है।

(जैसे कि रिजस्द्रोक्टत विलेख कं० 1954, जो 31-7-80 को दुय्यम निबंधक सोलापुर के दफ्तर में लिखा है।)

> ए० मी० चंद्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ऋर्जन रेंज, पूना

दिनांक 29 जनवरी 1981 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन्.; एस्.----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 30 जनवरी 1981

तिर्देश सं० ए 5/एस० ग्रार० ठाने / जुलाई 80/486/ 80-81—यत: मुझे, ए० सी० चंद्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको संख्या ग्रार० एस० नं० 365-ए हिस्सा नं० 6 (पार्ट) टिका नं० 16, मि० म० नं० 99 है तथा जो मौजे पंचपकेडी ठाने में स्थित है या (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारों के कार्यालय दुय्यम निबंधक ठाने में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिकारों के कार्यालय दुय्यम निबंधक ठाने में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिकारम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक जुलाई 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्री डा० रामचन्द्र विनायक भागवत रवि-किरण, राम मारुती कास रोड नं० 4 घंटाली, ठाने (अन्तरक)
- (2) श्री प्रादित्य प्रसाद सहकारी गृहरजना संस्था मर्यादित आदित्य प्रसाद राम मारूजी कॉस रोड नं० 4 घंटाली, नवयाडा, ठाने 400062

(श्रन्तरिती)

(3) 11 सोसायटी सभासद सभासदों की सूची साथ जोड़ी है, सभासदों की सूची

- ग्रवित्य प्रमाव सहकारी गृहरचना संस्था मर्यादिक्ष io मंजिल ब्लाकनंo नाम

1. निचलो जो-1 श्रीमती ग्रंजली प्रकाश फुलकर्णी

2. निवलो जा-2 श्री पौपट शंकर दहिवल

3. निचली जो-3 श्री दिलीप गोविंद राव वेंद्रे

4. पहली एफ-1 श्री र्रावद्र पुरुषोत्तम करडाले

5. पहली एफ 2 श्री शरद शिवराम नाटेकर 6. पहली एफ-3 श्री वास्देव भास्कर महसकर

पहला एफ-3 श्रावासुदेव भास्कर महसकर
 दूसरो एस-1 श्रारामचन्द्र विनायक भागवत

8. दूसरो एस-2 श्रामहेश्वर काणिनाथ फडके

दूसरी एस-3 श्राविजय रमनिकलाल व्होरा

10. तीमरो टा-1 श्रामिकांत भिवराम नामजोशी

11. तीसरो टो-2 श्री श्रानिल विनायक बर्वे

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उमत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो डिविजन सर्वे नं० 365-ए, हिस्सा नं० 6 (पार्ट) रिका नं० 16, सि० स० न० 99, राम मारूती कॉस रोड नं० 4 मौजे पंचपकेडी, ता व जिठाने में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख ऋं० 502 जो जुलाई 80 को दुय्यम निश्चंघक ठाने के दफ्तर में लिखा है।)

ए० सी० चन्द्र, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

विनांक 30 जनवरी 1981 मोहर: प्ररूप बाहैं. टी. एन. एस ------

आयुकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1981

निर्देश सं० ए० आर०-आई/4412-1/80-81—-अतः मुझे, सुधाकर वर्मा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 161 जंक्शन ऑफ रिड्ज रोड एण्ड विल्डरनेस रोड है तथा जो मलबार ग्रौर खंबाता हिल डिकीजन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजर्ट्रकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनौंक 4-6-1980 विलेख सं० बंबई 1804/71

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिस्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्तिवक रूप से कृष्टित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निमन्ति कित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

- श्रोमती मोतलकुबर लखपत रामसींग (श्रन्तरक)
- 2. भैमर्स प्रज़ंता कन्स्ट्रक्रशत कंपनी (ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रका जारी करके पूर्वाक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपम में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

समस्यीकहरण : ----- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुसुद्री

श्रनुसुची जैसा कि विलेख सं० 1804/71 खंबाई उपरिल-स्ट्रार श्रधिकारो द्वारा दिनांक 4-6-80 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, बस्बई

दिनांक: 11-2-1981

मोहर 🗧

प्ररूप आर्च. टी. एन् ु एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई, दिनांक, 13 फरवरी 1981

सं० ए० घार०-I/4420-9/80-81 — ग्रतः मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीप सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० सी० एस० नं० 139 श्राफ मांडवी डिबीजन है तथा जो बंगाल पुरा स्ट्रीट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिकिनारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19-6-80 विलेख नं० बाम्बे 1119/78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिब क ए से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री श्रोन बाई दाऊद भाई कागलवाला, [सकीना दाऊद-भाई कगालवाला

(मन्तरक)

2. फख़रहीन ग्रहमद

(अन्तरिती)

- मुरनाएक नेलीनक प्रहमंद
  - 2. मैसर्स कनारा गुड्स ट्रांसपोर्ट
  - मैसर्स गुरू चरन सिंह पावजा
  - 4. लतीफबाय
  - 5. भ्रदम दाऊद
  - 6. ग्रब्दुलसलम अब्दुल ग्रजीज
  - नियामत शाह मोहम्मद शाह
  - गुलाम रसूल शाह बुंदीन
  - 9. कमल श्रब्दुल रहिमान
  - 10. गुलाम मोहम्मंद म्रब्दुलं कादर
  - 11. हुसैनभ्रली सिकन्दर
  - 12. मीहम्मद हनीफ
  - 13. हसन बुबाल
  - 14. फकीर मोहम्मद
  - 15. इजातश्रली कासमग्रली
  - 16. पीरमीहम्मद प्रब्दुलरहेमान
  - 17. इंब्रॉहिम याकूब
  - 18. गफूर इसाक
  - 19. मक्बूल ग्रन्युल लतीफ
  - 20. मौलाना हाजी मोहम्मद स्रोमर

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्योक्षीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्रंतुसूची जैंसा कि विलेख सं । 1119/78 बंबई उपरिज-स्ट्रार अधिकारी द्वारा विनांक 19-6-80 की रिजस्टर्ड किया गर्या है।

> सुधाकर वर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-I, बस्बई

दिनौंक" 13-2-1981 मोहर 🏻 प्रस्पु आर्ड्ः, टीज एन्ज एस्जु-----

आयुकर अधिनियुम्,: 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष्(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक बायुकर बायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1981

सं० ए० धार०-2/2994-4 जून, 1980—धतः मुझे, संतोष बत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 319 सी० टि० एस० नं० 1239 है तथा जो विलेपार्ले (पूर्व) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण इत से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी ने कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 5-6-1980।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

 श्री शिवकुमार मोतीलाल जालन प्रोप० मैसर्स जालन कंस्ट्रमशन कं०

(अन्तरक)

2. गोवावरी जालन को०-श्राप० हार्ऊसिंग सोसायटी लि० (श्नुद्विती)

- 3. 1. श्री एन० बी० खोमानी
  - 2. श्री एस० पी० शाह
  - 3. श्री श्रार० एम० जालन
  - 4. श्रीमती टी० श्रार० जालन
  - 5. श्री बी० म्रार० जालन
  - 6. श्री ग्राई० एस० मनीयर
  - 7. श्री एम० डी० जरीवाला
  - श्री एम० डी० जरीवाला
     श्री ए० वी० जोबनपुता
  - 10. श्री जे० पी० जलान
  - 11. श्रीमती उमादेवी एस० जालन
  - 12. श्री आर० एच० जालन
  - 13. श्रीमती शक्तला पी सराय

(बह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थाद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं०एस०/2530/78 बंबई उप-रजिस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनांक 5-6-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> संतोष दत्ता, सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) धर्जन र्रज-II, बम्बई

विनोक 10-2-1981 मो**हर**ः

# प्रकप बाई • ही • एन • एस • ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घडीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन, ग्राई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 फरवरी 1981 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/ 7-80/689—अत:, मुझे, आर० बी० एल० अप्रवाल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के धवीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छवित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई-68 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण इप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्त्रह प्रतिशत प्रविक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्चित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम से हुई किसी घाय की बावत खबत अधि-नियम, के अधीन कर देने के घन्ठरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में खुनिचा के किए। घौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्धरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उनतः अधिनियम की घारा 269-म के अनु-सरण में, में, उनतः अधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् ।----

- 1. श्रीमती मोहिन्द्रा घोपरा पत्नी स्वर्गीय श्री एस० के० चोपरा, निवासी 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-1 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रोमप्रकाश टंडन, पुत्र स्वर्गीय श्री ब्ज मोहन टंडन, निवासी ई-68, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी क से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास बिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण !—इसमें प्रयुक्त शन्यों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसुची

मकान नं० ई-68, 1 1/2 मंजिला जोकि ग्रेप्टर कैलाश-I, नई दिल्ली-48 में स्थित है।

म्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्तम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, नर्झ दिल्ली

तारीख: 10-2-1981

# प्रकप माई • ठी • एन • एस • •

# भीयज्ञरं मेधिनियम, 1981 (1961 को 49) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भरित सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I,

एच ब्लाक, विकास भवन (श्राई० पी० इस्टेट). नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 फरवरी 1981

निर्देश संब्झाई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर०-III/7-80/ 642--यतः, मुझे, आर० बी० एल० आग्रवाल

श्रीयक्षर श्रिवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1, सीरी फोर्ट रोड है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ति है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिषत बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वीस करने का कारण है कि यश्नपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के परवह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्विन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण के हुई किसी माय की बाबत आयकर श्रिष्ठित्यम 1961 (1981 का 43) के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिंग्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या खिणाने में स्थिका के लिए;

धतः अत्र, एकत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, एकत अधिनियम की धारा 269-भ की उपकारा (1) के के मुधीन निमन्ति खुत व्यक्तियाँ वर्षात् :--

- 1. श्री एच० के० एल० चड्ढा पुत्र श्री मेलाराम फार सेल्फ एण्ड एस० एटानीं आफ श्री प्रेम कुमार चड्ढा, वीरेन्द्र चड्ढा ग्रौर सुरिन्द्र चन्द्रा पुत्र श्री एच० के० एल० चड्ढा, निवासी I-39, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कलावती पस्नी श्री पी० पी० ग्राहूजा, निवासी बी -61, सर्वोदया इन्कलेव, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचनां जोरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियी करता है।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्तीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पर्वो का, जो उन्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्टें होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

### धनुसूची

प्लाट नं  $^{\rm I}$ , सीरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली, लीज होल्ड राइट्स फ्रीर 500 वर्ग गज जमीन ।

श्रार० बी० एंल० श्रप्रवाल सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-2-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I,

एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० इस्टेट, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 फरबरी 1981

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० श्रार०-III/6-80/

448—यतः, मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं श्रापर्टी सिन्धिया हाउम है तथा जो व्लाक नं व 134, कनाट सर्कस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ज़क्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधितियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- 1. श्री एस० खुणवन्त सिंह श्रीर क्रिगेडियर गुरबध्श सिंह, 1-ए, जनपथ, नई दिल्ली-II। (ग्रन्तरक)
- मैसर्स ग्रात्मा राम प्रापर्टीज प्रा० लि०,
   श्रात्मा राम हाउस सी-37, कनाट फ्लेंस,
   नई दिल्ली-1।
   (श्रन्तरिती)

3. म्रात्मा राम प्रापर्टी (प्रा०) लि० नई दिल्ली-I सिन्धिया हाउस, कनाष्ट सर्कस, नई दिल्ली-I में किरायेबार ग्रीर प्रतिमहीना किराया का विषरण:

प्रमिसिस् किरायेदार का नाम शोरूम

- 1. मैसर्स एयर इण्डिया
- 2. त्रिभोवन वास भीमजी जावेरी

- कुक एण्ड केसचे प्रा० लि०
- 4. एलाईड मोटर्स प्रा० लि०
- गोवन क्रदर्स (रामपुर) प्रा० लि०
- पी० एस० जैन एण्ड कं० लि०
- मोक्सफोर्ड बुक एण्ड स्टेशनरी, लि०
- श्रमीत चन्द पियारे लाल
- 9. फैंडरल मोटर्स प्रा० लि०
- 10. प्रिन्टर्स हाउस प्रा० मि०
- 11. वि एम० पी० एस्टेट, इन्डस्ट्रीज, कारपो० लि०
- 12. न्यू इन्डिया मोटर्स (न० दि०) प्रा० लि०
- इस्कार्टुंस लिमिटेड
- 14. प्रेम नाथ मोदर्स, प्रा० लि०

## बोडिंग साइड :

13-ए इस्कोर्टस् लि०

15. वासुदेवा पब्लिसिटी सर्विस

वाटर टैंक गेरज्स :

1-ए एयर इन्डिया

### श्राफिसिस :

- 16. चौधरी एण्ड गुलजार सिंह
- 17. दि एजेन्ट इलाहाबाद बैंक

5-ए गोवन ऋदर्स (रामपुर) प्रा० लि० (क्रो रूम के बिल में शामिल है)

- 18. पायोनियर कोन्सोलिडेटिड क० ग्राफ इण्डिया लि०
- डी० टी० सी०
- 20. दि इन्डियन सोसाइटी भ्राफ इन्टरनेशनल लौ
- 21. ए० एफ० फर्नेयुसन एच्ड कं०

## पलैट्स :

1-बी एसरइडिण्या (शो रून के बिल में शामिल है)

- 22. मफत लक्ष्म सर्विसेष लि०
- 23. महादेव प्रसाद
- 24. कुक एण्ड केलचे प्रा० (किए (मोरूम के क्लि में शामिल है)
- 25. डी० गेस्टनर्स (प्रा०) लि०
- 26. देकी चान्दस्
- 27 (एसोसियेटिड ट्यूबवैस्स (इंडिबा) प्रा० लि०
- 28 सरदार इस्टेब्स
- 29 गिरधर भगत एण्ड कं०
- 30 मान डिजाईन ग्रुप
- 31 विभ्रोरियन्टल फायर एण्ड जनरल इन्सोरेंस कम्पनी
- 32 रिंज गेस्ट हाउस
- 33 श्रीराम सरन

## गैरेजस् :

- 34 मिसिज देसा सिंह
- 35 मिसिज देसा सिंह मिल्खा सिंह 2-ए, त्रिभोवन दास भीमजी जावेरी

5डी० गेस्टनर प्रा० लि० (फ्लैट्स के बिल में णामिल है)

- 23 श्री महावेव प्रसाद
- 36 शान्ति स्वरूप रुकमेश कुमार
- 37 श्री ए० सा० खम्बोज
- 38 मैसर्स राम दास खुशी राम
- 39 टंडन बदर्स

| 3102         | मारत का राज्यवा, मार्च 7, 1981 (फा              | रगुन 16, 1902)                          | [भाग II]— <b>खण्ड</b> 1                                 |
|--------------|---|---|---|
| 40           | श्री चुनी लाल न <b>रू</b> ला                    | 88                                      | एस० केहर सिंह एण्ड सन्स                                 |
| 41           | श्री बूटा राम                                   | 89                                      | मोहिन्द्रा एण्ड कं०                                     |
| 42           | मिसिज सोहन पाल                                  |   | बेन स्टेयर केसिस नं० 2                                  |
| 43           | प्राक्सफोर्ड बुक्स एण्ड स्टेशनरी कं० (शामिल है) | 90                                      | कन्जी मल एण्ड सन्स                                      |
|              | बायें हाथ का हिस्सा श्राफिस नं० 47              | 91                                      | कृक्स वाच मेकरस एण्ड श्राप्टीशियन्स                     |
|              | फर्स्ट फ्लोर गैरेंज नं० 8-10 के ऊपर             | 92                                      | श्री जैफर्किंग मेहता                                    |
| 44           | मैसर्स यूनाइटिड फ्रैन्ड्स                       | 93                                      | श्री भ्रार० सी० गांधी                                   |
| फ्लैट क्वाट  |   | केबिन 18                                | 4"× 4'  |
| 45           | मैसर्स रतन सिंह                                 |   | _   |
| 46           | श्री राम लाल शर्मा                              | 94                                      | श्रोम प्रकार  |
| 47           | एस० बहादुर सिंह                                 | $\begin{array}{c} 95 \\ 96 \end{array}$ | एस० उत्तम सिह<br>श्री वी०के० सरीन                       |
| 48           | श्रीमती वीरा पत्नी श्री निरंजन सिंह             | 97                                      | भोहिन्द्र लाल सहगल एण्ड सन्स                            |
| 49           | श्रीमती भगवानी                                  | 98                                      | श्री राजपाल   |
| बाबू क्वाट   | इसें :  | 99                                      | मल्होत्रा एण्ड कं०                                      |
| 50           | श्री पिशोरी लाल                                 | 100                                     | नन्दवी एण्ड कं०   |
|              | श्रीमती पन्डित चुन्नी लाल                       | 101                                     | नक्ला एण्ड कं   |
| 51           | <del>_</del>                                    | 102                                     | श्री हरि कृष्ण णर्मा                                    |
| 52           | सरदार दिलीप सिंह                                | 103                                     | श्रजीत सिंह   |
| 53           | श्रीमती दमयन्ती मेहरा                           | 104                                     | मैसर्स राज० के० जावेरी एण्ड कं०                         |
| 54           | राम दास राम धन                                  | श्रोपन स्पेस:                           | •   |
| 5 5          | श्री मोहिन्दर सिंह                              | .,,,,                                   | श्री ग्रमर नाथ पुत्र लेट सीता राम                       |
| 56           | श्री मदन लाल                                    | श्रोपन स्पेस 5                          | '6"×4' 6" स्टेयर केस नं० 4 में                          |
| 57           | श्री नन्द सिंह                                  |   | एस० ग्रमरजीत सिंह चावला                                 |
| 58           | श्री चेला राम                                   | के बिन इन ग्रा                          |   |
| 59           | श्री गुरचरन दास                                 | स्टेयर केस नं                           | 6:  |
| 60           | श्री किशोरीयाल गांधी                            |   | स्वर्ण मोटर्स   |
| 61           | श्री जी० डी० टुगनाइट                            | श्रोपन स्पेस 1                          | 14' 	imes 8' एराजन्ड पीपल ट्री बिहाइन्ड एलाईट           |
| सर्वेन्ट्स क | वाटर्स :  | मोटर्स वर्कशा                           | प :   |
| 62           | गुरबक्ण सिंह माघर सिंह                          |   | स्रेश चन्द्र बलाल                                       |
| 63           | एस० भजन सिंह एण्ड सन्स                          | भ्रोपन स्पेस ह                          | न टॉप फ्लोर लैन्डिंग इन स्टेयर केस नं० I                |
| 64           | श्री लक्ष्मी नारायन                             |   | अजय कुमार   |
| 65           | एस० स्वर्ण सिंह एण्ड सन्स                       | केबिन मेर्मारग                          | ं 9′9″× 7′9″× <b>7</b> ′4″ भ्रान दिफस्टे लैंडिंग        |
| 66           | चुन्नी लाल चन्दर सैन                            | स्टेयर केस नं                           |   |
| 67           | श्रीमती चरन देवी गु <sup>ए</sup> ता             | रच्यर गत ग                              | ग्रा<br>महाराजा तरवेण                                   |
| 68           | श्रोम प्रकाश किशन लाल                           | 41 <del>111-1-111-1</del>               |   |
| 69           | एस० रतन सिंह                                    | आपन स्पस अ                              | ान टाप फ्लोर इन स्टेयर केस नं ा                         |
| 70           | श्री गुरजीत सिंह पुन्न सुचैत सिंह               |   | श्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तवा एण्ड विनोद कुमार<br>दीवान |
| 71           | विजय कुमार पुत्र नारायन दास                     | <del></del>                             |   |
| 72           | ्रस० मुर्चेत सिंह नारायन दास                    | काबन इन स्ट                             | घर केस नं० 6-बी<br>श्रीके०एल०सेठ                        |
| रूम इन स     | टेयरकेस बिहाइन्ड सर्वेन्ट क्वार्ट्स 21 एन्ड 22  | <del></del>                             | · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·                   |
| 73           | एस० जयाती सिंह                                  |   | थर केस नं० I एंड II फ्लोर                               |
| 74           | श्रीमती राम लाल दोबित                           |   | श्रीरोशन लाल मल्होस्ना                                  |
| 75           | श्री रोशन लाल रमेश चन्द                         |   | यर केस नं० 5 डी० टी० सी० इन्क्वायरी श्राफिस             |
| 76           | एस० भजन सिंह                                    | के ऊपर :                                |   |
| 77           | श्रीधन् राजसिंह्                                |   | देवी चन्द एजेन्सिज                                      |
| 78           | श्री राजेन्द्र कुमार सेठ                        | बाथ रूम केटि                            | वन् इन् स्टेयर केसिज नं० 5                              |
| 79           | श्री हरकरन                                      |   | मैसर्स मसूरी ट्रेडिंग कं० लि०                           |
| 80           | श्री राम सरन                                    | बाथ रुम इन                              | शोरूम् नं o II  |
| 81           | एस० सुर्वेत सिंह नारायन वास                     |   | इन्टरनेशनल स्नावनकोर लि०                                |
| 82           | दि एजेन्ट इलाहाबाद बैंक<br>डी० के०   भर्मा      | बाय रूम इन                              | शो रूम नं o II  |
| 83           |   |   | डी० डी० गारमेन्ट्स प्रा० लि०                            |
| 84           | श्री दण्या राम                                  | भ्रोपन स्पेस                            | •   |
| स्टेयर कै    |   |   | सीताराम पनवारी  |
| 85           | बृज मोहन एण्ड एम० एम० भल्ला                     |   | जगमोहन प्रीत वेन्डर                                     |
| 86           | श्री महेन्द्र पाल जैन                           |   | राम भरोसे छोले वाला                                     |
| 87           | सतीश वर्मा एण्ड कं०                             |   | इन्द्रजीत पाठक  |
|              |   |   | •   |

भौपन स्पेस इन स्टेंबर केस ने ों।

श्री रवि कुमार मल्होर्झें। पन्डित हर प्रसाद पनवारी चिरजीत लाल ग्राइस वेन्डर श्रीमंतीं शान्ति देवी श्री पौजदार पनवारी श्री दीपक पनवारी श्री तारा चन्द पनवारी मैसर्स भ्रानिल बदर्स मोहिन्द्र सिंह वेल्डर श्री कंपा राम (बाईसिकल स्टेन्ड) श्रीपन स्पेस इन स्टेयर केस  $3'6'' \times 4'$ 

श्रीमती प्रेष्टना देवी पत्नी श्री जीवनदास श्रीमती राज रानी

श्रोपन स्पेस 5'×3' श्रीर इन फॅन्ट श्राफ श्रीर 102 शान्ति देवी

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है) की यह संचेना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संस्वन्ध में कीई भी आक्षेप :--

(क) इस संचना के रॉजिंपत्रें मैं प्रकाशने की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;

(स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अंभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे।

स्यव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हीगा जो उसे अध्याय में विया

गया है।

अनस ची

प्रापर्टी जो कि ब्लाक नं 134 कमोर्ट सर्कस नई दिल्ली में एरिया 3.291 मीटरस सिधिया हाउस के नाम से जानी जाती है। मार० बी० एल० अप्रवास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I नई विल्ली -110002

तारीख: 10-2-81

मोहर ः

प्रकृप आई० टी॰ एन० एस०-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज-J, एच ब्लाक, विकास भवन नई विल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1981

निर्देश सं अाई ० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०ग्रार०-III/ 6-80/ 442---भातः मुझे, ग्रार०बी० एल० ग्रग्रावाल,

बांधेंकर अधिनियमें, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसिक्षे पर्वचात 'जिंदेत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है** कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि हैतथा जो गांव विजवासन-4--486GI/80

सोल महरौलो नं० विं० में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाधक अनुसूचे में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रंकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ल में रिकस्टीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 की 16) के प्रधीन, विनाक जुन 80 को पुर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्विषित संस्पति का उचित बाजार मत्य. उसके स्वयमान प्रतिफल से एोसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के श्रीच एेसे अन्तरण को लिए तब पाद्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युष्टेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से केंथित नहीं किया गया है:----

(क) अन्तरण से हुई किसी आंध की बांबल उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कांगी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए;

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

मेते: वंब, उदेते अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसीरण में, मैं, उक्तें अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिल्लीचितिक व्यक्तियाँ अधितः ---

> (1) श्री राम निज्य पुत्र श्री चर्चन निवासी गाँव विच्यासन दिली। (अन्तरक)

> (2) मसर्स भ्रन्सल प्रापर्टीस एण्ड इण्डस्ट<sup>9</sup>ज ब्रा० लि*०*.. 115 अन्सल भवमन, 16 फस्तूरबा गांधी मार्ग, नई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्कवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षिप:---

(क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाराः

(स) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरीं के

पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

मन्सूची

84 बीधा 19 जिस्वास जो कि एवेन्यू कषि भमि इस्टेट गांव विजवासन तहसील महरौल नई दिल्ली में स्थित है। ग्रार० वी०एल० ग्रग्रवाल

सक्षम प्रधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तिनांक: 13-2-1981

मोहरः

## प्ररूप ग्राई०टी० ह्न० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, (एच ब्लाक, माई०पी० इस्टेंट ), विकास भवन नई दिल्ली, 110002

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी, 1981

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०-/एस०म्रार०-III-6-80/594--- प्रतः मुझे, आर० वी० एल० भ्रमवाल
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 294 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1980

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन÷ कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अदः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री ए० के० सन्वाराजन, एस०-18 ग्रेटर फ़्रीलाश-1 नहीं विल्लो

(प्रस्तरक)

(2) श्री राम प्रकाण एण्ड श्रदर्स क्वार्टर नं० 383 सेक्टर 8 श्रार० के० पुरम, नई दिल्ली (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## यन्स्ची

प्लाट नं० 294 ब्लाक-एस० ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

> श्चार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्देक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्लो, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-2-1981

# प्रूक्षप् आर्द्र\_ टी. एन्. एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन नई ६२ल -110002 (आई० पी० इस्टेट)

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1981

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस०म्रार०-III/6-80/604—न्य्रतः मुझे, स्रार० बी० एल० म्रम्नवाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एस०-418 है तथा जो ग्रेटर कैलाग पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विज्ति है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 80 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल कित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधने में सूबिआ के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित् व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्री सस्य प्रकाश खोसला पुत्र श्री हुक्मी राय खोसाला एण्ड श्रीमती सुनीला खोसला परिन श्री सस्य प्रकाश खोसला जी०-47, ईस्ट श्राफ कैलाश, नहीं दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सत्यपाल अग्रवाल पुत्र नानकचन्द , उषारानी ग्रग्नवाल परिन सत्या पाल ग्रग्नवाल एस०-418, ग्रेटर कैलाश-II, नई विस्ला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवािक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनस्वी

मकान नै॰ एस॰-418 ग्रेटर कैलाश पार्ट-II, नई दिल्ली।

श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्र्मन रेंज-<sup>I</sup>, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13 2-1981

मोहरः

प्ररूप आई० टो० एन० एस०⊸----

कायक्रर अभिनियस, 1941 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भूजीत रेंक-I, एच स्लाक, लिकास भवन नदी हिस्सी-110002 (आई० पी इस्टेंट)

नई विल्ली-110002, दिनांक 13 फरवरी 1981

निवेश सं० प्राई० ए० सी० एक्यू०-I/एस० म्रार०-III/ 680/491--- ग्रतः मुझे, भार० वी० एल० ग्रग्रवाल द्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को श्रमीन सक्षम माधिकारी को, मह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रीर जिसको सं छी ०-1/36 है सथा जो वसन्त विहार, नदी दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विभिन्न है ) रिज़स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, न**ई क्ल्ली** में रिजस्ट्रीकरण भाषातियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजस्य मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का एकित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाण से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रन्तरक (धन्तरकों) घीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरच के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेर्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त पश्चितियम के अधीत कर देने के प्रण्तरक के वायित्व में कभी करने या छससे अवने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य घारितयों को, जिन्हें भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त असितियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्रा के लिए;

प्रतः प्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्णत:--- (1) श्रा ए० हो ९ परिष्ठत 119, ब्रसन्त विहार देहरादून (यू० पी०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तरेश तलकार श्रीर श्रीमृती क्रुमकुम तलवार 152-एफ० मालया मार्ग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी शाक्षेप: कर

- (क) इस सूचना के राज्ञप्रज्ञ में प्रकाशान की तारीख़, से 45 दिन की अविध या तस्सम्बद्धी व्यक्तिन्में पर सूचता की तामील से 30 दिन की धविष, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूज़ना के राजपक्क में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृति में हित-बढ़ किसी सस्य स्थावन हारा, असीह्रस्ताकरी के शस विद्वात में किस जा सक्तेंगे।

स्पड्दीक्ररण : इसमें प्रयुक्त मन्त्रों श्रीर पदों का, भी उक्त भृष्टितिसम, के प्रभूतास ३००क से परिश्वासित हैं। वहीं अर्थ होगा जी उस प्रदेशाय में दिया गया है।

## अनुसूची

क्रि॰-1/36 वस्त्व्य निहस्त, नई जिल्ली 345 वर्गगण।

भार० बी० एस० अग्रवाल सक्षम श्रीवकारी सहायक आयक्त आग्रुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जेज-१, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विज्ञांक: 13-2-1981

प्रकम् बाह्रं, टी. प्रतुर पुस्,-----

बायुक्त विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-जु (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, थिकास भवन नई दिल्ली-110002 (आई० पी० इस्टेट)

नई दिल्ली-110002, दिनांक 13 फरवरी, 1981

निदेश सं० मार्थ ए० सो०/एक्यू०-I/एस० म्रार०-III/6-80/

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसको सं० 27 है तथा जो पश्चिमी मार्ग वसन्त विहार नई दिल्लो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष श्रनुसूनी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जन 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पण्द्रह प्रतिगत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकार पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधितियम, या घनकर प्रधितियम, या घनकर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बस, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-गु के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उमधारा (1) के अधीन, निम्नुनिष्णि, व्यक्तियों, सूर्यात्:-- (1) श्री के० एस० सुन्दराराजन ग्रीर श्रीमती कोमलम सुन्दराजन प्लुट नं०3 क्लाक ए०-1/10 जी० ग्री० सी० एच० एस० कालोनी, वसन्त नगर, मद्रास-600090।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रंजन कुमार एण्ड पवन कुमार बी०-1 वसन्त मार्ग, वसन्त बिहार नई दिल्ली

(भ्रम्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बर्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वत ग्रिश्वनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### अनुसूची

2ई मंजिला रेजिडेशियल हाउस (838.5 वर्ग गज), 698.76 वर्ग मीटर) नं० 27 पश्चिमी मार्ग वसन्त विहार, नई दिस्ली।

> भार० बी० एल० भग्नवाल सक्षम भाधकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, विल्ली, नई विल्ली-110002

विनांक: 13-2-1981

प्राक्षप आई० टी० एन० एस०---वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-I, एच ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 13 फरवरी, 1981

निवेश सं० धाई० ए० सी०/एन्यू०-1/एस० ग्रार०-111/ 6-80/568---श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल, भायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्राधिक है ग्रौर जिसकी सं० एस०-172 है तथा जो ग्रेप्टर कैशाल-Il नई विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून, 80 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विग्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे **दृश्यमान** प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से ग्रिधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच देसे भ्रन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की गावत उक्त प्रक्षि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मनं, उन्त घधिनियमं को धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित स्यन्तियों, घषींद्र:--

- (1) श्रीमती भैरंवा बाई परिन सेवाराम रेलन, बी०-22, दयानन्द कालोनी लाजपसनगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रानन्द नवानी पुत्र लेट श्री मेघराज नवानी, एल०-I/218 बी० डी० डी० ए० फ्लैंट्स कालोनी, नई दिल्ली एण्ड ग्रदर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तश्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्दों का, जो उकत अधि-नियम के श्रव्याप 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रयं होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

### प्रमुसूची

्लाट नं॰ एस॰-172, 300 धर्गगण ग्रेप्टर कैलास- $\Pi_{r}$  नई दिल्ली।

श्रार०बी०एल० श्रग्नवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-I, दिल्ली, नर्षे दिल्ली-110002

दिनांक: 13-2-81

प्ररूप आहू .टी. एन. एस. ------

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ब्रुजिन रेंज-1, एच ब्लाक विकास भवन, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली, दिनांक 13फरवरी 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस०-81 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का

16) के ध्रधीन, दिनांक जून, 1980 को पूर्वांक्स संपर्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थातुः--

- (1) बा॰ सुशील चन्द्र गुप्ता पुत्र लेट॰ लक्ष्मी चन्द्र एम॰-81, ग्रेटर कैलाश पार्ट-II, नई दिल्ली (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रकाण कौर श्रीर श्रीमती मनजिन्द्र कौर विडो श्राफ लेट जय सिंह फानी ई०-329 ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति मुदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रापर्टी नं॰ एम॰-87 ; 300 वर्गंगज रेजिडेंसियल कालोनी ग्रेटर कैलाण पार्ट-II, नर्ड दिल्ली।

> न्नार० बी० एल० भग्नवाल सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-J, दिल्ली

दिनांक: 13-2-1981

प्ररूप काइ . टी. एमें . इस . ₽₽-------

जार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक विकास भवन नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1981

भायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-चं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचितं बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिकं है

ग्रोर जिसकी सं० ए०-3 है तथा जो ग्रीन पार्क नई विस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिस्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के के ग्रधीन, दिनाँक जून 1980

को पूर्वो कत सम्परित के उण्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपरित का उण्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अब का किसी बन या अन्य ओस्सियों का, जिन्हें भारतीय आंब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्निष्कित व्यक्तियों अर्थात् क्ष--

(1) श्री राजिन्देर नुमार जैम पुत्र श्री सरदार लाल जैन ए०-3, प्रीन पार्क नई दिल्ली ।

(ब्रन्तरक)

(2) मैंसर्स कमफर्ट लिबिंग होटल प्रा० लि० एल०-18 एन डी० एस० ई०-II, नई दिल्ली-49

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्य सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त संस्पेरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस चूजना के राजपत्र में प्रकार्शन की तारीन से 45 दिन की जबिथ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवेरिं।
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकोंगी।

स्पष्टिकिरणः -- इसमें प्रयोक्त शब्दों और पंचों का, जो उक्त अधिनिर्वर्भ, के अध्याय 20-के में प्रीरमिष्ठित हैं, वहीं अर्थ हींगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

एक मंजिला बिस्डिंग नं ए०-3, 1000 वर्ग गज, ग्रीम पार्क नई दिल्ली-16।

> भ्रार० बी० एल० भग्नवाल सदाम प्रधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रंजन रेंज-I, दिल्ली।

दिनांक: 13-2-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

अरथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ूँग्रर्जन रेंज-I, एच ब्लाक विकास भवन, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1981

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-I,/एस० ग्रार०-III/6-80/408—ग्रतः मुझे, ग्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रींर जिसकी सं० ई०-122 ए० है तथा जो ग्रेटर कैलाण-I नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन, दिनांक जून 1980

को पूर्वायत संपत्ति है सिन बाजार स्त्य में अब के द्रश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाँकत सर्पात्त का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल में, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रति-फल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृष से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 5—486GI/80

- (1) श्री सन्तोष कुमार बनर्जी पुत्र लेट चारु चन्द्रा बनर्जी ई०-122-ए०, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्ण कुमार स्राहूजा पुत्र लेट दुर्गा दास स्राहूजा निवासी 1407 डा० मुकर्जी नगर दिल्ली। (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

ल्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रापर्टी नं० ई०-122ए० एरिया 208 वर्ग गज ग्रटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

ग्रार० वी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 13-2-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, एच ब्लाक विकास भवन, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1981

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस०म्रार०-III/ ६-80/409—प्रतः मुझे, भ्रार० बी एल० श्रग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 143-ए०, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, दिनांक जून, 1980

को पूर्वाक्त संपर्तित के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्वर्थ से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री लाजपतराय मदन केयरश्राफ पंजाब मैंडिकल हाल रामपुर (यू०पी०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमन श्रानन्द श्रीर श्रीमती संगीता चोपड़ा डी०-289 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ग्रन्**मुची

प्लाप्ट नं० 143-ए० ग्रेटर कैलाण-II, ब्लाक नं० ई० नई दिल्ली-48।

> भ्रार० बी० एल० भ्रग्नवाल सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैनरेंज-I, दिल्ली।

दिनांक : 13-2-81

मोहर: -

# प्रसप आई० ही । ए३० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 13 फरवरी 1981 निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० ग्रार०<sup>I</sup>II/6-80/ 406:—यतः, मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनि । व' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क से अधिक है और जिसकी मं० एम-81 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), बेरिकस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधनियम, 1908 (1908 क 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है और मुझे यह विक्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः-- (1) डा॰ श्रमर नाथ प्ररोड़ा पुत्र श्री करतार सिंह, ए॰→15 विशाल इन्कलेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वीरेन्द्र कुमार वर्मा पुत्न श्री डा॰ परमानन्द वर्मा 28 किंग्सवे एवन्यू एइलिंग लन्डन-डब्ल्यू० 13, श्रीटेक चन्द गोगिया के द्वारा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### श्रनुसूची

एक सिगल स्टोरी मकान बैसमैन के साथ जिसका नं० एम-81 तथा जो कि ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है।

भ्रार० बी० एस० श्रग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) भ्रजन रेंज-I, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 13 फरवरी, 1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 13 फरवरी, 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य०-I/एस०आर० III/6-80/4875:—यत:, मुझे, ग्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० के-117 है तथा जो होज खास इनकलेंव नई विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोदेश मंगरित का उंचा बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्रीमती दलजीत कौर फ्लैंट नं० 'एल०' सागर श्रपटिमैंट, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप हान्डा और श्री विपीन हान्डा के-107 कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रापर्टी नं० के-117, होज खास इन्कलेब, नई दिल्ली, जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है।

> भ्रार० बी० एल० अग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 13 फरवरी, 1981

प्रकप शाई० टी० एन एस०---

आयकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रीधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1, नई दिल्ली-2
नई दिल्ली-110002, दिनांक 13 फरवरी, 1981
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०आर०-III/6-80/605:—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उका जितियम' कहा गया है), की घारा 269-च के अशीन नजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- हपये से अधिक है और जिसकी सं० सी०-134 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छित्रत बाजार मृह्य से कम के

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिचत बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृह्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल है भौर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) श्रीर प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेग्य से छक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत एकत प्रक्षि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमो करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

धतः, श्रव, उकत श्रिधिनियम की घारा 269-ग के श्रमु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथातः—

- (1) श्रोमती प्रीतम कौर पत्नी श्री गुरदयाल सिंह, 16 माडल टाउन, जालन्धर श्रीर हरपाल सिंह पुत्र श्री गुरदयाल सिंह, 16 माडल टाउन, जालन्धर, गुरदयाल के द्वारा। (श्रन्तरक)
- (2) कुमारी रेशमी मित्तल पुत्री श्री वी० बी० मित्तल निवासी ए-3, ग्रेटर कैलाश इन्कलेब, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि गालियां वेशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ग्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधीतस्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण:---इसमें प्रपुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

एक प्लाट नं० सी-134 जिसका क्षेत्रफल 310 वर्ग गज है तथा जो कि ग्रेटर कैन (ण-1, नई दिल्ली में स्थित है।

> ग्रार० बी० एन० ग्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैनरेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13~2-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--I, नई दिल्ली--110002

नई दिल्ली~110002, दिनांक 13 फरवरी 1981

निर्देश संब्रहाई० एव ्रैंसीव/एक्यूव-I/एसव्एमव--II/688/ 619:---अतः मुझे, श्रारव बीव एक्तव श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ई०-317 है तथा जो ग्रेटर कैनाण-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री सत्याभूषण गुष्ता पुत्र श्री शिव दयाल गुष्ता, निवासी एफ०--17, एन० डी० एस० ई० भाग-I, नहीं दिल्ली।

(भ्रन्तरक,

(2) श्रीमती विरन वली पत्नी श्री एस० तेजा सिंह निवासी 65/65 न्यू रोहतक रोड़, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

प्रापर्टी नं० ई०-317, ग्रेटर कलाण-II, नई दिल्ली ।

भ्रार० बी० एन० ग्रग्नवाल, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण.) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-2-1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43 ) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 13 फरवरी 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार० 1/680/ 610:—श्रतः मुझे, श्रार० वी० एल० श्रग्नवाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका छिचन बाजार मूल्य 25,000/- रु से प्रधिक है

जिसको मं० के०-37 है तथा जो कैलाण कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य मे वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के यार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जन, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम मे कम दूष्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकाल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह् प्रतिगत से घष्ठिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक कर ने हिंदन नहीं किया गया है:——

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करते या उससे बचने में मुजिक्षा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि गा गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—- (1) श्रो एस० श्री चन्दर दीप और चन्दर प्रकाण 109, गली बाटाणान, चावड़ी बाजार दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी॰ एस॰ भोजवानी, निवासी के॰-37, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत: --

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध था नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी धन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुधी

मकान नं० के०→37 जिसका क्षेत्रफल 311 वर्ग गज है तथा जो कि कैलाश कालोनी में स्थित है।

> भ्रार० बी० एल० भ्रम्नवाल, सक्षम श्रिषकारी, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-J, नई विल्ली-1

तारोख: 13-2-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $\pi = 1$ , दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 13 फरवरी 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० एम० II/680/ 608:--अतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनिथम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

जिपको मं० 3 बनाक 'सी०' है तथा जो कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उस्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था एा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुसिष्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रो गुरबत सिंह माबला पुत्र श्रो स्वं० मोटा सिंह मुरिबन्दर षौहान अर्टीन के द्वारा पत्नी श्री चौहान निवासी एल०— 18 एन० डी० एस०ई०—II, नई दिल्ली ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री मैंसर सागर कन्सट्रक्टर (पी) लि॰ एफ॰-3 कैलाश कालौनी, नई दिल्ली डारेक्टर श्री जी॰ डी॰ पोहार के द्वारा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतन प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनु<mark>सुची</mark>

प्लाट नं० 3 ब्लाक नं० 'सी' जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है तथा जो कि कैलाण कालोनी नई दिल्लो में स्थित है।

> त्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल, सक्षम ग्रिधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज⊸ीं, नई दिल्ली।

तारीख: 13→2-1981.

मोहर

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-I,

नई दिल्ली-110002, विनांक 13 फरवरी 1981

निर्वेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० भार०—III/ 680/ 480:——मतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं XVI/2887 है तथा जो मैन हरध्यान सिंह रोड़ बीड़न पुर करौल बाग, नई विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज्ञ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूज्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— 6—486GI/80

- (1) श्री बलजीत सिंह पुत्र श्री अवतार सिंह 16/2882 गली नं० 17 बीडनपुरा करौल बाग, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री चूनी लाल पुत्र श्री बंशी राम हाउस नं० 480 रैगर पुरा करौल बाग, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में विदा गया है।

## **भनुसूची**

प्रापर्टी नं० 16/2887 जो कि मैंन हरवीयान सिंह रोड़ बीड़नपुरा, करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है तथा जिसका क्षेत्रफल 161 वर्ग गज है।

> श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल, सक्षम श्रक्षिकारी, सहायक श्रायकर झाय्वत (निरीक्षण), झर्जन रेंज-I, नई दिल्ली. 110002

तारीख: 13-2-19 81.

प्ररूप भाई » टी • एन • एस •---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-2

नई बिल्ली-110002, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एकयू०/II/एस० ग्रार०—I/6-80/6656:—यतः, मुझे, श्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 43/3 है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख

जून, 1980
को पूर्वोक्त सम्पर्शि के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत अधिक है भौर
अभ्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त खन्तरण लिखित में बास्तविक छप से कथित
नहीं किया गया हैं।---

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, भव, उक्तं मिधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनु-सरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के मधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, खर्चांत्:— (1) श्री शान्ति सरूप बेटा श्री हरि राम 62- ड्रेक रोड सोमर सेट एन० जे-08873 यू० एस० ए० द्वारा श्री के० एस० भारहाज डो-835, न्यू फेंड कालोनी, नई दिस्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सूरज भान बेटा श्री राम सरण श्रीर श्री सुभाष रुहेला बेटा श्री सूरज भान, 5565/75, रैगर पुरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

**एक्त** सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (का) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी एक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## वनुसूची

एक सरकारी मकान नं ० 43/13, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

श्रार० बी० एल० स्रप्नवाल, सक्षम प्राधिकारी; सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारी**ख**ः 1*7*—2—1981

मोहरः

प्रक्षय भाईं.टी.एन.एस.-------आयंकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, नई विल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० म्रार०—Î/6-80/6630:—यत:, मुझे, म्रार० बीं० एल० श्रव्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 28, रोड नं० 53 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रो ग्रों नार नाथ मरवाह बेटा श्री राज पाल 28, रोड नं० 53, पंजाबी बाग, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)

(2) श्री विपिन कुमार महरोत्ना बेटा श्री राम प्रकाश महरोत्ना एस-493, ग्रेटर कैलाश नं० 1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मेरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त धक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

### अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 28, जो कि ऐडिए नं० 53 पंजाबी बाग में स्थित है।

> ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई विल्ली:110002

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷——

तारीख: 17-2-1981

प्रुरूप् आह⁴ं, टी. एन. एस ------

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 फरवरी 1981

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एभ्यू०/II/एस० श्रार०—II/680/ 3473:—यत:, मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 5 है तथा जो ब्लाक 'ए' रोहतक रोड. गांव मक्रपुर, दिल्लो स्टेट, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारोख जून, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्र्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; आहर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नति चित्र व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री एस० डो॰ झार० सेठी बेटा श्री के॰ एस० सेठी, 876, डा॰ मुकर्जी नगर, विस्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री इकबाल सिंह, बेटा स० गंगा विशन धीर श्रीमती वर्शन कौर पत्नी इकबाल सिंह, 5517, बस्ती हरफूल सिंह, सवर बाजार, दिल्ली।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुया हैं।

#### बन्सूची

प्लाट नं ० 5, ब्लाक 'ए' जिसका क्षेत्रफल 256 वर्गगज है भगवान वास नगर, रोहतक रोड़, गांव शकूर पुर में स्थित है।

> न्नार० बी० एल० म्रप्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज--II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-2-1981

प्ररूप आर्दः दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $\pi$  फ्रंजन रेंज,-II, दिल्ली-2 नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 फरवरी 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II--अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3930 है तथा जो गली मन्दिर वाली पहाड़ी धीरज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1980 है

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन मिमनिष्कित व्यक्तियों अर्थात्ः-- (1) श्रीसोताज सिंह, 3930, गली मन्दिर वाली पहाड़ी धीरज, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुतेज सिंह, सुलतान सिंह 3929, गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज।

(म्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

मकान नं० 3930, गली मन्दिर वाली, पहाड़ी धीरज, दिल्ली में है जिसका क्षेत्रफल 133वर्ग गज है।

> श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी; सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली।

तारीख : 16-2-1981.

मोहरः

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई विल्ली-110002, दिनांक 16 फरवरी 1981

निर्वेश सं० भाई० ए०सी०/एक्यू०- $\Pi/$ एस० भार०— $\Pi/$ 6-80/3525:—-प्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

भ्रायकर श्रिधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पष्टवात 'उक्त श्रिधितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिथीन सक्षव प्रधिकारी को, यह विष्ट्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से भ्रिधिक है भौर जिसकी सं० जे-3/53 है तथा जो राजौरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जन, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ग जिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः--

- (1) ल० अर्नेल सरदूल सिंह और भाई अमरजीत सिंह और मनोहर सिंह, एफ०-46, बाली नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री जीवन दास बेटा श्री चरण सिंह ननवानी, 3246, स्कूल वाली गली, पहाड़गज, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रोपर्टी नं० जे०-3/53, जिसका क्षेत्रफल 162 वर्ग गज है जो राजौरी गार्डन, गांव ततारपुर में स्थित है।

> ग्रार० बी एल० ग्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, दिल्ली नई दिल्ली।

तारीख : 16-2-1981.

मोहर :]

भारत सरकार

# कार्यालय सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज-II, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 फरवरी, 1981
निवेंश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस०भार० II/6-80/
3486:—यतः मुझे, भार० बी० एल० अभवाल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य
25,000/- ४० से मिकक है

श्रौर जिसकी सं० 7, है तथा जो रोड न० 47, पंजाबी बाग, विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, भारसीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुन, 1980

की पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि धन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय कथा गया प्रतिफल, निम्नितिखित छहेश्य से उच्त धन्तरण लिखित में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिन्नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती अरंग प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

भता सक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, छक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती सुमन लता पत्नी श्री प्रेम सागर सूद, 7/47. पंजाबो बाग, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री मोहिन्ट सिंह बी०— 18, जंगपुरा, एव स्टेंगन, नई दिल्ली ।

(म्रन्सरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जवित, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब आ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीक्षरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'छक्त झिन्न नियम', के अध्याय 20-क में परिचाबित हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# अनुसूची

मकान जो कि प्लाट नं० 7, रोड़ नं० 47, जिसका क्षेत्रफल 279.55 वर्ग गज घौर पंजाबी बाग गांव मादी पुर दिल्ली में स्थित है।

भ्रार० बी० एल० श्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 16फरवरी, 1981।

# प्ररूप बाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जनरेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 फरवरी 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सीo/एक्यूo- $I^{I}$ /एस०श्रार०-II/6-80/3452:—श्रतः मुसे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 165 है तथा जो ब्लाक जे०-5, राजीरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1980

को पूर्थोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विक्षा को लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की छपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती सुशील कुमारी पत्नी श्री रघुनाथ राम मैं दिरसा, जी 27/4, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री समीतर सिंह बेटा तरलोक सिंह गुलाटी, श्रीमती रिजन्द्र कौर पत्नी समीतर सिंह श्रौर देविन्द्र सिंह ए-2/48, राजौरी गाउँन, नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त क्रब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह<sup>3</sup>।

# भनुसूची

एक मकान जो कि प्लाट नं 165, ब्लाक जेक्क जिसका कि क्षेत्रफल 160 वर्ग गज है रजौरी गार्डन में स्थित है।

> त्रार० बी० एल० त्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, महायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेंज-II, विल्ली/नई दिल्ली।

तारी**ख**ः 16-2-1981 .

प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 फरवरी, 1980

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० प्रार०—II/680/ 3502:—-प्रत: मुझे, प्रार० बी० एस० प्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० नं० 11 रोड़ है तथा जो नं० 47, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के श्रधीन, तारीख जुन, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिक्ति उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाअस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--7—486GI/80

(1) श्री रधुबीर कृष्ण बेटा श्री केदार नाथ भल्ला, डी०-267, फेज-I, अशोक विद्वार जी० पी० ए० श्रीमती चन्द्र कला पत्नी बृज मोहन लूथरा, 11, रोड नं० 47, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(1) श्री केदार नाथ भल्ला बेटा चूनी लाल भल्ला, प्राई 26, कीर्ति नगर, (2)श्री सोम बिहारी लाल भल्ला बेटा केवार नाथ (3) श्रीमती त्रिपता रानी पत्नी श्री सोम बिहारी लाल प्रोपर्टी नं० 11, रोड़ न० 47, पंजाबी बाग।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृतित को अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 11, रोड़ नं० 47, पंजाबी बाग, दिस्ली में स्थित है।

> म्रार० बी० एल० म्रग्नवास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रॅज–II, दिल्ली

तारीख: 17-2-1981,

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज—II, नई दिल्ली--110002 नई दिल्ली--110002, दिनांक 17 फरवरी, 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० सी०-27 है तथा जो कृष्णा पार्क नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध धनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकार, के कार्यालय दिल्ला में भारत य रिजस्ट्रोकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन, नाराख जून, 1980।

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आष की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- ()) श्राः गुरुवरण सिंह बेटा गेर सिंह ग्रलुवासिया खब्लू जेड-216 ए, ब्लाक जा, हरि नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तर्क)
- (2) श्रोमतो ब्रादर्श कोचर पत्नी श्रो चमन लोल ए-186, विकास पुरी, नई दिल्ला ।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तारसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (\*) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्क्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छिकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पत्नों का, जो जबस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसुची

खालो प्लाट नं० सी०-27, कृष्णा पार्क, नई दिल्ली ।

ग्रार० बी० एस० भ्रम्नकास, सक्षम श्रधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज—I<sup>I</sup>, न**ई** दिल्ली ।

तारीख: 17-2-1981.

# प्रकप भाई • टी • एन • एस • ∽

आयमर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के घंधीन सूर्वमां}

## भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  $% \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} - \frac{1$ 

नई दिल्लं:-110002, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० स $\sim$ ।एस्यू $\sim$  $_{II}$ एस्० म्रार $\sim$  $_{II}$ 6-80 $_{II}$ 6610:—अतः मुझे, म्रार० बी० एल० भ्रम्नवाल,

स्वायकर समितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिमित्यम' कहा गया है), की धारा 269-थं के घधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यं से प्रधिक है

और जिसकी मं० है तथा जो जैसा कि सेल डाड में लिखा हुआ है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारा के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्र-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) धारतरण से हुई किसी घाय का बाबत उक्त प्रधिनयम, के प्रधीन कर दन के प्रस्तरक के बायश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः ग्रबः, उन्त अधानयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त धिधनियम की धारा 269क्ष्म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :---

(1) श्री ईस्ट इण्डिया होटल्स लिमिटेड, 4-मंगो लेन, कलकत्ता-700001.

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा सिबल, 35-ए, ग्रोबराय ऐपार्टमेन्ट-2, णाम नाथ मार्ग, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054. (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकेपूर्वीक्त सम्पक्तिके अर्जान के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भं? भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में स्थित व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की ताराख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्पिक
  में हितबढ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, यहोहिन्ताकरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदा का, जो डक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में वरिमालित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्यय में विमा गमा है।

## धन्सूची

35-ए, श्रोबराय एपार्टमेंटस, 2-णाम नाथ मार्ग, सिविल लाईन्स, दिल्लो-110054.

श्रार० बी० एल० श्रप्रवाल; सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज—II, दिल्ली ।

तारीय : 17-2-1981

प्ररूप माई० टी॰ एन० एस०---

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्लो-110002, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० श्रार०—I/680/ 6688:—श्रतः मुझे, भार० बी० एल० श्रप्रवाल,

मायकर मिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धार। 269-ख के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपए से श्रिष्ठक हैं और जिसकी सं० ई०-17 है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे थड़ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफत्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखिन में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण ते हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, भर्यात्।— (1) श्रोमतो संत कुमारी विधवा मेजर सुन्दर दास निगरानी श्रो कश्मीरी लाल, नं० 6, रत्न लाल बिल्डिंग, राम नमर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार सुद बेटा श्री शान्ति सरूप सूद नं० डी०-17, कीर्ति नगर, नजफगढ़ रोड़, नई विस्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकत किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रपुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

एक मन्जिला मकान जिसका नं० डी०-17, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

> ग्रार० बी० एल० श्रग्रवाल, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज- , दिल्ली ।

तारीख: 17-2-1981.

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सो०/एक्यू०/II/एस० प्रार०—I/680/ 6626:—मत: मुझे, प्रार० बी० एस० प्रायास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 41, वार्ड नं० 15, राम नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तार्राख जून, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रिंशकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रे/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रा जय गोगाल मानकतला, बीं ०-I, प्रभा कुटीर, ग्रीन एकरेस जीनोर, बम्बई। (2) मतपाल मानकतला 11 ए०, मेहर ऐपाटमेन्ट, एन्टेस रोड़, बम्बई (3) श्रिगेडियर नरेन्द्र पाल मानकतला, डीं ०-47, डिफेन्स कालोनी, (4) श्रीमती इन्द्र मानकतला, 3, कुमार कुटीर, मंगला वडी रोड़, नागपुर, यू० पीं०।
- (1) श्री चमन शाह (2) सतीश कुमार, 6604/2, नभी करीम, पहाड़गंज, नई दिल्ली। (3) धर्म पाल (4) गुलशन कुमार, 41-राम नगर, पहाड़गंज, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

नं० 41, वार्ड नं० 15, राम नगर, पहाड़गंज, नई दिल्ली ।

भ्रार० बी० एल० श्रग्रवाल, सक्षम स्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज—II, दिल्ली ।

नारीख : 17-2-81.

प्रकृषः चार्रः हो० एत० एस०---

आंयकर प्रवितियम, 1961 (1961 की 43) की बारा 269-थ (1) के प्रवित तूचना

मारत सरकार

कार्याजय, सहायंक ब्रायक्षर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्लो- 110002

न**ई** दिल्ली-110002, दिनांक 16 फरवरी 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०/मी/एस० श्रार०--मा/680/ 3495:——श्रतः सुझे, श्रार० बी० एन० श्रग्रवाल,

अप्रवाल, आराज कार्ज एला अप्रवाल, आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- क्यमें से प्रधिक है श्रीर जिसकी संग् ई ज्याज इन्द्र पुरी, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्याव्य, दिल्ला में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रधिकारी के कार्याव्य, दिल्ला में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1980

को पूर्वक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्णमान प्रतिफल के लिए प्रत्तरित की गई है मौर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रंह प्रतिशत से अधिक है भौर सम्तरक (धन्तरकों) भौर अन्तरितों (अन्तरितयों), के बीच ऐसे सम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उच्चेष से उक्त सम्तरण लिखित में बास्तिक इप से कियत नहीं किया गया गया है:—

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी प्राय की नावन उक्त ग्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; पौर/या
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धनकर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्च घन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविकार के लिए;

अतः, बब, उन्त धिवनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उन्त धिवनियम की धारा 269-ध की उपवारा (1) अधीन निम्नलिखिन स्थिनतयों, अर्थातः— (1) श्रारमेण चन्द्र दत्त, 20/18, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मल भाटिया 30-ए, बसन्त लेन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रति के अर्थन के लिए कार्यभाहियां करता हूं।

जनत सम्पति के प्रजेत के पम्बन्य में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीं ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त यान्यों घीर पद्यों का, जी उक्त धिव-नियम के ब्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी धर्ष होगा, जो उस ब्रध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

प्रोपर्टी नं० ई० जो०-31, जिसका क्षेत्रफल 128 वर्ग गज है, इन्द्रपुरी में स्थित है।

> श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल, मक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेज-II, दिल्ली।

नारोख: 16-2-1981

प्रदेश आर्थ के ही । एवं देख ----

भायकर समिनियम, 1961 (1961 का 42) की धारा 269-म (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेज- ,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० म्रार०—I/680/ 6613:—म्प्रतः मुझे, म्रार० बी० एस० म्रायान,

भायकार असिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत घषिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- २० से अधिक है

स्मौर जिसकी सं० ए०-8/32 है तथा जो राना प्रताप बाग, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुम, 1980

को पृथोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक छप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

बाद: शव, पनत प्रविनियम की बारा 269-म के धनुसरम में, में, एक्त प्रविनियम की घारा 269-म की क्वारा (1:) के बादीन निम्मविचित स्थितियों, सर्वात:— (1) श्रीमती राजकुमारी बेटी श्रीमती दुर्गा देवी पत्नी श्री डी॰ पो॰ भाटिया, नं॰ ए-8/32, राणा प्रताप, बाग, दिल्ली-7.

(भ्रन्तरक)

(1) 1. श्री सतीण चन्द्र, (2) राजेण कुमार बेटा श्री क्रिलोक चन्द (3) श्री ग्रागोक कुमार बेटा श्री णीलोक चन्द्र, (4) मैसर्स विणाल विरेश श्रीर विकास बेटे श्री राधे क्याम, ए-8/32, राणा प्रताप बाग, दिस्सी-7.

(भ्रन्तरिती)

को यह पूचता जारी करके पूर्वीका सम्पक्ति के अर्जन के क्लिए कार्यवाहिका समस्या हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क.) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी क्ष से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूत्रमा ने त्राचमक में प्रकाशन की तात्रीक से 45 किन के भीतर उनत स्थावर करनति में हिसकड़ किसी धन्य व्यक्तित दारा अधीक्ष्ताध्वरी के प्राप्त लिक्कित में किए जा सकीं।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कर्को धीर पदों का, जो उनत धीछ-नियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, बही धर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

वो मंजिल मकान नं० ए−8/32, राणा प्रताप वाग, .िहस्सी।

> क्क्षार० की० एल० श्रग्नवाल, सक्षम श्रधिकारी, सहायकश्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–II, दिल्ली ।

तारीख: 17~2-1981,

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 फरवरी, 1981

निदेश सं अप्तर्ड ए० सी०/एक्यू०/II/एम० आरं०—I/680/6632:—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 5-ए, है तथा जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीक करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थातः -- (1) श्रीमती हीरा देवी, 2-भाटिया प्रोट्रिज रोड़, गाजिया-बाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जे॰ सीता चिरणजीव 5-ए, कमला नगर, दिल्ली-110007. ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अन्स्ची

पहली मंजिल मकान नं० 5-ए, कमला नगर, दिल्ली।

श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज-II, विल्ली।

तारीख : 17-2-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-11, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 फरवरी 1981

निदेश सं ०श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० श्रार०—II/ 6-80/ 3479:—श्रत: मुझे, श्रार० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० सी०-145 है तथा जो गांव ज्वाला हरी, न्यू मुलतान नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त. अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थातः--

(!) श्री ग्रजुँन देव मिलक बेटा लोक नाथ मिलक, मकान नं० मी०→145, न्यू मुलतान नगर, पी० श्राफ० णकूर बस्ती, दिल्ली-34.

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जी० लाल बेटा श्री मास्वान लाल श्रौर श्री दौलत राम बेटा श्री जीशा लाल निवामी जीद मण्डां, জালি (हरियाणा)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थे होगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

# धनुस्धी

मकान नं० सी०-45 खसरा नं० 1/16/2, जो कि गांव ज्वाला हरी, न्यू मुलतान नगर. जो कि रोहमक रोड़, दिल्ली में जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है।

> श्रार० बी० एस० श्रग्रवाल, सक्षम श्रीधकारा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेज-II, दिल्ली।

ना**रीख**: 16-2-81

मोहर:

8-486G1/80

प्ररूप् आइ. . टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 फरवरी 1981

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० श्रार०—I/6-80/6630:——श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 5 रोड़ नं० 77 है तथा जो पंजाबी बाग देहली में स्थित है (ग्रांर इसके उपाबद्ध ग्रनसृषी में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिक रो के बार्यालय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की **बाबत**, उक्स अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री मदन लाल खन्ना सुपुत्र श्री प्रकाश नाथ खन्ना श्रीर श्रीमती श्राधर्श वाला खन्ना पत्नी श्री मदन लाल खन्ना निवासी 683 माडल टाउन, जलंधर श्रीर श्री श्रतुल खन्ना सुपुक्ष श्री मदन लाल खन्ना 5/77, पंजाबी बाग, देहली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार उप्पल, विनय कुमार उप्पल, विरेन्द्र कुमार उप्पल श्रौर विक्रम कुमार उप्पल सुपुन्न श्री दुर्गा दास उप्पल निवासी 12/1, डब्ल्य० एच० एस० कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अभ्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

प्लाट नं० 5 रोड़ नं० 77 पर बना हुम्मा मकान जिसका क्षेत्रफल 2227. 22 वर्ग गज स्थित पंजाबी बाग, देहली।

> श्चार० बी० एल० ग्रग्नवाल, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैंन रेंज-II, दिल्ली ।

तारीख: 16-2-1981

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०---

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहाय ह आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-1:0002, दिनांक 16 फरवरी 1981

निदेश सं० घ्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एम० **घ्रार०—**I/6—80/ 6662:——ग्रत: मुझे, ग्रार० **वी०** एल० ग्रग्रवाल,

श्रीयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- करये ये ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० एज पर सेल डोड है तथा जो राजा गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसुवी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारोख जून, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दागिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, में, जक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन जिम्लिखित व्यक्तियों, भर्यात:— (1) श्रोमती आशा रानी चगती पत्नी श्री देव राज चगती, ई०-36/12, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

(2) श्री केसर दास बेटा लाला फिरया लाल, 11733, गली नं० 3, सत नगर, करोल बाग।

(श्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, घ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों हा, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रार्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गरा है।

# **प्रनुसू**ची

एक मंजिल मकान जिसका क्षेत्रफल 192.8/9 वर्ग गज है। राजा गार्डन, गांव बसई धारापुर में स्थित है।

> न्नार० बी० एल० श्रग्रवाल, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली।

तारीख: 16-2-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-∏, दिल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 फरवरी, 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० ग्रार०—I/680/ 6619:—श्रत: मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० 216 ब्लाक सी है तथा जो मजलिस पार्क में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1980

का पूर्वाक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के सिए; औ्र√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों मों, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—— (1) श्री ब्रह्म देव णर्मा बेटा श्री मस्त राम णर्मा, सी०-216, मजलिस पार्क, दिल्ली-33।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बसन्त लाल कपूर ग्रीर मोहिन्द्र पाल कपूर बेटा लेट श्री ग्रर्जुन दास कपूर सी०--213, मजलिस पार्क, दिल्ली--33।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमृत्यी

डबल स्टोरी मकान नं० 216, ब्लाक 'सी' जिसका क्षेत्रफल 111 वर्ग गज है, मजलिस पार्क में स्थित है।

> श्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–II, दिस्ली ।

तारीख : 16-2-1981.

प्ररूप बाई∙ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के धधान सूधना

#### भः**रत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-गा, दिल्ली-2

नई दिल्ली~110002, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ $\Pi$ /एस० आर०-I/680/3483:—-अत: मुझे, श्रार० बी० एन० अग्रवाल,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधितियम' कहा गया है), को बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारों को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं० सी०-30 है तथा जो भगवान दास नगर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूग्यमान प्रतिकल के लिए प्रत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत प्रक्षिक है और प्रग्तरक (ग्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐस प्रग्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रग्वरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त भिक्षितयम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्य में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य अस्तियों, को जिन्हें मारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ध्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (11) के अभीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) श्री मोहिन्द्र प्रताप बेटा श्री नरंजन दास निवासी, मैसर्स मार्डन टिम्बर सप्लाई कम्पनी उंगू रोड़, पठान कोट । (श्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रमर नाथ साहनी बेटा, श्री णिव नरायण साहनी, 53, जपान बिल्डिंग, 5407/8, जी० बी० रोड़०, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी प्राधाँप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा; या
- (ख) इस सूजना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी भाष्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पद्धों का, जो खक्त प्रधि-निसम के झध्याय 20-क में परिनाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो उप झडगाय में दिया गया है।

# श्रन् सूची

प्लाट नं० सी०-30, जो कि भगवान दास नगर गांव शक्रूर-पुर में है। उसका क्षेत्रफल 381 वर्ग गज है।

> श्चार० बी० एल० अग्रवाल, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-∏, दिल्ली ।

तारीख : 17-2-1981

प्ररूप आहाँ. टी. एन्. एस.—— नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई विल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 फरवरी, 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० श्रार०—I/680/ 6667 :—-ग्रतः मुझे, ग्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ० 17/22 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून,

को पूर्वा कित सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकाल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इद्यमान प्रतिकाल से एसे इद्यमान प्रतिकाल का पद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इत्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और√या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

जात: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अभीत :--

(1) श्री मोहन सिंह बेटा श्री मूल चन्द, 17/22, शक्ति नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जगदीश कीर पत्नी श्री मोहन सिंह ई०-92, कमला नगर, विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

सांझी प्रापर्टी नं ० 17/22, शक्ति नगर, का 1/2 हिस्सा ।

ग्रार० बी० एस० ग्रग्नवास, सक्षम श्रिधकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),  $^{5}$  श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली।

तारीख: 17-2-1981.

> 269-भ (1) के भधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-II, नई विरुखी

नई विल्ली-110002, दिनोक 16 फरवरी 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० श्रार०-I/680/6640:—श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 2230 है तथा जो गली शंकर बाजार सीता राम में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1980

पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह थि। अतास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से घिक है घौर घन्तरक (प्रग्तरकों) घौर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुई किसी भाय की बाबत उनत मधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धनकर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुक्तिमा के लिए;

मतः प्रव, उक्त मिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त मिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बन्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री महाजन कृष्ण भट्ट (2) श्रवतार कृष्ण भट्ट बेटा श्री शम्भू नाथ, 17 कर्ण नगर, श्री नगर, काश्मीर हाल नं 0 2230,गली बाजार सीता राम, विल्ली-6. (श्रन्तरक)
- (2) श्री देश राज कालरा बेटा श्री हरी कालरा 2230, गली शंकर बाजार, सीता राम, दिल्ली-6। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर तम्पत्ति में हितकद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के भध्याय 20 के में परिभाषित है, कही भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# नमुसूची

एक 2½ मंजिल मकान जिसका क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है गली शंकर बाजार सीता राम प्रोपर्टी नं० 2230 पर स्थित है।

> म्रार० बी० एल० भ्रप्नवास, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, दिल्ली

दिनांक: 16-2-1981

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II,एख० ब्लाक, विकास भवन, (आई० पी इस्टेट) नई दिल्ली

नर्ष्ट दिल्ली-110002, दिनांक 17 फरवरी 1981 निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० भ्रार० I/6-8०/-

6637— ग्रतः मुझे, ग्रार० बी० एस० ग्रग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 45, है तथा जो ब्लाक सी, श्रादर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली से रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुन 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे हश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में मिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्रीमती रिसालो देवी पत्नी श्री कुन्दन लाल, सी-45, श्राचार्य कृपलानी रोड, श्रादर्श नगर, दिल्ली-33। (अन्तरक)
- 2. श्री कृष्ण कुमार (2) बाल कृष्ण (3) राम प्रकाश बेटे रमेश्वर दयाल श्रौर (4) श्रीमती कुसुमलता पत्नी श्री प्रेम नारायण, 136-डी, कमला नगर।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 45, ब्लाक सी, घ्राचार्य कृपलानी रोष्ट, भावर्गनगर, दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है।

> न्नार० बी० एल० न्नग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) <sup>गु</sup>त्रजंन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-2-1981

प्ररूप माई० ी० एन० एस०----

भ्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन, (श्राई० पी० इस्टेट) नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-JI/एम० श्रार०-1/6-80/6642:— श्रतः, मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्जात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- चपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 317 है तथा जो गली भूत वाली, कूचा संजोगी राम, नया बांस, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ंधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- ा श्रीमती चन्द्रलेखा पत्नी लाला गंगाराम 317, कूचा मंजोगी, नया बांस, दिल्ली। (धन्तरक)
- श्रीमती राम मूर्ति पत्नी श्री जय प्रकाश गुप्ता
   6021, गली श्रार्या समाज, बाजार सीताराम, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह।

उन्त सम्पत्ति के श्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इग सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही प्रथे होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### भनुसूची

मकान नं० 317, गली भूस वाली, कूचा संजोगी, नया बांस, दिल्ली।

> भ्रार० बी० एल० भ्रम्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 17-2-1981

प्ररूप साई० टी० एन० स्रा०------

म्रायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० ग्रार०1/6-80/6671—ग्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त पश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अशीन सम्भा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बामार मूल्य 25,000/- रुपए से पश्चिक है.

ग्रीर जिसकी सं० 1/783 है तथा जो निष्चल रोड कश्मीरी गेट दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जून, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरिक (अन्तरिकों) खोर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई कि का आय की बाबत, धक्त धां अलियम. के अधीन कर देन के अन्तरक के वायित्व में अपी करने या उक्तर बचने में सुविश्वा के जिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य गास्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चान्हिए या, श्रियाने में सुविधा के लिए।

अतः बाअ, उन्त बाधिनियम की धारा 26 क्रम के अनुसरण में, मैं, उक्त बाधिनियम की धारा 269-च की खण्डारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) श्री विश्वनाथ सेठी बेटा लेट श्री भूप चन्द सेठी 11/15, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) मैं सर्स विगेकलो कंस्ट्रकशन (पी०) लिमिटेड जी० 2/43-ए० मिडिल सर्किल, कनाट प्लेस, मई दिल्ली ध्रू मैनेजिंग डाइरेक्टर नम्द लाल मल्होक्ता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के सर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

एकत सम्पत्ति के ग्रजीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकासन को सारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अविधि, औं भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशरा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त सकतों और पर्यो का, को उपस प्रधिनियम के अध्याव 20-क में दिश्याधिक हैं; कही अब होना को उम प्रधाय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्रापर्टी नं० 1/783, निश्चिल रोड, कम्मीरी गेट, विल्ली।

> भ्रार० बी० एल० अग्नवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, विकास भवन एच० ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

विनांक: 17 फरवरी, 1981

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवम, ग्राई० पी० इस्टेट नई विल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी, 1981

निदेश सं० धार्ड० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० ग्रार०-I/6-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रत. से अधिक हैं ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 11 है तथा जो ब्लाक एफ-14, माडल टाउन दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जून, 1980 का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से, एसे दूरयमान प्रतिकल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

फल निम्नलिखित उब्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कश्थित नहीं किया गया है:--

(स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री राजकुमार भसीन बेटा श्री बोध राज एच० 3/21, माडल टाउन श्रू रामलुभाया मल भसीन, एच० 3/21, माडल टाउन, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स गायट्री नरिसंग होम थ्रू 31 इन्द्र बाला छाबड़ा पत्नि श्री जगदीश चन्द्र छावड़ा सी०-1/ ए, माङल ढाउन, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

एक प्रापर्टी नं० जो कि प्लाट नं 11 ब्लाक नं० एफ०-14, माडल टाउन में है उसका क्षेत्रफल 264 वर्ग गज है।

> ग्नार० बी० एल० श्रग्नयाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, विकास भवन, एच० ब्लाक इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 17 फरवरी, 1981

# प्र**कप भारे• टी**० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन, श्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 17 फरवरी, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यू II/एस० आर०-I/6-80/6677—आतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थाबर मम्पलि, जिपका उतित बाजार मूख्य 25,000/रूपये से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 40, रोड नं० 72 है, तथा जो पंजाबी बाग दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जून, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृथ्य से कम के दृष्यमान प्रति-कन के लिए प्रन्तरित को गई है और भुने यह निश्वात करने ता कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृथ्य उसके दृष्यमान प्रतिकल ते, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निवाखन उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में यास्त-विक ह्या से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) यन्तरण से तृष्ट किसी माय की बाबत उकत मधि-नियम के प्रधीन कर देने के यन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचन में शुविधा के लिए; भौर/या
- (अ) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिंतियम, या धनकर धिंतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने म पुरिदा के स्मिए।

अतः अब, उन्त प्रक्रिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रक्रिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्तित अपनित्रयों, अर्थात् :---

(1) डा॰ सुरेण चन्द्र गुप्ता बेटा राम चन्द्र गुप्ता श्रौर डा॰ उमिला कुमारी गुप्ता, 40/72 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला देवी पितन श्री राम लाल धौर श्री राम लाल जैन बेटा मालर चन्द्र जैन, 6, श्रशोक पार्क एक्सटेंगन, नई विल्ली।

(भ्रवतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त क्षपत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी ध्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (अ) इन तूचना के राज्यत में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगीत में हितबह किसी सन्य स्थित ब्रास, प्रबोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगे !

स्रवनीकरण :--- इसर्व प्रयुक्त सन्धें भीर नदीं है।, सी उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही घर्य होगा जी उस बन्धाय में दिया गया है।

## धनुसूची

एक मकान जो कि प्लाट नं० 40 रोड नं० 72 क्लास बी० पंजाबी बाग में है जिसका क्षेत्रफल 1073,33 वर्ग गज है।

> श्चार० बी० एल० अग्नग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, विकास भवन, एच० ब्लाक इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली।

दिनांक: 17 फरवरी, 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II, एच० ब्लाक, विकास भवन ग्राई० पी० स्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी, 1981

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 17/22 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिपत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिसाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

(1) श्री मोहन सिंह बेटा श्री मूल चन्द 12/72 शक्ति नगर, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहन सिंह बेटा श्री सन्त सिंह ई०-92, कमला नगर, विल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

1/2 जो कि प्रापट्री नं॰ 17/22, शक्ति नगर में स्थित है।

श्चार० बी० एल० श्रग्रवाल सक्षम ग्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजII-, विकास भवन, एच० ब्लाक इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली ।

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियुष्ट, अर्थास् हि——

विनांक: 17 फरवरी, 1981

# प्ररूप भाई० टी० एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, एच ब्लाक, विकास भवन, (श्राई० पी० एस्टेट) नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०- $\Pi/$ एस० धार०-I/6-८० 6683—प्रतः मुझे, ग्रार० वी० एल० ग्रग्रवाल

मायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थलवर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 2596 से 2599 है तथा जो नई सड़क दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन, दिनांक जून 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रष्ट प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः—

- (1) श्री जगन्ननाथ गुप्ता सुपुत्र श्री राम नाथ गुप्ता निवासी 1551-54 कूचा सेठ दरीवा कलां दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुदर्शन गुप्ता पत्नी श्री डी० पी० गुप्ता निवासी जे/84 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- देव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

## प्रनुसूची

मकान नं० 2596 से 2599 नई सड़क दिल्ली क्षेत्रफल 190 वर्ग गज।

> आर० औ० एल० श्रग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 17 फरवरी 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन, (श्राई०पी० एस्टेट), नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस०ग्रार०-I/6-80/ 6622- श्रातः मुझे, ग्रार० बी० एल० ग्रायवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भीर जिस की संख्या सी-39 है तथा जो लारेन्स रोड़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जून 1980

को पूर्वा नित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिमक्त को लिए जन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि सित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (! को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री कृष्णा मुरारी वधवा
- (2) श्री मुरिन्दर कुमार
- (3) श्री नरीन्द्र कुमार पुत्र श्री वीवान चन्द वधवा निवासी 1/80 कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कैलाश वती पत्नी श्री फकीर चन्द 2. श्री शिवशंकर पुत्र श्री फकीर चन्द निवासी 2604 नई बस्ती दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृवाधित सम्पत्ति के क्षर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० सी-29 लारेंस रोड फैक्टरी एरिया दिल्ली ।

ग्रार० बी० एल० श्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II विकास भवन एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 17 फरवरी 1981

प्ररूप आइ ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन, (भ्राई०पी०एस्टेट) नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० प्रार०-I/6-80/6680—-अतः मुझे, प्रार० बी० एल० प्रग्नवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गह्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है स्था जो नया मौहल्ला गली

श्रीर जिस का सब्धा 2240-41 ह तथा जो नया महिल्ला गला कसीम जैन दिल्ली-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक जून 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्धमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थियन के निता

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री हाजी मफीक-उल-रहमान पुत्र श्री हाजी लतीफ-उल-रहमान 2169 ग्रहाता केला साहिब खान गली कसीम जैन दिल्ली-110006 । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हाजी मकबुल श्रहमद पुत्र श्री शेख मुमताज-उद्दीन निवासी 845 कटरा हिन्दू फराशखाना दिल्ली। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक<sup>र</sup>णः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित रू<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक दो मंजिला मकान नं० 2240-41 वार्ड नं० VI, नथा मौहल्ला गली कसीम जैन दिल्ली।

> श्रार० बी० एल० श्रग्रवास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज II, विकास भवन, एघ ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक : 17 फरवरी 1981

प्रकृप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन,
(श्राई०पी०एस्टेट) नई दिल्ली-110002
नई दिली, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० ग्रार०-आई/6-80/6612----श्रनः मुझे, ग्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रौर जिस की संख्या 6 ब्लाक डी है तथा जो कीर्ति नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्:—
10—486GI/80

- (1) श्रीमती राज कौर पत्नी श्री हारा सिंह निवासी 3/2 सिंह सभा रोड सक्जी मंडी दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री हरबन्स सिह डी-6 कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान प्लाट ने ० विलाक डी० कीर्ति नगरः नई विल्ली।

> भ्रार० बी० एल० श्रमवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-II विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 17 फरवरी 1981

मोहरः

प्ररूप आई', टी., एन., एस.,------

आयकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस की संख्या मुस० 6550 से 6622 हैं तथा जो गधोधिया माक्टि दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून 1980

को पूर्वो क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तकरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥——

- (1) मैसर्स एस० एन० गधोधिया ग्रौर सन्स (लि०) 1112 कुचा नटवान चान्दनी चौक दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्री जगदीश पंडित बन्सल 2305 गली हिंगा बैंग तिलक बाजार खारी बावली दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिट में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्राइवंट नं० 105 श्रीर 106 भाग श्राफ गधोषिया मार्किट मु०स०नं० 6550से 6622 श्रीर 6648से 6653 खारी बाबली दिल्ली रेजिडेंटिड परमीशम पर तीन मंजिल जिसका क्षेत्रफल्ं 402-83 वर्ग गज हैं।

> श्चार०बी० एल० अग्नवाल, सक्षम प्राधिकारीई सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज-II, विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

विनांक: 17 फरवरी 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II एच ब्लाक, विकास भवन (ग्राई०पी० एस्टेट) नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस०म्रार०-I/6-80/ 6663—म्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० भ्रम्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रहे. से अधिक है

श्रीर जिस की संख्या बी-1/21 है तथा जो मलका गंज दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जून 1980

को पूर्वाक्त संपर्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ख्रमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे ख्र्यमान प्रतिफल के 15 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिविक ख्रुप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः:-- (1) श्री तुलसी राम सुपुत श्री वास राम, निवासी 917 केदार बिल्डिंग सब्जी मंडी दिख्ली एटोरनी श्रीमती दर्णना विशष्ठ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीतो वेबी पत्नी श्री तुलसी राम निवासी 917 केदार बिल्डिंग सब्जी मंडी दिल्ली । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्पृतित् को वर्जन् को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित् बुवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्यष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पुरिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० बी-1/21 मलका गंज सब्जी मंडी दिल्ली ।

श्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंअ-II विकास भवन, एच ब्लाक, इन्द्र प्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

दिनांक: 17 फरवरी 1981

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्राणेंन क्षेत्र, 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ लखनऊ, विनांक 1 सितम्बर 1980

निवेश सं० पी-81/प्रजिन—प्रतः मुझे प्रमरसिंह बिसेन, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिस की सं०ए० ब्लाक-एस है तथा जो 35 रामपुर वाग बरेली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रभीन दिनांक 14-7-1980

कर पृत्रांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल को पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्वेदय से उकत अन्तरण निम्नलिखत में यास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे अवने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग कै जन्भरक मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के सभीन, निम्निजिसित, व्यक्तियों, सुर्थात् :-- (1) श्रीमती सत्यवती, रघोवीर सिंह।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री प्रवीप कुमार भान व कमल किशोर भान (ग्रन्तरिती)
- (3) उपरोक्त विकेता (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पत्रीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वगृत्वी

प्लाट मं० ए ब्लाक नं० एस क्षेत्रफल 358.09 वर्ग गण वाके नं० 35 रामपुर वाग सिविल लाइन्स बरेली व वह सारी सम्पन्ति जो सेल डीड सथा फार्म 37 जो नं० 4269/11/80 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्टार के कार्यालय में दिनां व 14-7-1980 को हो चुका है।

> श्रमर सिंह विसेन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ल**ख**नऊ

विनांक : 1 सितम्बर 1980

प्ररूप आर्ष्ट, टी., एन., एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, लर्खनक

लखनऊ, 4 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० भार-153/धर्जन — ग्रतः मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो बदाऊं में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बदायू में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908) का 16 के श्रधीन तारीख 26 जून, 1980

को पृषींक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिश्वित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अधीत् :--

- (1) 1 श्री मोहस्मद एहतशाम उद्दीन, खुर्शीद निजाम बेबा निजामुद्दीन
  - 2 शाहुजहां बेगम
  - 3 हिलाल फ़ातमा

(अन्तरक)

- (2) (1) रधुनाथ सरन (2) श्रीमती राम मूर्ति वेबी
- (3) विकेता (ग्रंतरिती) (शह व्यक्ति, जिसके अभिभाग में सम्पत्ति ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

एक किता मकान पूर्व मकान राम ध्रासेर पश्चिम मकान महबूब बख्श

उत्तर: रास्ता मकानात व मकान रामप्यारी ।

दक्षिण : सड़क खरजा स्थित बदायूं व वह तमाम सम्पत्ति जो सेल डीड तथा फार्में 37 जी० संख्या 3711 में विणित है जिनका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 26 जून, 1980 को किया जा चुका है।

भ्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 4-12-1980

प्ररूप बाइ. टी. एन्. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-णु (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

काय्षिय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 18 दिसम्बर 1980

निवेश सं० के०-95/ग्रर्जन—ग्रतः मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो मौजा भदौरा, मुरादाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 4 जून, 1980

का पूर्वा कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयं की बाबत उक्त बाँध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और्/या
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियं, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री नरेश कुमार जैन

(ग्रन्तरक)

- (2) सर्वश्री 1. कृष्ण कुमार रस्तोगी
  - , 2. मदन गोपाल रस्तोगी
  - 3. विजय गोपाल रस्तोगी
  - 4. प्रनिल कुमार रस्तोगी

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरी 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए मा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगुसूची

एक किता मकान वाकय मौजा—भदौरा, परगना व जिला मुरादाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो 37 जी फार्म सं० 2392/80 तथा सेल डीड में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 4 जन, 1980 को किया जा चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 18-12-80

प्रका आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

का**मौलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** स्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, 23 जनवरी, 1981

निदेश सं० बी-94/श्रर्जन—श्रतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन

अभवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के बधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/-क से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या 545/194 जरे प्लाट नं० बी-977, है तथा जो सेक्टर ए, महानगर, लखनऊ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 2 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्रल का पन्छह प्रतिशत से मधिक है प्रोर भन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिक्रल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रून से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावन उक्त आधि-नियस के श्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में समी करने या उससे जवने में सुविधा के सिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

् अतः ग्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं-, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री मनोहर स्वरूप सक्सेना

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बृजेन्द्र नाथ शुक्ला

(ग्रंतरिती)

(3) श्री मनोहर स्वरूप सक्सेना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पृति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के भज़न के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकातन की तारी का 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे ।

### अनुसूची

मकान पखता नं० 545/194 श्रमला मय हकक श्राराजी तदादी 13407 वर्ग फीट प्लाट नं बी-977, सेक्टर-ए, वाकें महानगर, लखनऊ व वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडीड श्रीर फार्म 37- जी सं० 4165 श्राफ 80 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनऊ के कायौलय में दिनांक 2 जुलाई, 1980 को किया जा चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 23 जनवरी, 1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 23 जनवरी 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 83/8 है तथा जो छितवापुर, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 जून, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति कि का कप से किथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिहित व्यक्तित्यों अधीन :--

(1) श्री दया राम, उमा शंकर, जगन्नाथ, सुरेन्द्र नाथ पुत श्री जागेश्वर दयाल चौधरी

(भ्रन्तरक)

(2) सरोज अग्रवाल पत्नी स्नश्री प्रहलाव चन्द (अन्तरिती) उपरोक्त अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

धो मंजिला मकान नं० 83/3 जो भूमि के प्लाट नं० 5 पर बना हुन्ना है, वाके मोहल्ला छितवापुर (ग्रमोक नगर) थाना केसर बाग, शहर लखनऊ व वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37-जी संख्या 3555/80 में विणित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 5 जुन, 1980 को किया जा चुका है।

धमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 23-1-1981

मोहरः

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 10 फरवरी, 1981

निवेश नं० ए-88/मर्जन—मतः मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है जो 213, सिविल लाइन, बरेली में स्थित है (धौर इससे उपाबक्क प्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण धिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 14 जुलाई, 1980

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:--

- (1) श्री श्याम कुमारी टण्डन द्वारा श्रीमती चन्दारानी कपूर (मुख्तार)। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री अवध बिहारी टण्डन । (अन्तरिती)

विकेता उपरोक्त ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया हैं।

## अन्सची

भूमि प्लाट नं० 3 वाके नं० 213 सिविल लाइम्स, बरेली क्षेत्रफल 500 वर्ग गज व वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37-जी संख्या 4244/12/80 में विणत है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, बरेली के कार्यालय में दिनांक 14 जुलाई, 1980 को किया जा चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रुजंन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-2-1981

मोहर:

11-486GI/80

## प्रकृष काष्ट्र हो एत एत ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-म (1) के भवीन सुपना

#### मारत सरकार

कार्यीलय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 10 फरवरी 1981

निदेश सं० छी-38/प्रजंन--प्रतः मुझे, प्रमर सिंह बिसेन, बायकर अविकियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इनमें इन में पश्वान् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधोन सन्तम् प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसेका छेजित बाजार मूस्य 25.000/- र० से प्रविक है

जौर जिसकी सं० प्लाप्ट 6- ए-असाक, झार-1 है तथा जो 35, सिविल साईन्स, राम पुर बाग, बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में झौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 जुन, 1980

ताराख 20 जून, 1980 को पूर्व निर्माण के जूनियान प्रतिकत को पूर्व निर्माण के जिए प्रस्तरित की गई है भीर मुसे यह विश्वास करने का का रण है कि प्रधापुर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकत में तिकत में, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत को प्राप्त की प्रतिकत में, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत में प्रतिकत की प्रतिकत में विश्वास प्रतिकत में विश्वास प्रतिकत में विश्वास का प्रतिकत में व्यवस्था का प्रतिकत में व्यवस्था में प्रतिकत में व्यवस्था में प्रतिकत में व्यवस्था में प्रतिकत में व्यवस्था में का प्रतिकत में व्यवस्था में में प्रतिकत में व्यवस्था में प्रतिकत में प्र

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त घिस्तिवम के घरीन कर देने के घन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या ध्रम्य घास्तिमों की, जिन्हें गरनीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त घधिनियम, या धन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ घस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में कुविका के किए;

धतः प्रव, उक्त घिष्ठितयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं तक्त घिष्ठितयम की घारा 269-व की जिल्ह्यारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

- (1) श्रीमती प्रश्नाभवंती सेंठ द्वारा श्री पृथ्वी राज (मुख्तार) सर्वश्री देवेन्द्र प्रकाश (बालिग) व प्रवीन प्रकाश (नाबालिग) पुत्र श्री राजेन्द्र प्रकाश। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रकाश वती सेठ (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी ्रेकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की कंचित्र की सरसम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचका की तीपील से 30 दिन की भवित्र, जी भी अविधि बाद में समेपित होती ही, के भीतर पूर्वोकत स्पक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (खं) इसं धूर्वना के राजपके में प्रकार्कन की तारीख से 45 विन के मीतर जेक्त स्थावर संस्थाल में हितबढ़ किसी प्रत्य स्थावत द्वारा, प्रघोष्ट्रतीकारी के पास निविक्त में किए जो तार्केंगे।

स्पव्यीकरणः--इसमें प्रयुंक्त शब्दों भौर पदों का, जी उक्त शक्तिनयम के सभ्याय 20-क में परिभावित हैं कही अर्थ होका, जो उस सक्ष्वाय में दिया नवा है ।

#### र्वपर्यके

भिम का प्लाट नं० ए- ब्लाक नं० ग्रार-I स्थिति 35 सिविल लाइन, राम पुर बाग, बरेली क्षेत्रफल 311.96 वर्ग गज व वह तमाम संस्पत्ति जी सैलडीर्ड एवं फार्म 37-जी संख्वा 4131/12/80 में विणत है जिनेका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार, बरेली के कार्यालय में दिनांक 20 जून, 1980 को किया जा चुका है।

श्चर्यए सिंह बिसेन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्चायुक्तक्के(निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीखं : 10-2-19'81

प्ररूप बाह्र की. यह. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीर ज्ञान

भारत सरकार

## काम्गेलय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, लखनऊ

लखनक, विनांक 10 फरवरी 1981

निदेश सं० के० 97/श्रर्जन—श्रतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संप्रतित जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० व भूमि प्लाट नं० 84 व 85 है तथा जो फजाबाद रोड, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालम, लखनऊ में रिजस्ट्रीव रण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 21 जन, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्वरिय से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्द अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अस, उक्क अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों स्थात्:—

(1) श्रीमती कवला पाण्डमा प्रत्नी श्री स्व० पं० सत्यवन्त पाण्डिया ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती करणा मोहन ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रीमती ग्रन्तिस्तिः क श्रीः विनोद कुमार चोपड़ा श्रीर सम कुमार ग्रग्नाल (किराएदार)। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्र कित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रीत्त को कर्जन को सम्बन्ध में काहे भी आक्षंप.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मनुष्य

दो मंजिला मकान मय भूभि बाक्य प्लाट नं० 84 व 85 क्षेत्रफल 6688.5 वर्ग फुट स्थित फैजाबाद रोड, शहर लखनऊ व वह सारी सम्पत्ति जो फार्म 37-जी नं० 3961 व सेल डीड में विणित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 21 जून, 1980 को किया जा कुना है।

> श्रमर सिंह बिलेन, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रणन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-2-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूर्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 फरवरी 1981

निदेश सं० एस-200/ग्रर्जन—ग्रतः मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 35-जेड-12, रामपुर बाग, सिविल लाइन, बरेली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बरेली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21 जुलाई, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- (1) 1. श्रीमती राजे रानी वर्मा
  - 2. कु० कृष्णा कुमारी
  - 3. कु० शशिवाला वर्मा
  - 4. कु० भीमा वर्मा
  - 5. कु० मधु वर्मा

(अन्तरक)

(2) श्री सूरज नारायन कपूर

(भन्तरिती)

(3) श्रीमती राजेरानी।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए या सकोंगे।

स्पथ्वीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ ह्योग जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **ग्रनुसूची**

एक मंजिला कार्मीमयल बिल्डिंग नं० 35-जेड 12, रामपुर बाग, सिविल लाइन, बरेली व वह तमाम सम्पत्ति जो फार्म 37-जी संख्या 4400/1/81 तथा सेलडीड में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, बरेली के कार्यालय में दिनांक 27 जुलाई, 1980 को किया जा चुका है।

> ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

नारीख : 10-2-1981।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

## श्रायकर प्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष** (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) भूजन रेंज, लखनक

लखनऊ, दिनांक 18 फरवरी 1981

निदेश सं० टी० 22/म्पर्जन---म्रतः मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उनत ग्रधिनियम' कहा गया है), क। धारा 2.69-ख के अरधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 508/59 है तथा जो नया हैदराबाद, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ऋनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रधिवारी के कार्यालय, लखनक में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन , तारीख 5 जून, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर

अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरम लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी अन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, मन, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त मिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नुनिहित् व्यक्तियों, अर्थात्ः-- (1) श्री बाल कृष्ण चौधरी ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती तारा देवी तिवारी।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रीमती तारा देवी तिवारी।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जा सकेंगे।

स्पर्धां करण: --इतमें प्रयुक्त गर्का प्रौर पदों का, जो उस्त अधि-नियम के ब्रध्याय 20-क में यथा रिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा जो उस ब्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 508/59 स्थित नया हैदराबाद, शहर लखनऊ प्लाट एरिया 5200 वर्ग फीट व वह तमाम संपत्ति जो कि सेलडीड तथा फार्म 37-जी० संख्या 3556/80 में विणित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 5 जून, 1980 को किया जा चुका है।

ग्रमर सिंह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

ता**रीख**ः 18-2-1981

## प्रकप आई० दी० इत० एस०-

## नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के मधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यामय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० 3669-ए/कानपुर/80-81—श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो कैंट कानपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्ष्म से विणित है), रिजस्ट्री क्रिता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25 श्रक्तूबर, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृष्य में किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उन्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ध्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, खिपामे में सुविधा के सिए;

भतः भ्रम, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थातः— (1) मि॰ स्दैनलीको नरोना व मिस चेरी डी॰ नरोना पुत्री एम॰ ए॰ जे॰ डी॰, नरौना, निवासी 34, मरीमम्मा रोड, कानपुर ।

(ग्रन्सरक)

(2) मो० यूनुस , मो० सुलेमान मो० उसमान, मोहम्मद सुलतान श्रीमती महबूब फितमा पुत्रगण व पुत्री मोहम्मद इदरिक 40/77 परेड, कानपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उसमा सम्परित के अर्थान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- क्यां किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा राजिंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वनुसूची

एक किता मकान नम्बर 78 केन्ट कानपुर में स्थित है जी कि दो लाख पच्चीस हजार रुपये का बैचा गया है।

> बी. सी. चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-1-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ~~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्केना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, विनांक 14 जनवरी 1981

निदेश सं० 3659-ए/कानपुर/80-81---- प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सकान नं० 113/176-ए है तथा जो स्वरूप नगर, कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठ हो तथा है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठ हों। के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठ नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, 21 श्रवत्वर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरेय से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों अधीत्:--- (1) श्री सुमन लाल के॰ मेंहता भाष्मज श्री कालीदास जे॰ मेहता निवासी 113/176 ए, स्वरूप नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशन किशोर वल्द राम दास व श्रीमती सुदेश कुमारी पत्नी किशन किशोर व सुनील किशोर व दीपक शर्मा ग्रात्मज किशन किशोर, श्यासा हाल, 113/176 ए, स्वरूप नगर, कानपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरों।

स्पष्टीकरण: --इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्स्ची

एक किला मकान नं० 113/176-ए स्वरूप नगर, कानपुर में स्थित है जो कि 2,81,001-६० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 14-1-1981

## प्ररूप माई० टी० एम० एस०----

मायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी 1981

निदेण सं० 3726-ए/कानपुर/80-81--- ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है). की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र से बाजार मृत्य 25,000/-हपए ग्रीर जिसकी सं० मकान 86/5 है तथा जो राय पुरवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रधीन , दिनांक 4 दिसम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का छनित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य म उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के घंधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की छपमारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री राजा राम श्रीवास्तव पुत्र श्री भगवान प्रसाद व शशी प्रभा पत्नी राजाराम निवासी 75/109, हालसी रोड, कानपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मुझी देवी पत्नी राकेश कुमार गुप्ता 105/ 674, डिप्टी का पड़ाव, कानपुर ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भ्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होनो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रषोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

## **प्र**नुसूची

एक किता मकान हाल 86/5 का जुज भा रकबा 153 वर्ग गज बाके रायपुरवा देवनगर, डिप्टी पडाव, कानपुर में स्थित है जो कि 60,000/- क० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 17-1-1981

### प्रकम बाई • टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### मारंत सरकार

कीर्यिलिय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जनवरी 1981

सं० 3169-ए/कैराना/80-81—म्रनः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की घारा 269-छ के सक्षीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि ऐसीवर सम्पत्ति, जिसका उचित बासोर मूस्य 25,000/- क्पये ते अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो घीमामपुरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कैंगना मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18 जुन, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिज्ञल के लिए धन्तरित की गई है घोर मुझे यह विष्वाम इंदर्न का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिज्ञल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिज्ञल के परंग्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिज्ञल निम्नलिखित उद्देष्य से उच्न अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से निम्नलिया नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धिक्षिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के राधिका में कमी करने या प्रसंसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसा किया प्राय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उच्छ प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः, अंब, एवंत अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उबत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयांत :--12-486GI/80

- (1) श्री ग्रनिल कुँमार गर्ग पिता ला० रामदास निवासी भामली डा० खास पर० शामली तहसील कैराना, जिला मुजफ्फर नगर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सत्यपाल सिंह व मांगेराम व यगपाल सिंह बालिंग व महिपाल सिंह पिता बलबीर सिंह वली व कारकुन सत्यपाल सिंह निवासी मौजा मैसवाल परगना शामली, तहसील कैराना, जिला मुजफ्फर नगर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की भवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोबंद व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, बन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों छोर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठित्यम, के बड़्याय 20-क में पर-भाषित हैं, यही धर्ष होगा, जो उस घड़वाय में दिया वया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान कस्बा णामली, मो० <mark>धीसामपुरा,</mark> तड्नीत हैराता, जिता मुजक्तर नगर में स्थित है जो कि 45000/- २० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

न∷री क : 9-1-1981 कोरक

प्ररूप बाहु . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 9 जनवरी 1981

निदेश सं० 3081-ए/म्रर्जन/सिकन्दराबाद/80-81—म्रतः मुक्ते, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख 11 जुन 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों वर्ते, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना बाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों सर्थातु:--

- (1) श्री शिवनन्दन लाल भटनागर, बीरेन्द्र कुमार देवकीनन्दन व राजकुमार भटनागर, निवासी शहर मेरठ, (पुक्षगण मु० जगवन्दन लाल)। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्ण कुमार पुत्र गण लाला लछमन दास, निवासी सिकन्वराबाद ग्रन्दर मो० कायस्थवाड़ा, सिकन्दराबाद जिला बुलन्दशहर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यव्य
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

एक किना मकान बाके सिकन्दरा बाद मोहरूला कायस्थ-वाड़ा में स्थित है जो कि 46,000/- ६० को बेचा गया है।

> बी० सी० घसुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 9-1-1981।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1981

निदेश सं० 3118-ए/खुर्जा/80-81---श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्रहमदपुर चौरोली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, खुर्जा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियाम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 3 जून, 1980

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री धर्मवीर व भगवान सिंह पुत्न श्री छिद्दी सिंह निवासी ग्रहमदपुर, चौरोली, डा॰ खास, जिला बुलन्द शहर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नेतराम पुत्र श्री कालिक राम निवासी श्रहमद पुर, भौरोली, डा० खास, जिला बुलन्द शहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम ग्रहमदपुर चौरोली डा० खास जिला बुलन्व शहर में स्थित है जो कि 15000/- रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चनुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-1-1981

प्रकप आई० टी॰ एन० एस०----

भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मिनीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, 6 जनवरी, 1981

निदेश सं० 3092-ए/सहारनपुर/80-81---श्रत: मुझे, बी० सी० चसुनदी श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रताखेड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, महारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6 जून, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस, उनत श्रिष्ठ नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/ा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए!

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री प्रेम कुमार पुत्न श्री इन्द्रसिंह व श्रीमती ग्राणा रानी धर्म पत्नी श्री प्रेम कुमार मजक्र्र निवासी गण सहारनपुर, मोहल्ला जनकपुरी। (मन्तरक)
- (2) श्री सरदार गोपाल सिंह पुत्र सरदार नारायण सिंह व सरदार प्रीतम सिंह व जगत सिंह व गुरदीप सिंह बालगान व बलहार सिंह व होशियार सिंह व जगतार सिंह व मा० बाबिलायात उनके पिता सरदार गोपाल सिंह पुद्रगण सरदार गोपाल सिंह निवासी ग्राम शेरखाला, डा० खास, तहसील व० जिला फिरोजाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजप्रव में प्रकाशन की तारीखा में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त प्रध्दों और पर्यो का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### भनुसूची

कृषि भूमि मवाजी 24 बीघे पुछता श्राराजी मूदेनम्बर 119 ख० सहराई ग्राम रताखेड़ी, परगना व तहसील जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि 1,10000/- रु० की बेची गई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-1-1981

## 

#### भारत सरकार

## कार्याज्य, सहायक मायकर मामुक्त (नितीक्रण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1981

निदेश सं० 3091-ए/सहारतपुर/80-81---श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर ग्रांग्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्राधिक है

ग्नीर जिसक मं० भूमि है तथा जो झागत ग्रहीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4 जुन, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, मौर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल निम्निविधित छेरेरा है उना अन्तरम लिखित में वास्तिक कप से हिया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरग में हुई किसी आय की बाबत जनत बिंदिनियम के अधीन कर देने के बन्धदक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के सिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आर या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों की, जिन्हें सारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त श्रिष्ठिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रीधनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिखिल व्यक्तियों, अर्थाता-- (1) श्री महेन्द्र सिंह व० व सतपाल मा० पुक्षगण तिलक राम निवासी गण नागल श्रहीर, पर० हरोड़ा, तह० व जिला सहारनपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कुलवन्त सिंह जमबीर सिंह नरधीण सिंह कुलवेन्द्र सिंह दर्शन सिंह, दिलबाग सिंह पुत गुरबक्का सिंह निवासी नांगल ग्राहीर पर० हरोड़ा, तह० व० जिला सहारनपूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववदीकरण:--कसमें प्रयुक्त सन्दों ग्रीर पदों का, ओ 'जक्त श्रधिनियम' के मध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

### प्रनुषुची

कृषि भूमि 19 बीघा पुक्ता खसरा नं० 126 ग्राम नांगल ग्रहीर पर० हरोड़ा, तह० व जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि 71025/--४०की बेचीगई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-1-1981

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक, 6 जनधरी, 1981

निदेश सं० 3090-ए/सहारनपुर/80-81—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं॰ भूमि है तथा जो नागला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 4 जून, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित जी गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापयों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स्र) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अस. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री तिलका पुत्र राधा किशन निवासी नागल ग्रहीर पर० हरोड़ तह० जिला सहारनपुर।
- (2) सरदार कुलवंत सिंह व स० जसबीर सिंह व स० रगबीर सिंह व स० बुलबेन्द्र सिंह स० दर्शन सिंह व स० दिलबाग सिंह पुत्रगण स० गुरबङ्श सिंह निवासी नागला घ्रहीर, पर० हरोड़ा तह० जिला सहारनपुर ।

(भ्रन्तरिती)

(ग्रन्सरक)

को यह सूचना जारी करके पृषोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम नागला ग्रहीर प० हरोड़ा तह० जिला सहारनपुर में स्थित है जो कि 72000/- ६० में बेची गई है।

> बी०सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-1-81 ·

मोहर 🗵

प्ररूप प्राई० टी० एन०एस०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1981

निदेश सं० 3102-ए/रुड़की/80-81---ग्रतः मुझे, बी०सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्बंधित जिल्हा उत्ति प्राचार सूक्ष्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० कृषि भूमि तथा जो श्रलमास पुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रूड़की में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9 जन, 1980

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकन सम्पत्ति का उचिन बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी पाप की बाबत, उक्त ग्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचते में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी ज्ञारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रम, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती विष्वी सिंह उपनाम विदोषी धर्म परनी श्री विजय सिंह निवासी सिविल लाइन, रूड़की, जिला सहारनपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) सरदार ज्ञान सिंह पुत्र श्री सरदार सिरया सिंह व सरदार काका सिंह पुत्र श्री सरदार सिरया सिंह व सरदार महेन्द्र सिंह पुत्र श्री सरदार सिरया सिंह व सरदार महमा सिंह पुत्र श्री गंगा सिंह निवासी ग्राम खानपुर खुर्द, डा० पेडवाल तह० राजपुरा, जिला पटियला पंजाब ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबता जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उन्न स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हराब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम, के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रयं होता जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

## प्रनु**सूची**

कृषि भूमि ग्राम भ्रलमासपुर परगना रूड़की जिला सहारतपुर में स्थित है जो कि 60759/ ४० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कालपुर

**नारीख**: 6-1-1981

प्ररूप आइ<sup>1</sup>.टी.एन.एस,------

अथिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1981

निदेश सं० 3123-ए/सहारनपुर/80-81---ग्रतः मुक्षे. बी० सी० चत्र्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० एहाता है तथा जो फैक्ट्री एरिया में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाँणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री मदन मोहन ग्रोबर पुत्र श्री श्रसचर्ज लाल ग्रोबर निवासी ग्रादर्श नगर कालोनी, सहारत-पुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री त्रिशूल रखर इण्डस्ट्रीज बाके ईदगाह रोड, सहारतपुर। श्रीमती प्रेम तलवार पत्नी श्री गुरबचन लाल तलवार निवासी नम्बर 48, जवाहर पार्क कालोनी बहुट रोड, सहारतपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के निर् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पंतित में हितबंब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

एक किता एहाता फैक्ट्री दक्षिण ग्रीन पार्क कालोनी मजक्र बकदर 30 फीट चौड़ी मुक्ड्या दक्षिण सड़क मुतालिका कालोनी मजक्रूर बकदर 30 फीट चौड़ी मुगतका मुबद्ध्या उत्तरअहाता हाल मिलकियत मिस्टर सिंह में जो कि 70000/-ह० का बेचा गया है ।

> बी० सी० चुतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जम रेंज, कानपुर

नारीख: 3-1-1981

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1981

निदेश सं० 1984-ए/देहरादून/80-81—अतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-कि से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान 55 है तथा जो ई० जी० रोड, देहरादून में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण का से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4 सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डत प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के धनीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

13—486GI/80

- (1) श्री प्यारे लाल पुत्र श्री धर्म सिंह निवासी गोरखपुर साह नगर पर० परवादून,देहरादून। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जेबुनिसा बेगम पत्नी श्री मोहमुद्दीन 55/3 ई०, सी०, रोड, देहरादून । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्श में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधितियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

एक किता प्लाट 55ई०, जी० रोड, देहराष्ट्रन में स्थित है जो कि 40,000/- रु० का बेचा गया है ।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, कानपुर

तारी**ख** : 3-1-1981

## प्रकप धाई। ही। एन। एस ---

भावकर ग्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्राहा 269-थ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकार कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 दिसम्बर, 1980

निदेश स॰ 321-श्रर्जन/हाथरस/80-81--श्रत: मुझे, बी॰ सी॰ चतुर्वेदी

मायकर धिंधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका छिनत बाजार भूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो डिपेटी जन मन्दिर में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित्र है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, हाथरम में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 जून, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए अध्वरित की गई है गौर मुझे यह निश्मास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाबार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिक्षत्त से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्छह प्रतिज्ञत से प्रधिक है और धम्तरक (प्रन्तरकों) भीर मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निश्नलिखित उद्देश्य से उन्तर प्रन्तरण लिखित में वास्तिक का से किया नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के भंभीत कर देने के भंगतरक के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या धन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधनियम, या जन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोकनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उनत धिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उनत धिनियम की धारा 268-म की उनवादा (1:) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (।) श्री रिपी कुमार पुत्र श्री मदन लाल व राजकुमार पुत्र श्री मदन लाल खुद व मुख्तार, खास डा० ग्याम सुन्दर पुत्र श्री मदन लाल सगा भाई द्वारा मुख्ताराम व विनोद कुमार पुत्र श्री मदन लाल वैश्य श्रग्रवाल नि० किलाद्वार, हाथरस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुणीला देवी पत्नी श्री सुन्दर लाल श्रग्नवाल निवासी छिनेटीजैन मन्दिर के पास सासनी द्वार, हाथरस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवित्र, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी भ्रम्य ध्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टोक्सरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों भीर पदों का, को जनत ग्रिश्रिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रियं होना जो उस शब्दाय में दिया मया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान भीतरी व बाहरी व उपरी स्थित छिरेटी जैन मन्दिर के पास हाथरस में स्थित है जो कि 3333/34 रु० में बेची गई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-12-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस•----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्योलय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 जनवरी 1981

निदेश सं० 309 ग्रर्जन/माट/80-81—श्रतः मुझे, बी० सी० चलुर्वेदी

आयकर मिविनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मबीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने सा कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- स्पए से अधिक है

घौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो सिहोरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, माट में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27 जून, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार पृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बाह्विक क्य से कवित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रम्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी श्रीय ना किन्नो धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय साय-कर आंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पथा था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आंधिनाम की बारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधोन, निम्निजिश व्यक्तियां, अर्थात्:--- (1) श्री ज्वाला प्रसाद पुत्न श्री राम नरायण व योगेन्द्र प्रसाद व त्रिलोक नाथ व लेख राम पुत्र श्री डोरी लाल निवासी तारापुर खण्ड सिंहोरा, डा० खास, तह० माट, जिला मथुरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मंगी लाल व रमनी व कछश्रा भगवान स्वरूप पुत्रगण कमल सिंह निवासी सिंहोरा, डा० खास तह० पर० माट, जिला मधुरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भाजन लिए कार्यवाह्यिं करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकामन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में द्वितन के किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त लब्दों भीर पदों का, जी उक्त प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

### प्रनुसूची

एं हिंदि मूमि ग्राम सिहोरा तह० माट जिला मथुरा में स्थित है जो कि 54000/- ६० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 20-1-1981

प्ररूप आई ्टी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 जनवरी, 1981

निदेश सं० 3257-ए/कानपुर/80-81—-म्रतः मुझे, बी॰ सी॰ चतुर्वेदी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं मकान तं 33/132 है तथा जो मूलगज कानपूर में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबक स्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय. कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 5 जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती जगरानी मेहरोत्ना पत्नी स्व० जुगल किशोर मेहरोता व श्री कृष्ण मेहरोता व जय कृष्ण मेहरोता व बाल कृष्ण मेहरोता व लाज कूमार मेहरोता पुन स्व० जुगल किशोर निवासी 15/265, सिविल लाईन, कानपुर।

(अन्तरक)

2) श्रीमती श्रर्जना जैन पत्नी श्री पत्नन कुमार जैन व राजबाला जैन पत्नी प्रमोद कुमार, संगीता जन पत्नी विनोद कुमार जैन निवासी 45/93, मूलगंज, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, यही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किता मकान नं० 33/132 मूलगंज, कानपुर में स्थित है जिसका 1/4 भाग 75000/- रु० में देखा गया है।

बी०सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-1-1981

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 जनवरी 1981

निर्देश सं० 3593/ए/रुडको, 80-81---श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्रीरंगजेवपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 का (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 14-10-80

को पूर्वांक्त संपरित के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षिल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिरों अर्थात्:-

(1) श्रीमती विरमा देवी विधवा कुन्दन निवासी श्रौरंगजेवपुर पर० भगवानपुर सह० रहकी जिला सहारनपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द प्रभा पत्नी डा० राजिकशोर गोयल व श्रीमती कुम कुम देवी पत्नी क्रजिकशोर गोयल निवासी विहारीगढ़ पर० मुजफराबाद तह० जिला सहारनपुर

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

## मन्त्रची

खासरा नं 197 ए० 8 बीधे 3 विसवे व 197 व 19 बीघे 5 विसवे लगानी 137 45 पैसे बाके ग्राम औरगजैव-पुर पर० भगवानपुर तह० रुड़की जिला सहारनपुर में स्थित है जो 74,000 रुबेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 13-1-81

प्ररूप् आहें. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, संद्वायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जनवरी 1981

निर्वेश सं० 3586/ए०/कानपुर/80-81-----प्रतः मुझे बी० सी० चसुर्वेदी,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ह० से मिधक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो वहवलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्स्को में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरापुर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 30-9-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पत्थह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय भाग-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत संधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्निती द्वारा घेकर नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए था छिपाने भें सुविधा के लिए;

धंते:, ग्रंब, उंदेंत ग्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ब्रधिनियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के ब्रधीन निम्नक्षित व्यक्तियों ग्रयीत् :---

- (1) श्रो गंगाराम पुत्र जवाहर व सा० वदवलपुर पो० भेन्टेमऊ तह० डेरापुर जिला कानपुर ।
  - (भ्रन्सरक)
- (2) श्रोमतो राम देवो स्त्री नेम सिंह व श्रीमती राजम श्री स्नो कायम सिंह सा० दिलालपर हाल मुकाम बहवलपर पर० डेरापुर जिला कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आबोप।-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहक्ताक्षरी के पास विक्तित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पत्रों का, जो उन्त ग्रिविनयम के ग्रव्याय 20 क में यथापरिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

### **प्रनुस्**ची

कृषि भूमि नं० 64 ग्राम भिछोरा तह्र० वहवलपुरा में स्थित है ग्रौर जो कि 70000/ ४० में बेची गई हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त, निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 17-1-80

प्ररूप आर्द. टी. एन्. एस.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 जनवरी 1981

निर्देण सं० 3549/ए०/सहारनपुर/80-81—ग्रसः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

मौर जिन्नको सं० कृषि भूमि है तथा जो बीडीबी में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय नकुड में, रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 10-9-80

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी लिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री राजबहादुर पुत्र श्री परसराय निवासी पुरानी मन्डी, शहर सहारनपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीत्रिहम सिंह पुत श्री नत्यू सिंह वृधर्म सिंह पुत्र रामचन्द्र निवासी हाल बोडबी डा० खाना मलीपुरा पर० सरसावा तह० नमुख जिला सहारतपुर । क्क्षुं (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्रः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्ष्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## नगुज्दी

कृषि भूमि धरी 18-3-5 पुख्ता पम्बरान खसरा 393, 6-14-5व 400, 4-11-0 व 406, 6-18-0 पुख्ता भूमि लगानी सालान 152, 11 रुपये सालाना बाके करवा ग्राम बीडवी पर० सरसावा तह० नकुछ जिला सहारन-पुर में स्थित है जो कि 81,732 रु० में सेची गई है।

बी० सी० चसुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सङ्ख्यक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, भ्रजन रेंज, कानपुर

तगरीख: 1:3-1-8:1:

## प्ररूप **घाई० टी० एन० एस०----**त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के क्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जनवरी 1981

निर्देश सं० 3499-ए०/मु० नगर/80-81---भ्रतः मुझे बी०सी० चतुर्वेदी प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिले इनर्ने इनके पश्वात् 'छन्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो निन्डारी जहांगीरपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कराना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1980 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 23-8-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल केलिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐते दृश्यमान प्रतिकतका पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छरेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त मिछ-नियम के मधीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, प्रव, एक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग ने अमुसरण में; मैं, एक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिश्वित व्यक्तिमों, अर्थात्- (1) श्रो बलजीत सिंह पुत्र श्री धर्मा निवासी पिन्जेरा जहांगीरपुर डा० खास पर० झिन्झाना जिला मुजफर नगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मदनपाल सिंह व गुलशीर सिंह पृक्ष श्री श्रीचन्द्र निवासी पिन्होरा जहागीरपुर, हा० खास पर० झिल्झाना जिला मुजफरनगर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिक्कित में किये जा सकेंगे।

स्पव्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त शिष्ट -नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम पिन्डारी जहागीरपुर पर० झिन्झाना में स्थित है जो कि 84645 ६० की बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्स, (निरीक्षण), घर्जन रेंज,कापुर

तारीखा: 9-1-81

प्ररूप आर्थः टी. एन्. एस्.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 3 जनवरी 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान 55 है तथा जो ग्रन्सारी मार्ग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 9-9-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिवधा के लिए;

- (1) श्री किशनलाल मंगा 56 ग्रन्सारी मार्ग देहरादून (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमती रामलीला भोला पत्नी श्रोमप्रकाश भोला निवासी 109 एल० लूनिया मोहल्ला देहरादून। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

सपस्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **प्रमु**षी

एक किता मकान नम्बर 55 ग्रन्सारी मार्ग देहरादून में स्थित हैं जो कि 52,000 रु० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकार सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 4—486GI/80

नारीखा: 3-1-81

मोहरः

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 3 जनवरी 1981

निदेश मं० 1896-ए०/देहरादून/80-81--श्रतः मुझे, बी० सं(० चतुर्वेदः)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० जमीन 76 है तथा जो राजपुर रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूत) में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीमकारी के कार्यालय देहरादृन में, रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-7-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बंध्य से उक्त अन्तरण जिणित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी ठारने गा उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में,  $\mu^5$ , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——

(1) श्रीमती मोहना मेहरोला पत्नी एस० के० मेहरोला ए 48 बमन्त विहार नई दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोष चायला परनं। श्रोमश्रकाण चायला 54 राजपुर रोड देहरादून

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उच्के स्थावर सम्पक्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

एक किता प्लाट क्षेत्रफल 940,98, वर्ग मीटर राजपुर रोड देहरादून में स्थित हैं जो कि 43,750 कु० की बेची गयी हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त, (निरीक्षण), ब्रर्जन रेंज, कानपूर

नारीख: 3-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

नामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्याख्य, सहावक आसकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1981

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसको सं० मकान 6 है तथा जो हरिद्वार रोड में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्सा अधिकारों के कार्यालय देहरादून में, रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सर्धान तारीख 5-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिकल के लिए अन्हरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हों के युवायवायन संपादत का उन्चत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रल प्रतिशत स अभिक्ष हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिविक इप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रोः ए० पो० सिंहपुत्र श्री स्व० कनवर सिंह निवासः सो० 25 सवाई जै सिंह हाई वे वेनी पार्क जयपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रांमतो बोना बख्यो पत्नी स्व० विध्यारतन बख्यी स्राई० सो० 27677 पो०, कैंफ्ट राजकुमार मानूचा पुत्र श्री के० एम० मानूचा निवासी 6 हरिद्वार रोड देहरादून स्रीर श्रीमती सरला मानूचा पत्नी श्री कृष्णा मुरारो मानूचा निवासी, मोती भवन डोकलो फैंजाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तल्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समा हैं।

#### अन्स्जी

एक किता मकान कावर्ड एरिया 249.39 ग्रौर ग्रोपेन 408.67 टोटल 758,06, हस्द्वार रोड देहरादून में स्थित है जो कि 60,000 रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रयकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-1-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 जनवरं: 1981

निदेश सं० 3568-ए/कानपुर/80-81—श्रतः मुझे, बो० सी० चतुर्वेदो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसका सं० मकान 15/263 है तथा जो सिविल लाइन कानपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रांकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रांकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 23-9-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफार के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री परमात्माप्रकाण गुप्ता, प्रदीपकुमार गुप्ता सुरेन्त्र कुमार गुप्ता, हरोण कुमार गुप्ता निवासः 107/505 पान्डु नगर, कानपुर

(भ्रन्तरक)

(2) डा० श्रीमती दया भागंव तथा वैध प्रकाण भागंव 15/263 सिविल लाइन, कानपुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसुची

एक किता मकान नम्बर 15/263 सिविल लाइन कानपुर में स्थित है जो कि 2,50,000 रु० में बेर्चा गयी है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 24-1-81

प्रारूप आहरे. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1981

निदश मं० 3393-ए० देहरादून/80-81----श्रतः मुझे, बी॰ सी॰ चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसके। सं० 57 ई० सा रोड है तथा जो देहरादून में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रंकित्ती श्रिधकारों के कार्यालय देहरादून में, रिजस्ट्राकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान तारोख 31-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिमित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्रो रमेश नारायण सक्लानी पुत्र श्री हृदयनारायण सकलानी निवासी 9/14 रामेश्वर मोहल देहरादून। (भन्तरक)
- (2) श्री धहमवदीन पुत्र श्री धल्लादीन निवासी 55/3 ई० सी० रोड, देहरादून ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त क्षत्यों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नम्स्यो

एक भाग प्लाट संपति नं० 57 ई० सी० रोड, देहरादून क्षेत्रफल 757,50 वर्गमीटर है जो कि 40,000 रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

्कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1981

निदेश सं० 3395 ए०/देहरादून/80-81----श्रन: मुझे, बो॰ सी॰ चतुर्वेदा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० ज्याट 57 ई है तथा जो ई सी० रोड, देहरादून में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रोंर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्राकर्ता श्रीधकारों के कार्यात्य देहरादून में, रिजिस्ट्राकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान तारीख 29-7-80

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसत व्यक्तियाँ अर्थातः --

(1) श्रीमती मुणीला देवी सकलानी विधवा श्री जनार्दन नारायण सकलानी व श्री विदुर नारायण सकलानी व श्री श्रीखल नारायण सकलानी पुत्र श्री जनार्दन नारायण सकलानी नि० 9/13 रामेश्वर मोहल्ला देहरादून ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती जैंब्बुन निशा पत्ने। श्री मोहम्मद दोन निवासा नं० 55/3 ई० सो०, रोड, देहरादून। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सित्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

## मन्सूची

एक भाग प्लाट जो सम्पति नं० 57 ई० सी० रोड; देहरादून में स्थित है जोकि 40,000/ ६० में बेचा गया है।

बों० सों० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज कानपुर

नारोखाः 3-1-81

प्रस्त आहे० टो० एत० एत०----

**मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की थारा 269-घ (1) के श्रधीत सूबना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंच, कानपुर

कानपूर, दिनांक 3 जनवरी 1981

निर्देण सं० 1897-ए० देहरादून/80-81—-श्रतः मुझे, बी० संा० चतुर्वेदी,

सायकर स्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रचितियम' कहा गया है), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह प्रिश्वाप करत का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मृह्य 25,000/-एपए से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट 76 है तथा जो राजपुररोड में स्थित है (स्रोर इपने उशबद्ध स्नन्युची में स्रोर पूरूपण से वर्णित है), रजिस्ट्रांकत्ती अधिकारी के कार्यालय देहराद्न में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन सारीख 23-7-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है प्रीर पृज्ञ यह विषयाम करने का कारण है कि ययापूर्वोक्षत नम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उपके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत बांधक है और पन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरितो (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण चिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबक उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/ए।
- (ख) ऐसी कियो आब या कियी घन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतोप आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति श्वित प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना साहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, एक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुस्थल में, में, उक्त अधिनियम की कारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--

(1) श्रोमतो मोहनी मेहरोता पत्नी एस० के० मेहरोता (नवास) ए-48 बसन्त विहार, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रा इन्द्र प्रकाण चायला ईण्वरदास चायला 54 राजपुर रोड देहरादून ।

(श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूत्रता के राजारत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूत्रता की तामील ये 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्योक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास . जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त अक्टों भौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-के में परिकाणित हैं। वहीं अर्थ होना, जी उप अध्याय में दिया गण है।

## अनुसुची

एक किता प्लाट 76 क्षेत्रफल 940,98, मीटर राजपुर-रोड देहरादून पर स्थित हैं जो कि 43,750 रु० को बेचा गया है।

> बैंश्वे सो० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपूर

नारोख: 3-1-81

मोहरः

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 9 जनवरी 1981

निर्देश सं० 3283 ए०/खुर्जा/80-81—-म्रतः, मुझे, बी॰ सी॰ जतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो क्योली खुद में स्थित है (मौर इससे उपायद मनुसुची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय खुर्जी में, रजिस्ट्री-करण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 21-7-80

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अम्सरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किती आय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कजी अरने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जोट्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया सुनियम के लिए;

जतः जब, जबत अभिनियम की धारा 269-ग को, जनुसरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बुधीन निक्कृतिवृद्धित व्यक्तित्वों, बुधीन केच्य

- (1) श्री निष्नामी सिंह पुत्र श्री साहबा सिंह निवासी क्लोली खुर्द डा० तह० खुर्जा, गंजर बुलन्दगहर (श्रन्तरक)
- (2) श्री जयपाल सिंह व श्री पाल सिंह पुत्रगण रधुवर सिंह निवासी कसूमी व राजवती देवी पत्नी नेत्रपाल सिंह कपना पर जेवर डा० सोई तह० खुर्जा जिला बुलन्दशहर

(भन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पृषांकित सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

कृषि भूमि प्राप्त क्योल खुर्द भूमि नं० 482/य 576 य 579 ला० में स्थित है जो कि 65000 ६० की बेची गयी है।

> बी० सी० चनुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, कानपुर

ता**रीख:** 9-1-81

प्ररूप बाई. टी. एत. एस.-

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

**म्रजैन रेंज**, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जन**वरी** 1981

निर्देश सं० 3103/हडकी/80-81---- प्रतः, मुझे, बी० सी० वर्तुर्वेदो,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान 84 है तथा जो मकदलपुरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनूसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रहकी में, रजिस्ट्रोकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख 16-6-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वैने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ज़ौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धने कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, माँ जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिबित व्यक्तियों, अर्थात् :-15—486GI/80

(1) श्रोमतो सामाकुमारी विधवा स्व० ६० (ग्राई० साइमन निवासी मोहल्ला मकदलपुरी रहकी पर० व० तह० रहकी जिला सहायनपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रा जयन जैन व श्रान्तद जैन नावयल ज्ञान प्रकाश बाविलायत ज्ञान प्रकण निवासो सिविल लाइन रङ्को पर व० तह० रहकी जिला सहारनपुर (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के ज्जांन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस निचित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृत्यी

एक किता आहाता सम्पूर्ण मकान दो मंजिला दक्षिण मृहाना कलतामीरात अग्वरत मय मलकया न कववा मय आराजी तहती जिसका नगर पालिका रहकी नम्बर 84 है स्थित मकदलपुरी कस्वा रहकी व तह० जिला सहारनपुर में स्थित हैं जो कि 45,000 रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रुजन रेज, कानपुर

**तारोख** : 28-1-81

प्राक्ष्य अन्द्रि≎ टी• एन• एस०---

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्पाक्षम, सहुत्रमक जानकर मानुनत (विरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1981

नर्विम सं० 3288 ए० राष्ट्रकी 80-81-- मतः, मुझे, बो० सो० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सलम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ४० से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान है तथा को काऊसन्छ में स्थित है (और इससे उपादक अनूसूर्य में जीर पूर्ण रूप से विणत है), रिल्स्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय रुक्क में, रिल्स्ट्र कराण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के प्रधीन तार्रख 19-7-80

को पूर्थोक्त संपत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृत्रो यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, छत्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अम्लव्क (अन्तर्को) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नतिश्चित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घग्तरण से हुई किसी घाय की बावत उक्त घिष-नियम के घंधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या श्रससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी झन या झन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिविनयम, या छन-कर प्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, प्रम, उक्त प्रक्रिकिमम, भी धारा 269—ग के धनुसरण में, में उक्त प्रक्रिकिम की धारा 269—म की उपधारा (1) के अजीन, निश्नलिखित व्यक्तियों, क्रचीतः :-- (1) श्रां सुरेन्द्र कुमार पुत श्रीं हरी चन्द्र कोहला निवासी मा ने 260 चाऊमन्डी रुडकी वर्तमान निवासी एचा अपूर् 13 बी, आरडी एकसी/ श्री० 56 ए० पी शो फिहर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती मनोरमा गोस्वामी परनी श्री बेनीजिरी गोस्वामो निवासी टीजा करुयाणपुर व तह० रुड़की जिला सहारनपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना <mark>कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के भर्जन के सम्बन्त में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस भूजना के राजपल में प्रकाशत की तारी बासे 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तामील से 30 विन की खबांध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संबंधि में द्वित-बद्ध किसी सम्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्तित में किए जा बकेंचे।

रपब्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, यो उक्त प्रधिनियम के प्रक्रयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो छस अध्याय में विषा गया है।

## अनुसूची

एक किता श्रहाता सकान एक मंजिला उत्तर मुहाना व दक्षिण मुहानाकुल मकानात भीतरी नम्बरी 260 व 260 (1) व 260 (2) रिजस्टर हाऊस टैक्स नगर पालिका रहको स्थित बाऊअस्डो स्कृकी जिला सहारमपुर मे स्थित है जो कि 45000/- २० का बेचा गया है।

बी॰ सी॰ चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निर्रक्षण) ब्र**ाजन रेंज,** कानपुर

तारीख: 8-1-81

## प्रकृप बाइं.सी.एन.युस.------

# आंथंकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, कार्नपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० 422 श्रर्जन/बी०/मवाना/80-81—श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गंया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाकार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो स्रगमानपुर में स्थित है (स्रीर इससे उपायक अनुसूत्री में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, मवाना में, रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 15-6-80

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तर्ण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयं भा किसी भी या अन्य बास्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् ः---

- (1) श्री इश्त्याक जा श्रमफाक जा, फरुख खां पुत श्री शब्बुलं श्रमीन खां निवासी सठला पर० हेसीनापुर, तहि॰ मैबीना जिला मेरठ (भन्तरक)
- (2) श्री रिख्याल **धर्णपाल जन**पाल, पुत्रगण श्री राजा-राम सा० श्रगवानपुर पो० पर० खास किठौर तह० मंत्रीना जिला मैस्डि।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जगरी करकी पृंचीकत सम्परित के अर्जम के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकोशन की तारीख से 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाध्य होती हो, के भीलर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारी;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिवं के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकोंगे।

## मनुसूची

भूमि ग्राम अग्यानपुर पर० किठौर तह० मवाना जिला भेरठ में स्थित हैं जो कि 72500/इ० की बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी संक्षेम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक: 22-1-81

प्रक्ष आहें.टी.एन.एस.-----

वायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिमांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० 374-त्री./ग्रर्जन/गाजियाबाद/80-81—ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेवी धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-6-80

पूर्वोवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राधिनयम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रव, उवल ग्रीव्यनियम, की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निक्नुसिहित व्युक्तियों, अधित् हि—

- (1) श्रीमती मालती गुप्ता पत्नि विजयकुमार गुप्ता निवासी सैकेन्ड ए०/87 नेहरू नगर गाजियाबाद व० लोनी तह० जि० गाजियाबाद (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कमला देवी पितन कृषणाल बंसल व श्रीमती शान्ति देवी पितन रिछपाल बंसल व श्रीमती राजकुमारी देवी पितन श्रोमप्रकाश बंसल नि० मण्डी श्याम नगर, रेलवे स्टेशन दनकौर जिला बुलन्दशहर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचन। जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्पिक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिश्वित्यम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता कोठी नम्बर सैकेण्ड ए०/87 ब्लाक स्थित नेहरू नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 1,80,000 रू० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, कानपुर

दिनांक: 22-1-1981

## प्ररूप मार्. टी. एन्. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० 362-बी०/भ्रर्जन/मवाना/80-81--श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कासमपुर में स्थित है है, (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मवाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 21-6-80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रस् प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंश्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

- (1) श्री रमुवन्य पुत्र श्यामलाल निवासी नवली-ग्रब्दुला पो० माधुरा पर० किठौर तह० मवाना जिला मेरठ (अन्तरक)
- (2) श्रीमती नरायण कौर पत्नि रणबीर सिंह व श्रीमती उर्मिला पत्नि महाराजा सिंह निवासी शेलिया पो० माधरा पर० किठौर तह० मवाना जिला मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

भूमि ग्राम कासमपुर पर० किठौर तह० मवाना जिला मेरठ में स्थित है जो कि 96312/- २०का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक: 22-1-1981

## प्रकप बाई० डी० एन० एस७-----

अरापकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन नुवना

#### मारत सरकार

कार्यानय, महायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० 319/म्रर्जन/फिरोजाबाद/80-81--म्रतः मुझे,

बी० सी०, चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधोन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि विसन्ना उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फर्म हैं तथा जो नील चौराहा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 9-6-80

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वां कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह असिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निलिंकत उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की भत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधि-नियम के धवीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

यतः धव, धवत प्रवितियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उत्तर प्रवितियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्वात्:——

- (1) श्री कृष्ण भन्द्रं सुप्ता पुत्र सूर्यनारायण व नम्द किशोर पुत्र श्री कृष्ण चन्द्र गृप्ता नियासी जलेसर रोड फिरोजाबाट (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्राशारानी श्रप्रवाल पत्नि श्री शिवप्रकाश अग्रवाल व ग्रुटणा श्रग्रवाल पत्नि महेन्द्र प्रकाश व श्रीमती सुमन अग्रवाल पत्नि सुरेन्द्र प्रकाश अग्रवाल व श्रातलेश कुमार पुत्र श्री प्रकाश व संदीप ना० पुत्र श्री प्रकाश वाविलायत मादर मीरादेवी निवासी नीम चौराहा फिरोजावाद

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, भी भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हित-बद्ध किसी श्रश्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्डीकरण :--६सर्मे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रनुसूची

एक किसा फर्म माधुर ग्लास वर्क्स स्थित कस्वा फिरोजा-बाद जिला श्रोगरा में स्थित है जो कि 48000/- रु० का बेचा गया है।

> ्बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 22-1-1981

## प्रकम् आर्दः दी . एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निदेण सं० 404-मर्जन/आगरा/80-81—म्ब्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० जमीन है तथा जो भूरजपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हतीं अधिकारी के कार्यालय, ग्रागरा में, रजिस्ट्री हरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 15-6-1980

को पूर्वोक्स संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसिस उव्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से किश्य नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिलिशा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पारवती देवी परिन श्री राधे मोहन भ्रम्रवाल निवासी नालाबुढ़ान सैयव बाग, मुजफ्फर-खा श्रानरा

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती पुष्पा देवी पृत्नी श्री राम सिंह निवासी मौजा बेनई पो० महावतपुर जिला ग्रागरा व चि० घनश्याम सिंह ना०बा० पृत्न ग्रर्जुन सिंह संरक्षक पिता खुद निकासी प्रतापनगर मथुरा (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष्ट-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता जमीन 1160,12 वर्गगज बाके मोजा सूरज-पुर पर्० व० जिला धागरा में स्थित है जो कि 46,404-80 पैसे का बेचा गया है।

बी० मी० चपुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 22 जनवरी, 1981

प्ररूप आर्च. टी. एन्. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० 339-म्रर्जन/एटा/80-81---म्रतः मुझे, बी० सी० चतर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो गान्ती नगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एटा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनोक 20-6-80

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके श्रथमान प्रतिफल से, ऐसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवर्ध उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृष से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचमें में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नौलिखत व्यक्तियों, वर्षात् :---

- (1) श्री ज्वाला प्रसाव पुत्र श्री सुन्दर सिंह निवासी शान्ती नगर एटा परगना एटा साकिट। (श्रन्तरक)
- (2) श्री परम प्रकाश पुत श्री श्याम बिहारी लाल व कृष्ण मुरारी पुत्र श्री बाबूराम व हरनाम पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण व लाखनलाल पुत्र श्री हुव्य लाल निवासी नगलाखगर पर० एटा तह० व जिला एटा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>3</sup>गे।

स्यक्ष्मीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अससची

बाके शान्ती नगर एटा एक किता मकान  $57 \times 90$  फीट जिसके भ्रन्दर श्रदपटा कमरा चार पटे हुए व है जो कि 48000/- रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 22-1-1981

प्ररूप आहु ० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के बभीन सुपन्।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निर्देश सं० 305-म्रर्जन/इटावा/80-81---म्रतः मुझे, बी॰ सी० चतुर्वेदी

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भिम है तथा जो — में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इटावा में, रजिट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-6-80

को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत उक्त बाँध-नियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुवरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्री शारवा प्रसाद पुत्र श्री बल्देव सिंह प्रसाद पालीवाल सा० मौजा रोसंगपुर पो० खास पर० श्रीरहया जिला इटावा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बुद्ध सिंह व श्री मजब सिंह व छोटे सिंह व लल्लू सिंह पुत्रगण रामचरन सिंह सा० मौजा वाकरपुर पो० निगड़ा बकदर 7/16 भाग व श्रीमती कृष्णा देवी पत्नि श्री पुत्तू लाल निवासी मौजा भृत्तौल व श्रीमती पश्लीदेवी पत्नी महेशाचन्द्र सा० मो० मन्तौल बकदर 7/16 भाग व श्रीमती मुझी देवी पत्नि लल्लू सिंह व मन्नी सिंह पुत्र निरंजन सिंह सा० मौ० मन्तौल वकदर, परगना भौरह्या जिला इटावा।

(भन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्राह्रियां करका हुं।

उक्रुत सम्प्रित के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अब्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजांकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### ननस्पी

कृषि भूमि पाम मौजा अन्तौली पर० औरइया जिला इटावा में स्थित है जो कि 80,000 ६० का बेजा गया है।

> बी०सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, कानपुर

,दिनांक: 22-1-1)81

प्रारूप भाई• टी० एन• एस०---

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के श्रधीन गूचना भारत मरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

**ग्र**र्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० 329-ग्रर्जन/ग्रलीगढ़/80-81—ग्रत: मुझे, बी० सी० चतुबदी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

इसक पश्चात् उक्त पावानयम कहा गया है), का धारा 259-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्बत्ति, जिसका छन्तिन बाजार मूल्य 25,000/-ष्पार्य मधिक है

श्रीर जिसकी सं मकान है तथा जो णाहापाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रक्षीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 20-6-80

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई हैं घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐने दृश्यमान प्रतिफन का पत्त्रह प्रतिशत अधिक हैं और मन्तरक (भन्तरकां) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तय पाया गार किन निमालिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरक जिल्लान में बार्वाक हैं बार गया गर किन निमालिखन नहीं किया गया ह :---

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाग की वाबत उक्त श्रीधनियम के भधीन कर देने के भग्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ा उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अर्थ, उद्यत प्रधिनियम की भारा 269-ग के घनुसरण में, में, उद्यत प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपखारा (1) के अधीन, निम्निणिखित व्यक्तियों, अर्थात !--- (1) श्री नदीन चन्द्र दुबे पृत्न श्री अम्बालाल दुवे शाहाभाषा अलीगढ़

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दिनेण चन्द्र व मुकेण चन्द्र पुत्न श्री सुरेण चन्द्र शाहापाड़ा ग्रालीगढ़

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यशिक्षा करता है।

खनन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप ·

- (क) इस सूचना के राष्ट्रात में प्रकाशन की तारी या से 45 दिन की संबंधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जी की संबंधि बाद में समाब्द होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन का तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्माण में दितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भिक्षोत्रकाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरध्वीहरण: -- इपमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जी खक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाधित है, बन्ने अबं होगा, जी खस बस्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता हवेली स्थित शाहापाड़ा जिला ग्रलीगढ़ में स्थित है जो कि एक लाख 20 हजार रुपए की बेची गई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 22-1-1981

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनयम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत गरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० 575-म्रर्जन /गाजियाबाद/80-81--म्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), हो धारा 269-ख क अधीन वक्षम प्राधिकारी को, यह विश्याम करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित मृत्य = 25,844/- रुगये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 'लाट है तथा जो सरना मुरादनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाजिया-बाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-6-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का इतित बाजार मूल्य, उसके दुव्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यसान प्रतिकत से पन्द्रह परियान आधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षिणे) के जीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्मिल खित उदेग्य में उन्त जनस्या लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया 🐇:---

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आयकी बाबत **उक्**त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रमिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत:, ग्रब, उनत ग्रधिनियन की धारा 269-ए के ग्रनु-करण में, में, उक्त श्रिधनियम को घारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथांत :---

(1) श्री रधुवरदयाल पुत्र श्री लाला भग्गूमल निधासी मकान नम्बर 13ए शिवशंकर पूरी देहली गेट मेरठ शहर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रग्रवाल ट्रेडर्स मुरादनगर भागीदारान गोपाल व सुखबीर पुत्र किशनलाल व श्रीमती मन्जू पत्नी श्री सूरजभान व श्रीमती सुपमा पत्नि श्री सन्तकुमार व भ्रजय कुमार पुत्र श्री सुखबीर निवासी मुराद-नगर भागीदारान फर्म उपरोक्त जिला गाजियाबाद पर० जलालाबाद तह० व जिला-गाजियाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यहसूचनाजारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इत यूजरा के राजपत्र में प्रकासन को तारीज से 4.5 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी श्वर्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बाराः
- (ख) इस पूजना के राजपत्र में प्रकागा को तारोख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरो के पास लिखित में किए आग सकेंगे।

स्पढदो हरगः ---इनमें प्रपृत्त शब्दों और पदों का, जो उत्रत अधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में विधा गया है।

#### अनुसूची

एक किता प्लाट नम्बर 45 स्थित सरना मुरादनगर तह० व जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि 1,01,000/-रु० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज, कानपूर

दिनांक: 22-1-81

# प्रंकप भाई • टी • एन • एतं •----

# त्रीमकर विक्रिमियेन, 1961 (1961 की 43) की बारा 2694 (1) के प्रथान सूचना

# भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनोंक 22 जनेवरी 1981

निर्वेश सं० 417/म्रर्जन मेरठ/80-81—स्मतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

ग्रायकर ग्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रिवित्यम, कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रिवीन सक्षम ग्रिविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रूपए से ग्रीविक है

भौर जिसकी सं० मकान है तथा जो रान्डा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सरधना में, रिजर्स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख

17-6-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और शन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत **एक्त भक्षि-**नियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या प्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भार्यकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गिया या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः, भव, उक्त मिधिनियम की धारा 269-म के धृतु-सरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्निखित व्यक्तियों, मर्थात् :--

- (1) श्री छज्जन पुक्ष श्री श्राचेडू निवासी ग्राम रान्डा पर० दरौला तह० सरधना जिला मेरठ। (ग्रन्तर्रक)
- (2) श्री धर्मेपाल सिंह पुत्र श्री हरीसिह निवासी ग्राम सनौती पर० दौराला तह० सरधना जिला मेरठ। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके श्रर्जन के पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यकाहियां करेता है।

र्डिक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) देस सूंचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर टेक्न स्थायर सम्पत्ति में हितबदा किसी क्रिय व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

## ें प्रनुसूची

भूमि याम रान्डा पर० दौरोला तह० सरधना जिला मेरठ में स्थित है जो कि 10,00,000 छ० को बेची ृंगयी हैं।

> वी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 23-1-81

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन मूचना

#### भारत सरकार

क विलिय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,कानपुर

कानपूर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निर्देग मं० 514 श्रर्जन/गाजियाबाद/80-81—प्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रभोत सन्नन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिन्नका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० में अधिक है

भीर जिसकी सं० क्वाटर नं० 39 है तथा जो पटेल नगर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ली श्रधिकारी ॄके कार्यालय ॣ्रिगाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 17-6-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बोब ऐसे अन्तरिण के लिए तब पाया गया प्रतिका, निम्निविधा उद्देश्य न उका अन्तरण निखित में बास्निविक स्पास के स्थात नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए,

धतः पन, उक्त धार्षिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण म, में, उक्त ग्रिप्तिमम की धारा 269-व की उपधारा के (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :~

- (1) श्री के० श्रीकरत पुष्त श्री श्रार० कृष्णन निवासी जे 39, पटेल नगर सेक्टर 7, गाजियाबाद । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शान्ता रानी पत्नी श्री केशव राम देशमुख निवासी 124/ए चन्द्र पुरी, गाजियाबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के **धर्षन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई की बाबीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की सारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वस किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अबोह्स्ताचरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें अधुकताक्षकों अग्रीर कर्षे ।का, क्षीक्षकार अधिनियम के अध्याय 20का में परिश्रीकित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

क्वाटर नं० 39 क्षेत्रफल 139 वर्गमीटर कवर्ड वर्गमीटर स्थित सेक्टर 7, पटेल नगर प्रथम गाजियाबाद में स्थित है जो कि 45,000 रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर घायुक्त, '(निरीक्षण), ब्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख : 22-1-81

प्ररूप धाई० टी • एन • एस •---

# मायकर धिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-म (1) के धर्मीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्याला, सहाय ह आयकर आयुक्त (जिरोक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निर्देश सं० 452-प्रर्जन आगरा/80-81—-श्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर ममाति जिनका उचित जाजार मूल्य 25,000/- के से अधिक है

सीर जिसकी सं० जायदाद है तथा जो हई मन्डी भाह नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण इप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख 26-6-80

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) धग्तरण से हुई किमो भाय की बावत, उस्त धिव-नियम के अधीन कर देने के अन्तर के कायिस्य में कभी करने या उससे वजने में मूर्विधा के लिए बौर/या
- (ख) ऐसी फिसी प्राय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, जनत सकिनियम की घारा 269-ग के सनुसरण में, में, धनत समिनियम की घारा 269-ग की उपघारा (1) के असीन निम्ननिखित स्पन्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री खशालमल उर्फ खुणालदास पुत्र श्री बच्चू मल रुई मन्डी, शाह गंज, शागरा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्यान चन्द्र पुत्र श्री हरनामशस निवासी श्रछुनेरा तह० विरावनी जिला श्रागरा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचना आसे हरके पूर्वोका सम्मति के सर्जन के जिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के जर्जा हे यहबरा में होई भा पाजेर:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नश्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की श्रविष्ठ, खो भी श्रविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के भीनर प्रविक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति हारा.
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से:
  45 दिन के भीतर अक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी पत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाण
  लिखित में किए जासकरें।

स्पष्टोत्तरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों घीर पदीं का, जो उक्त श्रश्चिम नियम, के अध्याय 206 में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उप प्रध्याप में दिया गमा है।

### ग्रमुसुघो

एक किता जायदाद दो मंजिला नम्बर 3/65 क्ई मन्डी शाह गंज ऋगिरा में स्थित है जो कि 80,500 ६० को बेचा गया है।

> बी० मी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख** : 22-1-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यातय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानप्र, दिनांक 22 जनवरी 1981

निर्देश मं० 340 श्रर्जन/मथुरा/80-81—-ग्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भ्रायकर भ्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रियीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिल्ला उल्लाबाग मृन्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी में भागत है तथा जो प्रणापुरी में स्थित है (ग्रांर इसमे उपायत अनुभूषी में श्रीर पूर्ण ध्या से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के वार्यालय मशुरा में, रिजस्ट्रीय रण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन तारीख 3-6-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्तलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उनत प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/धा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भारतिरही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा; के लिए

अत: अब, उक्त प्रधितियम की घारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रधितियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित के व्यक्तियों, ग्रर्थात:——

- (1) श्री लालवन्द्र शर्मा पुत्र श्री मिलकीराम व कुं० प्रेमता। शर्मा पुत्र श्री लालचन्द्र शर्मा, निधासी ज्ञापुरी मथुर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री ब्रह्मप्रकाश गौतम पुत्र श्री सुबहरीलाल निवासी ग्राम महरारा डा० खास तं० सादाबाद जिला मथ्रा

(भ्रन्तरिती)

की यह सूबना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **भर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किमी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में
  हिनवद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्धों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जो उस ग्रम्याय में दिया गया है:

अनुसूची

एक कितामकान नम्बर 1811 क्षेत्रफल 509 वर्ग मी०, बाके कृष्णापुरी मथुरा में स्थित है जोकि 60,000 ६० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-1-81

## प्रस्य भाई० टी० एन० एस०---

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

क्रियांतय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) फ्रजेन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निर्देश सं० 324 म्रर्जन/म्रलीगढ़/80-81—-म्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

बायकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सज़म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कार्य से प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो विष्णुपुरी में स्थित है (मीर इससे उपाबंद धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-6-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धूर्यज्ञान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण निखित में वास्तिय कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से दूई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-भिष्म, के भ्रधीन कर चैने के भन्तरक के वायित्व में कामी करने या उससे बचने में मुविधा के शिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अक्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

भतः अय, प्रकार पश्चिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, एक्स मधिनियम को धारा की 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---- (1) श्रो सूरज पाल सिंह चीहान पुत्र स्व० डा० धनबीर सिंह निजानी विष्णुपुरी, ग्रलीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरी नन्दन अग्रवाल पुत्र स्व०श्री किशनलाल नि० जी० टी० रोड, ग्रलीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्बक्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिक्ष-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

एक किता मकान विष्णुपुरी श्रलीगढ़ में स्थित है जो कि 150000/- रु० का वेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-1-1981.

प्रकार भाई । टी । एन । एस । ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269 ध(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्ष्मालय, सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निर्देश सं० 322-ग्रर्जन/हाथरस/80-81 ---ग्रतः मुझे, बी०सी० चतुर्वेदी,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गम्बात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विम्बास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नगला जाधा में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हाथरस में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-6-80

वृबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से प्रस्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और मन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (ग्रन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या छससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उनत श्रधिनियम, की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उनत श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अग्रीम. निम्नसिखित व्यक्तियों, श्रधीम:—
17—486GI/80

(1) श्री कालीचरन पुत्र श्री प्रसाद निषासी नगलानाई, हाथरस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामगोपाल पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण निवासी बाजार नजिहाई हाथरस ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संस्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आसीप !--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर संपत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण्डीं।—इसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अबं होगा, जो उस अध्याय में दियार्गया है।

#### अनुसूची

एक किता भूमि स्थित नगाला जोधा तह् हायरस में स्थित है जो कि 41125 रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चसुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त, (निरीक्षण), (ब्रर्जन रॅज) कानपुर

ता**रीख** : 22-1-81

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

न्नायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रघीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर जानपुर, दिनोंक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० 400/म्रर्जन/म्रागरा/80-81---म्रतः मुझे, बी०

सी० चतुर्वेदी,

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000 रु० से श्रिधिक है

भीर जिसकी सं जिमीन है तथा जो नगला पर्दा में स्थित है (भीर ह इससे उनाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ईरिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-6-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत खबत श्रिधिनियम, के घ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त भ्रधिनियम, या भनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये:

ग्रतः ग्रब, उन्त ग्रिधिनियन, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातु:— (1) भी नत्थीलात पुत्र श्री रामप्रसाद निधासी नगलापदी, ग्रागरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ज्ञान चन्द्र जैन पुत्र श्री फूलचन्द्र जैन नि० नगला पदी, श्रागरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के सर्वेत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेपा-

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 विन की प्रविध या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में पनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीचन व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की दारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हिंद-बढ़ किसी घन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पान निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यब्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त प्रविनियम के धन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्च होगा जो उस बब्धाय में विवा गया है।

## **मन्**सूची

जमीन 1895 वर्ग मीटर नगला पर्दा तह० भ्रागरा में स्थित है जो कि 13500/- ६० की बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक त्रायकर त्रायुक्त, (निरीक्षण), धर्जन रेंज, कानपुर

ता**रीख** : 22—1—81.

मोहरः

## प्रकप चाई• टी• एन• एस० -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नभीन सुमना

#### मारत सरकार

# कार्यालय, संद्वायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, विनांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० 316-म्प्रजंन लिलितपर/80-81:---म्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ज. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गान्धी नगर में स्थित है (ध्रौर इससे ज्याबद्ध ध्रनुसूची में घ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ललितपुर में, रजिस्ट्रीकरण घ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 3-6-80

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से क्रम के दश्यमान प्रसिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त गंगरित का उजिल बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एमें दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से सुद्दं िकसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आपर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण भों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री विन्तामणी जैन व श्री नन्हेलाल निवासी ललितपुर मु० तासावपुरा पोस्ट-ललितपुर।

(म्रन्तरक)

(2) अधिशासी अभियन्ता महोदय प्र० निर्माण शाखा ७० प्र० जल निगम ललितपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह **सूचना जारी करके पृवां**क्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सक<sup>1</sup>गे।

## **प्रनुसूच**ी

भूमि ग्राम गान्धी नगर नई बस्ती ललितपुर में स्थित है जो कि 69850/- रू० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी, (सक्षम प्राधिकारी), सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-1-1981.

## प्रकृष बाई० डी० एन० एस०--

# आयकर मिलियम, 196 ई (1961 को 43) की आरा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायीलय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० 478 ग्रर्जन/फरुखाबाद/80~81 —-श्रतः मुझे, बी०सी० चतुर्वेदी,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय फरुखाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-6-1980

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृत्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृत्यमान प्रतिकल के पन्त्र प्रतिक्ति से प्रधिक हैं और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) व्यस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भक्तियम के भधीन कर देने के भक्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री गंगादीन पुत्र श्री णिवक्याल सा० साहिबाबाद मजरा पिपरगांव पर० मोहम्मदाबाद, फरुखाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुखदेवी पत्नी कवीर सिंह निवासी वजरिया जाफर खां फरुखाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी जरके पूर्वीन्त सम्पत्ति कें धर्णन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी बाबीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबस्ति, को भी सबक्षि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका स्पक्तियों में ते किसी स्पक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में अकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी तकत अग्निनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही धर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **प्रमुसूपी**

कृषि भूमि ग्राम मौजा ग्रगरपुर में स्थित है जो कि 10000/--रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, (सक्षम प्राधिकारी), सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

नारी झ : 22-1-81.

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यौलन, सहामक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० 307--म्रर्जन/इगलास/80-81:--म्रतः मुझे, की० सी० चयर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अक्षींन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु॰ से प्रधिक हैं।

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मौजा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण इप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इगलास में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 6-6-80

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर धन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते अचने में सुविज्ञा के लिए, और/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुधिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (11) के अधीन निम्मलिसित स्विक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गंगा प्रसाद पुत्र राम सिंह निवासी गढ़सौली तह० सादावाद जिला मथुरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेण चन्द्र व बुजमोहन पुत्र श्रीमती वैकुन्ठी देवी पत्नी श्री रामचरन निवासी नवोनगर पर० गोरई तह० सादाबाद।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूवना जारी करके पूर्वौक्त सम्पत्तिके प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुत्रना के राजात्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उन स्थावर सम्पति में हितबड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छी करण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पक्षों का, जो उकत ग्राध-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुतूची

एक जमीन ग्राम मौजा नयागढ़ जिला ग्रलीगढ़ में स्थित है जो कि 57000/- रु० का बेचा गया है।

> सी० मी० चतुर्वेदी, (सक्षम प्राधिकारी), सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख : 22**-1-8**1.

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंअ, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० 402/भ्रर्जन/भ्रागरा/80-81:—म्नतः मुझे, बी० सी० चतुबदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जायवाद है तथा जो नवेरी में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुसूची में झौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय स्रागरा में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 10-6-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलियत में वास्तिय करूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नृलिखित व्यक्तियों मुर्थात्:--

(1) श्री नरेश प्रताप सिंह पुत्र स्व॰ ठा॰ श्री बृजपाल सिंह निवासी 1/115 कोठी लेक न्यू देहली गेट, गुलावराय मार्ग, भ्रागरा

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ प्रतापनरायन श्रग्रवाल पुत्र श्री रामनारायण भ्रग्रवाल निवासी 21 नेहरूनगर, भागरा

(मन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में क्येष्ट्र भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया हैं।

#### वनसर्ची

एक किता जायवाव नवेरी 1/115 व 1/115/19 बाके गुलाबराय मार्ग ग्रागरा में स्थित है जो कि 71520/-- रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-1-81.

मोरहः

शरूप आर्थ. टी. एन. एस.--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

े निदेश स॰ 451/म्रर्जन/म्रागरा/80-81:---म्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० जमीन है तथा जो घटवासन में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-6-80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किश्तु नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की नायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में मृविधा के लिए:

अत: अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

(1) श्री ईश्वरदेव व पूरनमल पिमराम हुलासीराम निवासी, वलकेश्वर, श्रागरा

(श्रन्तरक)

(2) श्री राजू ग्रग्नवाल पुत्न श्री एस० एन० ग्रग्नवाल निवासी विजय नगर कालोनी, ग्रागरा ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवानिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्। किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखन में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### मन्स्ची

एक किता जमीन व जादाद 1000 वर्ग गज मिनजुमला खसरा नं० 890 बाके मौजा घटवासन मुस्तकिलत तह० व जिला श्रागरा में स्थित है जो कि 25000/- ए० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख** : 22-1-81.

प्रकृष माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष**(1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

## कार्बालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० 317/ग्रर्जन/ग्रतरोली/80-81:--ग्रत: मुझे, की० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपय में प्रधिक है

प्रांर जिसकी सं० कृषि भूमि हैं तथा जो प्रतरौली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपायद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अंतरौली में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-6-80 को पृवाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंग्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्ग्य मे उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण सहुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दामिस्व में कभी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, वर्षातु '---

- (1) श्री बसुदेव पुत्न श्री बद्री निवासी मृदिया खेड़ा मंजरा चितकुरा पर० गंगीरी तह् ० श्रतरौली जिला श्रमीगढ़ (श्रन्तरक)
- (2) श्री वचनसिंह श्री रनछोर सिंह पुत्र गण श्री होतीलाल निवासी ग्राम गुड़ियाखेडा पं० गंगोरी तह० ग्रतरौली जि० ग्रलीगढ़ श्री जमुना प्रसाद पुत्र श्री रायसिंह निवासी मौजा खुगीपुर पर० गगीरी तह० ग्रतरौली जिला ग्रलीगढ़

(भ्रन्तरिती)

को <mark>यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां मुख्य करता है ।

उक्त सम्मत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रक्क्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपदा में प्रकाशन की नारीख से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 विन की अविध, जो भी ध्रवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किमी व्यक्ति ध्राहरा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास विचित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इपमें प्रयुक्त शक्तों और पदों का, जो उक्त प्रिक्षि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो एस प्रध्वाय में दिशा स्था है।

#### अनुसूची

श्राराजी भूमि धरी खसरा नम्बर 179 रकवई 12 बीघा 9 विस्वा 5 विस्वा न्सी लगानी का 63/734 से बाके मौजा चित्रफुरा पर० गंगीरी तह. श्रतरौली जिला श्रलीगढ़ में स्थित है जो कि 25000/- रु० को बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्येदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्णन रेंज, कानपूर

तारीख: 22-1-1981.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कामपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निवेश सं० 331-मर्जन/मलीगढ़/80-81:--मत: सुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० मकान है तथा जो गान्धी नगर में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय म्नलीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 26-6-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिते (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

> > को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-18—486GI/80

(1) श्री राम स्वरूप व वेषराम पुक्षगण श्री कुम्बन लाल निवासी ग्राम सीतापुर प० इम्लास तह इम्लास जिला-झसीगढ़ (धन्तरक)

(2) श्री श्याम बाब् व मनोहर लाल पुत्रगण छेदालाल निवासी ग्राम मिनौली तह० सिकन्यरा राऊ जिला-ग्रालीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिस्णः -- इसमें प्रयुक्त झब्बों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

एक किता मकान नम्बर 19/134 गान्धी नगर शहर झलीगढ़ में स्थित है, जो कि 48000/-- ६० का बेचा गया।

> बी० सी० चतुर्बेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, कानपुर

तारी**ख** : 22=1<del>-</del>81.

प्ररूप आई. टी: एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० 313/म्रर्जन/सिकोहाबाद/80-81:—म्प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० हैं तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सिकोहाबाद में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7-6-80 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल का, निम्निसिस्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उपसरे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उक्सारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:- (1) श्री रामकृष्ण महेश्वरी पुत्र श्री गया प्रसाद महेश्वरी रमेश चन्द्र महेश्वरी पुत्र श्री कैलाश चन्द्र महेश्वरी, निवासी गण बाजार कलां नगर सिकोहाबाद जिला मैनपुरी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीराम जैन पुत्र सेवाराम व रामप्रकाण व कैलाण चन्द्र पुत्र गण श्रीराम जैन व श्रीमती शान्ती देवी धर्म पत्नी श्री राम प्रकाण जैन व श्रीमती सुन्दरी देवी पत्नी कैलाण चन्द्र जैन, निवासी गण मन्डी गान्धी चौक कस्वा सिरसागंज तह० सिकोहाबाद जिला मैंप पुरी। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान रतमीर पक्ता दो मंजिला गान्धी मंडी चौक (नम्बर 027) कस्वा सिरसा गंज तह० सिकोहाबाद जिला मैनपुरी में स्थित है जो कि 49,500 रू० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) क्रुर्जन रेंज. कन्नपुर

तारीख: 22-1-81.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1,961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० 341/म्रर्जन/मथुरा-80-81:--म्प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदो,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मथुरा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख तारीख 15-6-80

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से, एसे दृश्यमान श्रीतफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यकने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गाके, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्री राधा चरन सिंह पुत श्री कूचा सिंह निवासी बडना तह० मथुरा।

(श्रन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार व प्रमोद कुमार पृक्ष श्री बालमुकुन्द, निवासी डेम्पीयर नगर, मथुरा। (ग्रन्तरिती) ै

न्त्रे यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त् सम्पृत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

एक किता मकान बाके सेख बाग तिलापहारमेपुर मथुरा में स्थित है जो कि 46000/-- रु० का बैचा गया है।

> क्षी० सी० चतुवदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-1-1981

मोहरः

प्ररूप नाइ. टी. एम. एत.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सूरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० 441/गाजियाबाद/80-81:—ग्रतः मुझे, बी० सी० वसर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० मकान है तथा जो पटेल नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16-11-79 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्निचित उद्देश्य से उकत अन्तकरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बद्ध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों अर्थात्ः—

- (1) श्री जै० बी० राव पुत्र श्री स्व० श्री जे०एल० एन० राघ निवासी डी० 1/34 शाहजहां रोड, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
  - (2) श्री जयरानी पत्नी श्री जुगलिकशोर अग्रवाल निवासी एम० 1 पटेल नगर, गाजियाबाद। (श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

एक किता क्वाटर नंजे-66 पटेल नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि पटेल नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 70,000/-रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कामपुर

तारीच : 22-1-1981.

प्रकप आई.टी.एन.एसं.------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० 343-ग्रर्जन/मथुरा/80-81:----ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्बेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० मकान है तथा जो मोठिया में स्थित है (भौर इसरें उपायद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-6-80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से बिधक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाब-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अद्यं, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के विभीन निम्नसिवित क्योंक्तयों वर्षात्:-- (1) श्रीमती भगवान देई उर्फ भगवान देवी पति श्री गंगा प्रसाद निवासी प्रजनपुरा मसुरा।

(मन्सरक)

(2) श्रीमती फातमाबेगम पत्नी ग्रब्दुल मजीद व श्रब्दुल मजीद प्रत हमदिखा व श्रीमती बत्लन बेगम पत्नी रई-मुद्दोन पुत्र शक्रूर खां निवासी मोठिया, दरवाजा जि० मथुरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्मध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्तों और पतों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रीटशाबित हाँ, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका सवा हाँ।

# न्गृज्जी

एक किता मकान दो मंजिला गली फतीराम मन्डी रामदास मथुरा में स्थित है जो कि 48,000/- क० का बेचा गया।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-1-81.

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशियण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० 448-म्प्रर्जन,मे रठ/80-81:--श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो श्राजादरोड मेरठ में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रिष्टिकारी के कांयिलय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-6-80 क्ये पूर्वोच्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्यत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखत उद्वर्षय से उक्त अन्तरण कि सित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ं भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीन :--

(1) डा० महावीर भूषण गीयल पुत्र पूरनमल निवासी मोहल्ला रायजादगान हैसियत कर्ता एच० यू० एफ० व ग्रनिल कुमार गोयल पुत्र डा० महावीर भूषण गोयल रायजगन मेरठ बजाते खुद वहेसियत मुखतार-ग्राम मिनजानिब महेन्द्र भूषण गोयल खगेन्द्र भूषण व चन्द्र भूषण गोयल व राकेण भूषण गोयल नि० रायजा-गान, मेरठ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री निजामुद्दीन ग्रंसारी एडवोकेट पुन्न श्री बुन्दू श्रंसारी ग्राजाद रोड, गोल कुंग्रा, मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तिः में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निम्नित में किए जा सकीगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्वी

एक किता बिलर्डिंग नं० 62 साकिन मारफ माधी भवन हाल नं० 18 पार्ट बाके श्राजाद रोड, मेरठ में स्थित है जो कि 77000/-रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीखः: 22-1-81.

## प्रका भाई : ठी : एवं : एस : ----

आर्थकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० 438/श्रर्जन/गाजियाबाद/80-81:--श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'जन्त पश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्तक प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

ध्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो गान्धी नगर गाजियाबाद में स्थित है (ध्रौर इसमें उपाबद्ध ध्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-6-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकत के लिए अन्तिएत की गई है और मुक्ते यह विस्थास करने का शारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत का पण्डल प्रतिकत अधिक है और अग्तरक (अग्तरकों) और पण्डिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण लिस्तित यो वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; प्रौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त स्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थोतः——

- (1) श्री राममाकन पुत्र श्री बंबीलाल निवासी 265 गान्धी नगर गाजियाबाद पर० लोनी तह० व जिला गाजियाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्री बलजीत सिंह सिंघल पुत्र श्री मूलचन्द्र निधासी 99-न्यू गान्धी नगर, गाजियाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करका हैं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मासेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन जी तारीजा से 45 जिन की सक्षित वा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना जी तामील से 30 दिन की सक्षित, को भी सब्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवळ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

## अनुसूची

एक किता मकान मंजिला कोठी नम्बरी नगर पालिका 265 रकवर्ष 200. 1 स्थित गान्धी नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 76,000/- मु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), अजन रेंज, कानप्र

तारीख: 22+1-1981.

प्रकार बार्ड ही । एन । एस ।-

आएकर बाह्मनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरहार

कार्याखय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्णन रेंज, कानपुर

कामपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० 407-बी/प्रर्जन/बागपत/80-81:---धतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६० मे अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो सांकलपुट्ठी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बागपत में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 9-6-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उचन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त मधि-नियम के घंधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिनाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अन, धक्त प्रधिनियम, की द्यारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की द्यारा 269-त को उपन्नारा (1) के अधीन निम्मुलिखित स्युक्तियों, अधीत्ः— (1) श्री वयाराम पु॰ हरबन्ध, नि॰ सांकलपुट्ठी पर॰ व तह॰, बागपत जिला मेरठ ।

(श्रन्सरक)

(2) श्री इकवाल सिंह मुरेन्द्र पाल सिंह विजेन्द्रपाल सिंह पु० मलखानसिंह 1/3 भाग व हरपाल सिंह व गंगाबल पु० किशनलाल 1/3 भाग श्री चन्द्र पु० सूरतसिंह को 1/3 भाग नि० सोकचपुर्ठी उक्त पर० व तह० जिला मेरठ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अग्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो जक्त प्रविभियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

## वनुसूत्री

कृषि भूमि ग्राम सांकलभुट्ठी पर० व तह० बागपत जिला मेरठ में स्थित है जो कि 1,35,000/- र० का बैचा गया है।

> बी० सी० **चतुर्वेदी,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-1-81.

प्ररूप भार्षः टी. एन., एस.,------

श्रायकर श्रिश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानरपूर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० 411-बी/हापुड़/80-81:---ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुवदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उनित वाजार मूल्य 25,000/- स्था से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो इसहाकनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, रजिस्ट्रीकरण , ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 20-6-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपक्ष के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से ग्रिधिक है और अन्तरक (धन्तरिकों) ग्रीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रांतफल निम्नलिखन उद्देश्य स उक्त धन्तरण लिखन में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भाध-नियम के भाधीन कर देने के धम्छ रक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन वा ग्रन्थ भास्तियों को जिग्हें भारतीय भाग-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--19---486GI/80 (1) श्रीमती कमलावती पत्नी श्री कान्तीसरन निवासी फरीदनगर पर० जलालाबाद तह्० हापुड़ जिला गाजिया-बाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बाबू व मो० युनुस पुत्रगण श्री हाजी मौहम्मद शफी व श्रहमदहसन उर्फ गुल्लू पुत्र श्री मोहम्मदरफी व श्रीमती श्रनवरी बेगम पत्नी श्री श्रहमद हसन उर्फ गुल्लू उक्त समस्त निवासी, फरीदनगर ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

जनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर वड़ी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो छस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि नवम्बर खसरा 564 रकवई 14 बीधा 13 बिस्वा छः सही दो बटा तीन विस्वान्सी पुख्ता भूमि लगानी भूमि घरी साल 183-00 रुपये बाके ग्राम इसहाकनगर पर० जलालाबाद तह० हापुड़, जिसकी किसमें सबटा श्रव्वसन्नाबी है जो कि 99,000/--रु० में बेची गयी है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण,) श्रर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख: 22-1-81.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर घितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भिन्नी सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निषेश सं० 443-बी/गाजियाबाध/80-81--श्रतः मुझे, बी०सी० चतुर्वेदी,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में अधिक है

अधिक ह

श्रौर जिसकी सं ० मकान है तथा जो चन्द्र पुरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम.

1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-6-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफत्त के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखह प्रतिगत से अधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नप पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निखित में वास्त्रिक रूप में किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी प्राय की बावत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के पन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वचने मं मुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः प्रज, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती शान्ता रानी उपनाम शान्तीरानी पत्नी श्री केशोराम देशमुख उपनाम के केशवलाल निवासी III चन्द्रपुरी गाजियाबाद जिला गाजियाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विमला देवी परनी श्री जयप्रकाश निवासी गली खजान्चीवाली मोहल्ला सोहनलाल देहली गेट, गाजियाबाद।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पात के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है।

### अनुसूची

एक किना मकान नम्बर III स्थित चन्द्रपुरी गाजियाबाद में स्थित है जो कि नब्बेहजार रुपये का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्थेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-1-81.

प्रकप साई० टी० एन० एस०--

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

<mark>भ्रर्जन रेंज,</mark> कानपुर

कानपुर, विनांक 22 जनवरी, 1981

निधेश सं० 376-बी/गाजियाबाव/80-81:--श्रतः मुझे, बी०सी० चत्वधी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० मकान है तथा जो दौलतपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपावक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 13-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के वृह्यभान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का विश्वास कारा मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रीयक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित धरेक्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रश्चीन कर देने के ग्रग्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधा के लिए;

ग्रतः, ग्रवः, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्ननिखा व्यक्तियों पर्यातः →

- (1) श्री स्वतन्त्रकुमार सुपुत्र स्व० सेठ जयप्रकाण निवासी स्राहाता देहली श्रायरन एन्ड स्टील कम्पनी जि० जी० टी० रोड़, गाजियाबाद प्रेसिडेन्ट विद्या केन्द्र, गाजियाबाद। (श्रन्तरक)
- (3) श्रीमती शशीबाला देवी पत्नी श्री ब्रह्मशंकर व श्रीमश्री उवारानी पत्नी श्री गोपीकृष्ण ब्रग्नवाल निवासी ब्रालम-गिरीगज, बरेली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रार्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उम्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स**कें**गे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों धौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### घनुसूची

एक मंजिला कोठी नम्बरी नगरपालिका 333 स्थित दौलतपुरा गाजियाबाद जिसका कुल रकवा मये एक ग्राराजी आबादी के 3844-10 वर्ग गज है जो कि 1,30,000/- ६० का बेचा गया है।

> बी० सी० चनुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख** : 22-1-81.

प्रकार आर्थ टी. एन. एस.-----

# आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० 375-बी/गाजियाबाद/80-81--अतः मुझे, बी०सी० चतुर्वेदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 'लाट है तथा जो फीहोल्ड कालोनी भ्रशोक नगर में स्थित है (भ्रौर इससे उपावड भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 13-5-80

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित वाजार भूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसं स्वयमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवळ रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और√या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1;) के अभीन, निभ्नीचित्रत व्यक्तियमों अर्थात् :-- (1) मैसर्स महालक्ष्मी लैन्ड एन्ड फाइनेन्स क० प्रा० लि० 8बी जिन्दल ट्रस्ट बिलिंडिंग श्रासफ्झली रोड नई दिल्ली द्वारा जनरल एटोरनी श्री श्रशोक कुमार छाबड़ा पुत्र श्री देणराज छाबड़ा निवासी रिंग रोड़, 1 लाजपतनगर नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चित्रादेवी पत्नी स्व० श्री फूल सिंह निवासी ग्राम ग्रब्दुल्लापुर मेरठ जिला मेरठ द्वारा जनरल एटोरनी श्रीरामशरण पुत्र श्री गंगाशरण निवासी रोनकपुरा, रेलवे रोड, मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

कार यह स्थान बारी करके पृषांकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप.--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध दिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्त्यी

थर्ड बी० उडन्तवचास स्थित ब्लाक बी० नेहरुनगर गाजियाबाद क्षेत्रफल 270-06 घ्रौर प्लाट न० 40 ए क्षेत्रफल 326.94 वर्ग गज स्थित फीहोल्ड कालोनी घ्रशोक नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 35,000/- रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-1-1981.

प्ररूप आर्च.दी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, ध्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 29 जनवरी 1981

निर्देश सं० 3265-ए/कानपुर/80-81-यतः मुझे, बी० सी० चनुर्वेदी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20/37 है तथा जो राम नारायण बाजार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-7-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी। आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती गायन्त्री देकी व श्रीमती माधुरी देवी 30/91, महेश्वरी मोहाल कानगुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लालचन्द्र जायसवाल, राधेश्याम जायसवाल निवासी 31/6 धुमनी मोहाल, बाबूलाल, निवासी 20/43— ए घूमनी मोहाल, कानपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांक्त सम्परित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अम्बेक:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से जिसी व्यक्तियाँ वृक्तियाँ
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तियणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का., जो उक्त जीधिनयम, कें अध्याय 2,0 क में परिआवित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वम् सुन्धः

एक किता मकान नम्बर 29-43/ए० धुमनी मोहाल कानपुर में स्थित है जो कि 60,000/- रु० का बेचा गया है।

> बी० सीं० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 29-1-81.

#### **धारत सरका**र

कार्याजय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रज, कानपुर

कानपुर, विनांक 31 जनवरी 1981

निदेश सं० 3156 ए०/देहरादून/80-81:—-ग्रत: मुझे, बी०सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनहा जिन्त वाजार मूल्य 25,000/- स्था से अधिक है

ग्नीर जिसकी स'० मकान है तथा जो देहरादून में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्निध-कारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-6-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृष्यमान प्रतिकल के निये प्रतिरिक्त को गई है और पूत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रम्बह प्रतिकान से अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तीरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य में उका अन्तरण लिखित में बाहादिक लगा किया को किया गा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उपत अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उसन बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी खन या अध्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिश्विमयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर ग्रिश्विमयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त पश्चिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तित्यों अर्थात्:-- (1) श्री वेंट सिंह प्रधान पुत श्री बुलाका सिंह प्रधान निवासी 153 राजपुर रोड, देहरादून तथा मिर्सनोरमा डोरथी लुईसस्टोनपुत्नी जार्जरोडनस्टोन 152 राजपुर रोड, देहरादून ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विद्या मन्दिर सोसाइटी रजि० ग्रस्टले हाल देहरादून द्वारा के० एस० खन्ना (सेक्रेटरी)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्थन के संबंध में कोई भी आसोप :--

- (क) इस यूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भनिध, जो भी भनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवह किसी अन्य व्यक्ति द्वाराः, बाबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त श्रिष्ठित्यम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है

# ग्रन् सूची

भूमि खसरा नम्बर 383/4 क्षेत्रफल 1,21 एकड़ देहरादून में स्थित है जो कि 3,25,000/- रु में बेची गयी है ।

बी० सी० **चतुर्वेदी,** सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर <mark>ग्रापुक्त (निरीक्षण),</mark> धर्जन रेंज, कानपुर

तारी**ख**: 31-1-81.

प्रकृष पाई• टी॰ एन॰ एय-----

बायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक् प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 31 जनवरी, 1981

निवेश सं० 3137-ए/खुर्जा/80-81:--ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुवदी,

जायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- कपए से प्रधिक है भीर जिसकी सं मकान है तथा जो मधूक मंगल में स्थित है (फ्रीर इससे उपाक्षक प्रमुक्ती में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय खुर्जा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 26-6-80

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूग्यमान प्रतिफल के लिए भग्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिला बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी प्राय की बाबत उक्त प्राधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या ससमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः ग्रंब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के धन्। सरण में, मैं, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रंथीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्चात:--- (1) श्री मरेन्द्र पाल व जितेन्द्रपाल चौहान पृत्र श्री करन सिंह निवासी मो० मखदूमगज पर० व तह० खुर्जा जिला बुलन्द शहर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विमला अग्रवाल पत्नी रमेशचन्द्र अग्रवाल मो० तिल मान्डेग्वर पर० व तह० खुर्जा जिला बुलन्द शहर।

(ब्रन्तरिती)

को यहसूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरमंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी पवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्वद्योकरण:---उन्नमं प्रयुवन शब्दों श्रीर वदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं सब होगा जी उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### श्रमुसूची

एक किता मकान पक्का एक मंजिला क्षेत्रफल 353,8 वर्गगज स्थित मध्क मंगल तह० खुर्जा जिला बुलन्द शहर में स्थित है जो कि 49,000/— रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० **घतुर्वेदी**, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), (श्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 31-1-81.

भक्त काई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जनरज, कानपुर

काक्युर, दिनमंक 31 जनवरी, 1981

विषेश ःसं० 3172/ए०/मु० नस्पर/80-81:--धतः मुझे, की० ग्रीठ चतुर्वेदी,

माहकर अधिनिमस, 4961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो ग्रहाता मुजफ्कर नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्ड्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्वालय मुजफ्कर नगर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 7-6-80

को भूगांक्य संबंदित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकाल के लिए अस्ति हित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्परित का उत्तिक वाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकाल से एसे क्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मसिकित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से क्यित महीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किती जाय की बाबत, उक्त जिथानियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी जाब त्या किसी भन का कर अधिनियम, 1922 को, जिक्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्रीमती पुष्पा देशी पन्नी ईश्वरचन्द्र निवासी श्राप्ताला छात्रनी मुजफ्फर नगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मूलचन्द्र फैंमलीट्रस्ट मुजक्फर नगर द्वारा मूलचन्द्र पुत्र मोतीराम मुजक्फर नगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूत्रना के एरजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध सा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उभत स्थानर संपरित में हित-क्रद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिकियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्वी

एक किता श्रहाता मुजफ्फर नगर में स्थित है जो कि 40,000/--क • का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

**सारीख:** 31-1-81.

मोहरः

प्ररूप नाहरं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी, 1981

निवेश सं० 384/म्रजंन/गाजियाबाद/80-81:--म्रतः मुझे, बी०सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं • मकान 288 है तथा जो इसवाईलखां रामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रिन्स्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-6-80

को पूर्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त्रें) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक रूप से किथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसदण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 20—486GI/80 1) श्री गरनजीत सिंह पुत श्री सरदार सम्तसिंह निवासी
369 पुनौक्षसमाईल खोरामनगर गाजियाकाद हाल
मुकीस 8 ए श्रामोक नगर गाजियाकाद स्वयं व मुखतार
श्राम मुनजनिव श्री कुलवीप सिंह पुत सरदार सन्त सिंह
नि० 22/21 लिब्बी श्रारडी बैंड फोरड़ एच० टी०
एस०।

(भ्रम्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र भुमार पुत्र श्री हरकारीलाल वश्रीमती लतारानी धर्म पत्नी श्री नरेन्द्र भुमार निकासीगण 390 रामनगर गाजियांचाद।

(भग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थलकिरणः - इसमें प्रयुक्त सब्यों और पवीं का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### मन्त्रची

एक किना सकान नम्बर 268/एच नया नम्बर 369 स्थित मोहल्ला पूर्वी इसमाइलखां रामनगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 46,000/- र ० का बेचा गया है ।

> नी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), (भर्जन रेज), कानपुर

तारीख: 6-2-81.

प्ररूप आहूँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 फरवरी, 1981

निदेश सं० 415-म्प्रर्जन/बी/दावरी/80-81:--म्प्रतः मुझे, की० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फैक्टरी है तथा जो राजेन्द्र नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-6-1980

क्ये पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

1) श्री पदम बन्द पुत्र श्री मुन्नालाल निवासी एष/रए होज खास नई दिल्ली व इन्द्र नरायण पुत्र रूप नरायण ए-16 ग्रीन पाक, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं सर्स टीन मैन्यूफैक्किरिंग कर आफ इंडिया 95 राजेन्द्र नगर इन्डस्ट्रीयल स्टेट जीर टीर रोड़, सिहाद मोहन नगर प्रोप्नारइटर सत्य प्रकाशद्वारा रिवगोयेल पुत्र सत्यप्रकाशगोयल निवासी 4141 नया बाजार। वेहली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>1</sup>,। बही अर्थ होगा, जो उस, अध्याय में दिया ग्या हु<sup>2</sup>,।

# अनुसूची

विलिंडिंग फैक्टरी नम्बरी नगर पालिका गाजियाबाद, 66 स्थित राजेन्द्र नगर गाजियाबाद में स्थित है जो कि 2,00,000/~ राज का बेचा गया है।

बी० सी**० चतुर्वेदी,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), (ग्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 4-2-81.

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जिन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 4 फरवरी, 1981

निदेश सं० 3113-ए/बुलन्द शहर/80-81:--म्रतः मुझे, बी०सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान 111 है तथा जो सिविल लाइन चांदपुर रोड़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बुलन्दगहर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 19-6-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम, के अधीन कर दोने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री तस्तराम पुत्र श्री मुग्गीराम सैनी निवासी सिविल लाइन रेलवे कासिंग चांदपुर रोड़ बुलन्द शहर। (अन्तरक)
- (2) प० रामचन्त्र शर्मा पुत्र श्री लीलाधर शर्मा निवासी शाहजहांपुर पर० अनूपशहर जिला बुलन्द शहर। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितंब व्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता मकान वो मंजिला नम्बर 111 बाके मोहस्ला सिविल लाइम्स रेलवे कासिंग चांद पुर रोड़ जिला बुलन्द शहर क्षेत्रफल 135 वर्ग गज है जो कि 30,000/- र० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज, कानपुर

अंतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 4-2-81

मोहरः

# प्रकप भाई० ठी० एन०एस०-

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकाड

# कार्यांसय, सहायक भायकर भायुक्त (तिरक्षिण) श्रर्जनरेज,कानपुर

कामपुर, विनांक 6 फरवरी 1981

निदेश सं० 3207-ए/कानपुर/80-81:--श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे व्यसमें इसमें इसमें परचात 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा॰ से निधक हैं

श्रीर जिसकी संज्याट 43192 है तथा जो काकादेव कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 3-6-80 को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दृश्यमान श्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्दरण से हुई किसी नाय की वाबत्, उक्छ निर्धानयम् के बभीन कर दोने के नृत्यरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा का निष्; बार्-वा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, नन्यरण में भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नृतिष्ठित व्यक्तित्यों अधीतः-- (1) श्रीमंती ऊषा अंग्रवाल परनी श्री विजयकुमार अग्रवाल निवासी 113/118 स्वरूप नगर कानपुर व श्री विजय कुमार अग्रवाल पुत्र सुन्दर निवासी नि ० 113/118 स्वरूप नगर कानपुर।

(भ्रन्तरक)

2) डा० ब्रज मनोहरदास वर्मा पुत्र श्री ए० एन० वर्मा व श्रीमती प्रेमवर्मा पत्नी डा० ब्रिज मनोहर दास वर्मा व चन्द्र मोहन वर्मा पुत्र डा० ब्रिज मनोहरदास वर्मा निवासी 3 मेडिकल कालेज कम्पल कानपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

### जबत सम्परित के मुर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किमी स्थित व्यादा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ग्या है।

# नग्रुपी

एक किता प्लाट नम्बर 231/92 ब्लाक एच० काकादेव स्कीम न'० 1 जिसका क्षेत्रफल 426 वर्ग गज है जो कि 58,000 रुका बेचा गया है।

> .बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

त्तर**रेख** : 6-2-81. मोहर: प्ररूप् आईं टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सुरकार

कार्याल्य, सहाय्क आयकर आयुक्स (निर्दीक्षण) अर्जन रेज, कामपुर

कोनपुर, दिनांक 6 फरवरी, 1981

निदेश सं० 3450-ए/हरिद्वार/80-81:--श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० व्लाट है तथा जो निरंजनी श्रखाड़ा में स्थित (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से यणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में, रिजिस्ट्रीकरण श्रधि नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-8-80 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कि थित नहीं किया ग्या है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे ब्लूने में सुविधा को सिए; जोट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अर्थ, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) जुधीन निम्निसिख्त ब्युक्तियों, अधृति:-

(1) अञ्चल सिक्ता आस्तेन्य समिति श्रवण नायमठ हरिद्वार द्वारा श्री महन्त रूप गिरी जी।

(भन्तरक)

(2) श्री भास्कर निर्मय स्थाम समिति हरिद्वार द्वारा स्वामी स्याम सुन्दर दास निवासी 100 रेलवे रोड़, हरिद्वार जिला सहारनपुर।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई अक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळोकरणः - इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाणित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्की

भूमि 2500 वर्ग फुट स्थित निरंजनी अखाड़ा रीड़ श्रवण-नार्थ नगर हरिद्वार में स्थित है जो कि 68,125 देश का बेचा गया है।

> बीठ सीठ चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (**निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, कानपुर

तारींच: 6-2-81. मोहरः प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

आयिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-षु (1) के अधीन सृच्ना

भारत् सरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 फरंबरी, 1981

निवेश सं॰ 3237-ए/कानपुर/80-81:--श्रतः मुझे, बी० सीठ चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ॰ मकान है तथा जो चर्च कम्पाउण्ड परेड में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (19089 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-6-80

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (कं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- जतः जब, क प्रात अधिनियम की धारा 269-ग के, जनूसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुनि पृत् व्यक्तियों अधृति:--

(1) श्रीमती रानी मप्रवाल पत्नी श्री विजय कुमार भग्नवाल महसियत माता व कुदरती विलया चि॰ रीतेश कुमार श्राप्रवाल विचि० हरीश कुमार नावालिंगान पुत्र श्री विजय कुमार भग्नवाल निवासी 15/29 बी॰ चर्च कम्पाउण्ड परेड सिविल लाइन कानपुर।

(भ्रग्तरक)

[2] श्री श्याम चरन यादव पुत्र श्रीगोदरधन लाल यादव निवासी प्राम लखनी तह० दिग्दकी जिला फतेहपुर हाल, 22/2 चटाई मोहाल, कानपुर।

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

### वृत्स्वी

एक किता मकान हाल पक्का 15/29 बी० एक मंजिला मेथाडिस्ट चर्च कम्पाउण्ड सिविल लाइन कानपुर में स्थित है जो कि 80,000/-- द० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतूर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 6~2~81.

प्रकृप् आइ. ट्री. एन् . एस . ------

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 फरवरी 1981

निर्देण सं 3167-ए/मु० नगर/80-81—-ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो मुजफ्फरनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-6-1980

का पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिंरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (स) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित न्यिकतमों नर्थात्ः-- (1) श्री शिववस्तशर्मा पुत्र श्री जगन सिंह निवासी 309 नासिशपुर गाजियाबाद

(भन्तरक)

(2) डा० कु० मुजमा पुत्र श्री स्व० श्री दीवान चन्द्र निवासी 90 द्वार कापुरी, मुजफ्फर नगर

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्धः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासः लिखित में किए आ सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्पी

एक किता मकाननं० 90 द्वारकापुरी मुजफ्फरनगर में स्थित हैं जिसका क्षेत्रफल 2771/3 वर्गगत हैं जो कि 40,000/- कु का बेचा गया है।

> बो० सी० **धतुर्वेदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीच : 6-2-1981

# प्रसम् कार्षः, टीः एषः, एकः,------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, विनांक 6 फरवरी 1981

निर्वेश सं० 1946-ए०/देहरादून/80-81--- ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान 43 है तथा जो चकरातारोड देहरादून में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जून 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः जव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ।धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :---

(1) श्री मुलकरांज खन्नो निवासी 131ए गान्धी नगर जम्म

(म्रसरक)

(2) श्री डा॰ मुधीर कुमार गुप्ता पुत्र श्री रामप्रसाद 30 आङ्गत बाजार देहरादून

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युक्तीक दुण ह--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

एक किता मकाननम्बर 43 टैगीरबीलाचकराता रोड देहरादून में स्थिन हैं जो कि एकलाख पचींस हजार रुपये की बेची गयी हैं।

> बी० सी० **पतुर्वेदी** स**सम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर **प्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, कामपुर

तारीख 5-2-81 मोहर: प्रस्य बार्चः टी. एत्. एस.----

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के गंभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्याज्य, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1981

निर्देश सं० टी० म्राए० नं०1133-म्रर्जन/म्रागरा/80-81---म्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदाः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यात करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- छ. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० ज्लाट है तथा जो बसई में स्थित है (भीर इससे उपाबब धनुसुची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भागरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7-7-80

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपरित का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत अव्योध्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त लिय-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) निझ्निकिशालि क्यिनियमें, अधित :— 21—486⊙1/80

(1) श्रामतो डोला सौहरावजी पत्नी श्री मीनू सौराबजी श्रागरा क्लकं श्रागराखुद व मुख्ताराम गुलशन बाडिया पुत्री खुद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो श्रलोक मुकर्जी वस्त श्री ए० के० मुकर्जी 172 हैस्जिगस रोड श्रागरा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (व) इस सचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बय्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ाया है।

### ग्रन<u>ु</u>सूची

एक किता जमीन 498 वर्ग मीटर (597 बर्गगज) प्लाट नम्बर 934 बाके बसई सह० ग्रागरा में स्थित है जो कि 37312-40 पैसे की बेची गयी है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त, (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 2-2-1981

प्ररूप जाई ० टी ८ एन ० एस० -

आयकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1981

निर्देश सं० 424-ग्रर्जन/भेरठ/80-81--ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपंति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० मकान है तथा जो सोतीगंज मेरठ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यास्य मेरठ में, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 11-6-1980

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूं अं यह विश्वास किने का कारण है कि यशापूर्वों क्त संपित्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जोर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्व से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सुधीन, निक्नोलियन काकिन्या अधीत:—

- (1) श्रो रामसरनदास सिंह पुत्र पृथवा सिंह निवासी सोतोगंज णहर मेरठ व श्रीमती भगवानदेई पत्नी श्रो पृथ्वी सिंह निवासा सोतीगंज मेरठ (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमती राजवाला धर्मपत्नी चौ० धर्मपाल सिंह निवासी सकौर्ताटान्डा जिला मेरठ (भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भगाना के गारामा के एक एक के अपनिक के मात्र उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### **प्रनुसूची**

एक किता मकान एक मंजिला पुस्ता जिला म्यूनं० 339 हाल नं० 151 बाके सोर्तागंज शहर मेरठ में स्थित है जी कि 1,20,000 रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख 2-2-81 मोहर:

### प्ररूप आई०टी०एन०एस०-

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 2 फरवरी 1981

निर्देण सं० 389 अर्जन/गाजियाबाद/80-81—अतः मुझे बो० सो० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० प्लाट है तथा जो नेहरू नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन तारीख 24-6-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतं अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिचित व्यक्तियों अर्थात् द्र--- (1) श्रो बूजेश कुमार पुत्र स्व० कुन्ज विहारी लाल निवासी के० ई० 13 कवि नगर गाजियाबाद मुख्तार-श्राम श्री श्रवण पटेल पुत्र श्री लक्ष्मीवास पटेल निवासी न्यू सिविल लाइन्स मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुशांल तेवितया पत्नो श्री चन्द्रपाल सिंह तेवितया निवासा सैकिन्ड सी 98 नेहरू नगर गाजियाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी करे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक किता प्लाट नं० थर्ड बी०, 16 क्षेत्रफल 554 वर्गमोटर स्थित गाजियाबाद नेहरू नगर गाजियाबाद में स्थित हैं जो कि 39912-48 पैसे का बैचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारोख: 2-2-81

प्रकृष साई॰ टी॰ एन० एस॰---- ---

अ।यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 फरवरी 1981

निर्देश सं० 423 मैरठ/80-81—प्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

बायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्द्र मिलियम' बहा गया है), की बारा 269-ख के अवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- व॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो सिबिल लाइन मेरठ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13-6-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बुबयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से पश्चिक है योर धण्डरक (अन्तर्कों) और बम्तरिती (धम्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उपत अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से किंबत नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, छक्त अखिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने था छससे वश्रमें में सुविधा के बिष, और/या
- (ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अभ्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिविनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिष्;

बतः अव, उपत अधिनियम की बारा 269-ग के अभुबरच वें, में, उपत अधिनियम की बारा 269-थ की उपनाश (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, सर्वाब:--- (1) श्री जुगमन्दरदास सिहल व सत्यप्रकाश सिहल व श्रानन्व प्रकाश सिहल व सेवा राम गुप्ता पृत्र श्री मुंशी लाल निवासी शर्मा मैमोरियल मेरठ।

(मन्तरक)

(2) श्री चौ० बदन सिंह पिसर कन्हेया सिंह व सरदार सिंह पुक्ष नवाब सिंह निवासी मुजवकीपुर जिला मेरठ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

**उन्**त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिख या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मनिख बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हितवड़
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
  लिखिन में किए जा सकेंगे ।

स्पन्धी अरग--इसमें प्रयुक्त गण्यों और पर्दो का, जी उपत व्यक्षितियम के अख्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में विका गया है।

#### अनुसूची

654 मु० गर्ज प्राराजी बाके मनोहरजंन पार्क सिविल लाइन मेरठ गहर में स्थित हैं जो कि 117720-६० का बेचा गया है।

> बी० सी० चसुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त, (निरीक्षण), स्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-2-81

प्ररूप माई० टी० एन∙ एस०---

धायकर धिं जिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 फरवरी 1981

निर्देश सं० 393 बी०/हापुड/80-81—श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो चमरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हापुड में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सारीख 3-6-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबस उक्त भिध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, एक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निश्नोक्षचित व्यक्तियों, मर्थात् :-- (1) श्रीमत्ती श्रन्थो देवी धर्मपत्नी श्री गिरधारीलाल जी निवासी कस्था हापुड़ मौहल्ला खिडकी बाजार जिला गाजियाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) हापुड खण्डसारी उद्योग हापुड जिला गाजियाबाद द्वारा श्री कैलाशचन्द्र पुत्र ला० फकीरचन्द्र जी नि० बेगमबाग शहर जिला मेरठ व हैसियत पार्टनर फर्म उपरोक्त।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्राजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जोभी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धाधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: -- इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों भौर पदों का, ओ 'उक्त भिनियम', के श्रम्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रम्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक चक नं० 35 की भूमि ग्राम ग्रंसोडा पर हापुड़ खाता नं० 3 की भूमि ग्राम चमरी पर० हापुड़ की हैं घ बिलडिंग ग्रोल्ड जिसमें चार कमरे आगे बरांडा व पीछे दो कमरे लिन्टरदार पीछे की दीवार व मलवा टूयववेल में बोरिंग व एक हाजे बड़ी बनी हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्रायकर द्रायुक्त, (निरीक्षण), द्र्यर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-2-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1981

निर्देण सं० 392-बी०/हापुड/80-81—म्प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान है तथा जो चमरी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-6-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व मों कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- (1) फार्म हापुड़ शुगर वक्स मेरठ रोड हापुड जिला गाजियाबाद द्वारा श्री जें० के० गुप्ता पुत्र ला० गिरधारीलाल निवासी खिडकी बाजार हापुड जिला गाजियाबाद बहैसियत पार्टनर फर्म उपरोक्त (भ्रन्तरक)
- (2) हापुड खण्डसरी उद्योग हापुड जिला गाजियाबाद द्वारा श्री कैलाम चन्द्र पुत्र ला० फकीरचन्द्र जी निवासी वेगमबाग महर जिला मेरठ बहैसियत व पार्टनर फर्म उपरोक्त

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय, में दिया गया है।

## **बनस**ची

एक केवल मलवा बिलडिंग जिसमें । इंजिन रूम व एक फींस रूम 1 फिल्टर बेगरूम विस्टीललाईजर रूप व गोदाम व बीस कोठरी मजदारों की चार दीवरी ग्रादि कि जिसकी पूर्ण तफसील बानये में दी गयी हैं भूमि से इस लेख का कोई सरोकार नहीं है कनकशन टेलीफोन व बिजली पावर व लाइट स्थित ग्राम चमरी परगना व तह० हापुड जिला गाजियाबाद में स्थित हैं जो कि एक लाख पचास हजार रुपये का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-2-81

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 9 फरवरी 1981

निर्देण सं० 413 म्रर्जन हापुड़/80-81--- म्रतः मुझे, बी० सी० चसुर्वेदी,

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/- वपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० मकान है तथा जो राधावल्लमपुरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय हापुड में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रश्नीन तारीख 21-6-1980 को

पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है ग्रीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर /या
- (ख) ऐसी किती आय या किसी धन या प्रन्य भास्तियों हो. जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

अतः भ्रव **एक्त अधि**नियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, एक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्।——

- (1) श्री कृष्ण गोपाल पुत्र श्री ला० राजाराम व श्रीमती कृष्णा कृमारी पत्नी श्री कृष्णगोपाल, निवासी कस्बा हापुड मोहल्ला गोपीपुरा जि० गाजियाबाद । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चन्द्रकान्ता प्रग्नवास धर्मपत्नी श्री हुकमचन्द्र ग्रग्नवाल निवासी धनपत सदन रेलवे रोड हापुड़ जिला गाजियाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुजना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## **प्रनु**सूची

एक नग गोदाम बणकल दुकान नम्बरी 1 घ 2 एक मंजिला पांच खना जो कि मौके पर एक खना है दो द्वार का शटर लगा हुआ दक्षिण मुहाना मासिक किराया 1800 रुपये साल स्थित राधावहलम्पुरी उर्फ आर्यनगर हापुष्ट जिला गाजियाबाद में स्थित हैं जो कि 68000 र. का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-2-81 मोहर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी 1981

निदश सं० 416 बी/दाररी/80-81—-श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान है तथा जो विकम्बरपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रिजस्ट्रीकर्रा श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-6-80

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उराके इद्यमान प्रतिफल से एसे इद्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तिया अर्थात्:---- (1) श्री किशनचन्द्र लाल केवल कृष्ण लाल पुत श्री ईग्वर चन्द्र लाल पर० धीरा, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) मेसर्स हरियाणा जनरल फाइनेन्स कारपोरेश मर्चेन्ट चेम्बर कांच स्ट्रीट बम्बई द्वारा एस० एन० मग्रवाल।

(म्रतरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

भूमि ग्राम चिकम्बरपुर तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि 46811 रु० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज कानपुर

तारीख: 10-2-81

मोहरः

# प्ररूप आई० डी० एम० एस०---

आयकर ग्रंबिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रंबीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकृर श्रायुक्त (निद्रीक्षण) भर्जन रेंज, कान्पुर

कामपुर, विमांक 11 फारक्री 1981

निदश सं **428 प्रर्जन/बी/ मेर**ठ/80-81—प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

प्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त श्रिविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिविक हैं और जिसकी सं० जायदाद है तथा जो मैंस्ट में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 28-6-80

को श्रूषांकत सम्पत्ति के जिल्हा काकार मूक्य से कम के वृह्यमान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छनित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिष्ठक है भीर अन्तरक (प्रत्यहर्को) भीर अन्तरिक्ती (श्रूबहिदियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से छक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी म्नाय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम, के भ्रधीन कर वेने के भ्रष्टिरक के दायित्व में कमी किरने या सससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या प्रश्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या धनकर ग्रिविनिसस, 1957 (1.957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्बन्ति हारा ग्रक्त नहीं किया गया था, या किया जाना बाह्मिए या क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त ग्रिषिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त ग्रिष्ठितयम की धारा 269-घ की उपधार। (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. ग्राग्नीसः—— 22 —486GI/80

- (1) श्री मदनलाल पुत्र श्री मंगलसैन व श्रीमती मोहनी देवी पत्नी स्व० श्री चन्द्र व श्री वालमुकन्त्र पुत्र श्री मंगल सैन व श्री द्वारकानाथ पुत्र श्रीलाचन्द्र निवासी मोहल्ला खन्दक शहर मेरठ (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री बेदप्रकाश निवासी सा० खन्दक शहर मेरठ पार्टन पटेल टेक्सटाइल्स व श्रीमती रभादेवी पत्नी श्री प्रदीप कुमार सा० मोहल्ला गान्धी कुन्ज हापुड तह० खास जिला गाजियाबाद पार्टनर पटल शुद्ध भंडार, हापुड़। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

पत्रत सम्पत्ति के ग्रज़ैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्स्वंदी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल क्रिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्डोक्तरण: ---इसमें प्रयुक्त जब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्राड्याय में विया गया है।

# अनुसूची

एक सालिम जायदाद दो मंजिला कदीमी नं० 223 व 224 वादहू नं० 301/व2व3 व 4 मौजूया नं० 372 त० 376 बाके मोहल्ला खन्दक मेरठ शहर में स्थित हैं जोकि 125000 रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यारकर घायुक्त, (निरीक्षण), (ग्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीख 11-2-81 मोहर:

# प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 फरवरी 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० मकान है तथा जो मोजा हाफिजाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 17-6-80

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (11) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बुदाप्रकाश पिसर स्व० लालाबलवन्त सिंह जी निवासी कस्बा मोदी नगर तह० व जिला गाजियाबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री परमात्माणरण पिसर श्री राधिष्याम व श्री राजवानू व श्री कमलेश कुमार व जयभगवान व पवन कुमार पिसरानलाला राधेष्याम निवासी 68 श्रानन्दपुरी शहर मेरठ व संजीवकुमार नावालिगपिसर स्व० लाला ईष्यरचन्द्र वलीकुवरती श्रीमती राजेशवाला माता खुद निवासी 68 श्रानन्दपुरी शहर मेरठ। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीय से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासत अयक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्साक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **ग्रनस्**ची

1002 एक हजार दो मुखागज आराजी मुताबिकनकशा हमीरस्ता हाजा मिनजुमले नम्बर खसरा 143 व 148 बाके मौजा हाफिजाबाद मेवला परगना तह० व जिला मेरठ में स्थित है जो कि 45000/ रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 12-2-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 फरवरी 1981

निर्देश सं० 445-म्प्रर्जन/मेरठ/80-81—म्प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

धौर जिसकी सं० मकान है तथा जो बागीचा मोहम्मदहुसन में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनूसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन तारीख 21-6-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्क्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण में, माँ, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्निसिसित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री जहीरबहमद व नेक मोहम्मद व वली मोहम्मद पिसर बहार बहुमद निवासी मकान नम्बर 53 मोहल्ला बागीचा मोहम्मद हुसे न शाहपीर गेट, मेरठ।

(मन्तरक)

(2) श्री नसीर ग्रहमद पिसर ग्रब्दुल बासीत व मु० शकीला बानो जीजे नसीर ग्रहमद निवासी बागीचा मो० हुसेन शाहपीर गेट, शहर मेरठ। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान कच्चा पक्का पूर्व व दक्षिण मुहाना नम्बरी 53 मोहल्ला बागीचा मोहम्मद हुसेन शाहपीर गेट मेरठ में स्थित है जोकि 50,000/ रु० को बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, कानपुर

तारीख :12-2-18

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर जाय्क्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 फरवरी 1981

निदेश सं० 476 श्रर्जन/मेरठ/80-81---श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान है तथा जो ठठेरवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ली अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-6-80

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्वेषरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती धर्मवती पुत्नी स्व॰ सेठ रन्जीत व धर्मपरनी श्री धर्मपाल राठी निवासी 27 ठठेरवाडा शहर मेरठ (अन्तरक)
  - 2. श्री राम कुमार पुन श्री रामगुलाम व श्री बिजयबरर रस्तोगी व विनोद रस्तोगी पुन श्री रामकुमार व श्रीमती बेदवती पत्नी श्री रामकुमार निवासी 239 छता अलीरजा मेरठ

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनं की अविध या तंत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनों की तांगिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकींगे।

स्थव्यक्तिरंगः -- इसमें प्रमुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गयां है।

### अनुसूची

एक किता मकान यो मंजिला नम्बर 29मय निशस्तगाह नम्बर 28व बालम्बाला 30 व 31 हाल निवासी 27 वा 31 बाके मोहल्ला ठठेरवाडा शहर भेरठ में स्थित है जो कि 98000/- रु०को बेचा भवा हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राम्कर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख - 12-2-81 मोहर :

### शक्प भाई• टी• एन• एस•----

# प्रायकर प्रधिनियंस, 1961 (1961 का 43) की श्वारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 फरवरी 1981

निर्देश सं० 403 बी०/दादरी/80-81--अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्रण हैं कि स्थावर सम्पंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपंए से मैं सिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो नवीनणारदा देहली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के वार्यालय दाटरी के रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तेरीख 13-6-80

- (क) अन्तरक से तुई कियो आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या 'धॅसॅसें बचने में सुविधा के लिए, औररीया:
  - (त्र) ऐसी किमी प्राय या किभी घन या अन्य प्रास्तियों

    को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम 1922
    (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
    धव-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
    के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
    गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
    में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उपत प्रश्नितियम की बारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रवितियम की धारा 269-न की उपधारा (1) अक्षीन, निम्निजिबित अस्तियों प्रयोग:-- (1) श्रीमती तारावती पत्नी श्री के० एव० मित्तल कणमीरीलाल मित्तल केयर श्राफ देहली फलोर मिलस कम्पनी लिमिटेड रोशनश्रारा रोड देहली, वर्तमान निवासी ई० 29 एन० डी० एस० ई० पार्ट ट नई दिल्ली

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती जसबीर कौर पत्नी श्री राजेन्द्र सिंह राजेन्द्र मिंह पुत्र श्री बलबीरसिंह निवासी गण 9 राजब्लाकन-वीन शाहदरा देहली-32

(ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पृथोंकत सभ्पति के अर्ज नके सिए कार्यवाहियां करता हूं।

इसा नम्यति के प्रजैत के सम्बन्ध में धोई भी धारक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अत्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्मढटी करण:--इमनें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त स्रिध-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है

#### अनुसूची

एक किना प्लाट नम्बर ए 150 स्थित सेक्टर 7 सूर्यनगर गाजियाबाद तहरु दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित हैं जो कि 90,000/- २० का बेचा गया हैं।

> वी० सी० चनुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

त्रिख: 12-2-81

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 फरवरी 1981

निर्देश सं० 479 बी०/मेरठ/80-81—-ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्रीर जिसकी मं० मकान है तथा जो स्मियगंज मेरठ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1998 का 16) के अधीन तारीख 21-6-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्रीमती रुकमणी देवी पत्नी हुकमचन्द्र महेश्वरी निवासी सराये लाल दास मेरठव रुकमणी देवी पत्नी दौलतराम ब्रहमापुरी मेरठ शहर

(भ्रन्तरक)

(2) मो॰ इस्लाम पुत्र श्री फहीमुङ्कीद मखानपुर जिला मेरठ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक किता मकान हाल नं० 164 मौजूद नं० 77 पार्ट बाके स्मियगंजहाल स० पटेलगंज मेरठ में स्थित हैं जो कि 74500/ रु० का बेचा गया है।

> बी० सी०चतुबदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर, आयुक्त, निरीक्षण; श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12≣2-81

प्ररूप आहरै.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 12 फरवरी 1981

निर्देश सं० 446 श्रर्भन/मेरठ/80-81---श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो फयाजअली णहर मेरठ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिकस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-6-1980

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे एरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनानं में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपभारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियाँ अर्थात्:--

(1) श्री रामस्वरूप व रामजीदास पिसरन टिकायाराम पुरवा फैयाजश्रली शहर मेरठ व श्रीमती हमीद-बानो एजाज बेवा एजाजग्रहमद खुद व मुख्तार ग्राम मिनजानिव श्रामिर एजाज पिसरे खुद

(भ्रन्तरक)

2. श्री फसीद्दुदीन पिसर श्रब्दुल हकीम निवासी गाहनत्थन गहर मेरठ

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### सनस्वी

एक किता मकान पुखता मंजिला नं० 65 पुरवाफयाजन्रली गहर मेरठ में स्थित है जो कि 49000/- क० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त, निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 12-2-81

प्ररूप धाई० टी॰ एत∙ एस∙---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत अरकार

कार्यालय, यहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 फरवरी 1981

निर्देश सं० 353 बी० मेरठ/80-81—अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेती, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' नहा थया है), की धारा 269-ज के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर नम्मति, विश्वका उवित बाजार मूल्य 25,000/- इसए से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो हाफिजाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-6-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबात बॉक्त मम्पित का ठिवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐमे दृश्यमान प्रतिकृत का पम्द्रह प्रतिज्ञ से पिषक है और अन्तरक (यम्परकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोज ऐसे अन्तर्भ के लिए उप गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य न उना अन्तरण निविद्य में बास्तविक छप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत; उक्त बाबि-नियम, के अधीन कर देने के भ्रान्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविका के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी वन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घितियम, या धन-एर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चालिए था, व्याने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियन की धारः ३७९-म के अनुसरण में, मैं, कवत पश्चिनियम की धारा २६९-म की उपमारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः ---

- (1) श्री चन्द्र प्रकास पिहनर लाला बलवन्त सिंह जी निवासी कस्वा मोदी नगर तह० गाजियाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री परमात्मा शरणिपसर श्री राधेण्याम व श्रीराज बाबू व श्री कमलेश कुमार व जयभगवान व पवनकुमार पिसर लाल राधंण्याम निवासी 68 ग्रानन्दपुरी शहर मेरठ व संजीव कुमार नावालिंग पिसर लाला ईश्वरचन्द बलीकुदरती श्रीमती राजेशवालामाता खूद नि० 68 ग्रानन्दपुरी शहर मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासीपा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की समित्र या तत्सं मंद्री व्यक्तियों पर सूचना की तामी च से 30 दिन की सबित्र, भी भी समित्र कार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर छक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रश्चित्यम के सञ्चाय 20क में परिचाणित है, वहीं एवं होंगा को उस स्मृत्यम में दिया गया है।

### अनुसूची

1002 (एक हजार दो) मरव्याजगज आराजी मुताविक नक्षणा हमरिस्ता हाजा मिनजुजमम खसरा न० 143 व 148 बाके मौजा हाफिज्यबाद पेक्का परमना व तह० व जिला मेरठ में स्थित है जो कि 45,000/ रु० का बेचा गया हैं।

बी० सी० भतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-2-81

प्ररूप धाई। टो। एन। एन।

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक प्रायक (भिरोधन)

म्रर्जन रेंब, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 फरवरी 1981

निर्देश सं ० 338 बं लिमेरठ/80-81---श्रतः मुझे, बी ० सी ० चतर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को घारा 263-ख के अधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित थाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० श्राराजी है तथा जो कृष्णपूरी में रिथत है है (श्रीर इससे उपाबद श्रनूमी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्याव्य मेरठ 2 में, रिजस्ट्रीकरण श्राधिक्यम, 1908 (1908 जा 16) के श्रधीन सारीख 6-6-1980

पूर्वीवत नम्यति के उचित शाबार नृहय से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित को गई है भोर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ ह प्रतिगत से पधिक है भोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गय: प्रतिफन, निम्नलिखित उरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्यविक एवं से कथित नहीं किया गया है:---

- (वा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अितिया के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे वचने में मुक्किश के लिए: और/या
- (श्रा) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय आयकर मिब्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिन्नियम, या धन-कर ऑस्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ग्रियान में सुनिक्षा के लिए 1

अत: अय, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रतिगम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) हमिक श्रांसतो कुसुमलता श्रमेपत्नी श्रोग्याम सुन्दर व श्रोमती इन्द्रवाला धमपत्नी श्री सुन्दर लाल निवासी 85 ए कृष्णपुरी शहर मेरेठ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो विनोद कुमार पिसर स्व० सीताराम निवासी मोहल्ला कृष्णपुरी शहर मेरठ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोकन सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहरूताकारों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मव्दीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भ्रनु सूची

एक किना प्लाट नम्बर 59 मोहल्ला कृष्णपुरीशहर मेरठ में स्थित हैं जो कि 35,000 रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरोक्षण) ग्रर्जन रोंज, कानपुर

तारीख: 12-2-81

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 फरवरो 1981

निर्देश नं० 357 बी०/ मेरठ/80-81—ग्रतः मुझे बी० सो० चतुर्वेदाः,

आयकर श्रिष्ठितियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उका रिशेतियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिप्रीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो सोतीगंज मेरट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्ध ग्रनूसूचे में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरट में, रिजर्ट्र करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 20-6-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबल, खबत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भ्रन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रो सरदार फकीर सिंह पुत्र श्रा लालचन्द्र निवासी मोहल्ला सोतीगंत्र शहर मेरठ

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इस्लामऊदीन पुत्र र्श्वा, मोहम्मद बर्ख्या निवासी सोतीगंज शहर मेरठ व श्रीमती कणमीरन बेगम दुख्तर श्री खुदाबख्य सकना कोटा राज्स्यान (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंत के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अपन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पन्नीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय-20क में परिमाषित है, वही श्रर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## **ध्रनुसूधी**

एक किता मकान बतामारे पुख्ता दोमंजिला न्यू नम्बर निवासी 290/2 मौजूदा 123 बाके मोहल्ला सोतागंज शहर मेरठ में स्थित हैं जो कि 65,000/ रुवका बेचा गया हैं।

> ब्रिं० सरें० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारोख: 12-2-81

प्ररूप आई. टॉ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के धर्मीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 12 फरवरी 1981

निर्वेण सं० 345 बं.०/मेरट/80-81----म्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेर्दा,

वायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो सुभाषपुरी में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रनूभुकों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोंकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजस्ट्रींकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 7-6-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्म प्रतिगत से प्रिषक है और भन्तरक (प्रन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया यया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य घास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर घिंघनियम, 1922 (1922 का 11) था उनत अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्धरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, अब, उक्त अधिमियम की घारा 269-ग के अनुसरण में; में, उक्त अधिनियम की घारा 269-य की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अयौत्।— (1) श्रो पृथमीचन्द्र चडढा पुत्र स्व० श्री चेतराम निवासो 140 सुभाषपुरी कस्वा कंकरखेडा परगना व तह० जिला मेरठ

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोती प्रसाद पुत श्री मानकचन्द्र श्रग्रवाल निवासी ग्राम दादरी परगना दौराला तह० सरधना जिला मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्बव्ध है)

को यह भूवना गारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवा**हियां** करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इ.स सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगत्ति में हितबज किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

एक सम्पूर्ण मकान सालिस बतामी रपुरता पूरव व पिचम मुहाना नम्बरी हाल 140 बाके सुभाषपुरी करवा कंकरखेडा परगना व तह० जिला मेरठ में स्थित है जो कि 60,000/ ६० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जनरोज, कानपुर

तारीख: 12-2-1981

# प्रकृष धार्ष । ही । एम । एस । ------

आयकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-षु (1) के अधीन सूचना भारा सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, पूना 411004

पूना-411004, दिनांक 29 जनवरी 1981 निर्देश सं० ए 5/एस० ग्रार० हवेली/जुलाई 80/496/80-81 ---यत: मझे, ए० सं∶० चंद्रा,

आयकर पिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जकत पिंधिनियम' कहा गया है), की बारा 259-अ के पत्रीय असम पांधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- ६० ने प्रक्षिक है

श्रीर जिसको संख्या सि० स० नं० 38/18 फायनल प्लाट नं० 37/18 है तथा जो एरंडवना पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक हवेलो II में, रिजस्ट्री करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुलाई 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझै यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त यम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐो दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और पन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितिथों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निचित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्त्रिक कुल के स्थित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर वेत के अन्तरक के दायित्य में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसा किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त प्रधितियम, या धन-कर धिवित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये या, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बबः, उथत अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मो, उद्या अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) 1. श्रीमती सरोजनी एस० पटवर्धन ग्रौर 2. श्रां कुमार एस० पटवर्धन 38/7 प्रभात रोड़, पुणे-4।

(ग्रन्तरक)

(श्रन्तरिती)

(3) दल किराएदार (वह व्यक्ति जिसके श्रधियोग में सम्पत्ति है) को यह सूबना जारो करके पूत्रोकत अभ्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं ।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणक की तारी स से 45 दिन की मविष्य सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्याद्धीकरण: --- इसमें प्रवृक्त शब्दों भीर नवों का, को उक्त अधिनियन के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंभा है।

# प्रनु पूची

खुलो जमीन और दो बिल्डिंग जो सि० स० नं० 38/18 फायनल प्लाट नं० 37/18 एरंडवना, पुणे 4 में स्थित है। भ्रौर जिसका क्षेत्र 1078.60 स्के० मी० है। (जैसे कि रजिस्ट्रोइन्त विलेख क्र० 3044 जुलाई 1980 को दुय्यम निबंधक हवेली के दफ्तर में लिखा है।)

ए० सः० चंद्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर श्रायुक्त (fनरीक्षण) यर्जन रेंज, पूना

विनांक : 29 जनवरी 1981

#### SUPREME COURT OF INDIA

#### New Delhi, the 12th February 1981

No. F. 82/1/SCA(I).—Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed the following Officers of this Registry with effect from the forenoon of February 12, 1981 and appointed them substantively to the post shown against each:——

| S. Name<br>No.            | Present Post<br>held               | Post to which confirmed |
|---------------------------|------------------------------------|-------------------------|
| 1. Sh. M. K. Rac          | o . Offg. Assistant<br>Registrar   | Assistant<br>Registrar  |
| 2. Sh. Surender I         | Lal . Offg. Assistant<br>Registrar | Assistant<br>Registrar  |
| 3. Sh. K. Chandi<br>mouli | ra- Offg. Assistant<br>Registrar   | Assistant<br>Registrar  |

MAHESH PRASAD Deputy Registrar (Admn. J.)

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSON

New Delhi, the 17th February 1981

No. 9 RCT 21,—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Mange Lal, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 14/1/81 to 13/4/1981 or until further orders, whichever is earlier.

No. 10 RCT 3.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. C. Rohella, Exceutive Engineer of the Central Public Works Department, as Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from 30-1-81 (FN), until further orders.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR)

# CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th February 1981

No. A-22013/3/81/Ad. V.—In partial modification of this office Notification Nos. A-19036/19/79/Ad. V dt. 4-1-80, A-19036/5/79/Ad. V dated 21-12-79 and No. A-19036/1/80/Ad. V dated 12-2-80, the Director CBI and IGP/SPE is pleased to promote the following Inspectors to officiate as Dy. Supdts, of Police in CBI on adhoc basis from the date mentioned against their names until further orders:-

| Name                            |  |      | Date of Promot |               |  |
|---------------------------------|--|------|----------------|---------------|--|
| 1                               |  |      |                | 2             |  |
| S/Shri                          |  | <br> |                | 4             |  |
| 1. S. R. Bishnoi                |  |      |                | 28-11-79 (FN) |  |
| 2. K. B. Singh                  |  |      |                | 30-11-79 (FN) |  |
| 3. S. Kumar .                   |  |      |                | 17-12-79 (FN) |  |
| 4. M. N. Mathur                 |  |      |                | 28-11-79 (FN) |  |
| 5. R. S. Prasad                 |  | •    |                | 28-11-79 (FN) |  |
| <ol><li>Yadav Chander</li></ol> |  |      |                | 30-11-79 (AN) |  |
| 7. K. N. Tiwari                 |  |      |                | 28-11-79 (AN) |  |
| 8. S. N. Tiwari                 |  |      |                | 27-11-79 (FN) |  |
| 9. I.S. Saroha                  |  |      |                | 12-12-79 (FN) |  |
| 10. M. K. Jha                   |  |      |                | 30-11-79 (FN) |  |
| 11. Chandan Singh               |  |      |                | 28-11-79 (FN) |  |
| 12. Ved Prakash                 |  |      |                | 28-11-79 (FN) |  |
| 13. B. K. Bora                  |  |      |                | 3-12-79 (FN)  |  |
| 14. Jai Swadesh                 |  |      |                | 28-11-79 (FN) |  |
| 15. M. Thangavelu               |  |      |                | 16-1-80 (FN)  |  |
| 16. M. C. Sharma                |  |      |                | 30-11-79 (FN) |  |
| 17. V. M. Pandit                |  |      |                | 27-11-79 (AN) |  |

| 1                    | <br> | ·····       | Ź             |
|----------------------|------|-------------|---------------|
| S, Shri              | <br> | ··········· |               |
| 18. Narayan Jha .    |      |             | 17-12-79 (FN) |
| 19. B. C. Bhatnagar  |      |             | 28-11-79 (FN) |
| 20. A. K. Srivastava |      |             | 28-11-79 (FN) |

Q. L. GROVER Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

# DJRECTORATE GENERAL CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 10th February 1981

No. O.II-1464/80-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. K. Gnanasekharan as Junior Medical Officer in the CRP Force on adhoc basis with effect from 24-1-81 (FN) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

Assistant Director (Estt.)

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL INDIA

New Delhi, the 11th February 1981

No. 11/2/80-Ad. I.—The President regrets to announce the death of Shri Jitendra Kumar Singh an officer belonging to the Bihar Civil Service working as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna, on deputation basis, on 10-1-1981 at Bhagalpur.

#### The 12th February 1981

No. 11/37/80-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri J. Thomas Machado, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period of three months with effect from the forenoon of the 20th January, 1931. or till the post is filled in, on regular basis, whichever is earlier.

- 2. The headquarters of Shri Machado will be at Madras.
- 3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Machado any claim to regular appointment to the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical). The Services rendered by him on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reasons therefor.

P. PADMANABHA Registrar General, India

#### DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 30th January 1981

No. D(6)/A II.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Mohinder Nath Dogra to officiate as Assistant Managar (Admn.) in the Govt. of India Press, Ring Road New Delhi in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-E-B-35-830-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 28th November, 1989, until further orders.

S. S. P. RAU Joint Director (Admn.)

### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

# OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 12th February 1984

No. 298-CA.I/66-80.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial and post them

as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders:—

| S.<br>No. | Name of the<br>SO <sub>5</sub> (C) | Office where<br>working<br>before<br>promotion         | Office where posted on promotion as A.O.(C)                | Date of posting as A.O.(C) |
|-----------|------------------------------------|--|--|----------------------------|
| 1         | 2                                  | 3  | 4  | 5                          |
|           | /Shri                              |  |  |                            |
| 1. J.]    | P. Aggarwal                        | AG, Rajas-<br>than                                     | AG., H.P.<br>& Ch.<br>Simla                                | 28-6-80AN                  |
| 2. P.     | N. Bajpai                          | ACı-II<br>Bihar, Patna                                 | AG, II<br>Bihar, Pama                                      | 16-7-80                    |
|           | mal Kumar<br>Ghoshal               | Member,<br>Audit Board<br>& E.O.<br>DCA, Cal-<br>cutta | Member,<br>Audit Board<br>and E.O.<br>D.C.A. Cal-<br>cutta | 11-7-80                    |
| 4. K      | . G. S. Mani                       | Member,<br>Audit Board<br>& E.O.DCA<br>Madras          | AG. II, West<br>Bengal,<br>Calcutta                        | 27-6-80                    |
| 5. M      | . S. Rama-<br>krishnan             | AG., Kerala<br>Trivandrum                              | D.A. (S&<br>CD) Bombay                                     | 30-6-80                    |

M. A. SOMESWARA RAO Deputy Director (Commercial)

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 17th February 1981

No. Admn. I/O.O.-/5-8/77-81/471.—The Director of Audit has ordered under 2nd Proviso to F.R. 30(1) the Proforma promotion of Sh. G.C. Jain a permanent Section Officer of this office (presently on deputation with BHEL) to the Grade of Audit Officer, in the time scale of Rs. 840-1200, retrospectively w.e.f. 29-9-1980(FN), until further orders.

Sd./- 1LLEGIBLE
Joint Director of Audit (Admn.)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Jaipur, the 11th February 1981

No. Admn. II/G-Notfn./1818.—The Accountant General Rajasthan is pleased to promote the following Section Officers of this office and appoint them as officiating Accounts Officers with effect from the dates noted against each until further orders:—

#### S/Shri

| 1. Suraj Kishan Kantoo             | 22-12-80 (FN) |
|------------------------------------|---------------|
| 2. M.S. Batra (Proforma promotion) | 22-12-80 (FN) |
| 3. Sita Ram Bhargava               | 31-12-80 (FN) |
| 4. Jagdish Rai Tandon              | 20-1-81 (AN)  |

#### The 16th February 1981

No. Admn. II/G-Notfn./1859.—The Accountant General is pleased to promote Shri Yash Pal Kapoor, Section Officer of this office and appoint him as officiating Accounts Officer with effect from 23-1-81 (A.N.) until further orders.

G. C. SRIVASTAVA Sr. Dy. Accountant Genesl Admn

# Bangalore, the 12th January 1981

No. ES. I/A4/80-81/1079.—The Accountant General is pleased to promote Shri B. G. Krishnan, a permanent Section Officer as Accounts Officer in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of hisseniors, if any, with effect from the date of his taking charge.

V 'A' MAHAJAN Sr Dy. Accountant General (Admn).

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE ACCOUNTS, CENTRAL COMMAND

Meerut, the 7th February 1981

No. AN/I/1112-Ter.—In pursuance of Sub rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Chunni Lal, Temporary Farash, serving in the office of the Controller of Defence Accounts, Central Command Meerut, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published or, as the case may be, tendered to him.

B. N. RALLAN
Controller of Defence Accounts,
Central Command, Meerut.

# OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 4th February 1981

No. AN/1/1819/5/Vol. I.—On attaining the age of 58 years, the following Officers will be transferred to the Pension Establishment with effect from the dates shown against each and shall accordingly be struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the same date.

| Sl.<br>No. | Name                           | Date of<br>birth | Date of transfer<br>to the Pension<br>Establishment &<br>date of struck off<br>the strength of<br>the defence<br>Account Depart-<br>ment |
|------------|--------------------------------|------------------|--|
|            | K. Natarajan, IDAS             | 3-6-23           | 30-6-81 (AN)   |
| 2. Shri    | T. M. Kalyanaraman,<br>IDAS    | 5-6-23           | 30-6-81 (AN)   |
| 3. Shri    | M, V. Narayanaswamy<br>AO/ACDA | 15-6-23          | 30-6-81 (AN)   |

S. N. CHATTOPADHYAY
Dy. Controller General of Defence Accounts
(Admin)

#### MINISTRY OF DEFENCE D.G.O.F. HQRS, CIVIL SERVICE ORDINANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 7th February 1981

No. 2/81/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Lakshmi Narayan Samanta, Subst. & Permt. Assistant/Offg. Assistant Staff Officer retired from service with effect from 31-1-81.

#### The 11th February 1981

No. 3/81/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote the following officers in existing vacancies of Assistant Staff Officer without effect on seniority as shown against each:

|                             | A.S.O.<br>(Ad-hoc) | Offig.<br>A.S.O. | From 1-1 81<br>until further |
|-----------------------------|--------------------|------------------|------------------------------|
| •                           |                    |                  | orders                       |
| Smt. Smritikana<br>Sengupta | Do.                | Do.              | $D_0$ .                      |
| Shri Debabrata Roy          | Do.                | Do.              | Do.                          |

All the above officers will be on probation for two years from the date of their promotion.

D.P. CHAKRAVARTI
ADGOF/Admn.
for Director General, Ordnance Factories

#### Calcutta-16, the 6th February 1981

No. 2/81/G.—On attaining the age of superannuation (58 year<sup>3</sup> Shri B. B. Biswas, Offg. Staff Officer (Subst. & Prot. ASO) retired from service with effect from 31st January, 1981 (AN)

v. K. Mehta

### Asstt. Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF COMMERCE

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 12th February 1981

# IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 1/2/81-Admn(G)/1024.—The President is pleased to appoint Shri Shankar Chand, a permanent officer of the section Officer's grade of the CSS and Controller of Imports and Exports to officiate in Grade I of that Service and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this Office for a period of 3 months with effect from 9th December, 1980 (FN).

2. The above appointment of Shri Shankar Chand in Grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports is subject to the decision on the Writ Petition pending in the Hon'ble Supreme Court and the Hon'ble Delhi High Court in this connection including the Civil Writ Petition No. 511 of 1980 in the Hon'ble Delhi High Court-Mr. Thomas Mathew and 2 others versus Union of India.

J.P. SHARMA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports far Chief Controller of Imports and Exports

# ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

#### (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 7th February 1981

No. 515B A-19012 (3. TKB)/80-19B.—Shri Tapan Kumar Bandyopadhyay is appointed as Asstt. Chemist in the Geological Survey of India in the minimum of pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17-12-1980, until further orders.

### The 13th February, 1981

No. 731B/A-19012(2-SA)/71-79/19B—The resignation tendered by Shri Sibdas Adhya, Assistant Geophysicist (Instrumentation) Geological Survey of India has been accepted w. e. f. the F. N. of 18-6-1979.

No. 745B/A-19012(3-SA)/80-19B.——Miss, Sushma Agrawal is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India in the minimum of the pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-12-1980 until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY, Director General

#### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110001, the 12th February 1981

No. F.11-9/80 (A./Estt.—On the recommendation of U. P. S. C. the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri N. P. Sharma, as Archivist (General) (Class II Gazetted) on regular temporary basis with effect from 31st January, 1981 (F. N.) until further orders.

No. F. 11-9/80-(A. 1) Estt.—On the recommendation of U.P. S. C. the Director of Archives, Government of India hereby appoints Shri Jayanti Dass, as Archivist (General) (Class-II Gazetted) on regular temporary basis w. e. f. 31-1-81 (F. N.) until further orders.

B. S. KALRA, Administrative Officer, for Director of Archives,

#### ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700012, the 16th January, 1981

No. F. 92-1/81-Estt./1990:——Shrl Chapal Sankar Roy is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B') in the scale of Rs. 650-1200 in Zoologiczl Survey of India in the Headquarters Office in Calcutta in a temporary capacity with effect from 28th January, 1981 (Forenoon) and until further orders.

{Dr. K. K. TIWARI, Director, Zoological Survey of India

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA . RADIO

New Delhi, the 13th February 1981

No. 2/65/60-SII.— Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri B. M. Madnani, Administrative Officer, AIR, Jalgaon to officiate as Sr. Administrative Officer on an ad-hoc basis Upgrah Doordarshan Kendra, Hyderabad with effect from 27-1-81 (FN).

S. V. SESHADRI,
Deputy Director of Administration
for Director General

#### 28THE NATIONAL FILM FESTIVAL OF INDIA 1981

#### SATYAM SHIVAM SUNDARAM

The Festival is being organised by the Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India, New Delhi.

### REGULATIONS

Aims

1. The Festival aims at encouraging the production of films of aesthetic excellence and social relevance, countring to the understanding and appreciation of the film cultures of different regions; and promoting the integration and unity of the nation.

#### Eligibility

- 2. Any film produced in India, received by the Central Board of Film Censors for certification in 1980 and ceriffed not later than 31st January, 1981, is eligible for entry into competition. Any film produced in 1980 by a Film Institute recognised by the Government is eligible with or without certification by the Censors. However, this will not exempt Institute films from censorship for public screenings.
- 3. Films entered should be in 35 mm or 16 mm. Short films should ordinarily not exceed 1000 meters in length if they are in 35 mm. and 400 meters in length if they are in 16 mm.
- 4. Films can be entered by government departments, government recognised institutes and individual producers and production companies.

Entry Form

5. Participants are requested to complete the enclosed entry forms in duplicate. These forms must be filled in full detail and reach the Directorate of Film Festivals latest by 15th March, 1981.

Synopses, Scripts etc.

6. The following material pertaining to both features and shorts entered in the festival should be sent along with the entry forms to reach the Directorate latest by 15th March.

#### Features

\* Forty copies of the synopses in English
\* Five copies of the dialogue list in the original language of

the film along with five copies of the English translation Short biographical sketch of the producer, director, screenplay writer, leading artists, cameraman, audiographer, editor art director, music director and playback singers along with two photographs each Six posters and six sets of stills.

#### Shorts

- \* Fifteen copies of the text of the commentary in the original language along with fifteen copies of the translation in English
- Short biographical sketch of the producer and director, animator (in the case of animation films) and cameraman (in the case of a newsreel) along with two photographs cach

#### Entry Fee

7. Every application for entry must be accompanied by an entry fee of Rs. 100/- in the case of films exceeding 1000 meters in length in 35 mm and 400 meters in length in 16 mm. In the case of films shorter than these, the entry fee is Rs. 50/-.

The entry fees are to be remitted by Demand Draft in favour of "The Assistant Director, Directorate of Film Festivals' payable at the State Bank of India, Rail Bhavan, New Delhi. The fees will not be refunded.

#### Prints.

8. The prints of films entered must reach the Directorate of Film Festivals latest by 15th March, 1981. The despatch details of the films mentioning the title and the number of reels, should be telegraphed to the Directorate immediately to ensure clearance.

# Jury

- 9. Two juries will be constituted by the government, one for judging feature films and one for judging short films.
- 10. The jury for feature films will be composed of a chairman and not more than 24 members distinguished in the field of cinema, other allied arts and humanities who are qualified to judge the artistic and technical merits of film.
- 11. The chairman can, at his discretion, constitute panels out of the members of the jury for feature films to examine feature and children's films in the various languages. Each panel will recommend not more than three films in each language, considered suitable for awards, without indicating the order of merit. However, the panel is free to Indicate its recommendations for awards for Individual achievements under regulation 19 1 (vl) to (xvi) for consideration of the jury.
- 12. The jury for feature films will then view all the films recommended by the panels and decide on the awards for the various categories under regulation 19 I.
- 13. The jury will first select the award winners for the Best Feature Film, Second Best Feature Film, Best Feature Film on National Integration, Best First Film of a Director and Best Children's Film. The films selected for these awards will not be eligible for the awards given to the Best Feature Film in each regional language under regulation 19 I (xviii).

- 14. The jury for short films will be composed of a chairman, not more than three members distinguished in the field of cinema and one member distinguished in the field of humanitics. This jury will recommend films for awards in the categories under regulation 19 II.
- 15. Any person directly or indirectly associated with a film entered in the National Film Festival will not be eligible to serve on the jury for feature films and the jury for short films as the case may be.
- 16. The juries will determine their own procedure for the examination of films. The quorum of the two juries will not be less than half of the members nominated.
- 17. Both the juries have the discretion to recommend that an award in any particular category should not be given if they feel that the films entered do not come up to the required standard.
- 18. The Director, Directorate of Film Festivals, or his nominee may attend the deliberations of both the juries in order to provide any information and clarifications regarding the National Film Festival scheme, Awards
- 19. Films competing in the National Film Festival may be awarded the following prizes:

#### 1 Features

- (i) Best Feature Film: Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 50,000/to the producer and Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 25,000/- to the director
- (ii) Second Best Feature Film:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 30,000/- to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 15,000/- to the director

(iii) Best Feature Film on National Integration:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 30,000/- to Rajat Kalmal and a cash prize of Rs. 30,000/- to the producer and Rajat Kalmal and a cash prize of Rs. 15,000/- to the director (This award will be given not only for films dealing with communal harmony but will also cover films dealing with the uplift of depressed classes inter-regional integration,

(iv) Best First Film of a Director:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the director

(v) Best Children's Film:

Swaran Kamal and a cash prize of Rs. 20,000/to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the director

(vi) Best Direction:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 20,000/- to the director

(vii) Best Screenplay:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the screenplay writer

- (viii) Best Acting:
  - (a) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the actor
- (b) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the actress
- (c) Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the child actor or actress who is not more than 14 years of ago

(ix) Best Cinematography (Colour):

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the cameraman

(x) Best Cinematography (Black and While):

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the cameraman

(xi) Best Audiography:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 7,500/- to audiographer(s)

(xii) Best Editing:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 7,500/- to the editor

(xiii) Best Art Direction;

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 7,500/- to the art director

(xiv) Best Music Direction:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the music director

(xv) Best Male Playback Singer:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,000/- to the male playback singer

(xvi) Best Female Playback Singer; Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 10,600/- to the female playback singer

(xvii) Special Jury Award:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000/- to be given at the discretion of the jury to the individual(s) responsible for a significant aspect of the film not already covered by the awards.

(xviii) Best Feature Film in each regional language:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 15,000/- to the producer and Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 7,500/- to the director of the best feature film in each language, viz., Hindi (including Urdu, Hindustani and connected dialects like Bhojpuri, Rajasthani and Maithili), Marathi (including Konkani), Gujarati, Punjabi, Kashmiri, Sindhi, English, Bengali, Assamese, Oriya, Manipuri, Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam.

### Il. Sorts

(i) Best Information Film (Documentary):

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the producer and the director cach.

(ii) Best Educational/Instructional Film:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the producer and the director each,

(iii) Best Promotional Film (Non-Commercial/Commercial):

(For the best promotional film on subjects of national importance, e.g., National Integration. Social Justice, Cooperative, Savings. Dynamics of Development including Agricultural Practices or the best commercial advertisement film)

Ruint Kamal to the producer and the director each. 24-486GI/80

(iv) Best Experimental Film:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the producer and the director each.

(v) Best Animation Film:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the producer, the director and the animator each.

(vi) Best Newsreel Cameraman;

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the cameraman,

(vii) Best Indian News Review:

Rajat Kamal and a cash prize of Rs. 5,000/- to the Producer

N.B. \* The award winners in every category will be those whose names are on the credit titles of the film and no other claims will be entertained.

- If the same film qualifies for more than one award under regulation 19 I(i) to (vi) and (xviii), the producer and the director of the film will receive the award only in one capacity carrying the higher cash prize. However, more than one award can be given to the same producer and director for different films under different categories.
- \* If any one award goes to more than one person, only one Kamal will be given and the cash prize will be equally divided between the recipients, unless otherwise specified under regulation 19.

Dada Saheb Phalke Award;

20. In addition to the competitive awards mentioned in regulation 19, the Government at its discretion will give a special award for outstanding contribution to the cause of Indian Cinema. The award will consist of a Swaran Kamal, a cash prize of Rs. 40,000/- and a shawl.

Subtitling:

21. The producer of a feature film which wins award under categories 19 I(i) to (vi) and (xviii) of these regulations will be granted an additional sum of Rs. 5,000/- on his getting that film sub-titled from its original to any other Indian or foreign language.

#### General:

- 22. The Directorate will be entitled to retain one print of every film which receives an award. The cost of the print, viz., the cost of raw material and processing charges, will be reimbursed to the producer, if a brand new print is made available within three months from the date of the announcement of the awards. If a brand new print is not supplied to the Directorate within a period of three months of the announcement of the results, then no reimbursement need be made and the print entered for the National Film Festival can be retained by the Directorate without any compensation to the producer.
- 23. The producer of the film entered for the National Film Festival will have no objection to the screening of his film for the juries or for any of their panels, in public shows or for any other special screening that the Directorate may organise. The proceeds, if any, will be emilted to the Government revenues.
- 24. The entire cost of freight for prints and publicity material will be borne by the entrants.
- 25. The decisions of the Government of India in respect of the award and of the interpretation of these regulations will be final and no appeal will lie against them.
- 26. A person who participates in the National Film Festivel will be deemed to have accepted these regulations.

27. The prints of films entered in the festival, publicity material and all correspondence should be addressed to:

The Director
Directorate of Film Festivals
Lok Nayak Bhavan, 4th Floor
Khan Market
New Delhi-110003

Telegraphic address: FILMOTSAV, NEW DELHI-110003

#### 28TH NATIONAL FILM FESTIVAL OF INDIA 1981

#### ENTRY FORM

(To be completed in duplicate and sent to: The Director, Directorate of Film Festivals, Ministry of Information and Broadcasting Lok Nayak Bhavan, 4th Floor, Khan Market, New Delhi-110003 to reach latest by 15th March, 1981.)

- 1. Title of the film
- 2. Language
- 3. Category
  Feature
  First Directorial venture
  Children's Film

(Please strike out the portion not applicable. Entries in the case of Short Films should specify the category for which the film is entered with reference to rule 19 II.)

- 4. Length of the film (in meters)
- 5. Running time

Short Film

hours

minutes

- 6. Number of reels
- 7. Gauge

35 mm/16 mm

- 8 Colour/Black & White
- 9. Number and date of the Censor Certificate
- 10. Name, address and telephone number of the Producer
- 11. Name, address and telephone number of the Director
- Name, address and telephone number of the Screenplay Writer
- Name, address and telephone number of the Leading Actor
- Name, address and telephone number of the Leading Actress
- Name, address and telephone number of the Child Actor/Actress (if any) of an age not exceeding 14 years
- Name, address and telephone number of the Cameraman
- Name, address and telephone number of the Audiographer(s)
- 18. Name, address and telephone number of the Editor
- 19. Name, address and telephone number of the Art Director

- Name, address and telephone number of the Music Director
- 21. Name, address and telephone number of the Male Playback Singer
- Name, address and telephone number of the Female Playback Singer
- 23. Name, address and telephone number of the Animator of the Animation Film entered under the category of Short Films
- 24. Date of release of the film
- 25. If the film is a dubbed version, an adaptation or a retake of another film, particulars of the film of which it is a dubbed version, adaptation or retake
- Print of the film to be returned to (please give name and complete address)

| Name and | full address | of the person | n making | the entry |
|----------|--------------|---------------|----------|-----------|
| ,        |              |               |          |           |
|          |              |               |          |           |
|          |              |               |          |           |
|          |              |               |          |           |
|          |              |               |          |           |
|          |              | Signature:    |          |           |
|          |              | (Seal)        |          |           |
|          |              | Date:         |          |           |

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (STORE I SECTION)

New Delhi, the 10 February 1981

No. A 19012/6/80-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. Natarajan to the post of Accounts Officer Govt. Medical Store Depot Madras, on deputation terms, with effect from the forenoon of 27th January, 1981 and until further orders.

#### New Delhi, the 11th February 1981

No. A 19019/4/77-NMEP/Admn-I.—On attaining the age of superannuation Shri V. N. Bhatnagar, Assistant Director (Ent.) in the National Malaria Eradication Programme, Directorate retired from Government Service on the afternoon of 31-12-1980.

No. A. 12025/3/80 (FRSL)/Adm. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Abhimanyu Basal to the post of Junior Analyst, Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad, with effect from the forenoon of the 12th Jan., 1981 in a temperary capacity and until further order.

No. A. 22013/3/80-Admn. I:--Consequent on his transfer to Central Government Health Scheme Calcutta, Dr. Asis Biswas relinquished charge of the post of Dental Surgeon at Central Government Health Scheme Patna on the afternoon of 15th September, 1980.

Dr. Biswas assumed the charge of the post of Dental Surgeon of Central Government Health Scheme, Calcutta on the forenoon of 16th September, 1980.

> S. L. KUTHIALA, Deputy Director Administration (O&M)

#### PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehradun-248001, the 13th February, 1981.

No. 4-8/72-Adm (Vol. II):—Shri S. S. Saini, HPFS-II has relinquished the charge of the post of Assistant Conservator of Forests, Preinvestment Survey of Forest Resources, Bhutan with effect from the afternoon of 10th January, 1981 and his services have been placed back at the disposal of the Government of Himachal Pradesh Forest Department.

> A. B. CHAUDHURI, Chief Coordinator.

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

#### DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 3rd February 1981.

DPS/23/8/77/Est/3036:--The Director, Directorate No. DPs/23/8/1/1581/3036:—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Laxman Ganpat Shimpi, temporary Assistant Accountant of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on an adhoc basis in the same Directorate with effect from January 29, 1981 (FN) to February 28, 1981 vice Shri V. K. Bhave, Assistant Accounts Officer granted leave.

R. P. DE SOUZA, Assistant Personnel Officer

#### Bombay-400001, 11th February 1981

No. DPS/4/1(5)/77-Adm/3119:—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri V. P. K. Nambiar, an officiating Purchase Officer, in a substantive capacity against the permanent post of Assistant Stores Officer in the same Directorate with effect from January 25, 1980.

> K. P. JOSEPH, Administrative Officer

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 13th, February 1981.

No. AMD-1/6/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Vinod Jayaram Katti as Scientic Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minserals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of January 29, 1981 until further orders.

> M. S. RAO, Sr. Administrative & Accounts Officer.

### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the

No. 1/394/80-EST:-The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. K. Bhat as Assistant Engineer, in a temporary capacity, in the New Delhi Branch, with effect from the forenoon of the 6th September, 1980 and until further orders, on a regular basis.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn) for Director General

# FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES Dehradun, the 7th February, 1981.

No. 16/368/81-ESTs-I,—The President, FRI & Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri P. K. Umalkar belonging to Maharashtra State Forest Department, as Assistant Instructor, Central Forest Rangers College, Chandrapur, w. e. f. the forenoon of 31-12-1980, until further orders.

R. N. MOHANTY, Registrar

# OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE, BOMBAY

Bomb y-1, the 11th February 1981.

No. St-2/80-81:—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1) of Rule 232-A of the Central Excise Rules, 1944. the names and addresses, and other other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by the Court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act 1944, and person on whom a penalty of Rs, 10,000/- or more has been implicated on fellow. Act are published as follow:-

#### I-COURT CASES.

| sons Address   |
|--|
| 3  |
| 204-a Jai Jalaram Bldg., Wadala<br>Road, Bombay-19.  |
| s Shanker Bhuvan, 2nd floor,<br>Room No. 11, Sant Tukaram<br>Road, Mulund (East) Bom-<br>bay-81. |
| The amount of penalty impoesd  |
| 5  |
| 1) (b) Rs. 25/- 5 days S. I.<br>(b) (b) Rs. 25/- 5 days S. I.                                    |
|  |

- (c) u/s. 91(ii) R/w 9(1)(bbb) (c) Rs. 25/- 5 days S. I.
- u/s. 9(1)(ii) R/w. 9(1) (a) Rs. 25/- 5 days S. I. (2) (a) (bb)
  - u/s. 9(1)(ii) R/w. 9(1) (b) Rs. 25/- 5 days S. I. (bbb)

#### (c) u/s. 9(1)(ii) R/w 9(1)(d) (c) Rs. 25/- 5 days S. I. II-DEPARTMENTAL ADJUDICATIONS Sr. No. Name Address Provisions of the Act of the persons or Rules made thereunder contravened. 1 2 3 4 1. M/s. The 101, Keshawrao u/s. Rule 173-G(4) Modern Mills Khad Marg, Bombay R/w Rules 53 400011 & 226. Rule. 173-F, Rule 173-G(1) R/W Rules 9(1)9-A,47 and 49. Rule 73-G(2) R/w, Rules 53 & 173-G (3) of 5 C. Ex. Rules 1944

| Amount of penalty imposed.   | Value of excisable goods adjusted by an officer under Section 33 to be confiscated. | Amount of fine in lieu of confiscation under Section 34 of the Act.  |
|--|---|--|
| 5  | 6   | 7  |
| Rs. 1000/- under<br>Rules 9(2)52A &<br>226 & Rs. 15000-<br>under Rule 173-Q. | Rs. 6,08,629 · 00   | Rs. 60,000/- whichever was reduce to Rs, 18,000/- by the order-in-appeal No. 694 of 1980 of Central Board of Ex. & Customs, New Delhi. |

K. S. DILIP SINGH JI, Colletor of Central Excise.

Guntur, the 2nd January 1981.

#### CENTRAL EXCISE DEPARTMENT.

No. 1/81:—Shri P. Prasad Rao, a candidate selected by the U. P. S. C. has been appointed as Superintendent of Central Excise (Export) Group-B (Gazetted) and he has reported for duty in the forenoon of 11-4-80 at Visakhapatnam II Divisional Office

No. 2/81:—Shri K. Kameswara Rao, Assistant Chief Accounts Officer, Central Excise, Group-B (Gazetted), Hqrs, Office, Guntur retired from service in the After noon of 31-3-80 on attaining the age of superannuation.

No. 3/81—The following Superintendents of Central Excise Group B (Gazetted) retired from service on attaining the age of the superannuation with effect from the dates noted against each:

| Sl. No. Name of the officer  | Station   | Date of<br>retirement<br>from ser-<br>vice in the<br>(A. Noon) |
|------------------------------|---|--|
| S/Shri                       |   |  |
| 1. P. Joga Rao               | Visakhapatnam III Range,<br>Visakhapatnam Dvn.    | 31-1-80  |
| 2, N. B. Ramamurthy          | Eluru Division                                    | 29-2-80  |
| 3. M. Ramamohana             |   |  |
| Rao                          | Hars. Office, Guntur,                             | 30-4-80  |
| 4. D. Harisarvothama<br>Rao  | Rajahmundry Division                              | 30-4-80  |
| 5. S. Santhanakrishnar       | i, Vijayawada Division                            | 30-4-80  |
| 6. P. Surya Rao              | Visakhapatnam II Dyn.                             | 31-5-80  |
| 7. V. Jagannadha Rao         | Eluru II Range, Eluru<br>Division.                | 31-5-80  |
| 8. George Devadas            | S. G. G. P. Srikakulam                            | 30-6-80  |
| 9. K. Balakotaiah            | Narasaraopeta Range of<br>Guntur II Division      | 30-6-80  |
| 10. K. Ammaji Rao.           | Kovvur Range, Eluru Dvn.                          | 30-6-80  |
| 11. V. Subbarayudu           | Eluru D.vision.                                   | 31-7-80  |
| 12. P. L. Abraham            | Chilalkaluripeta III Range of Guntur II Division. | 31-8-80  |
| 13. N. Sriramulu             | Hqrs. Office, Guntur.                             | 31-8-80  |
| 14. H. M. F. Rahim<br>Shaik. | -do-  | 30-9-80  |
| 15. M. S. Subramanyan        | n Eluru Division                                  | 31-10-80   |
| 16. G. V. Ramana-<br>murthy, | Hqrs. Office, Guntur.                             | 31-10-80   |
| 17, P. Khaja Khan            | Ongole Range, Ongole Dvn                          | 31-10-80   |
| (Proceeded on volu-          | ntary retirement under F.                         | R. 56(K)   |
| 18. G. Ramaiah Gupta         | Guntur Division                                   | 30-11-8  |

No. 4/81—Shri Venkata Rao, Inspector of Contral Excise (OG) of this Collectorate has been appointed to officiate until further orders as Superintendent of Central Excise Group-B (Gazetted). He has assumed charge as Superintendent of Central Excise, Group-B (Gazetted) at Hqrs, Office, Guntur on 10-11-80 forenoon.

No. 5/81:—Shri Y. Srinivas a Rao, Permanent Office Superintendent of Central Excise, Hqrs, Office, Guntur has been promoted as Administrative Officer of Central Excise Group-B (Gazetted) and posted to Guntur II Divisional Office. He has assumed charge of Administrative Officer in the forenoon of 29-1-80.

No. 6/81:—The undermentioned Group-B (Gazetted) Officers expired on the dates noted against each while working at the stations as indicated:

| S. No. Name of the<br>Officer and design                  | <del></del>                               | Date of<br>expiry |
|---|---|-------------------|
| 1. B. S. Murthy<br>Supdt. of Central<br>Excise            | Guntur I Division                         | 30-3-80           |
| 2. S. A. Sathar,<br>Supdt. of Central<br>Excise.          | Cumbum P & I Range of<br>Ongole Division. | 29-4-80           |
| <ol> <li>Y. Srinivasa Rao,<br/>Admn. Officers.</li> </ol> | Guntur II<br>Division.                    | 4-10 <b>-</b> 80  |

D. KRISHNAMURTI, Collector

# MINISTRY OF ENERGY (DEPARTMENT OF COAL)

# COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION Dannb.d, the 1981

No. Admn. 12(31)81:—Shri A. P. Jaiswal, a temporary Assistant Welfare Administrator is appointed to the post of Welfare Administrator on ad-hoc basis with effect from 30-12-80  $(\Gamma/N)$  until further order.

D. PANDE, Coal Mines Welfare Commissioner,

# MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400038, the 10th February 1981

No. 11-TR(1)/81—The President is pleased to appoint Shri Shyamal Mukhopadhyay, as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta in a temporary capacity, with effect from 2nd January, 1981 (Forenoon) until further orders.

No. 11-TR(2)/81—The President is pleased to appoint Shri Sumanta Purkayastha, as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Trainig; Calcutta in a temporary capacity with effect from 2nd January 1981 (Forenoon) until further orders.

K. S. SIDHU, Dy. Director General of Shipping.

# MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the companies Act, 1956 and of M/s. The Rings Appliances Corporations Pvt. Ltd.,

#### Bombay, the 15 December 1977.

No. 6143/560(3)—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. The Ring's Appliances Corporations Pvt. Ltd. unless casuse is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Asstt. Registrar of Companies. Maharashtra, Bombay. In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Universal Excells Batteries Private Ltd.,

### Hyderabad, the 11 February 1981

No. 1550/TAII/560/80—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Universal Excells Batteries Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V, S. RAJU tran of Companies

Registrar of Companies. Andhra Pradesh, Hyderabad.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Coburn Properties Limited.

#### Calcutta, the 12th February 1981

No. 27027/560(5)— Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Coburn Properties limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

A. B. BISWAS, Registrar of Companies, West Bengal. Calcutta

In the matter of the Companies Act, 1956; and In the matter of M/s. Gandhi Dawar Asian Valves Ltd.

#### Gwalior, the 16th February 1981

No. 1294/R/6571—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date of publication hereof, the name of M/s. Gandhi Dawar Asian Valves Limited Bhopal, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956; and In the matter of M/s. Sanchaya Finance (M. P.) Pvt. Ltd.

#### Gwalior, the 16th February 1981

No. 1307/R/6574—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date of publication hereof, the name of M/s. Sanchaya Finance (M. P.) Private Limited, Sagar, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956; and In the matter of M/s. Malwa Pesticides Industries Pvt. Ltd.

#### Gwalior, the 16th February 1981

No. 1266/R/6577--Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date of publication hereof, the name of M/s. Malwa Pesticides Industries Private Limited, Gwalior, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956; and In the matter of M/s. Vindhya Investment & Finance Private Limited.

#### Gwalior, the 16th February 1981

No. 1322/R/6580—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Vindhya Investment & Finance Private Limited, Rewa, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA, Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior.

#### INCOME: TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay, the 4th February 1981

No. F. 71-Ad (AT)/80—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 255 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Income-tax Appellate Tribunal hereby makes the following rules further to amend the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963.

- These rules may be called the Income-tax (Appellate Tribunal) Amendment Rules, 1981.
- 2. These rules shall come into effect immediately.
- 3. In the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, the full stop at the end of Rule 36, shall be deleted and the following shall be added:
  - ".....and also three copies of the orders from which the application arises".

By order of the Appellate Tribunal.

R. N. SEHGAL, Registrar.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE.

Pune, the 29th January 1981

Rof. No. IAC/CA5/SR, Solapur/July '80/498/80-81.—Whereas I, A.C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of and bearing

T.P. No. 2, F.P. No. 85/14 to 17/B situated at Solapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1980 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar Solapur on 31-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

(1) Sou, Madanmanjiri Vardhaman Shastri, At Hotagi Road, Vardhaman Bungsicw, Solapur.

(Transferor)

(2) Shri Bhalchand Hirachand Jamalpure, at 13 to 17 Bhayani Peth, Solapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at T.P. No. 2, F.P. No. 85/14 to 17/B, Solapur, Admn. 232 sq. mts.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 1954 dt. 31-7-1980 in the office of the Sub-Registrar, Solapur).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 29-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RNAGE, PUNE

Pune, the 30th January 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR. Thane/July '80/486/80-81—Whereas I. A. C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 365-A, H. No. 6 (pt), Tika No. 16, C. S. No. 99 situated at Mouje Panchpakhdi, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thane on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Dr. Ramchandra Vinayak Bhagwat, Ravi Kiran, Rammaruti Cross Road No. 4, Ghantali, Thanc.

(Transferor)

(2) Shri Aditya Prasad Co-operative Housing Society Ltd., 'Aditya Prasad', Rammaruti Cress Read No.4, Ghantali, Naupada, Thane-400 062.

(Transferee)

(3) 11 members of the society

Full names of occupants of the Aditya Prasad Cc-cp. Housing Society Ltd., 'Aditya Prasad', Rammatuti Cress Road No. 4, Ghantali, Naupada, Thanc-400 062.

| S.No                             | . Floor | Block No. | Names.                        |
|----------------------------------|---------|-----------|-------------------------------|
| 1.                               | Ground  | G-1       | Smt. Anjali Prakash Kulkarni. |
| 2.                               | ,,      | G-2       | Shri Popat Shankar Dahiwal.   |
| 2.<br>3.<br>4.<br>5.<br>6.<br>7. | ,,      | G-3       | Shri Dilip Govindrao Bendre   |
| 4.                               | First   | F-1       | Shri Ravindra P. Kardale.     |
| 5.                               | **      | F-2       | Shri Sharad Shivram Nateker.  |
| 6.                               | ,,      | F-3       | Shri Vasudeo Bhaskar Mhaskar. |
| ž.                               | Second  | S-1       | Shri Ramchandra V. Bhagvat.   |
| Ŕ                                |         | S-2       | Shri Maheshwar Kashinath      |
| ٠.                               | ,,      |           | Phadke.                       |
| 9.                               |         | S-3       | Shri Vijay Remniklel Vora,    |
| 1Ó.                              | Third   | ſ-1       | Shri Shashikant Shiyrem       |
| 10.                              | 4.111.4 |           | Namioshi.                     |
| 11.                              | **      | T-2       | Shri Anil Vinayak Barve.      |

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Revision Survey No. 365-A, Hissa No. 6 (Prrt), Tika No. 16, City Survey No. 99, Remmeruti Cross Reed No. 4, Mouje Panchpakhdi, Taluka & Dist. Thene.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 502, dt. July, 1980 in the office of the Sub-Registrar, Thane.)

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 30-1-81

#### FORM ITNS----

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(1) Smt. Sectalkoover Lakhpat Ram Singh

(Transferor)

### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 11th February 1981

Ref. No. AR-J/4412-1/80-81---Where  $\mathfrak{o}_S$  I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

C. S. No. 161 of Malabar and Cumballa Hill Divn.

the Junction of Ridge Read and Wilderness Mandir Read,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Bombay on 4-6-1980

Document No. BOM. 1804/71

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) M/s. Alanta Construction Co.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bcm. 1804/71 and as registered on 4-6-1980 with the Sub-fegisterer, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Bombay.

Date: 11-2-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th February, 1

Ref. No. AR-I/4420-9/80-81-Whercas I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C. S. No. 139 of Mandivi Divn, situated at Bengalrus Street.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908), in the Office of the Registering Officer at Bombay on 19-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, m pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-25-486GI/80

Document No. Bom, 1119/78

(1) Shirinbai Dawoodbhai Kagalwala Sakina Dawcodbhai Kagalwala

(Transferor)

(2) Fakruddin Ahmed

(Transferce)

- (3) As per Annexure Kurnatack Nalinack Ahmed. M/s Canara Goods Transport
- 3. M/s Guru Charansingh Pewaja
- 4. Látifbboy
- Adam Dawood
- 6. Abdulsalam Abdul Aziz
- Niyamat Shah Mohammed Shah 8. Gulam Razul Shah Buddin
- 9. Kamal Abdul Rehman 10. Gulam Mohamed Abdulkader.
- Hussainali Sinkandor
- Mohamed Hanif
   Hasan Bubal
- 14. Fakir Mohamed
- 15. Izatally Kasamally
- 16. Peermohamed Abdulrehman
- 17. Ebrahim Yacoob
- 18. Gafoor Issaq 19. Maqbool Abdul Latiff

20. Maulana Haji Mohamed Omar. Person in occupation of the property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 1119/78 and as registered with the Sub-registrar, Bembay on 19-6-1980.

> SUDHAKAR VARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 13-2-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 10th February 1981

Ref. No. AR-II/2994-4/June 80-Whereas I, SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Final Plot No. 319, CTS No. 1239 situated at Vile Parle(E) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '-

(1) Shri Shivkumar Motital Jalan Prop. M/s Jalan Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Godavari Jalan Co-op. Housing Society Ltd. (Transferce)

(3) As per list,

LIST

- 1. Shri N.B. Khemani
- Shri S. P. Shah Shri R. M. Jalan
- Smt. T. R. Jalan Shri B.R. Jalan
- Shri I. S. Maniar
- Shri M. O. Jariwala
- . Shri M. D. Jariwala . Shri A.V. Jobanputra
- 10. Shri J. P. Jalan
- Smt. Umadevi S. Jalan
- Shri R.H. Jalan,
- 13. Smt. Shakuntala P. Saria

[Person(9) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S/2530/78 and registered on 5-6-1980 with the Sub-registrer, Bombay.

SANTOSH DATTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1981

Ref. No, IAC/Acq. I/S,R,-III/7-80/689—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding,

Rs. 25,000/- and bearing

No. E/68, situated at Greater Kailash-l, New Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Mohindra Chopra, w/o late Shri S. K. Chopra, R/o 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakøsh Tandon, s/o Late Shri Brij Mohan Tandon, R/o E/68, Greater Kailash-I, New Delhi-110048.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. E/68, 14 storey house, situated in Greater Kailash-I, New Delhi-110048.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1981

Soal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/S. R. III/7-80/642—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 situated at Siri Fort Road, New Delhi.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri H. K. L. Chadha s/o Shri Mela Ramfor self and as Attorney of Shri Piem Kumar Chadha, Virender Chadha and Surinder Chadha sens of Shri H.K.L. Chadha, r/o 1-39, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kalawati w/o Shri P. P. Ahuja, r/o B-61 Sarvodaya Englave, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1, Siri Fort Road, New Delhi under the leasehold right land measuring 500 s.q. yds.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delh /New Delhi

Date: 10-2-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1981

Ref. No. IAC/Acq.1-S.R.-III/6-80/448--Whereas, I, R.B.L. AGGÁRWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property known as Scindia House situated at Block No. 134, Connaught Circus, New. Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- ia) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri S, Khushwant Singh & Brig. Gurbux Singh 1-A Janpath, New Delhi-U.

(Transferor)

(2) M/s Atma Ram Properties (P) Ltd Atma Ram House C-37 Connaught Place, New Delh -110001.

(Transferce)

(3) As per list enclosed. Atma Ram Properties (P) Limited New Delhi-1

Details of Tenants in respect of Scindia Houe, Connaught Circus New Delhi-1

Premises Nos. Name of the Tenant

SHOW PO YM

1. M's Air India

- 2
- 2, Tribhovandas Bhimji Zaveri
- 3. Cook & Kelvey (P) Limited
- 4. Allied Motors (P) Limited
- Goven Bros. (Rampur) Pvt. Ltd.
- 6. P.S. Jain & Co. Limited.
- 7. Oxford Book & Stationery Co.
- 8. Amin Chand Pcarey Lal
- 9. Federal Motors (P) Limited.
- 10. Printers House Pvt. Limited.
- 11. The M. P. State Industries Corp. Limited.
- 12, New India Motors (N.D.) P. Ltd.
- 13. Escorts Limited.
- 14. Prem Nath Motors (P) Limited.

#### BOARDING SIDE

- 13-A Escorts Limited
- 15, Vasudeva Publicity Service.

#### WATER TANK GARAGES

1-A Air India

#### OFFICES.

- 16. Chaudhry & Gulzar Singh
- 17. The Agent, Allahabad Bank, 5-A Goven Bros. (Rampur) Pvt. Ltd. (Bill including showroom)
- 18. Pioneer Consolidated Co. of India Ltd.
- D.T.C.
- 20. The Indian Society of International Law
- 21. A.F. Forguson & Co.

#### **FLATS**

- 1-B Air India (included in the bill of showroom).
- 22. Mafat Lal Services Limited.
- 23. Mahadev Prasad.
- 24. Cook & Kelvey (P) Ltd. (included in the bill of showroom)
- 25. D. Gestetner (P) Limited,
- 26, Devi Chands
- 27. Associated Tubewells (I) Pvt. Ltd.
- 28. Sardar Estates
- 29. Girdhar Bhagat & Co.
- 30, Man Design Group
- 31. The Oriental Fire & Gen. Insurance Co.
- 32. Ringo Guest House
- 33. Mr. Ram Saran

#### GARAGES.

- 34, Mrs. Desa Singh
- 35. Mrs. Desa Singh Milkha Singh
  - 2-A Tribhovandass Bhimji Zeveri 25 D. Gastetner Pvt. Limited (included in the bill of flats) 23 Mr. Mahadeo Prasad,
- 36. Shanti Sarup Rukmesh Kumar
- 37. Mr. A.S. Khamboj
- 38, M/s Ram Das Khushi Ram
- 39. Tandon Brothers
- 40. Mr. Chunilal Narula
- 41. Mr. Boota Ram
- 42. Mrs. Sohan Paul
- 43. Oxford Books & Stationery Co. (included).
- Left hand portion of office No. 47 on 1st Floor above garage Nos. 8-10.
- 44. M/s United Friends.

# FLAT QUARTERS.

- M/s S. Rattan Singh
- 46. Mr. Ram Lal Sharma
- 47. S. Bahadur Singh
- 48. Smt, Viran w/o Sri Niranjan Singh
- 49. Smt. Bhagwani

# BABU QUARTERS

50. Mr. Pishori Lal

51. Mrs. Pt. Chunui Lal

52. Sardar Dalip Sinch

53. Smt. Damayanti Mehra

54, Ram Dass Ram Dhan 55. Mr. Mohinder Singh 56. Mr. Madan Lal 57, Mr. Nand Singh 58. Mr. Chela Ram 59, Mr. Gurucharan Dass 60. Mr. Kishori Lal Gandhi 61, Mr. G.D. Tugnait SERVANT QUARTERS 62. Gurbux Singh Maghar Singh 63. S. Bhajan Singh & Sons 64. Mr. Laxmi Narain 65, S. Swaran Singh & Sons 66. Chunni Lal Chander Sen 67. Smt. Charan Devi Gupta 68. Om Prakash Kishan Lal 69, S. Rattan Singh 70, Sh, Gurject Singh S/o Suchait Singh 71. Vijay Kumar S/o Narain Dass 72, S. Suchait Singh Narain Dass ROOM IN STAIRCASE BEHIND SERVANT QUARTER 21 & 22, 73. S. Jamait Singh 74. Mrs. Ram Lal Dobit 75, Mr. Roshan Lal Ramesh Chand 76, S. Bhajan Singh 77. Mr. Dhan Raj Singh 78. Mr. Rajendra Kumar Seth 79. Mr. Har Karan 80. Mr. Ram Saran 81. S. Suchait Singh Narain Dass 82. The Agent Allahabad Bank 83. D.K. Sharma 84, Mr. Dajya Ram STAIR CASES. 85. Brij Mohan & M. M. Bhaila 86. Mr. Mahendra Pal Jai 87. Satish Verma & Co. 88. S. Kehar Singh & Sons 89. Mohindra & Co. EXTENSION TO CABIN STAIRCASE NO. 2. 90. Kanji Mull & Sons. 91. Brooks Watch Makers & Opticians 92. Mr. Jefking Mehta. 93. Mr. R.C. Gandhi CABIN 18 '4'×4" 94. Om Parkash 95, S. Uttam Singh 96, Mr. V.K. Sareen 97. Mohinder Lal Sehgal & Sons. 98, Mr. Raj Paul 99, Malhotra & Co. 100. Nandi & Co. 101. Narula & Co. 102. Mr. Hari Krishan Sharma 103. Ajit Singh 104. M/s Raj K. Zavera & Co. OPEN SPACE Mr. Amar Nath S/o Late Sita Ram OPEN SPACE 5'6"×4'6" IN STAIRCASE NO. 4 S. Amarjit Singh Chawla CABIN IN GROUND FLOOR STAIR CASE NO. 6 Swaran Motors

PEN SPACE 14'×8' AROUND PELPAL TREE BEHIND ALLIED MOTORS WORKSHOP Suresh Chand Balal OPEN SPACE IN TOP FLOOR LANDING IN STAIR CASE NO. 1 Ajay Kumar CABIN MEASURING  $9'9'' \times 7'9'' \times 7'4''$  ON THE 1ST LANDING STAIRCASE NO. 1 Majaraja Travesh OPEN SPACE ON TOP FLOOR IN STAIR CASE NO. 2 Sri Pradeep Kumar Srivastava & Vined Kumar Dewen CABIN IN STAIRCASE NO. 6B Shri K. L. Seth CABIN IN STAIRCASE NO. I & Il FLOOR. Shri Roshan Lai Malhotra CABIN IN STAIR CASE NO. 5 ABOVE D.T.C. ENQUIRY **OFFICE** Devi Chand Agencies. BATH ROOM CABIN IN STAIRCASE NO. 5 M/s Massoorie Trading Co. Ltd. BATH ROOM IN SHOW ROOM NO. II International Travancore Ltd. BATH ROOM IN SHOW ROOM NO. II D.D. Garments(P) Ltd. OPEN SPACE Sita Ram Panwari Jagmohan Priit Vendor Ram Bharosay Chholay Wala Inderjeet Pathak. OPEN SPACE IN STAIR CASE NO. II Mr. Ravi Kumar Malhotra Pt. Hir Prosad Panwari Chiranjit Lal ICE VENDOR Mrs. Shanti Devi Mr. Paujdar Panwari Mr. Deepak Panwari Mr. Fara Chand Panwari M/s Anil Brothers
Mohinder Singh Wolder
Mr. Kripa Ram (Bicycle stand) OPEN SPACE IN STAIRCASE 3'6"×4' Smt. Darehana Devi w/o Sh. Jeewan Dass Smt. Raj Rani. OPEN SPACE 5'×3' OR IN FRONT OF OR 10 2 Shanti Devi.

[Person(s) in occupation of the Property] Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property known as Scindia House, situated in block No. 134, Connaught Circus, New Delhi: (Area 3.291 acres.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 10-2-1981

#### FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, NEW DFLHI

New Delhi, the 13th Februry 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/6-80/442—Whereas J, R.B.I. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value ercceding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl, land situated at Vill. Bijwasan Tehsil Mchrauli, ND (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration

on June 1980

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Singh son of Shri Chandan r/o Village Bijwasan, Delhi.

  (Transferor)
- (2) Massas Ausal Properties & Industries (P) Ltd., 115 Ausal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agriculture lands measuring 84 bighas and 19 biswas situated in the Revenue Estate of Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Shri A. K. Sundrajan, S/18, Greater Kajlash-I, New Delhi.

(Transferor)

Shri Ram Parkash and others, (2)Q. No. 383, Sect. 8, R.K. Puram, New Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-H BLOCK, VIKAS BHAVAN **NEW DELHI**

New Delhi, the 12th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/6-80/594-Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 294 situated at Greater Kallash-II, N.D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 294, Block-S, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/S.R.-III/6-80/604—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S-418 situated at Greater Kailash Part-II; New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

26-486GI/80

(1) Shri Satya Parkash Khosla S/o Shri Hakumai Raj Khosla and Smt. Suneela Khosla w/o Shri Satya Parkash Khosla No, G-47 East of Kajlash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satya Baul Aggarwal s/o Nanak Chand Usha Rani Aggarwal w/o Satya Paul Aggarwal, S-418, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official: Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. S-418, Greater Kailash Part-II, New Dethi (556 sq. yds.)

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-2-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri A.D. Pandit,
119 Vasant Vihar,
Dohra Dun (U. P.)

(Transferor)

(2) Shri Naresh Talwar & Smt. Kumkum Talwar, 152-F Malcha Marg, New Delhi-110021

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 13th February 1981

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/6-80/491—Whereas I, R. B. 1. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. D-1/36, situated at Vasant Vihar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

D-1/36, Vasant Vihar, New Delhi land measuring 845 sq. yds. together with building constructed thereon.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri K.S. Sundara Rajan & Smt. Komalam Sundara Rajan, Flat No. 3, Block A-1/10, Vaikunth, G.O.C.H.S. Colony, Bsant Nagar, Madras-600090

(Transferor)

(2) Shri Ranjan Kumar & Pawan Kumar, B-1, Vasant Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/S.R.-III/6-80/522—Whereas R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27 situated at Paschimi Marg, Vasant Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2 1/2 storeyed residential house (built on 838 5 sq. yds. 698 76 sq. Mtrs. ) No. 27, Paschimi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-2-1981

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1981

Ref. No. 1AC/Acq. I/S.R.: III/6-80/568—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S-172 situated at Greater Kailash-II, N.D.

(and more fully described in the Schedule annual hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhirawan Bai W/o Sewa Ram Relan R/o B-22, Daya Nand Colony, Lajpat Nagar-IV New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Anand Nawani S/o late Shri Meghraj Nawani R/o L-1/218-B, DDA Flats, Kalkajee, New Delhi and others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the detection of the publication of this notice in the Official Garactic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same arraning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. S-172, measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-II. New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 13-2-1981

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Delhi, the 12th February1981

Ref. No. IAC/Acq. I/S.R.-111/6-80/566—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-87 situated at Greater Kailash-II, N.D.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi at on June 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Sushil Chander Gupta S/o I ate Lakshmi Chander, R/o M-57, Greater Kailash, Part-III, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Parkash Kaur and Mrs. Manjinder Kaur widow of late S. Jai Singh Fani, R/o E-329, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- i(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Built up house No. M-87, of 300 sq.yds., situated at residential colony Greater Kailash, Part-Π, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 12-2-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/6-80/445---Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-3, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Rajindra Kumar Jain,
 S/o Shri Sardar Lall Jain,
 R/o A-3, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Comfort Living (Hotel) P. Ltd. L-18, N.D.S.E. II, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Single Storeyed building No. A-3, Measuring 1000 sq. yds. in Green Park, New Delhi-16.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi.

Date: 13-2-1981

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI, New Delhl, the 13th Feb. 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/S.R.-III/6-80/408—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-122A, situated at Greater Kailash-I, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Santosh Kumar Banerjee S/o late Charu Chandra Banerjee R/o E-122A, Greater Kailash, New Delbi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar Ahuja S/o late Durga Dass Ahuja, R/o 1407, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. E-122A, area 208 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

" Date: 13-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/S.R.-HI/6-80/409---Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and beaning No.

No. 143-A situated at Greater Kailash-II N.D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Shri Lajpat Rai Madan C/o Punjab Medical Hall, Rampur (U. P.)

(Transferor)

 Mrs. Raman Anand & Mrs. Sangeeta Chopra, D-289, Defence Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 143-A, Greater Kailash-II, Block No. E, New Delhi-48.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1981

#### BORM ITNS .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI
New Delhi, the 13th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/S.R.-III/6-80/406---Whereas I, R.R.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-81 situated at Greater Kallash-II, N.D. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on June, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follownersons. namely:—27—486GI/80

(1) Dr. Amar Nath Atora s/o Shri Kartar Singh r/o A-15, Vishal Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vərinder Kumar Verma s/o Dr. Parmanand Verma, 28 Kingsley Avenue ceiling London-W-13 through his attorney Shri Tek Chand Gogia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property thay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Single Storey house with basement No. M-81, Greater Kailash-II, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 13-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/S.R.-III/6-80/487—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-117 situated at Hauz Khas Enclave, N.D. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Dalject Kaur, Flat No. L. Sagar, Appartment, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Pradeep Handa & Mr. Vipin Handa, K-107, Kirtl Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.9 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning est given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. K-117, Hauz Khas Enclave, New Delhi (500 sq. yd.)

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 13-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February, 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/S.R.-III/6-80/605—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C-134 situated at Greater Kailash-l, N.D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pritam Kaur w/o Gurdyal Singh r/o 16, Modol Town Jullunder, and Harp d Singh s/o Gurdyal Singh r/o through attorney major Gurdyal Singh.

(Transferor)

(2) Kum, Rashmi Mittal D/o V.B. Mittal r/o A-3, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. C-134, measuring 310 sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 13-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/S.R.-III/6-80/619—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E/317 situated at Greater Kailash-II, N.D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer

at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Mr. Sasya Bitashan Gupta s/o Mr. Shiv Dayal Gupta, r/o No. F/17, N.S.D.E., Part-I, New Delhi.

  (Transferor)
- (2) Smt. Viran Wali w/o S. Teja Singh r/o No. 65/65, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. E/317, Greater Kallash-II, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 13-2-1981

#### \_\_\_\_

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/S.R.-III/6-80/610---Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. K-37 situated at Kailash Colony, N.D.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Chander Deep & Chander Parkash, 190, Gali Batashan, Chawri Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri B. S. Bhojwani, r/o K-37, Kallash Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. K-37, Kaliash Colony, New Delhi, Area 311 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 13-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 13th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/6-80/608—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3 Block 'C' situated at Kailash Colony, N.D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurbuz Singh Pabla s/o Late Mota Singh through attorney Surinder Chauhan w/o Shri Sheri Chauhan r/o L-18, N.D.S. E. II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Sagar Construction (P) Ltd., F-3, Kailash Colony, New Delhi, through its Director Shri G.D. Poddar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 3 Block 'C' measuring 500 sq. yds. Kailash Colony, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 13-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

#### **NEW DELHI**

New Delhi, the 13th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/S.R.-III/6-80/480—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

XVI/2887 situated at Main Hardhian Singh Road, Beadonpura K.B. New Delhi

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Baljeet Singh S/o Shri Avtar Singh R/o XVI/2882, Gali No. 17, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chuni Lal S/o Shri Banshi Ram R/o H. No. 400, Ragharpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. XVI/2887, situated at Main Hardhian Singh Road, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi (161 sq. yds.)

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 13-2-1981

#### FORM FINE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI New Dolhi, the 16th February, 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/S.R.-II/6-80/3495---Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. EG 31 situated at Inder Puri New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramesh Chander Dutt 27/18 East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Bhatia 30 A Basant Lane New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. EG-31, measuring 128 sq. yds. situated Inder Puri New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 16-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-II NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/S.R. II/6-80/3479—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-145, situated at Vill. Jawala Harl New Multan Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons namely:—

28-486GI/80

- Shri Arjan Dev Malik s/o Shri Lok Nath Malik, r/o House No. C-145, New Multan Nagar, P.O. Shakur Basti, Delhi-34.
- (Transferor)
  (2) Shri Jia Lal s/o Shri Makhan Lal & Shri Daulat Ram S/o Shri Jia Lal r/os, Jind Mandi, Distt. Jind (Haryana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Mpl. No. C-145, Khasra No. 1/16/2, situated in the area of Village Jawala Hari of New Multan Nagar, on Rohtak Road, Delhi, Mg. 200 sq. yds.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Date: 16-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 16th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/S.R. II/6-80/3473—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. plot 5, 'A' Block situated at Rohtak Rd. Vill. Shakurpur Delhi, State Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri S.D.R. Sethi s/o Shri K. L. Sethi r/o 876, Dr. Mukerjee, Nagar, Delhi.

  (Transferor)
- (2) Shri Iqbal Singh r/o 5517, Basti Harphool Singh S.D. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 5, Block A, mg. 256, sq. yds. at Bhagwan Dass Nagar on Rohtak Road area of Vill Shakurpur Delhi State Delhi.

R.B.L. AGGARWAL,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Date: 16-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Sotaj Singh r/o 3930 Gali Mandirwali Pahari Dhiraj Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sutej Singh, Sultan kingh r/o 3929 Gali Mandir wali Pahari Dhiraj, Delhi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 16th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/S.R.-I/6-80/6611—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3930 situated at Gali Mandirwali Pahari Dhiraj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 3930 Gali Mandir Wali Pahari Dhiraj Delhi Area 133 sq. Yds.

R.B.L. AGGARWAL
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Delhi/New Delhi.

Date: 16-2-1981

Scal 1

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Singh r/o F-46 Bali Nagar, New Delhi. (Transferor) (2) Shri Jiwan Dass s/o Shri Charan Singh Nanwani r/o 3246 Schoolwali Gali Paharganj, New Delhi.

(1) Lt. Col. Sardul Singh for self and as general attorney of his other two brothers S. Amarjit Singh & Manohar

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/S.R. II/6-80/3525-Whereas I, R.B.L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-3/53 situated at Rajouri Garden Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No J-3/53, Mg. 160 Sq. yds. at Rajouri Garden area of vill. Tatarpur Delhi State, Delhi.

R.B.L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Date: 16-2-1981

S:calj

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Suman Lala s/o d w/o Shri Prom Sagar Sood r/o 7/47, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Paramjit Kaur w/o Shri Mohinder Singh G-18, Jangpura Extn. New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February, 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/S.R. J1/6-80/3486—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing.

No. 7 Rd. No. 47, situated at Punjabi Bagh Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on June 1980 at Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tav under the said Act, of the transferor to pay tax under the said Act, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on Plot No. 7, Road No. 47, mg. 279 55 sq. yds. Punjabi Bagh area of vill. Madipur Delhi State, Delhi.

R.B.L. AGGARWAL,
(Competent Authority)
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi.

Date: 16-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February, 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/S.R. II/6-80/3452—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot 165 Block J-5 situated at Rajouri Garden Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Smt. Sushil Kumari w/o Shri Raghu Nath Rai Mediratta G-27/4, Rajouri Garden, New Delhi.
- (2) Shri Smittar Singh s/o Tarlok Singh Gulati Smt. Rajinder Kaur w/o Smittar Singh & Davinder Singh s/o S, Smittar Singh r/o A-2/48, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

House on Plot No. 165, Block J-5, mg. 160 Sq. yds. at Rajouri Garden, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 16-2-1981 Seal t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February, 1981

Ref. No IAC/Acq. II/SR-II/6-80/3502—Whereas I, R.B.L-AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11 Road No. 47 situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Raghubir Krishan S/o Shri Kidar Nath Bhalla r/o D/267 Phase I, Ashok Vihar, Delhi as G.P.A. Smt. Chander Kala W/o Shri Brij Mohan Luthra r/o 11 Road No. 47 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Tansferor)

(2) Shri Kidar Nath Bholla S/o Shri Chunni Lal Bhalla r/o I-26 Kirti Nagar, New Delhi. Shri Som Bihari Lal Bhalla S/o Shri Kidar Nath (3) Smt. Tripta Rani w/o Shri Som Bihari Lal r/o Prop. No. 11 Road No. 47, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Prop. No. 11, Road No. 47, Punjabi Bagh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi, New Delhi.

Date: 17-2-1981

FORM I.T.N.S.---

(1) § Shri Gurcharan Singh S/o Shri Sher Singh Ahluwalia r/o WZ-216-A, Block G, Hari Nagar, New Delhi

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transfe or)

 Smt. Adarsh Kochhar w/o Shri Chaman Lal r/o A-186, Vikas Puri, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delh t e 1 h February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/S.R. —Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C-27 situated at Krishna Park New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Free hold plot No. C-27, Krishna Park, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 17-2-1981

(1) The East India Hotels Ltd. 4 Margoe Lane, Calcutta-700001

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961) (2) Smt. Usha Sibal 35-A Oberoi Apartments 2 Shamnath Marg, Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6610---Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Sale, deed situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

35-A, Oberol Apartments, 2, Shamnath Marg, Civil Lines, Delhi-1100054.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

persons, namely :— 29—486GI/80

Date: 17-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Sant Kumari wd/o Major Sunder Dass r/o C/o Shri Kashmere Lal No. 6, Rattan Lal Building, Ram Nagar, New Delhi.

Transferor

(2) Shri Vinod Kumar Sood S/o Shri Shanti Saroop Sood r/o D-17, Kirti Nagar, Najafgarh Road, New Delhi. Transferee

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI New Delhi, the 17th February, 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6688—Whereas I, R.B.L-AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-17 situated at Kirti Nagar New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single Storeyed house bearing No. D-17, Kirti Nagar, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

Seal;

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February, 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6626—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 41 Road No. XI situated at Ran Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jai Gopal Manaktola, B-1 Prabha Kutir Areen Acres, Deonar Bombay (2) Satpal Manaktola, 11-A, Motor Appartments, Antscy Road off Attamount Road, Bombay (3) Brig. Narender Paul Manaktoala, D-47, Defence Colony, New Delhi (4) Smt. Indu Manaktola 3 Kumar Kutir, Mangla Mandi Road, Nagpur.

(Transferor

(2) S/Shri (1) Charan Shah (2) Satish Kumar, both r/o 6604/2(3) Dharam Paul (4) Gulshan Kumar both r/o 41 Ram Nagar, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

41 Ward No. XV Ram Nagar, Pahar Ganj, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

#### FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, New DELHI

New Delhi, the 17th February, 1981

Ref. No. 1AC/II/SR-1/6-80/6656---Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 43/13 situated at West Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shanti Sarup S/o Shri Hari Ram r/o 62 Drale Road, Somer Set, N. J. 08873 U.S.A. through his attorney Shri K. S. Bhardwaj. r/o D-835, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Saroj Bhan S/o Shri Ram Saran and Shri Subhash Ruhella S/o Shri Suraj Bhan r/o 5565/75 Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Goyt, Built Qr. No. 43/13 West Patel Nagar, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AC~UISITION RANGE-II, NEW DEL

New Delhi, the 17th February, 1981

Ref. No 1 AC/Acq 11/SR-1/6-80/6613—Whereas I, RB.L. AGGWARAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A8/32 situated at R P. Bagh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Raj Kumari D/o Smt. Durga Devi w/o Shri D. P. Bhatia, r/o A8/32 (F.F.) Rana Partap Bagh, Delhi-7. (Transferor)

(2) S/Shri (1) Satish Chand (2) Rajesh Kumar
(3) Ashok Kumar (4) S/shri Vishal, Vivesh and Vikash ss/o Shri Radhey Shyam, all r/o AS/32 (G.F.) Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions us. I herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menaing as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double Storey house No. AS/32, R.P. Bagh, Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Auhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6632--Whereas I, R.B.L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5A situated at Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Hira Devi, 2 Bhatla Potteries Road, Ghaziabad. (Transferor)

(2) Smt. J. Sita Chiranjeevi, 5A, Kamla Nagar, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ist Floor of 5A, Kamla Nagar, Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Onkar Nath Marwah S/o Shri Rajpal r/o 28 on Road No. 53, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Satish Kumar Malhotra and Shri Vipin Kumar Malhotra, ss/o Shri Ram Parkash Malhotra r/o S-493, Greater Kailash No. I, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/6-80/3499—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28 Road No. 53 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on June 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULL

Property No. 28 on Road No. 53, Punjabi Bagh, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi-

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-2-1981

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI New Delhi, the 16th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6630—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. Plot No. 5, Rd. 77, situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on June 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madan Lal Khanna s/o Shri Prakash Nath Khanna & Smt. Adarsh Baial Khanna w/o Shri Madan Lal Khanna both r/o 683, Model Town, Jullundur & Shri Atul Khanna s/o Shri Madan Lal Khanna 5/77, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Uppal, Vinay Kumar Uppal, Virender Kumar Uppal & Vikram Kumar Uppal s/o Shri Durga Dass Uppal r/o 12/1 W.H.S. Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property built on Plot No. 5 on Road No. 77, mg. 2227 ·22sq. yds. at Punjabi Bagh area of Vill. Bassadarapur Delhi State, Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 16-2-1981

## PORM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## (1) Smt. Asha Rani Chogti w/o Shri Dav Raj Chogti r/o E-36/12 Rajouri Garden, New Dalhi.

(Transferor)

(2) Shri Kesar Dass S/o 'Lala 'Phiraya Lal r/o 11733 Street No. 3 Sat Nagar, Karol Bazin, New Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6662. —Wnereas I, R.B.L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said...Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per sale deed situated at Raja Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30-486GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Single Storeyed house on plot of land measuring 192.8/2 sq. yds., situated in the colony known as 'R ija Garden' area of village Bassai Darapur Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date: 16-2-1981

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II NEW DELHI

New Delhi, the 16th February, 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6619 -- Whereas I, R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the faid Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 216 Block C situated at Majlis Park Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair marks value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Brahm Dev Sharma S/o Shri Mast Ram Sharm a r/o C-216 Majlis Park Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Basant Lal Kapoor s/o Shri Mohinder Pal Kapoor r/o C-213 Majlis Park Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double storeyed house No. 216 Block C with three rooms two kitchens, one store, one latrine, one bath room and courtyards in front and near an gr. floor three rooms on the F.F. 111 Sq. Yards in Majlis Park Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 16-2-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/6-80/3463 -- Whereas I, R.B L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-30 situated at Bhagwan Dass Nagar New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Mohinder Pratap S/o Shri Naranj to Dass r/o M/s. Modern Timber Supply Co. Dhangh Road Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Amar Nath Sawhney S/o L. Shiv Nacain S tw mey r/o 53 Japan building, 5407/8 G.B. Road Delhi.

(Tran-feree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this 10tice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression need berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. C-30 measuring 381 sq. yards at Bhagwan Dass Nagar Area of village Shakurpur Dolhi.

> R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February, 1981

Ref No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6667—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconce-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 17/22 situated at Shakti Nagar Delhi

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohan Singh S/o Shri Mool Chand r/o 17/22 Shakti Nagar Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jagdish Kaur w/o Shri Mohan Singh E-92 Kamla Nagar Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 undivided share of prop. No. 17/22 Shakti Nagar Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 16th February, 1981

Rel. No. IAC/Acq. II/SR-II/6-80/6640—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2230 situated at Gali Shankar Bazar Sita Ram Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at on June 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Mahajah Kisan Bhatt (2) Avtar Kisan Bhatt s/o Shri Shambhu Nath r/o 17, Kurn Nagar Srinagar, Kashmir Hall No. 2230, Gali Shunker, Bazar Sita Ram Delhi-6 (Transferor)
- (2) Shri Des Raj Kalra s/o Shri Huri Kuka r/o 2230, Gali Shanker, Bazar Sita Ram Delhi-6

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

One house Two & half storey mg. 250 sy. yds. situated Gali Shanker, Bazar Sita Ram Delhi, property No. 2230.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 16-2-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Dolhi, the 17th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6637—Whoreas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 45 Block C situated at Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Risalo Devi w/o Shri Kundan Lal r/o C-45 Achariya Kirplani Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2), (1) Shri Krishan Kumar (2) Bal Kishan (3) Shri Ram Parkash, all ss/o Shri Rameshwar Dayal (4) Smt. Kusam Lata w/o Shri Prom Narain r/o 136-D<sup>e</sup> Kumla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 45 Block C, Acharya Kirplani Road Adar; h Nagar, Delhi Area 200 Sq. Yards.]

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6642—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 317 Gali Bhoot situated at Wali Kucha Sanjogi Ram Naya Bans, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi' on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chander Lekhn w/o Lala Ganga Ram r/o 317, Kucha Sanjogi, Naya Bans, Delhi (Transferor)

(2) Smt. Ram Murti w/o Shri Jai Parkash Gupta r/o 6021 Gali Arya Samaj, Bazar Sita Ram, Delhi (Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

II. No. 317, Gali Bhoot Wali, Kucha Sanjogi, Naya Bans, Delhy.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Delhi/NowDelhi

Date: 17-2-1981

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6671—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/783 situated at Nicholson Road, Kashmiri Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vishwa Nath Sərhi s/o Late Bhup Chand Sethi r/o 11/15, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Wingflow Const. (P) Ltd. G-2/43-A Middle Circle, Connaught Place, New Delhi through its. Managing Director Shri Nand Lal Malhotra. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHFDULE

Prop. No. 1/783 Nicholson Road, Kashmere Gate, Delhi.

R B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

(1) Shri Raj Kumar Bhasin s/o Shri Bodh Raj r/o M-3/21, Model Town, Delhi through his attorney Shri Ram Lubhaya Mal Bhasin

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gaytri Nursing Home through its prop. Dr. Mrs. Indu Bala Chhabra w/o Shri Jagdish Chander r/o C-1/A, Model Town, Delhi. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February, 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6679—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 11 Block F-14 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31-486GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Prop. mg. 264 Sq. Yds. portion of Plot No. 11, Block F-14, Model Town, Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom2-tax,
Acqusition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 17-2-1981

#### HORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6677—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 40 Road No. 72 situated at Punjabi Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Suresh Chander Gupta s/o Shri Ram Chander Gupta and Dr. Pramila Kumari Gupta r/o 40/72 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi w/o Shri Ram Lal Jain and Shri Ram Lal Jain G/o Shri Molar Chand Jain r/o 6, Ashoka Park Ext, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the aequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1 House on Plot No. 40 on Road No. 72 in Class B mg. 073 · 33 sq. yds, Punjabi Bagh, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 17-2-1981

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri-Mohan Shigh S/o Shri Mool Chand r/o 17/22 Shakti Nagar, Delhi

(Transferor)

(2) Shri, Mohan Siggh S/o Shri Sant Siggh E-92 Kamla Nagar, Delhi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February, 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6668—Whereas I, R.B. LAGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/22 situated at Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menege or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the numbere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires dater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are, defined, in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 Undivided Store of prop. No. 17/22 Shakti Nagar Delhi

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jagan Nath Gupta S/o Shri Ram Nath Gupta r/o 1551-54 Kucha Soth Dariba Kalan Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudarshan Gupta w/o Shri D. P. Gupta r/o J/84 West Patel Nagar New Delhi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6683-Whereas I, R.B.L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2596 to 2599 situated at Nai Sarak Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given ir that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 2596 to 2599 Nai Sarak Delhi Area 190 Sq. Yards.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February 1981

Ref. No. IAC Acq./-II/SR-I/6-80/6622—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C-29 situated at Lawrance Road Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri Krishan Murari Wadhwa
   Shri Surinder Kumar (3) Shri Narinder Kumar S/o
   Shri Dewan Chand Wadhwa r/o I/80 Kirti Nagar
   Now Delhi
- (2) Smt. Kailash Wati W/o Shri Faqir Chand (2) Shri Shiv Shankar S/o Shri Faqir Chand r/o 2604 Nai Basti Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. C-29 Lawrance Road Industrial area Delhi.

R.\*B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

#### FORM. I.T.N.S....

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February, 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR:I/6:80/6680—Whoreas. I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

2240-41 situated at Naya Mohalla Gali Kasim Jan Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Delhi on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealtheau Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hari Shafiq-ul-Rehman S/o Hazi Lalit-ul-Rehman r/o 2169 Ahta Kale Sahib Khan Gali Kasim Jan Delhi (Transferor)
- (2) Shri Haji Maqbool Ahmad S/o Shelkh Mumtazuddin r/o 845 Katra Hiddu Farash Khana Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —Theo terms, and rexpressions, used, herein as are defined in Chapter. XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storcyed building No. 2240-41 Ward No. VI Naya Mohalla Gali Kasim Jan Dolhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition.Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

#### LFORM PTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TEX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

Now Delhi, the 17th February, 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/680/6612—Whoreas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6 Block D situated at Kirti Nagar New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties bae not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) - Smt. Raj Maint w/o Shri Rora Singh r/o 3/2 Sing Sabha Road Subzi Mandi Delhi (Transferor)

(2) \* Smt/Surject Kaur, w/o Shrji Harbans Singh
 r/o D-6 Kirti Nagar New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double Storey house built on Plot No. 6 in Block D Kirti Nagar New Dolhi,

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 17-2-1981

#### FORM I.T.N.S.—

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February, 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6669- -Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Mpl. No. 6550 to 6622 situated at Gadodia Mkt. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. L.N. Gadodia and sons Ltd. 1112 Kucha Natwar Chandni Chowk Delhi (Transferor)
- (2) Smt. Raj Kumari w/o Shri Jagdish Pd. Bansal r/o 2305 Gali Minga Beg Tilak Bazar Khari Baoli Delhi (2) Smt. Madhu Goel r/o 278 Katra keran Khori Baoli Delhi. (Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Private No. 105 and 106 Portion of Gadodia Mkt. Mpl No. 6550 to 6622 and 6648 to 6653 Khari Baoli Delhi residential premises on 3rd Floor measuring 402-83 sq. mts. 2891 69 sq. ft.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 17-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th February, 1981

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/6-80/6663—Whoroas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a faw market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-1/21 situated at Malkaganj Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32—486GI/80

- Shri Tulsi Ram s/o Shri Basa Ram r/o 917 Kidar Building S/Mandi Delhi as Gen. Attorney of Smt. Darshna Vashishat.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Prito Devi w/o Shri Tulsi Ram r/o 917 Kidar Bullding S/Mandi Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be, made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G.B.P. No. B-1/21 Malka Ganj S/Mandi Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 17-2-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st September, 1980

Ref. No. GIR No. P-81/Acq.—Whereas I, A. S. BISFN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1 Block-S, measuring 358-09 sq. yds. situated at 35, Rampur Garden, Bareilliy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 14-7-1980

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Smt. Satyawati

(2) Shri Raghuveer Singh

(Transferor)

(2) (1) Pardeep Kumar Bhan (2) Kamal Kumar Bhan

(Transferce)

(2) Above sellers

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land No. A, Block-S, measuring 358 09 sq. yds. situated at 35, Rampur Garden, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the form 37-G No. 6269 80 and sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Barcilly on 14-7-1980.

> A. S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 1-9-1980

#### FORM 1.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1980

Ref. No. G.I.R. No. R-153/Acq. Whereas I, A.S. BISI'N being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tex Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house situated at Budaun

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Budaun on 26-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centrof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mohd. Ehatishamuddin (Khurshid Nizam widow Nizamuddin)
  - 2. Smt. Shahjahan Begum
  - 3. Smt. Hilal Fatma

(Transferor)

(2) 1. Shri Raghunath-Saran 2. Smt. Rammurti Devi

(Transferee)

(3) Above seller.

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION: -- The etims and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house situated at Budaun bounded as below:— East--House of Ram Asrey, West-House of MehbuboBux North—Way to houses and house of Ram Pyari, South—Kharanja Road.

and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3711, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Budaun, on 26-6-1980

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 4-12-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW Lucknow, the 18th December, 1980

Ref. No. G.I.R. No. K-95/Acq.-Whereas I, A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One double storeyed house situated at Mauza-Bhadaura, Pargana & District Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 4-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(7) Shri Naresh Kumar Jain

(Transferor)

- (2) (1)
- Shri Krishna Kumar Rastogi ,, Madan Gopal Rastogi ,, Vijai Gopal Rastogi
  - Anil Kumar Rastogi

(Transferee)

(3) Above transferees

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One double storeyed house including land measuring 125.97 sq. mtrs. situated at Mauza-Bhadaura, Pargana and District Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2392/80, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 4-6-1980.

> A, S. BISEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 18-12-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd January 1981

Ref. No. G.I.R. No. B-94/Acq.—Whereas I, A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 545/194 on plot No. B-977, Sector-A, situated at Mahanagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 2-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manohar Swaroop Saxena
   S/o Shri Shiv Sahai Saxena
   R/o H. No. 545/194, Mahanagar, Lucknow.
   (Transferor)
- (2) Shri Brijendra Nath Shukla S/o Shri Baij Nath Shukla R/o. C-6, L-Road, Mahanagar Extension, Lucknow. C/o. M/s. Standard Fuel Centre, Mohibullapur (Sitapur Road), Lucknow
  (Transfer

(Transferee)

(3) Above Transferror (As per 37G Form)
[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One pukka built house No. 545/194 including plot of land measuring 13407 sq. ft. bearing No. B-977, Sector-A, situated at Mahanagar, Lucknow; and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 4165 of 1980 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 2-7-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 23-1-1981

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd January 1981

Ref. No. G.I.R. No. S-199/Acq,—Whereas I, A.S. BISFN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000-and bearing

No. 83/8 standing on Plot No. 5 situated at Mohalla-Chitwapur (Ashok Nagar), Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 5-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Daya Ram

(2) Uma Shanker

(3) Jagannath Prasad and

Surendra Nath
Sons of Shri Jogeshwar Dayal Chaudhry,
Residents of Village—Madwa Nagar Pura
Baraban Pargana, Tehsil and District—Basti.

(Transferor)

 Smt. Saroj 'Agarwal W/o Shri Prahlad Chandra Agarwal R/o. Motinagar, Lucknow.

(Transferee)

3. Above transferee.

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 83/8 constructed on plot No. 5 situated at Mohalla—Chitwapur (Ashok Nagar), P.S. Kaiserbagh, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 3555/80 and the sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 5-6-1980.

A.S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 23-1-1981.

#### FORM TUNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1981

Ref. No. G.I.R. No. A-88/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 3 (500 Sq. Yds.) situated at 213, Civil Lines, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barcilly on 14-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (b) facilitating the concealment of any income or of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any means of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shyam Kumari Tandon through Attorney Holder Smt. Chandi Rani Kapoor (Transferor)
- (2) Shri Avadh Behari Tandon

(Transferce)

(3) Above seller.

[Person(8) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hite service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression uesd herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3 (500 sq. yds.) situated at 213, Civil Lines, Bareilly and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G. No. 4244/12/80, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Bareilly on 14-7-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1981

Ref. No. G.I.R. No. D-38/Acq.—Whereas I, A.S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the liaconic-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6-A, Block No. R-1 situated at 35, Civil Lines, Rampur Garden, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 20-6-1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Smt. Prakash Wati Se tla through Attorney Holder, Shri Prithvi Raj

(Transferor)

(1) Deverdin Prakash
 (2) Prosecutification (Motor)
 Solve of this Regeneral Prakash

(Transferee)

3. Smt. Prakash Wati Seth

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaz tte or a period of 30 days from the serieve of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 6-A, Block No. R-1, situated at 35, Civil Lines, Rampur Garden, Bareilly, measuring 311-96 sq. yds. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4131, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 20-6-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

**D**ate: 10-2-1981

(1) Smt. Kamla Pandya

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT- 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Karuna Mohan

(2) Shri Ram Kumar Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th February 1981

Ref. No. G.I.R. No. K-97/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value \*xceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

A double storeyed house and land forming part of plot Nos. 84 and 85, measuring land 6688 · 5 sq. ft. situated at Faizabad Road, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Lucknow on 21-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

33-486GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

(3) Transferee and Tenants (1) Shri Vinod Kumar Chopra

[Person(s) in occupation of the Property]

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storeyed house and land forming part of Plot Nos. 84 and 85, measuring 6688 5 sq. ft. situated at Faizabad Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form No. 3961, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 21-6-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 10-2-1981

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

#### Lucknow, the 10th Fébruary 1981

Ref. No. G.I.R. No. S-200/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Building No. 35-Z-12 situated at Rampur Garden, Civil Lines, Bareilly.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 21-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the contealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shit. Raje Rani Verma
  - (2) Ku. Krishna Kumari Verma
  - (3) Ku. Shashi Bala Verma
  - (4) Ku. Sima Verma
  - (5) Ku. Madhu Verma

(Transferor)

(2) Shri Suraj Narain Kapoor

(Transferee)

(3) Smt. Raje Rani.

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A single sotreyed commercial building, No. 35-Z-12, situated at Rampur Garden, Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4400/1/81, which have been duly registered at the office of the Sub-Registrar, Bareilly on 21-7-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 10-2-1981

(1) Shri Bal Krishna Chaudhary

(Transferor)

(2) Smt. Tara Devi Tiwari

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

(3) Smt Tara Devi

(3) Smt. Tara Devi Tiwari

[Person(s) in occupation of the Property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th February 1981

Ref. No. G.I.R. No. T-22/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Building No. 508/59 situated at New Hyderabad, Lucknow. (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Lucknow on 5-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by many of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building No. 508/59, area 5200 sq. ft. situated at New Hyderahad, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3556/80 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 5-6-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-2-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th January 1981

Ref. No. 3669-A/Kanpur/80-81,—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule's tuated at as per Schedule

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 25-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Stanley De Noronha & Miss. Cherry De Noronha son & Daughter of M.A.J. De Noronha R/o 34, Kariappa Road, Cantonment, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Unus & Mohd. Suleman, Mohd. Usman, Mohd. Sultan and Smt. Mahboob Fatima all adult, sons and daughter of Sri Mohd. Adris, r/o 40/77 Parade, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House property bearing No. 78, situated at Cantonment, Kanpur, which was sold for Rs. 2,25,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACOUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th January 1981

Ref. No. 3659A/Kanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 21-10-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Suman Lal K. Mehta s/o Sri Kali Dass J. Mehta r/o 113/176/A, Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Kishore 5/0 Sri Ram Dass and Smt. Sudesh Kumari w/o Sri Kishan Kishore and Sri Sunil Kishore, Deepak Sharma S/o Sri Kishan Kishore Sharma r/o 113/176-A, Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 113/176-A, situated at Swaroop Nagar, Kanpur, which was sold for Rs. 2,81,001/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th January 1981

Ref. No. 3726-A/Kanpur/80-81.--Whereqs I, B,C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at a s per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raja Ram Srivastav s/o Sri Bhagwan Prasad Shashi Prabna w/o Sri Raja Ram r/o 75/109, Halsi Road, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Munni Devi w/o Sri Rakesh Kumar Gupta r/o 105/674, Deputy ka Parav, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 86/5, measuring 153 Sq. Yds., situated at Raipurwa Devnagar Deputy Parav, Kanpur, which was sold for Rs. 60,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 17-1-1981

#### FORM ITNB-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th January 1981

Ref. No. 3169-A/Kairana/80-81.---Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority ander Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 18-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Anil Kumar Garg S/o Lala Ram Dass r/o Shamll, Post: Khas Parg: Shamli, Teh: Kairana, Distt: Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Satya Pal Singh, Mangcram and Yashpal Singh (Balig), Manipal Singh S/o Balbir Singh, Vali and karkun Satya Pal Singh r/o Mauja; Bhaiswal Parg; Shamli, Teh: Kairana, Distt; Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquismon of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property measuring 256 Sq. Mtrs., situated at Kasba: Shamli, Mohalla: Dhimampura, Teh: Kairana, Distt: Muzaffarnagar, which was sold for Rs. 45,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th January 1981

Ref. No. 3081-A/Acq/Sikandrabad/80-81,—Whereas J, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule ituated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikandrabad on 11-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shiv Nandan Lal Bhatnagar, Virendra Kumar, Devki Nandan and Raj Kumar Bhatnagar s/o Jag Bandan Lal, R/o Meerut City.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Kumar S/o Lala Laxman Dass r/o Sikandrabad, in Mohalla: Kayasthwara, Distt: Bulandshahar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property situated at Sikandrabad in Mohalla: Kayasthwara, Distt: Bulandshahar, which was sold for Rs. 46,000/-

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981 Ref. No. 3118-A/Khurja/80-81- Whereas I, B.C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khurja on 3-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--34-486 GI/80

(1) Shri Dharmbir and Bhagwan Singh s/o Chhiddi Singh r/o Ahmedpur Chauroli, Post: Khas, Distt: Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Shri Netram s/o Sri Kalik Ram r/o Ahmedpur Chauroli Post: Khas, Distt: Bulandshahar.

(Tranferce)

7.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated in Village Ahmedpur Chauroli, Post: Khas, Distt: Bulandshahar, which was sold for Rs. 15,000/~

> B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR, Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 3092-A/Saharanpur/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 6-6-80

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ax, to the following persons, namely:—

 Shri Prem Kumar s/o Sri Indra Singh and Smt. Asha Rani w/o Sri Prem Kumar r/o Mohalla: Janakpuri, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Sardar Gopal Singh s/o Sardar Nrain Singh and Sardar Pritam Singh, Jagat Singh, Gurdeep Singh (Balig) and Balhar Singh, Hoshiyar Singh, Jagtar Singh (Nabalig) s/o Sardar Gopal Singh r/o Village: Sherkhawala, Post: Khas, Teh: & Distt. Firozfur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mea ing as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 24 Bigha and Bearing Khasra No. 119, situated at Village: Ratakheri, Parg: & Teh: & Distt: Saharanpur, which was sold for Rs. 1,10,000/-.

B.C. CHATU RVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-1-1981

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 3091-A/Saharanpur/80-81--Whereas I, B.C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saharanpur on 4-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:--

 Shri Mahendra Singh and Satpal Singh s/o Sri Tilakram r/o Nagal Ahir, Parg: Haroda, Teh: & Distt: Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Kulwant Singh, Jasbir Singh, Ranbir Singh, Kulvendra Singh, Darshan Singh and Dilbagh Singh S/o Sri Gurbux Singh r/o Nagal Ahir, Parg: Haroda, Teh: & Distt: Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 19 Bigha, bearing Khasra No. 126, situated at Nagal Ahir, Parg: Haroda, Teh: & Distt: Saharanpur, which was sold for Rs. 71,025/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-1981

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 3090-A/Saharanpur/80-81- Whereas I, B.C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 4-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tilka s/o Sri Radha Kishan r/o Nagal Ahir, Parg: Haroda, Teh: & Distt: Saharanpur.

(Transferor)

(2) Sardar Kulwant Singh, S. Jasbir Singh, S. Raghbir Singh, S. Kulvendra Sigh and S. Darshan Singh, S. Dilbagh Singh all s/o Sardar Gurbux Singh r/o Nagal Ahir, Parg: Haroda, Teh: & Distt. Saharanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 19 Bigha 7 Biswa and 3 Biswansi, bearing Khasra No. 127, situated at Nagal Ahir, Parg: Haroda, Ten: & Distt: Saharanpur, which was sold for for Rs. 72,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-1981

Scal:

#### FORM ITNS- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1981

Ref. No. 3102-A/Roorkee/80-81 Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

AS PER SCHEDULE and situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 9-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Bidushi Singh alias Bidoshi W/o Sri Vijai Singh, r/o Civil Lines Roorkee, Distt: Saharanpur.

(Trassferor)

(2) Sardar Gyan Singh S/o S. Sirya Singh, S. Kaka Singh S/o Sardar Sirya Singh, Sardar Mahendra Singh s/o Sardar Sirya Singh, S. Mahnia Singh S/o S. Ganga Singh r/o Vill: Khanpur Khurd, Post: Pedwal Teh: Rajpura, Distt: Patiala (Punjab)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 23 Bigha, 11 Biswas, situated in Village: Almaspur, Parg: & Teh: Roorkee, Distt: Saharanpur, which was sold for Rs. 60,759/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd January, 1981

Ref. No. 3123-A/Saharanpur/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE

situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 2-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Mohan Grover S/o Sri Ascharg Lal Grover r/o Adarsh Nagar Colony, Saharanpur
- (2) Shri Trisool Raber Industries,
  Idgah Road,
  Saharanpur through Smt. Prem Talwar W/o Sri
  Gurbachan Lal Talwar r/o 48, Jawahar Park,
  Colony, Behat Road, Saharanpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Ahata (Factory Shed) situated at Green Park: Idgah Road, Saharanpur, measuring 29577 Sq. Mtrs. which was sold for Rs. 70,000/:.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-1-1981

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd January, 1981

Ref. No. 1984-A/Dehradun/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE

situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Dehradun on 4-9-1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pyar Lal Sharma Son of Sri Dharma Singh R/o Village: Gorakhpur Shah nagar, Parg: Parwa Doon Distt: Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Zaibunisha Begum Wife of Sri Mohammad Dean r/o 55/3 E.C. Road, Dehradun.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of Land measuring 611 · 31 Sq. Yards, bearing No. 55 E.C. Road, Dehradun, which was sold for Rs. 40,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th December, 1980

Ref. No. 321/Acq/Hathras/80-81—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 4-6-1980

situoted as AS PFR SCHEDULE

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rishi Kumar S/o Madan Lal, Ram Kumar s/o Madan Lal sell and Mukhtar-Khas minjanib Dr. Shyam Sunder s/o Sri Madan Lal and Vinod Kumar S/o Sri Madan Lal, Vaishya Agarwal r/o Kila Dwar, Hathras, Distt: Aligarh.

(Transferors)

(2) Smt. Sushila Devi W/o Sri Sunder Lal Agarwal R/o Chhapeti, (Chhapeti) near Jain Mandir, Sasni Dwar, Hathras, Distt: Aligarh.

(Transfere e)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House property situated at Chhapeti near Jain Mandir. Sasni Dwar, Hathras, Distt: Aligarh, which was sold for Rs 33,333-34.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 11-12-1980

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th January, 1981

Ref. No. 309/Acq/Mat/80-81—Whereas I, B,C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. AS PER SCHEDULE situated as AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mat on 27-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concaelmen of tany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
35—486GI/80

 Shri Jwala Prasad S/o Sri Ram Narain, Yogendra Prasad, Triloki Nath and Lekhraj S/o Sri Dori Lal r/o Tarapur Khand Sihora, Post: Khas, Teh: Mat, Dist: Mathura.

(Transferors)

(2) Shri Mangi Lal, Ramani, Karua and Bhagwan Swaroop s/o Sri Kamala Singh r/o Sihora, Post: Khas, Teh: & Parg: Mat, Distt: Mathura.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated at Village: Sihora, Teh: Mat, Distt: Mathura, which was sold for Rs. 54,;000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 20-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th January, 1981

Ref. No. 3257-A/Kanpur/80-81-Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. AS PER SCHEDULE situated as AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 5-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the ecquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Smt. Jagrani Mehrotra w/o Late Shri Jugalkishore Mehrotra, Skri Krishan Mehrotra, Jai Krishna Mehrotra, Bad Krishna Mehrotra and Raj Kumar Mehrotra all s/o Late Shri Jugal Kishore Mehrotra r/o 15/265, Civil Lines, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Anjana Jain w/o Shrl Pawan Kumar Jain, Raj Bala Jain w/o Shri Pramod Kumar and Sangita Jain w/o Shri Vinod Kumar Jain r/o 45/93, Mool Ganj, Kanpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the gate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 33/132 (1/4 part), situated at Mool Ganj, Kanpur, which was sold for Rs. 75,000/-.

> B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 27-1-1981

Scal:

#### FORM NO. ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th January, 1981

Ref. No· 3593-A/Roorkee/80-81—Whereas J, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE

situated at as AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Roorkee on 14-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Birma Devi Widow of Kundan r/o Aurangjebpur, Parg: Bhagwanpur, Teh: Roorkee, Distt: Saharanpur.

  (Transferor)
  - .
- (2) Smt. Chandra Prabha w/o Dr. Rajkishore Goel and Smt. Kumkum Devi w/o Sri Brajkishore Goel r/o Biharigarh, Parg; Muzafarabad, Teh: & Distt; Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Khasra No. 197-A and 197-B, measuring total area 27 Bigha 8 Biswa, situated in Village: Aurangjebpur, Parg: Bhagwanpur, Teh; Roorkee, Distt: Saharanpur, which was sold for Rs. 74,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 13-1-81

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th January, 1981

Ref. No. 3586-A/Kanpur/80-81—Whereas, I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE

situated as AS PER SCHEDULF, (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Darapur on 30-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gangaram s/o Jawahar r/o Bahbalpur, Post: Mandemua, Teh: Darapur, Distt: Kanpur. (Transferor)
- (2) Smt. Resham Devi w/o Sri Nem Singh and Smt. Rajansri w/o Sri Kayam Singh r/o Dilalpur, at present r/o Bahbalpur, Parg: and Teh: Darapur, Distt: Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 64, situated in Bhidora and in Bahbalpura, Parg: & Teh: Darapur, Distt: Kanpur, which was sold for Rs. 70,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 17-1-1981

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th January, 1981

Rof. No. 3549-A/Saharanpur/80-81---Whereas I, B,C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakur on 10-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raj Bahadur s/o Sri Paras Ram r/o Purani Mandi, Saharanpur City.

(Transferor)

(2) Shri Briham Singh s/o Nathu Singh and Dharm Singh s/o Sri Ram Chandra r/o Hall Bidvi, Post: Alipura, Parg: Sarsava, Teh: Nakur, Distt: Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Khasra No. 393, 400, and 406, measuring total area 18-3-5, situated in Village: Bidvi, Parg: Sarsava, Teh: Nakur, Distt: Saharanpur, which was sold for Rs. 81,732/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 13-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th January, 1981

Ref. No. 3499-A/Muzaffarnagar/80-81---Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,090/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated: t AS FER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 23-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Baljit Singh s/o Sri Dharma r/o Village: Pindora Jahangirpur, Post: Khas, Parg: Jhinjhana, Distt: Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Madanpal Singh and Gulbir Singh s/o Sri Srichand, r/o Vill: Pindora Jahangirpur, Post: Khas, Parg: Jhinjhana, Distt: Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hte service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 1306, measuring 15 Bigha, 13 Biswa and 10 Biswansi, situated in Village: Pindora Jahangirpur, Post: Khas, Parg: Jhinjhana, Distt: Muzaffarnagar, which was sold for Rs. 84,645/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 9-1-1981

 Shri Krishan Lal Manga r/o 56, Ansari Marg, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ram Lila Bhola, w/o Shri Om Prakash Bhola, r/o 109-A, Lunia Mohalla, Dehradun.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd January, 1981

Rof. No. 1987 A/Dehradun/80-81—Whereas J, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 9-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House property bearing No. 55, measuring total area 178 18 Sq. Mts., situated at Ansari Marg, Dehradun, which was sold for Rs. 52,000/.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd January, 1981

Ref. No. 1896-A/Dehradun/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 23-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mohini Malhotra, w/o Brig. S.K. Malhotra, r/o A-48, Vasant Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Chawla W/o Sri Om Prakash Chawla, r/o 54, Rajpur Road, Dehradun.

(Tranfcr∞)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A Plot of land measuring 940 98 Sq. m. situated in Mouza Karanpur Khas, Parg: Pachhwadoon, Distt: Dehradun, at No. 76, Rajpur Road, Dehradun, which was sold for Rs. 43,750/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax'
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-1-1981

FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR Kanpur, the 3rd January, 1981

Ref. No. 1805-A/Dehradun/80-81—Whereas 1, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

#### No. AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dehradun on 5-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act. or th. Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36-486GJ/80

 Sri A. P. Singh s/o Late Kanwar Singh, r/o C-25, Sawai Jai Singh Highway Beni Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Mrs. Vcena Bakshi Wd/o Flt Lt Vidya Ratan Bakshi, 2. IC 27677P Capt. Rajkumar Manucha S/o Sri K.M. Manucha, r/o 6, Hardwar Road, Dehradun and Mrs. Sarala Manucha W/o Sri Krishna Murari Manucha, r/o Moti Bhawan Deokali, Faizabad (U. P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 6, measuring covered area 249 · 39 Sq. Mt. and open area 408 · 67, total area 758 · 06 Sq. Mt. (part of Eastern Portion) situated in Hardwar Road, Dehradun, which was sold for Rs. 60,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rango, Kanpur

Date: 3-1-1981

#### FORM I.T.N.S.—-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th January, 1981

Ref. No. 3568-A/Kanpur/80-81--Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Kanpur on 23-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Parmatama Prakash Gupta, Pradeep Kumar Gupta, Surondra Kumar, Gupta and Harlsh Kumar Gupta, r/o 107/505, Pandu Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Dr. Mrs. Daya Bhargava and Vaid Prakash Bhargava, r/o 15/263, Civil Lines, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 15/263, situated at Civil Lines, Kanpur, which was sold for Rs. 2,50,000/-.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 24-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,, KANPUR

Kanpur, the 3rd January, 1981

Ref. No. 3393-A/Dehradun/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 31-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramesh Narain Saklani s/o Pt. Hirdaya Narain Saklani r/o 9/14, Rameshwar Mohalla, Dohradun.
 (Transferor)

(2) Shri Ahmed Dean s/o Alla Deen r/o 55/3, E.C. Road, Dehradun. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 57 (Eastern Part), measuring 757:50 Sq. M., situated at E.C. Road, Dehradun, which was sold for Rs. 40,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-1-1981

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd January, 1981

Ref. No. 3395-A/Dchradun/80-81---Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 29-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Sushila Devi Saklani Widow of Late Sri Janardan Narain Saklani and Sri Bidur Narain Saklani and Sri Akhil Narain Saklani S/o Late Srl Janaradan Narain Sakla ni r/o 9/13, Rameshwar Mohalla, Dehradun. (Transferor)
- Smt. Zaibunisha W/o Sri Mohammad Deen, r/o 55/3, E.C. Road, Dohradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Au Open Plot bearing No. 57, measuring 757:50 Sq. Mtrs. situated at E.C. Road, Dehradun, which as sold for Rs. 40,000/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-1-1981

Scal:

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Mohini Mehrotra W/o Sri S.K. Mehrotra r/o A-48, Vasant Marg, Vasant Bihar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

(2) Shri Inder Parkash Chawla S/o Sri Ishwar Dass Chawla r/o 54, Rajpur Road, Dehradun, (Tranferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd January, 1981

Ref. No. 1897-A/Dehradun/80-81—Whereas i, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 23-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Municipal No. 76, measuring 940 98 Sq. m. situated in Mouza Karanpur Khas, Parg: Pachhwadoon, Distt: Dehradun near Rajpur Road, Dehradun, which was sold for Rs. 43,750/-.

B.C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ton,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 3-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, F

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th January, 1981

Ref. No. 3283-A/Khurja/80-81—Whereas I, B,C. CHATURVED1

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurja on 21-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noticed under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ninnami Singh s/o Sri Saheb Singh r/o Keoli Khurd, Post: and Teh: Khurja, Distt: Bulandshahar,

(Transferor)

(2) Shri Jaipal Singh and Sripal Singh s/o Sri Raghubar Singh, r/o Kasumi and Rajwati Devi W/o Sri Netrapal Singh r/o Kapna, Parg: Jewar, Post: Soi, Teh: Khurja, Distt: Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 482, 576 and 579, squated in Villago: Keoli Khurd, Parg: and Teh: Khurja, Distt: Bulandshahar, which was sold for Rs. 65,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 9-1-81

Form 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ANDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th January, 1981

Ref. No. 3103-A/Roorkee/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

#### AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Roorkec on 16-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Asha Kumari Widow of Late Sri D. I. Saiman r/o Mohalla: Maktoolpuri Roorkee, Parg: & Teh: Roorkee, Distt: Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Ajai Jain, Anand Jain and Hani Jain (Nabaligan) s/o Sri Gyan Prakash & Bilayat Gyan Prakash r/o Civil Lines, Roorkee, Parg: & Tch: Roorkee, Distt: Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property cum Ahata (in double story) bearing Nagar Palika No. 84, situated in Maktoolpuri, Kasba: Roorkee, Parg: & Teh: Roorkee, Distt: Saharanpur, which was sold for Rs. 45,000/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 28-1-1981

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th January 1981

Ref. No. 3288-A/Roorkee/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 19-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surendra Kumar S/o Late Shri Hari Chand Kohali R/o H. No. 260, Chau Mandi Roorkee, Present Address: H. Q. 13 B.R.T.F. C/o 56 A.P.O. (Field).

(Transferor)

(2) Smt. Manorama Goswami W/o Sri Beni Giri Goswami, R/o Toda Kalyanpur, Parg. & Tch: Roorkee, Distt. Saharanpur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property cum Ahata (Single story) bearing internal No. 260, 260 (1) and 260(2), register House Tax Nagarpalika, Roorkee, situated in Chau Mandi Roorkee, Distt; Saharanpur, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 28-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January, 1981

Ref. No. 422/Acq/Mawana/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana on 15-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: — 37—486GI/80

- (1) Shri Ishtyaq Khan, Ashfaq Khan and Farookh Khan s/o Abdul Amin Khan r/o Sathla, Parg: Hasinapur Teh: Mawana, Distt: Meerut.
  - (Transferor)
- (2) Shri Richpal, Dharm Pal and Jaipal s/o Sri Rajaram r/o Village: Agwanpur, Post: Khas, Parg: Kitahaur, Tch: Mawana, Distt: Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated in Vill: Agwanpur, Parg: Kithaur, Teh: Mawana: Distt: Meerut, which was sold for Rs. 72,500/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January, 1981

Ref. No. 374-B/Acq/Ghaziabad/80-81---Whereas I, B, C, CHATURVEDJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income\_tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908), in the office of the Registering Officer Ghaziabad on 10-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Malti Gupta w/o Vijai Kumar Gupta r/o IInd-A 87, Nehru Nagar, Ghaziabad, Parg: Loni, Teh: & Distt: Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi w/o Sri Brij Pal Bansal and Smt. Shanti Devi w/o Richh Pal Bansal and Smt. Raj Kumari Devi w/o Om Prakash Bansal r/o Mandi Shyam Nagar Railway Station Dankaur, Distt: Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property (Kothi) bearing No. IInd-A/87, Block-A, Sector 2nd, situated at Nehru Nagar, Ghaziabad, which was sold for Rs. 1,80,000/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd Janury, 1981

Ref. No. 362-A/Acq/Mawana/80-81--Whereas 1 B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mawana on 21-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Raghubansh s/o Shyam Lal r/o Maggali Abdull, Post: Madhura, Parg: Kithaur, Teh: Mawana Dist Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Narain Kaur w/o Sri Ranbir Singh, Smt. Urmila w/o Maharaj Singh r/o Solipa, Post: Madhura, Parg: Kithaur, Teh: Mawana, Distt: Mecrut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hite service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 467, measuring 8 Bigha, 7 Biswa, 10 Biswansi, situated in Vill: Kasampur, Parg: Kithaur, Teh: Mawana, Distt: Meerut, which was sold for Rs. 96,312/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inxome-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

Scal :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 319/Acq/Firozabad/80-81.—Whereas 1, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Firozabad on 9-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishna Chandra Gupta s/o Surya Narain and Nand Kishore s/o Sri Krishna Chandra Gupta r/o Jalesar Road, Firozabad, Distt: Agra.

  (Transferor)
- (2) Smt. Asha Rani Agarwal w/o Sri Shiv Prakash Agarwal and Krishna Agarwal w/o Mahendra Prakash, Smt. Suman Agarwal w/o Sri Surendra Prakash Agarwal and Atilesh Kumar s/o Sri Sri Prakash and Sandeep (Nabalig) s/o Sri Sri Prakash and Bilayat Mother: Meera Devi r/o Neem Chowraha, Firozabad, Distt: Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A Firm named "Mathur Glass Works" situated at Kasba: Firozabad, Distt: Agra, which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 404/Acq/Agra/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding: Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 15-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Parbati Devi w/o Sri Radha Mohan Agarwal r/o Nala (Nala Budhan) Saiyad, Bagh Muzaffar Khan, Agra.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi D/o Sri Ram Singh r/o Mauja: Benai, Post: Mahawatpur, Distt: Agra, Ch. Ghan Shyam Singh (Nabalig) s/o Arjun Singh, Guardian Father self r/o Pratap Nagar, Mathura.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A Land Property bearing Khasra No. 265, measuring 970 Sq. Mtrs. situated at Mauja: Surjepur, Parg: and Distr: Agra, which was sold for Rs. 46,404/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 339/Acq/Etah/80-81.—Whereas 1, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Etah on 20-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jwala Prasad s/o Sri Sunder Singh r/o Shanti Nagar, Parg: Etah Sakit, Distt: Etah . (Transferor)
- (2) Shri Param Prakash s/o Sri Shyam Bihari Lal, Krishna Murari s/o Sri Baboo Ram, Harnam s/o Sri Laxmi Narain and Lakhan Lal s/o Sri Hublal r/o Nagla Khager, Parg: Etah Sakit, Distt: Etah. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property measuring 57' × 90' ft., situated in Shanti Nagar, Etah, which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January, 1981

Ref. No. 305/Acq/Etawah/80-81---Whereas I, B.C. CHATURVED1

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Etawah on 13-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sharda Prasad s/o Sri Baldeo Prasad Paliwal r/o Mauja: Rosanjpur, Post: Khas. Parg: Auraiya, Distt: Etawah.

(Transferor)

(2) Shri Budh Singh, Ajab Singh, Chhote Singh and Lallu Singh s/o Sri Ram Charan Singh r/o Mauja: Bakatpur, Post: Nigda, Smt. Krishan Devi w/o Sri Puttu Lal r/o Mauja: Antaul and Smt. Pani Devi w/o Sri Mahesh Chandra r/o Mauja: Antaul and Smt. Munni Devi w/o Lallu Singh and Manni Singh s/o Niranjan Singh r/o Mauja: Antaul, Parg: Auraiya Distt: Etawah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated in Mauja: Antaul, Parg: Auraiya, Dist: Etawah, which was sold for Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

#### FORM NO. TING

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 4961)

GOVERNMENT OF THOIR

### TAX ACT, 1961 (43 of 4961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR Kanpur, the 22nd January, 1981

Ref. No. 329/Acq/Aligarh/80-81—Whoreas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Aligarh on 20-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the stansferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Navcon Chandra Dube s/o Sri Amba Lal Dube, r/o Shahpara, Aligarh.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Chandra, Mukesh Chandra and Rakesh Chandra, s/o Shri Suresh Chandra r/o Shahpara, Aligarh.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property (Building), situated at Shahpara, Aligarh which was sold for Rs, 1,20,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR Kanpur, the 22nd January, 1981

Ref. No. 575/Acq/Ghaziabad/80-81—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 17-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):—

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:

38—486GI/80

 S'iri Raghubar Dayal s/o Lala Bhaggu Mal r/o H. No. 13-A, Shiv Shaukerpuri, Delhi Gate, Meerut City.

(Transferor)

(2) Agarwal Traders Muradnagar, Partner of Firm; Sri Ram Gopal, Sukhbir s/o Kishan Lal, Smt. Manju w/o Sri Suraj Bhan, Smt. Sushma w/o Sri sant Kumar Ajai Kumar s/o Sukhbir, r/o Murad Nagar, Partner o above Firm r/o Muradnagar, Parg: Jalalabad, Teh: & Distt; Ghaziabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 45, measuring 2807 Sq. Yards, siutated in Village: Sarna Muradnagar, Teh: & Distt: Ghaziabad, which was sold for Rs. 1,01,000/-.

B. C. CHATUR VEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 417/Acq/Meerut/80-81—Whereas I, B. C. CHATURVED!

being the Competent Authority under Section 269-B of the Jucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, haiving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Jo. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardhana on 17-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chhajjan s/o Sri Khacheru r/o Tanda, Par Daurala, Teh: Sardhana, Distt: Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Dharm Pal Singh s/o Sri Hari Singh r/o Vill: Sanauti, Parg: Daurala, Teh: Sardhana, Distt: Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated in Village: Randa or Tanda, Parg: Daurala Teh: Sardhana, Distt: Meerut, which was sold for Rs. 10,00,000/-.

B. C. CHATURVED!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 514/Acq./Ghaziabad/80-81—Whereas I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 17-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. Srikant s/o Sri R. Krishnan r/o J-39, Patel Nagar, Sector-7, Ghaziabad.

(Transferor

(2) Smt. Shanta Rani W/o Sri Keshav Ram Deshmukh r/o 124/A, Chandrapuri, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property (Quarter) bearing No. 39, measuring 139 Sq. Mt., situated in Sector-7, Patel Nagar First, Ghaziabad which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

#### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January, 1981

Re . No. 452/Acq/Agra/80-81—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 26-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Khushal Mal alias Khushal Dass s/o Sri Bachumul r/o Rui Mandi Shahgani, Agra.

(Transferor,

(2) Shri Gyan Chandra s/o Sri Harnam Dass r/o Achhnera Teh.: Kirawali, Distt: Agra.

(Tansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storied House Property bearing No. 3/65, situated at Rui Mandi, Shahganj, Agra, which was sold or Rs. 80,500/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

#### FORM LT.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Lal Chand Sharma s/o Sri Milki Ram and Kr. Prom Lata Sharma D/o Sri Lal Chand Sharma r/o Krishnapuri, Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Bramh Prakash Gautam s/o Sri Sunhari Lal r/o Village: Mahrara, Post: Khas, Teh: Sadabad, Distt: Mathura.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January, 1981

Ref. No. 340/Acq./Mathura/80-81—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the scheduled annexed horeto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 3-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 1811, measuring 509 Sq. Mts situated in Krishnapuri, Mathura, which was sold for Rs. 60,000/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January, 1981

Ref. No. 324/Acq/Aligarh/80-81—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 15-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Suraj Pal Singh Chauhan s/o Late Dr. Balbir Singh r/o Vishnupuri, Aligarh.

(Transferor)

(2) Shri Hari Nandan Aggrawal s/o Late Sri Kishan Lal Agarwal r/o G T Road, Aligarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property situated at Vishnupuri, Aligath which was sold for Rs, 1,50,000/-

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 322/Acq./Hathras/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hathras on 13-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kali Charan s/o Sri Prasad r/o Nagla Nai,

(1) Hathras, Distt. Aligarh.

(Transferor)

(2) Shri Ram Gopal S/o Laxmi Narain r/o Nazihai Bazar, Hathras, Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A open land Property situated in Nagla 2Jodha, Teh. Hathras, Distt: Aligarh, which was sold for Rs. 41,125/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

(1) Shri Natthi Lal s/o Sri Ram Prasad r/o Nagla Patti, Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Gyan Chandra Jain s/o Sri Phool Chandra Jain r/o Nagla Paddi, Agra. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Kanpur, the 22nd January 1981

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 400/Acq./Agra/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
- as per Schedule shuated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agra, on 9-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income writing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

It is a case of Land measuring 895 Sq. Mts., bearing No. 333 & 329, situated in Nagla Padi, Teh. & Distt. Agra, which was sold for Rs. 13,500/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-1-1981

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAY,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 316/Acq./Lalitpur/80-81---Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lalitpur on 3-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—486GI/80

(1) Shri Chintamani Jain s/o Sri Nanhe Lal Jain r/o Lalitpur, Mohalla: Tapkhpura, Post, and Distf. Lalitpur.

(Transferor)

(2) Shri Adhishasi Abhiyanta Mahodaya, A. Nirman Sakha U. P. Jal Nigam, Lalitpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land property bearing No. 2414, measuring 2600 Sq. Mtrs., situated in Vill. Gandhi Nagar, New Basti, Lalitpur, which was sold for Rs. 69,850/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

 Shri Ganga Deen s/o Shiv Dayal r/o Sahibabad, Majara: Pipargao, Parg. Mohamdabad, Distt. Farrukhabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sukh Devi w/o Fakir Singh r/o Mohalla: Bazaria Zafarkhan, Distt: Farrukhabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 478/Acq./Farrukhabad/80-81---Whereas I, B,C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beareing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Farrukhabad on 11-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 2-64 acre, situated in Gram & Mauja: Agarpur, Farrukhabad, which was sold for Rs, 10,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 307/Acq/Iglas/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'kaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Iglas on 6-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ganga Prasad s/o Sri Ram Singh r/o Garg Sauli, Teh. Sadabad, Distt. Mathura.
  - (Transferor)
- (2) Shri Ramesh Chand and Brijmohan s/o Smt. Baikunthi Devi w/o Sri Ram Charan r/o Navonagar, Parg. Gorai, Teh: Iglas, Distt. Aligarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 14 Bigha 8 Biswa and 10 Biswansi, situated in Mauja Nayagarh, Parg: Gorai, Teh. Iglas, Distt. Aligarh, which was sold for Rs. 57,000/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 402/Acq/Agra/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

at Agra on 10-6-1980

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Naresh Pratap Singh s/o Late Thakur B Singh r/o 1/115, Kothi Lake, New Delhi Gate, Gulab Rai Marg, Agra. (Transferor)
- (2) Dr. Pratap Narain Agarwal s/o Sri Ram Narain Agarwal r/o 21, Nehru Nagar, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Urban Property bearing No. 1/115 & 1/115/1, situated at Gulab Rai, Marg, Agra, which was sold for Rs. 71,520/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

 Shri Ishwar Deo and Pooranmal s/o Sri Hulasiram r/o Balkeshwar, Agra.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Raju Agarwal s/o Sri S.N. Agarwal r/o Vijai Nagar, Colony, Agra.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

#### KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 451/Acq/Agra/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully, described in the Schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Agra on 26-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

A Land Property measuring 1000 Sq. Yards, bearing Khasra No. 890, situated at Mauja: Ghatwasan, Teh. & Distt. Agra, which was sold for Rs. 25,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

#### FORM NO. I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 317/Acq/Atrauli/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Atrauli on 15-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Basdeo s/o Sri Badri r/o Muria Khera, Majara: Chitkura, Parg. Gangiri, Teh. Atrauli, Distt. Aligarh. (Transferor)
- (2) Shri Bachan Singh and Ranchhor Singh s/o Sri Hoti Lal r/o Village Muria Khera, Parg. Gangiri, Teh. Atrauli, Distt. Aligarh and Sri Jamuna Prasad s/o Sri Rai Singh r/o Mauja, Khushipur, Parg: Gangiri, Teh. Atrauli, Distt: Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Khasra No. 179, measuring 12 Bigha, 9 Biswa, 5 Biswansi, situated in Mauja. Chitkura, Parg. Gangiri, Teh. Atrauli, Distt: Aligarh, which was sold for Rs. 25,000/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January, 1981

Ref. No. 331/Acq/Aligarh/80-81---Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Aligarh on 26-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Swaroop and Ved Ram s/o Sri Kundan Lal r/o Village Sitapur, Post: & Teh: Iglas, Distt: Aligarh.

(Transferer)

(2) Shri Shyam Baboo and Manohar Lal s/o Chheda Lal r/o Village: Pinauli or Minauli, Teh: Sikandararau, Distt: Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 19/134, measuring 173.88 Sq. Mtrs., situated in Mohalla: Gandhi Nagar, Aligarh, which was sold for Rs. 48,000/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January, 1981

Ref. No. 313/Acq/Shikohabad/80-81---Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE and situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikohabad on 7-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Krishna Maheshwari s/o Sri Gaya Prasad Maheshwari, Ramesh Chand Maheshwari, s/o Sri Kailash Chand Maheshwari r/o Bazar Kalan Nagar, Sikohabad, Distt; Mainpuri.

(Transferors)

(2) Shri Sri Ram Jain s/o Sewa Ram, Ram Prakash and Kailash Chand s/o Sri Ram Jain, Smt. Shanti Devi w/o Ram Prakash Jain, Smt. Sunderi Devi w/o Sri Kailash Chand Jain r/o Mandi Gandhi Chowk, Kasba: Sirsa Ganj, Teh: Sikohabad, Distt: Mainpuri.

(Transferees)

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storied House Property bearing No. 27, situated in Mandi Gandhi Chowk, Kasba: Sirsaganj, Teh: Sikohabad, Distt: Mainpuri, which was sold for Rs. 49,500/-.

B.C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January, 1981

Ref. No. 341/Acq/Mathura/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE and situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 15-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—486GI/80

 Shri Radha Charan Singh s/o Sri Koocha Singh r/o Badana, Teh: & Distt: Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar and Pramod Kumar s/o Sri Bal Mukund r/o Dampier Nagar, Mathura.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property situated at Seth Bagh Tilfaha, Mathura, which was sold for Rs. 46,000/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Runge, Kanpur.

Date: 22-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January, 1981

Ref. No. 441/Acq/Ghaziabad/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE and situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 30-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri J.V. Rao s/o late Shri J.L.N. Rao, r/o DII/34, Shahjahan Road, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Jal Rani w/o Shri Jugal Kishore Agarwal, r/o M-I Patel Marg, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property (Quarter) bearing No. J-66, situated in Patel Nagar, Ghaziabad, which was sold for Rs. 70,000/-.

B.C. CHA TURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 343/Acq/Mathura/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVED1

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Shedule situated: t as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura on 6-6-80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhagwan Daiyee alias Bhagwan Devi w/o Sri Ganga Prasad r/o Arjunpura, Mathura.

(Transferor)

(2) Smt. Fatma Begum w/o Abdul Mazid, Abdul Mazid s/o Hamid Khan and Smt. Batoolab Begum w/o Rai suddin, Raisuddin s/o Sakoor Khan r)o Mathia Dar waja, Mathura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A Double storeyed House Property, situated in Gali Patiram Madi Ram Dass, Mathura, which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACOUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Rcf. No. 448/Acq/Meerut/80-81,—Whereas I, B. C. CHATURVED1

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Meerut on 26-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Mahabir Bhushan Goel s/o Sri Pooran Mal r/o Mohalla: Raijadgan Bahaisiat Karta, H.U.F. and Anil Kumar Goel s/o Dr. Mahabir Bhushan Goel r/o Raijadgan, Mecrut, Mukhtaram Minjanib Sri Mahendra Bhushan Goel, Khagendra Bhushan, Chandra Bhushan Goel and Rakesh Bhushan Goel r/o Raijadgan, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Nizamuddin Ansari, Advocate s/o Sri Bundu Ansari, r/o Azad Road, Gola Kuan, Meerut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A Part of House Property, bearing Building No. 62, "Maroof Madho Bhawan" present No. 18, situated in Azad Road, Meerut, which was sold for Rs. 77,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 438/Acq/Ghaziabad/80-81.—Whereas 1, B. C. CHATURVED1

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ghaziabad on 18-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ram Makan s/o Sri Banshi Lal r/o 265, Gandhi Nagar, Ghaziabad, Parg: Loni, Teh: & Distt: Ghaziabad. (Transforor)
- (2) Shri Baljit Singh Singhal s/o Mool Chand r/o 99, New Gandhi Nagar, Ghaziabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property (a single storey Kothi) bearing Nagar Palika No. 265, measuring 200 13 Sq. Yards, situated in Gandhi Nagar, Ghaziabad, which was said for Rs. 76,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

Seal 1

(1)

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Iqbal Singh, Surondra Pal Singh and Vijendra Pal

Daya Ram s/o Harbansh r/o Sankalputthi,

Tch: Baghpat, Distt: Mcerut.

(Transferor)

Singh s/o Shri Malkhan Singh 1/3 portion and Harpal Singh, Gangabal s/o Kishan Lal 1/3 Portion and Shri Srichand s/o Sri Surat Singh 1/3 portion r/o Sankalputthi, Parg: & Teh: Baghpat, Distt: Meerut.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 407-B/Acq/Baghpat)80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baghpat on 9-6-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land situated in Village: Sank lputthi, Parg: & Teh: Baghpat, Distt: Meerut, which was sold for Rs. 1,35,000/-.

> B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Rcf. No. 411-B/Hapur/80-81—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing.

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hapur on 20-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Kamlawati w/o Sri Kanti Saran r/o Faridnagar Parg: Jalalabad, Teh: Hapur, Distt: Ghaziabad.
   (Transferor)
- (2) Shri Baboo and Mohd. Unus s/o Sri Hazi Mohd. Shafi, Ahmed Hassan alias Gullu s/o Sri Mohd. Rafi and Smt. Anwari Begum w/o Sri Ahmed Hassan alias Gullu r/o Faridnagar, Parg: Jalalabad, Teh: Hapr, Distt: Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Khasra No. 564, measuring 14 Bigha 13 Biswa 6 2/3 Biswansi and yearly revenue for Rs. 183 00, situated in Vill: Ishaqnagar, Parg: Jalalabad, Toh: Hapur, Distt: Ghaziabad, which was sold for Rs. 99,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kaupur.

Date: 22-1-1981

Scal:

(1) Smt. Shanta Rani alias Shanti Rani w/o Sri Keshav Ram Deshmukh alias Keshav Lal r/o 111, Chandrapuri, Ghaziabad, Distt: Ghaziabad.

(Transferor)

 Smt. Vimla Devi w/o Sri Jai Prakash r/o Gah Khajanchi-Wali, Mohalla: Sohanlal Delhi Gate, Ghaziabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 443-B/Ghazlabad/80-81—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ghaziabad on 30-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 111, situated in Chandrapuri, Ghaziabad, which was sold for Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

#### FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 376-B/Ghaziabad/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 11-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—486GI/80

- (1) Shri Swatantra Kumar s/o Late Sri Seth Jai Prakash r/o Ahata Delhi Iron & Steel Company Ltd., G. T, Road, Ghaziabad, President of Viddya Kendia Ghaziabad. (Transferor)
  - (2) Smt. Shashi Bala Devi w/o Sri Brahm Shanker and Smt. Usha Rani w/o Sri Gopi Krishna Agarwal r/o Alamgiri Ganj, Bareili.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A Single storeyed house (Kothi) property bearing Nagar Palika No. 333, measuring 3844 10 Sq. Yards, situated in Daulatpura, Ghaziabad, which was sold for Rs. 1,30,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-1-1981

#### FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd January 1981

Ref. No. 375-B/Ghaziabad/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

No. as per Schedule situated at as per Schedule

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 10-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Mahalaxmi Land & Finance Co. (P) Ltd., 8-B, Jindal Trust Building Asaf Ali Road, New Delhi through General Attorney Sri Ashok Kumar Chhabra s/o Sri Desh Raj Chhabra r/o 1 Ring Road, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chitra Devi w/o Late Sri Phool Singh r/o Village: Abdullapur, Meerut, Distt: Meerut through General Attorney Sri Ram Saran s/o Sri Ganga Sharan r/o Raunakpura, Railway Road, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 3rd-B/49, measuring 270 ·06 Sq. Yds., cituated in Block-B, Nohru Nagar, Ghaziabad and other property (Plot) bearing No. 49(A), measuring 326 ·94 Sq. Yds. situated in Freehold Colony Ashok Nagar, Ghaziabad, which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR Kanpur, the 29th January 1981

Ref. No. 3265-A/Kanpur/80-81—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 9-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sessets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gayatri Devi & Smt. Madhuri Devi r/o 30/91, Maheshwari Mohal, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Lal Chandram Jaiswal, Radhey Shyam Jaiswal r/o 31/6, Ghumani Mohal and Sri Baboo Lal r/o 29/43-A, Ghumani Mohal, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 29/43-A, situated in Ghumani Mohal, Kanpur, which was sold for Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 29-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st January 1981

Ref. No. 3156-A/Dehradun/80-81—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 9-6-80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Beant Singh Pradhan s/o Sri Bulaka Singh Pradhan r/o 153, Rajpur Road, Dehradun and Miss Norma Dorothy Louise Stone D/o George Roden Stone r/o 152, Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Vidya Mandir Society Regd. Astlay Hall Dehradun through its Secretary Sri K. L. Khanna.

(Tanaferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A Land Property, bearing Khasra No. 383/4, Area 1 21 Acre or 4779 Sq. Mts., situated in Dehradun, which was sold for Rs. 3,25,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dato: 31-1-1981

Scal :

#### PORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st January 1981

Ref. No. 3137-A/Khurja/80-81—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule ann

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurja on 20-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Narendra Pal and Jitendra Pal Chauhan s/o Sri Karan Singh r/o Mohalla: Makhdumganj, Parg: & Teh: Khurja, Distt: Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Smt. Vimala Agarwal w/o Sri Ramesh Chandra Agarwal, r/o Mauja: Til Mandeshwar, Parg: & Tch: Khurja, Distt: Bulandshahar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A Single storeyed House Property, measuring 353 8 Sq. Yds., situated in Madhook Mangal, Teh: Khurja, Distt: Bulandshahar, which was sold for Rs. 49,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-1-1981 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACCUISITION RANGE, KANFUR

Kanpur, the 31st January 1981

Ref. No. 317-A/Muzaffarnagar/80-81---Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 7-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pushpa Devi w/o Sri Ishwar Chandra r/o Ambala Chhawni. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Mool Chandra Family Trust, Muzaffarnagar through Mool Chandra s/o pMoti Ram r/o Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A House Property (Ahata), situated in Muzaffaruagar, which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th February 1981

Ref. No. 384/Acq/Ghaziabad/80-81---Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. AS PER SCHEDULE and situated at as per schedule (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 17-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tex under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seads which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sharan Jit Singh s/o Sardar Santa Singh r/o 369, Purwa-Ismilekhan Ramnagar, Ghaziabad, present resident of 8-A, Ashok Nagar, Ghaziabad and Mukhtar-am minjahib Sri Kuldeep Singh s/o Sardar Santa Singh r/o 22/21, Libbi R.D. Band Ford, H.T.S.
  (Transferors)
- (2) Shri Narendra Kumar s/o Sri Hardwari Lal and Smt. Lata Rani w/o Sri Narendra Kumar r/o 390, Ram Nagar, Ghaziabad.

  (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by tany of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

A Single storied House Property bearing Old No 268/M, New No. 369, area measuring 200 Sq. Yards, situated in Purwa Ismile Khan, Ram Nagar, Ghaziabad, which was sold for Rs. 46,000/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th February 1981

Ref. No. 415/Acq/B/Dadri/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. AS PER SCHEDULE and situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 17-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Padam Chand s/o Munna Lal r/o H/7-A, Hoz Khas, New Delhi and Indra Narain s/o Sri Roop Narain r/o A-16, Green Park, New Delhi. (Transferors)
- (2) M/s Tin Manufacturing Co. of India, 95 Rajendra Nagar Industrial Estate G.T. Road, Sahibabad, Mohan Nagar, Inspector Satya Prakash through Sri Ravi Goel s/o Satya Prakash Goel r/o 4141, Naya Bazar, Delhi. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Factory Building boaring Nagar Palika, No. 66, situated in Rajendra Nagar Industrial Estate Colony, G.T. Road, Sahibabad, Ghaziabad, which was sold for Rs. 2,00,000/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-2-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th February 1981

Ref. No. 393-B/Hapur/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 3-6-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

42-486GI/80

 Smt. Ancho Devi w/o Sri Girdhari Lalji Agarwal r/o Kasba: Hapur, Mohalla: Khirki Bazar, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Hapur Khandsari Udyog, Hapur, Distt. Ghaziabad through Sri Kailash Chand s/o Lala Faquir Chand Ji r/o Begum Bagh, Meerut City, partner of above Firm.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Agricultural Land with building bearing Chak No. 35, measuring 2 Bigha 6 Biswansi, situated in Vill. Asora, Parg. & Teh. Hapur and Other Land bearing Khata No. 3, measuring 2 Bigha, 11 Biswa, situated in Vill. Chamari, Parg. & Teh. Hapur, Distt. Ghaziabad, which was sold for Rs. 2,50,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-2-1981

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th February, 1981

Ref. No. 3207-A/Kanpur/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVED1

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE and situated at AT PER SCHEDLE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kanpur on 3-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Usha Agarwal w/o Sri Vijai Kumar Agarwal r/o 113/118, Swaroop Nagar, Kanpur, Sri Vijai Kumar Agarwal s/o Sri Sunder Lal Agarwal, Sri Alok Agarwal and Sri Ajai Agarwal s/o Sri Vijail Kumar Agarwal r/o 113/118, Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferors)

(2) Dr. Brij Manohar Dass Varma s/o Sri A.N. Varma and Smt. Prem Varma w/o Dr. Brij Manohar Varma and Chandra Mohan Varma s/o Dr. Brij Manohar Dass Varma r/o R-3, Medical College Compound, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 431/92, Block-H, area measuring 426 Sq. Yds., situated in Kaka Deo Scheme No. 1, Kanpur, which was sold for Rs. 58,000/-.

B.C. CHATURVEDI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-2-1981

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th February 1981

Ref. No. 3450-A/Hardwar/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. AS PER SCHEDULE and situated at as per selective (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 1-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 President, Shiksha Arogya Samiti Shrawannath Math, Hardwar through Sri Mahant Roop Ciriji, President above Samiti.

(Transferors)

(2) Bhaskar Nirbhaya Shyam Samiti, Hardwar through Swami Shyam Sunder Dass Shish yo of Swami Nirbhaya Nathji r/o 100, Railw Road Hardwar, Distt: Saharanpur.

(Tran sferees

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

An Open Land Area measuring 2500 Sq. I-t., situated in Niranjani Akhara, Road, Shrawannath Nagar, Hardwar, which was sold for Rs. 68,125/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-2-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1691 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th February, 1981

Ref. No. 3237-A/Kanpur/80-81--- Whereas I,

B.C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE and situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) nas been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kanpur on 31-6-1980

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

- (1) Smt. Rani Agarwal w/o Sri Vijai Kumar Agarwal, bahaisiat Mothers and Kudarti valia Sri Ritesh Kumar and Harish Kumar (Nabaligan) s/o Sri Vijai Kumar Agarwal 15/29-B, Church Compound, Parade Civil  $Agarwal_15/29-B$ , Lines, Kanpur. (Transferors)
- (2) Shri Shyam Charan Yadav s/o Sri Gobardhan Lal Yadav r/o Village: Lakhani, Teh: Bindaki, Distt: Fatchpur, at present r/o 22/2, Chatai Mohal, Kanpur. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A Single storied House Property bearing No. 15/29-B, situated in Methodist Church Compound, Parade, Civil Lines, Kanpur, which was sold for Rs. 80,000/-.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th February, 1981

Ref. No. 3167-A/Muzaffarnagar/80-81.~ Whereas 1, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ard hearing

AS PER SCHEDULE and situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 27-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market vauel of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or 'evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shiv Datt Sharma s/o Sri Jagan Singh r/o 309, Nasirpur, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Dr. Km. Sushma D/o Late Sri Diwan Chandra r/o 90, Dwarkapuri, Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 90, situated in Dwarkapuri, Muzaffarnagar, measuring 277-1/3 Sq. Yds., which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th February, 1981

Ref. No. 1946-A/Dehradun/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Dehradun on June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income: or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mulak Raj Khatri r/o 1/15/5, Prem Nagar, Dehradun, at present: 131-A, Gandhi Nagar, Jammu.

(Transferor)

(2) Dr. Sudhir Kumar Gupta, s/o Sri Ram Prasad r/o 30, Arhat Bazar, Dohradun.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A Land properly with Building (all constructed area) measuring 177-7/9 Sq. Yards bearing No. 43, situated in Tagorc Villa, Chakrata Road, Dehradun, which was sold for Rs. 1,25,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANUR

Kanpur, the 2nd February, 1981

Ref. No. TR No. 1133/Acq./Agra/80-81.--Whereas I, B, C, CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 7-7-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sont. Dola Sohravji w/o Sri Minu Sohravji r/o 8, Agra Clerk, Agra, self and Mukhtar-am Gulshan Badia, daughter self.

(Transferor)

(2) Shri Alok Mukerjee s/o Sri A. K. Mukerjee 7/0 172, Hasjigs, Road, Agra.

(Transfere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Open Land cum Plot Area measuring 498 Sq. Mtrs. (579 Sq. Yards), bearing Plot No. 934, situated at Basai, Teh. & Distt. Agra, which was sold for Rs. 37,312.50.

B. C. CHATURVED<sup>1</sup>,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 2-2-1981

#### FORM I.T.N S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1981

Ref. No. 424/Acq./Moerut/80-81. -Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHE-

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 11-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Saran Dass Singh s/o Sri Prithbi Singh r/o Soti Ganj, Meerut City and Smt. Bhagwan Dei w/o Sri Prithbi Singh, r/o Soti Ganj, Meerut.

(Transfer or

 Smt. Rajbala w/o Chowdhari Dharm Pal Singh r/o Village Sakoti, Tanda, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A Single storied House Property bearing Municipal No. 339, now Present No. 151, situated in Soti Ganj, Meerut, which was sold for Rs. 1,20,000/-.

B. C. CHATURYEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 2-2-1981

Scal:

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd February 1981

Ref. No. 389/Acq./Ghazlabad/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 24-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—
43—486GI/80

(1) Brijesh Kumar s/o Late Sri Kunj Bihari Lal r/o K. E. 13, Kavi Nagar, Ghaziabad, Mukhtar-am Sri Arun Patel s/o Sri Laxmi Dass Pate r/o New Civil Lines, Muradabad (U. P.). (Transferor)

(2) Smt. Sushil Tewatia w/o Sri Chandra Pal Singh Tewatia r/o IInd-C-98, Nehru Nagar, Ghaziabad, Teh. & Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. IIIrd-B-16, Area measuring 554 34 Sq. Mtrs., situated in Nehru Nagar, Ghaziabad, which was sold for Rs. 39912 48.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Kanpur,

Date: 2-2-1981

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th February 1981

Rof. No. 423/Acq./Meorut/80-81,—Whoreas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing.

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 13-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jugmander Das Singhal, Satya Prakash Singhal Anand Prakash Singhal and Sewa Ram Gupta s/o Sri Munshi Lal r/o Sharma Memorial, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Chowdhary Badan Singh s/o Sri Kanhaiya Singh and Sardar Singh s/o Sri Navab Singh r/o Muzwakipur, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

This is an Open Plot (Urban Property) bearing No. Nil, measuring 654 Sq. Yds., situated at Manoranjan Park, Civil Lines, Meerut, which was sold for Rs. 1,17,720/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th February 1981

Ref. No. 3113-A/Bulandshahar/80-81—Whereas I, B.C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. AS PER SCHEDULE and situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 19-6-1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he ransferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sant Ram s/o Sri Munshi Ram Saini r/o Civil Lines, Rajiway Crossing Chandpur Road, Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Pt. Ram Chandra Sharma s/o Sri Liladhar Sharma, r/o Shahjahanpur, Parg: Anoopshahar, Distt: Bulandshahar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storied House Property, bearing No. 111, situated in Mohalla: Civil Lines, Railway Crossing, Chandpur Road, Bulandshahar, which was sold for Rs. 30,000/- area measuring 135 Sq. Yards.

B.C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-2-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th February 1981

Ref. No. 392-B/Hapur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hapur on 3-6-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Firm Hapur Shugar Works, Meerut Road, Hapur, Distt. Ghaziabad through Sri J. K. Gupta s/o Laala Girdhari Lal r/o Khirki Bazar, Hapur, Distt. Ghaziabad, partner of above firm.

(Transferor)

(23 Hapur Khandsarl Udyog, Hapur, Distt. Ghaziabad through Sri Kailash Chand s/o Lala Faquir Chand Ji r/o Begum Bagb, Meerut City partner of above firm.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

This is a case of Property consisting as One Engine Room, Press Room, Filter Room, Distriliser Room, Godown, 20 Rooms, Boundary Walls, situated in Village: Chamari, Parg. & Teh. Hapur, Distt. Ghaziabad. It has also Telephones and Elcc. Connections, which was sold for Rs. 1,50,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-2-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th February 1981

Ref. No. 413-B/Acq./Hapur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 21-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Krishna Gopal s/o Lala Raja Ram, Smt. Krishna Kumari w/o Sri Krishna Gopal r/o Kasba: Hapur, Mohalla Gopipura Distt. Ghazlabad.

(Transferor)

(2) Smt. Chandra Kanta Agarwal w/o Hukam Chand Agarwal r/o Dhanpat Sadan Railway Road, Hapur, Distt. Ghaziabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

This is case of one Godown in the Shape of Shop bearing No. 1 & 2 alongwith Shutter, situated at Radha Ballabhpuri alias Acya Nagur, Hapur, Distt. Ghaziabad. The Land area is 166.89, which was sold for Rs. 68,000/- and covered area is 150 Sq. Yards.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-2-1981

#### FORM ITNS...

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th February 1981

Ref. No. 416-B/Dadri/80-81,—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 16-6-1980

#### for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bishan Chandra Lal, Kewal Krishna Lal s/o Ishwar Chandra Lal r/o Parg, Dhira Rajori Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Haryana General Finance Corporation Merchant Chamber branch Street, Bombay through Sri S. N. Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open Land situated in Chikamberpur, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad, which was sold for Rs. 46,811/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 10-2-1981

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th February 1981

Ref. No. 428/Acq./B/Mcerut/80-81,—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 28-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madan Lal s/o Sri Mangal Sen, Smt. Mohani Devi w/o Late Shri Sri Chandra, Sri Bal Mukand s/o Sri Mangal Sen and Dwarika Nath s/o Sri Lal Chand, r/o Mohalla Khandak, Meerut City.

(Transferor)

(2) Smt. Vimala Devi w/o Sri Ved Prakash r/o Khandak, Meerut City, Partner of Patel Textiles and Smt. Rama Devi w/o Sri Pradeep Kumar r/o Mohalla Gandhi Kunj, Hapur, Teh. Khas, Distt. Ghaziabad Partner of Patel Shuddh Bhandar, Hapur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Double storied House Property bearing Kadimi No. 223, 224 and Badahu No. 301/1, 2, 3 & 4 and Present No. 372 & 376, situated in Mohalla; Khandak, Meerut City, which was sold for Rs. 1,25,000/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 11-2-1981

Scal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th February 1981

Ref. No. 355-B/Meerut/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Meerut on 17-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Buddh Prakash s/o Late Lala Balwant Singhji r/o Kasba Modinagar, Teh. & Distt. Ghaziabad.
- (2) Shri Parmatma Sharan s/o Sri Radhey Shyam, Raj Baboo and Kamlesh Kumar, Jai Bhagwan, Pawan Kumar s/o Lala Radhey Shyam r/o 68, Anandpuri, Mcorut City, Sanjeev Kumar (Nabaligan) s/o Late Sri Lala Ishwar Chandra, vali Kudarti Smt. Rajesh Bala Mother self r/o 68, Anandpuri, Meerut City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## **SCHEDULE**

This is a case of Open Land cum Plot, measuring 1002 Sq. Yards, bearing Khasra No. 143 & 148, situated in Mauja: Hafizabad Mawia, Parg. & Teh. Distt Meerut, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-2-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

## Kanpur, the 12th February 1931

Ref. No. 445/Acq./Meerut/80-81.—Whereas I, B. C. CHA-; YEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed h reto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Meerut on 21-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44-486GT/80

Shri Jahir Ahmod, Nek Mohammed and Vali Mohammad s/o Sri Bashir Ahmed,
 r/o H. No. 53, Mohalla : Bagicha Mohammad Hussain Shahpir Gate, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Nasir A'ımed s/o Abdul Basit and Smt. Sakila Bano w/o Shri Nasir Ahmed r/o Bagicha Mohammad Hussain, Shahpir Gate, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One Kachcha and Pucca House bearing No. 53, Mohalla Bagicha Mohammad Hussain, Shahpir Gate, Meerut, which was sold for Rs. 50,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th February 1981

Ref. No. 476/Acq./Meerut/80-81.—Whereas i, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Meerut on 17-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Dharmwati D/o Late Sri Seth Ranjit Singh and W/o Shri Dharm Pal Rathi r/o 27, Thatherwara, Meerut.

  (Transferor)
- (2) Shri Ram Kumar s/o Sri Ram Gulam, Vijaibir Rastogi and Vinod Rastogi s/o Sri Ram Kumar and Smt. Vedwati w/o Sri Ram Kumar r/o 239, Chhatta Aliraja, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined ni Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A Double storied House Property bearing No. 29, Nashist gth No. 28 and Valambala 30 & 31 at present r/o 27 & 31, situated in Mohalia; Thatherwara, Meerut City, which was sold for Rs. 98,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Acquisition Range, Kanpur

Kanpur, the 12th February 1981

Ref. No. 403-B/Dadri/80-81,—Whereas 1, B. C. CHA-TURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 13-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Tarawati w/o Shri K. L. Mittal, Kashmiri Lal Mittal C/o Delhi Flour Mills Co. Ltd., Roshan Ara Road, Delhi-7 r/o E-29, N.D.S.E., Part-II (two), New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Jasbir Kaur w/o Sri Rajendra Singh, Rajendra Singh s/o Sri Balbir Singh r/o 9-Raj Block, Naveen Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

This is a case of House Property constructed on plot No. A/150, situated at Sector 7, Surya Nagar, Ghaziabad, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad, which was sold for Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-2-1981

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th February, 1981

Ref. No. 479-B/Meerut/80-81.—Whereas I, B. C. CHA-TURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mecrut on 21-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Rukmani Devi w/o Hukam Chand Maheshwari r/o Sarai Lal Dass, Mecrut and Rukmani Devi w/o Daulat Ram r/o Bramhpuri, Mecrut City.

(Transferor)

(2) Mohd. Islam s/o Sri Fahimuddin r/o Makhanpur, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 164, at present No. 77 (Part) situated at Smith Ganj at present Patel Ganj, Meerut City, which was sold for Rs. 74,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-2-1981

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Acquisition Range, Kanpur ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th February, 1981

Ref. No. 446/Acq./Meerut/80-81.—Whereas I, B. C. CHA-TURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 26-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Swaroop and Ramji Dass s/o Sri Tikaya Ram r/o Purwa Faiyaz Ali, Meerut City, Smt. Hamid Bano Aijaj Widow of Aijaj Ahmed self and Mukhtar-am minjanth Amir Aijaj s/o solf. (Transferor)
- (2) Shri Fasihuddin s/o Abdul Haquim, r/o Shah Natthen, Meerut City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A House Property (Single story) bearing No. 65, measuring 200 Sq. Yards, situated in Purwa Faiyaz Ali, Meerut City, which was sold for Rs. 49,000/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th February 1981

Ref. No. 353-B/Meerut/80-81.—Whereas I, B C. CHA-TURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 17-6-80

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chandra Prakash s/o Lala Balwant Singhji r/o Kasba : Modinagar, Teh. & Distt. Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Parmatma Sharan s/o Sri Radhey Shyam, Sri Raj Baboo and Sri Kamlesh Kumar, Jai Bhagwan and Pavan Kumar s/o Lala Radhey Shyam r/o 68, Anandpuri, Meerut City, Sanjeev Kumar (Nabalig) s/o Ishwar Chandra, Vuli Kudarati Smt. Rajesh Bala, Mother self r/o 68, Anandpuri, Meerut City. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

This is a case of Open Plot measuring 1002 Sq. Yards, bearing Khasra No. 143 & 148, situated in Mauja: Hafizabad Pewla, Parg. Teh. & Distt. Mecrut, which was sold for Rs. 45,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th February, 1981

Ref. No. 338-B/Meerut/80-81.-Whereas I, B. C. CHA-**TURVEDI** 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mcerut on 6-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tox Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Smt. Kusum Lata w/o Sri Shyam Sunder, Smt. Indra **(1)** Bala w/o Sri Sunder Lal r/o 85-A, Krishnapuri, Meerut City.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar s/o Late Sri Sita Ram r/o Mohalla: Krishnapuri, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hte service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

An Open Plot area measuring 256 Sq. Yds., bearing No. 59, situated in Mohalla: Krishnapuri, Meerut City, which was sold for Rs. 35,000/-.

> B. C. CHATURVEDI, Competent Auhoritity Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date 1 12-2-1981 Seal a

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th February, 1981

Ref. No. 357-B/Meerut/80-81.—Whereas I, B. C. CHA-TURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Meetit on 20-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sardar Faquir Singh s/o Sri Lal Chand r/o Mohalla : Soti Ganj, Meerut City.

(Transferor)

(2) Shri Islamauddin s/o Sri Mohammad Bax r/o Mohalla Soti Ganj, Mcerut City and Smt. Kashmiran Begum D/o Sri Khuda Bax Sakuna, Kota, Rajasthan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A Double storied House Property, bearing Municipal No 290/2, at present No. 123, situated in Mohalla : Soti Ganj'. Meerut City, which was sold for Rs. 65,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-2-1981

## FORM ITNS ----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th February 1981

Ref. No. 345-B/Meerut/80-81.—Whereas I, B. C. CHA-TURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Meerut on 7-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prithmi Chand Chadda s/o Late Sri Chetram r/o 140, Subhashpuri, Kasba: Kakarkhera, Parg. Teh. & Distt. Meerut, at present Address) 707, Civil Lines, Saket, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Joti Prasad s/o Late Sri Manak Chand Agarwal Jain r/o Village: Dadri, Parg: Daurala, Teh. Sardhana, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A House Property situated on Land area of 270 Sq. Yards, bearing No. 140 of Subhashpuri Kakarkhera, Parg. Teh. & Distt. Meerut, which was sold for Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-2-1981

Scal;

(Transferor)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# 1. Shri M.R. Gholap, 2. Shri A. K. Gholap, 3. Shri P. M. Gholap, 4. Shri S.A. Gholap, (2)

(2)

(1) Smt. Sarojini S. Patwardhan, and Shri Kumar S. Patwardhan,

38/7, Prabhat Road, Pune-4.

537, Budhwar Peth, Punc-2. (Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th January 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR, Haveli/July '80/496/80-81.--Whereas I, A,C. CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C.T.S. No. 38/18, F. P. No. 37/18 situated at Erandayane. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haveli-It on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at C.T.S. No. 38/18, F.P. No. 37/18, Erandavane. Pune.

Admn, 1078 60 sq. mts, with two buildings.

(Property as described in the sale-deed registered under document. No. 3044 dt. July, 1980 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II. Distt. Punc.)

> A. C. CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 29-1-81